CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 05-01-2026 Zone: Mahanagar Edition: 1 Page: NBTMAHFP User: cci Time: 01-04-2026 23:08 Color:

नई दिल्ली > सोमवार, 5 जनवरी 2026 > पौष 16 शक संवत 1947 माघ कृष्ण द्वितीया, विक्रम संवत 2082

WATCH GOD WATCHDOG

वर्ष 80, संख्या 4 > पेज 12 > मूल्य ₹5.00 या ₹10.00* द टाइम्स ऑफ इंडिया सहित

*मासिक खरीद पर ही लागू

www.nbt.in

NBT नवभारत टाइम्स

एनबीटी में विज्ञापन देने के लिए 18001205474 पर कॉल करें। नवभारत टाइम्स का अंक प्राप्त करने के लिए 18001200004 पर कॉल करें या subscribe.timesofindia.com पर जाएं।

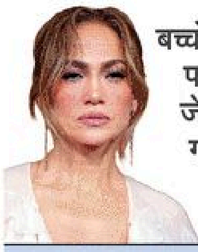

बच्चों की बात पर ऐक्ट्रेस जेनिफर हो गईं भावुक ▸p11

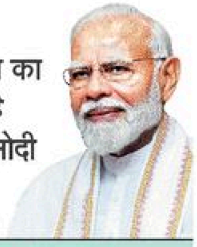

भारत की आत्मशक्ति का दिव्य रूप है सोमनाथ: मोदी ▸p6

द्विपक्षीय सैन्य सहयोग को मजबूत करने UAE गए सेना प्रमुख ▸▸ पेज 12

केरल में विपक्ष के नेता की बढ़ी मुश्किलें, सतीशन के खिलाफ CBI जांच ▸▸ पेज 7

IRCTC घोटाला केस में लालू की याचिका पर आज सुनवाई ▸▸ पेज 7

कोर्ट ने उपराष्ट्रपति को राष्ट्रपति की ज़िम्मेदारी संभालने को कहा

अमेरिका लाए गए वेनेज़ुएला के राष्ट्रपति, विवादित जेल में हैं बंद

■एपी/एएफपी, न्यू यॉर्क, वॉशिंगटन/काराकास

पद से हटाए गए साउथ अमेरिकी देश वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी सिलिया फ्लोरेस को अमेरिका के मैनहट्टन लाया गया। उन्हें लेकर एक विमान न्यू यॉर्क के पास एयरपोर्ट पर उतरा। इसके बाद हेलिकॉप्टर उन्हें लेकर मैनहट्टन पहुंचा। वहां से उन्हें बख्तरबंद गाड़ी से पास के ड्रग एनफोर्समेंट एडमिनिस्ट्रेशन' (DAE) ऑफिस ले जाया गया। शनिवार तड़के अमेरिका ने सैन्य अभियान के बाद वेनेजुएला से मादुरो और उनकी पत्नी को उनके घर से पकड़ लिया था। पकड़ने के बाद उन्हें एक अमेरिकी युद्धपोत पर ले जाया गया था।

वाइट हाउस ने निकोलस मादुरो का विडियो जारी किया है

वाइट हाउस के एक सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट किए गए विडियो में मादुरो मुस्कराते दिखाई दे रहे हैं। उन्हें दो DAE एजेंट बांहें पकड़े हुए ऑफिस के अंदर ले जा रहे थे। मादुरो को ब्रुकलिन जेल में रखा गया है। यह विवादित जेल मानी जाती है। अमेरिका में मादुरो को ड्रग्स से जुड़े आतंकवाद की साजिश के आरोप में केस का सामना करना पड़ेगा। वेनेजुएला की उपराष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगज ने अमेरिका से मादुरो को रिहा करने की मांग की। वेनेजुएला की अदालत ने उन्हें अंतरिम राष्ट्रपति के तौर पर पद संभालने का आदेश दिया। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा, 'हम वेनेजुएला के बचे हुए नेताओं के साथ काम करने को तैयार हैं, अगर वे सही फैसला लेते हैं।'

जांच अधिकारी वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को बांह पकड़कर ले जाते हुए विडियो में दिख रहे हैं।

AP, AFP

स्पेन में US एंबेसी के सामने प्रदर्शनकारी कार्टून लेकर पहुंचे, जिसमें ट्रंप को बैरल से तेल पीते दिखाया गया है।

US ने 150 विमानों का किया इस्तेमाल

ऑपरेशन में तहस-नहस घर।

अमेरिका ने वेनेजुएला के राष्ट्रपति को पकड़ने के लिए जो मिशन चलाया उसे 'ऑपरेशन एब्सॉल्यूट रिजॉल्व' नाम दिया था। अमेरिका की सेना ने सबसे पहले वेनेजुएला के एयर डिफेंस सिस्टम्स को ध्वस्त किया। इस मिशन को उसकी सेना की डेल्टा फोर्स ने अंजाम दिया। अमेरिका की एयर पावर ने उसका रास्ता साफ किया। इस अभियान में 150 से ज्यादा एयरक्राफ्ट शामिल थे। ड्रोन भी थे। (NBT)

वेनेज़ुएला में तनाव के बीच रही शांति

रविवार को वेनेजुएला में तनावपूर्ण शांति बनी रही। वेनेजुएला की राजधानी काराकास में रविवार को आम दिनों के मुकाबले खामोशी रही। सड़कों पर बहुत कम गाड़ियां नजर आईं। ज्यादातर स्टोर, पेट्रोल पंप और दूसरे कारोबार बंद रहे। शनिवार को अशांति की आशंका के बीच वेनेजुएला के लोग सामान जमा करने के लिए दुकानों और पेट्रोल पंपों के बाहर लंबी कतारों में दिखे।

अमेरिका की सैन्य कार्रवाई पर कई देशों ने जताई चिंता

चीन ने कहा, प्रेजिडेंट को तुरंत रिहा करे अमेरिका

चीन ने अमेरिका से कहा कि वह वेनेजुएला के अपदस्थ राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी को तुरंत रिहा करे। उसने बातचीत के जरिए मुद्दों को हल करने की अपील की। चीनी विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा, 'अपदस्थ राष्ट्रपति मादुरो और उनकी पत्नी को अमेरिका के जबरन हिरासत में लेकर देश से बाहर ले जाने पर चीन गहरी चिंता जताता है। यह कदम अंतरराष्ट्रीय कानून, अंतरराष्ट्रीय संबंधों के बुनियादी मानदंडों और संयुक्त राष्ट्र चार्टर के सिद्धांतों का सीधा उल्लंघन है।'

चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग

भारत बोला, बातचीत से सुलझाएं सारे मुद्दे

वेनेजुएला के घटनाक्रम पर रविवार को भारत ने चिंता जताई। विदेश मंत्रालय के बयान के मुताबिक, 'सरकार स्थिति पर करीबी नजर बनाए हुए है। भारत वेनेजुएला के लोगों की सुरक्षा और भलाई को लेकर समर्थन दोहराता है। हम सभी पक्षों से बातचीत के जरिए सभी मुद्दों को सुलझाने की अपील करते हैं।' वेनेजुएला की राजधानी काराकास में एंबेसी भारतीय समुदाय के संपर्क में है और उन्हें मदद देता रहेगा। ▸▸ पेज 12

कहा, भारतीय समुदाय की कर रहे मदद

अलग-अलग कमरों में मिली दोनों की बॉडी

शाहदरा में बुज़ुर्ग कपल का मर्डर, महिला के पहने हुए गहने गायब मिले

- वीरेंद्र कुमार बंसल रिटायर्ड टीचर थे।
- घर के आसपास लगे CCTV फुटेज की जांच की जा रही है।
- पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर लिया है।

वीरेंद्र और परवेश बंसल (दाएं)

■NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

यमुनापार के मानसरोवर पार्क में मौजूद राम नगर एक्सटेंशन में एक बुजुर्ग दंपती का शव घर के अलग-अलग कमरे में मिला। पुलिस ने दोनों की हत्या का अंदेशा जताया है। साथ ही उसने मर्डर में किसी करीबी के हाथ होने की बात कही है। घर में फ्रेंडली एंट्री पाई गई। बेटा देर रात घर आया तो वारदात का पता चला।

जान गंवाने वाले दंपती की पहचान वीरेंद्र कुमार बंसल (71) और परवेश बंसल (65) के तौर पर हुई है। शुरुआती जांच में पता चला कि परवेश बंसल ने जो गहने पहने थे, वे गायब हैं। पुलिस का कहना है कि फिलहाल पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है। हत्या का मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस हत्या समेत हर एंगल से मामले की जांच कर रही है। घर के आसपास लगे CCTV फुटेज की जांच की जा रही है।

देर रात बेटा घर आया तो माता-पिता की हत्या का चला पता

शाहदरा जिले के डीसीपी प्रशांत गौतम ने बताया कि 4 जनवरी की देर रात करीब रात 12:30 बजे पुलिस को कॉल मिली। कॉल करने वाले ने बताया कि उनके माता-पिता दोनों बेहोश पड़े हैं, शायद उनकी मौत हो गई है। ▸▸ पेज 3

बुजुर्ग के सिर पर भारी चीज से वार

जांच के दौरान पता चला कि वीरेंद्र कुमार बंसल के सिर पर किसी भारी चीज से वार किया गया था। परवेश बंसल के शरीर पर कोई बाहरी चोट के निशान नहीं मिले। आशंका जताई जा रही है कि उनका गला दबाकर हत्या की गई होगी। लूटपाट की बात से भी पुलिस ने इनकार नहीं किया है। बंसल दंपती अपने इकलौते बेटे वैभव के साथ रहते थे।

क्राइम और FSL टीम ने की जांच

जांच अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे। इस दौरान, पति-पत्नी का शव दो अलग-अलग कमरों में मिला। वीरेंद्र कुमार बंसल रिटायर्ड टीचर थे। दोनों को अस्पताल भेजा गया, लेकिन डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। इसके बाद क्राइम टीम और FSL टीम को मौके पर बुलाया गया। घटनास्थल की जांच की गई और तस्वीरें ली गईं। वैभव यौधा में जिम चलाते हैं। वहां पर वह जिम ट्रेनर भी है।

NBT नवभारत टाइम्स Wealth

क्या आपने NBT Wealth लिया?

पर्सनल फाइनैंस की खबरें आपकी भाषा हिंदी में।

हर सोमवार पढ़ें NBT Wealth सिर्फ 6 रुपये में

अपने वेंडर से संपर्क करें या 18001205474 पर भी कॉल कर सकते हैं।

NBT Wealth आपको कैसा लगता है, इसमें क्या पसंद आता है और क्या नहीं? क्या और चाहते हैं आप? ऐसे विचारों पर आप कॉल करके अपनी बात नोट करा सकते हैं। आपका संदेश संपादक तक पहुंच जाएगा।

कॉल करें 011-4978 0064 पर आज दिन में 11 से 12 बजे तक

फटाफट खबरें

आज से दिल्ली विधानसभा का सत्र

दिल्ली विधानसभा का शीतकालीन सत्र सोमवार से शुरू हो रहा है। 8 जनवरी तक चलने वाले इस सत्र में सरकार कैग रिपोर्ट के जरिए पूर्व मुख्यमंत्री के आवास, मोहल्ला क्लिनिक के साथ-साथ कथित फांसी घर के स्ट्रक्चर पर चर्चा करा सकती है। वहीं, पानी और प्रदूषण के मुद्दे पर विपक्ष हमलावर हो सकता है। ▸▸ पेज 4

होटल की 12वीं मंजिल से दी जान

दिल्ली के कनॉट प्लेस इलाके में रविवार को 45 साल के व्यक्ति ने 5 स्टार होटल की 12वीं मंजिल से कूदकर कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने बताया कि मृतक की पहचान लाजपत नगर निवासी परविंदर सिंह जुनेजा के रूप में हुई है। जुनेजा क्रिसमस के दौरान होटल में रुके थे, फिर चले गए थे। ▸▸ पेज 3

नॉर्थ कोरिया ने समुद्र में दागी मिसाइल

नॉर्थ कोरिया ने समुद्र में रविवार को बैलिस्टिक मिसाइल दागी। साउथ कोरिया के जॉइंट चीफ ऑफ स्टाफ ने कहा कि सेना को सुबह नॉर्थ कोरिया की राजधानी के इलाके से कई बैलिस्टिक मिसाइलें दागे जाने का पता चला।

नाइजीरिया में नाव पलटी, 25 की मौत

नॉर्थ नाइजीरिया के चौथे राज्य में एक यात्री नाव पलट गई, जिससे 25 लोगों की मौत हो गई, जबकि 14 अन्य लापता हैं। चौथे इमरजेंसी मैनेजमेंट एजेंसी ने रविवार को बताया कि नाव में सवार 52 यात्रियों में से 13 को बचा लिया गया है।

महाराष्ट्र में निकाय चुनाव 15 जनवरी को

कैंडिडेट जहां निर्विरोध जीते, वहां का चुनाव रद्द होः उद्धव

■पीटीआई, मुंबई

शिवसेना (UBT) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने रविवार को कहा कि महाराष्ट्र नगर निकाय चुनाव में जिन वॉर्ड में कैंडिडेट निर्विरोध जीते हैं, वहां चुनाव रद्द करके दोबारा से वोटिंग प्रक्रिया शुरू हो। निर्विरोध चुने गए अधिकतर उम्मीदवारों में सत्तारूढ़ गठबंधन में शामिल दलों के उम्मीदवार हैं। निकाय चुनाव 15 जनवरी को होने हैं।

महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के अध्यक्ष राज ठाकरे के साथ उद्धव ने दावा किया कि देश में माहौल ऐसा है, मानो लोकतंत्र पर भीड़तंत्र ने कब्जा कर लिया है। दोनों चचेरे भाइयों ने बृहन्मुंबई महानगरपालिका (BMC) चुनाव के लिए घोषणापत्र जारी किया। राज ठाकरे ने कहा कि मुंबई और राज्य के अन्य शहरों के मेयर मराठी ही होंगे। उद्धव ने कहा कि जब से शिंदे ने राज्य सरकार की बागडोर संभाली, BMC की संपत्ति ठेकेदारों पर लुटाई जा रही है।

PTI

शिवसेना (UBT) चीफ उद्धव ठाकरे और मनसे अध्यक्ष राज ठाकरे (दाएं)

CEC को ममता का पत्र, SIR बंद करने की मांग

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने राज्य में चल रहे वोटर समीक्षा (SIR) को तत्काल रोकने की मांग करते हुए मुख्य चुनाव आयुक्त (CEC) ज्ञानेश कुमार को पत्र लिखा है। उन्होंने चेतावनी दी है कि इससे लोकतांत्रिक नींव को अपूरणीय क्षति होगी और लोगों को वोट से वंचित होना पड़ेगा।

बांग्लादेश में हिंदू व्यापारी की हत्या में 3 गिरफ्तार

■**पीटीआई, ढाका :** बांग्लादेश में एक हिंदू व्यापारी पर धारदार हथियार से हमला करने और जलाकर मार डालने के मामले में रविवार को तीन लोगों को अरेस्ट किया गया। ढाका से करीब 100 किमी दूर शरीयतपुर जिले में बुधवार रात खोकन चंद्र दास (50) पर हमला किया गया था। शनिवार को उनकी मृत्यु हो गई थी। रैपिड ऐक्शन बटालियन (RAB) की एक टीम ने रविवार सुबह ढाका से करीब 100 किमी उत्तर-पूर्व में किशोरगंज से 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया। आरोपियों के नाम सोहाग खान, रब्बी मोल्ला और पलाश सरदार हैं। दवा की दुकान और मोबाइल बैंकिंग का कारोबार करने वाले दास एक ऑटो-रिक्शा से जा रहे थे, तभी हमलावरों ने पिटाई की, धारदार हथियारों से हमला किया और फिर सिर पर पेट्रोल डालकर आग लगा दी थी।

धारदार हथियार से से हमले के बाद जलाकर की थी हत्या

अंकिता भंडारी मर्डर केस में दिल्ली तक प्रदर्शन, 11 को उत्तराखंड बंद का ऐलान

PTI

देहरादून के परेड ग्राउंड में जुटे प्रदर्शनकारी CM आवास की ओर जाने लगे तो पुलिस से भिड़ंत हुई।

- अंकिता भंडारी मर्डर केस में रविवार को उत्तराखंड से दिल्ली के जंतर मंतर तक प्रदर्शन हुए।
- पौड़ी के रिजॉर्ट में 18 सितंबर 2022 को हुए अंकिता मर्डर केस की CBI जांच की मांग हो रही है।
- दिल्ली के जंतर मंतर पर काफी लोग जुटे और 11 जनवरी को उत्तराखंड बंद का ऐलान किया गया है। ▸▸ पेज 7

दिल्ली का AQI 307

फिर बढ़ा प्रदूषण, 10 दिनों तक ऐसा ही रहेगा हाल

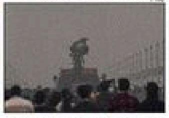

File

■**NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली :** दो दिन बाद रविवार को प्रदूषण का स्तर एक बार फिर बढ़कर बेहद खराब हो गया। हवा की कम रफ्तार की वजह से यह इजाफा हुआ है। अनुमान है कि अगले 10 दिनों तक इसका स्तर बेहद खराब ही रहने वाला है। AQI 401 या इससे अधिक होने पर GRAP-3 लगाया जाता है। रविवार को दिल्ली का AQI 307 रहा। फरीदाबाद का 215, गाजियाबाद का 298, ग्रेटर नोएडा का 316, गुरुग्राम का 333 और नोएडा का 307 रहा। 40 में से 26 जगहों पर प्रदूषण का स्तर बेहद खराब रहा। 10 जगहों पर यह खराब और दो जगहों पर यह सामान्य स्तर पर रहा। ▸▸ पेज 2

हैपी मॉर्निंग

पिंकू : देख यार, इसे पिछले 8 साल से नहीं पहना फिर भी इसकी फिटिंग वैसी की वैसी ही है...

टिंकू : कुछ तो ऊपर वाले का खौफ कर... ये शॉल है।

मौसम

अधिकतम तापमान 17.3°

न्यूनतम तापमान 7.4°

सूर्यास्त सोमवार 5:39 | सूर्योदय मंगलवार 7:15

6 जनवरी तक दिल्ली के कुछ इलाकों में शीत लहर की आशंका।

रहमान के बाद फैसला IPL की टीम कोलकाता नाइट राइडर्स ने बांग्लादेश के तेज गेंदबाज को कर दिया था रिलीज

T20 वर्ल्ड कप खेलने भारत नहीं आएगी बांग्लादेश की टीम, सुरक्षा का दिया हवाला

■पीटीआई, ढाका

अगले महीने होने वाले T20 वर्ल्ड कप में बांग्लादेश की क्रिकेट टीम भारत में नहीं खेलेगी। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (BCB) ने सुरक्षा और अपनी सरकार का हवाला देकर टीम को भारत नहीं भेजने का फैसला किया है। IPL की टीम कोलकाता नाइट राइडर्स (KKR) की ओर से बांग्लादेश के तेज गेंदबाज मुस्ताफिजुर रहमान को रिलीज करने के बाद यह फैसला लिया गया। भारतीय क्रिकेट बोर्ड के निर्देश पर रहमान को रिलीज किया गया था।

रहमान को IPL से बाहर किए जाने के बाद BCB ने शनिवार रात मीटिंग बुलाई। इसके बाद रविवार को बताया कि राष्ट्रीय टीम 7 फरवरी से शुरू होने वाले T20 वर्ल्ड कप के लिए भारत नहीं जाएगी। BCB ने एक बयान में कहा, 'बोर्ड ने पिछले 24 घंटों के घटनाक्रम को ध्यान में रखते हुए स्थिति की समीक्षा की। भारत में खेले जाने वाले मैचों में टीम की भागीदारी से जुड़े मौजूदा परिस्थितियों पर गहरी चिंता जताई है। भारत में बांग्लादेश की टीम की सुरक्षा को लेकर बढ़ती चिंताओं और बांग्लादेश सरकार की सलाह पर निदेशक मंडल ने फैसला किया है कि टीम टूर्नामेंट के लिए भारत नहीं जाएगी।' ▸▸ पेज 10

अगर बांग्लादेशी क्रिकेटर कॉन्ट्रैक्ट में होने पर भी भारत में नहीं खेल सकता, तो टीम वर्ल्ड कप खेलने भारत जाने में सुरक्षित महसूस नहीं कर सकती।

-आसिफ नजरूल, खेल मंत्रालय के सलाहकार (बांग्लादेश)

File

श्रीलंका में मैच चाहता है बांग्लादेश

बांग्लादेश ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (ICC) से गुजारिश की है कि उसके मैचों को भारत के बाहर कराया जाए। बांग्लादेश को लीग फेज के अपने चारों मैच भारत में खेलने हैं। टूर्नामेंट में तीन ग्रुप मैच कोलकाता में और एक मुंबई में खेलना है। पाकिस्तान के साथ हुए समझौते की तरह बांग्लादेश भी चाहता है कि उसके मैच टूर्नामेंट की मेजबानी करने वाले दूसरे देश श्रीलंका में ट्रांसफर कर दिए जाएं। T20 वर्ल्ड कप 7 फरवरी से 8 मार्च तक खेला जाएगा।

गुरमीत राम रहीम को फिर 40 दिन की मिली परोल

■**NBT न्यूज, चंडीगढ़ :** अपनी दो शिष्याओं से रेप में 20 साल की जेल की सजा काट रहे डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम सिंह को रविवार को फिर 40 दिन की परोल मिल गई। राम रहीम अभी हरियाणा में रोहतक के सुनारिया जेल में बंद है। इससे पहले पिछले साल अगस्त में 40 दिन की परोल मिली थी। इस हालिया परोल से पहले राम रहीम 2017 में दोषी ठहराए जाने के बाद से 14 बार जेल से बाहर आ चुका है। शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक समिति जैसी संगठनों ने राहत दिए जाने की आलोचना की है। जेल से बाहर आने के बाद वह कई बार बागपत स्थित डेरे के आश्रम में रहा।

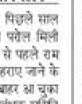

राम रहीम

नोएडा में MNC में ब्रांच मैनेजर थे

कोरिया के युवक की हत्या, लिव-इन पार्टनर गिरफ्तार

■NBT न्यूज, ग्रेटर नोएडा

नोएडा के सेक्टर-150 की एटीएस पायस हाइडवे सोसायटी में सैमसंग कंपनी के ब्रांच मैनेजर कोरियाई नागरिक डक ही युह (Duck Hee Yuh) की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। लिव-इन पार्टनर मणिपुर निवासी युवती पर हत्या करने का आरोप है। वह गंभीर हालत में कोरियाई नागरिक को कासना के निम्स अस्पताल लेकर पहुंची थी। अस्पताल ने रविवार को पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद नॉलेज पार्क पुलिस ने युवती को अरेस्ट किया। अडिशनल डीसीपी सुधीर कुमार ने बताया कि युह सैमसंग में ब्रांच मैनेजर थे। वह मणिपुर की लुंजियाना पामई के साथ लिव-इन रिलेशनशिप में डेढ़ साल से रह रहे थे। ▸▸ पेज 3

पार्टी के दौरान हुआ झगड़ा तो युह के सीने में चाकू मारा: पुलिस

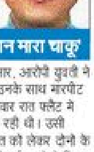

पार्टी के दौरान मारा चाकू

पुलिस के अनुसार, आरोपी युवती ने बताया कि युह उनके साथ मारपीट करता था। शनिवार रात फ्लैट में शराब पार्टी चल रही थी। उसी दौरान किसी बात को लेकर दोनों के बीच कहासुनी हो गई। नशे में विवाद इतना बढ़ गया कि गुस्से में युवती ने युह के सीने में चाकू मार दिया।

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 05-01-2026 Zone: Mahanagar Edition: 1 Page: NBTMAH10 User: cci Time: 01-04-2026 22:36 Color:

सिडनी क्रिकेट ग्राउंड की पिच अच्छी दिख रही है। यहां टेस्ट मैच की जैसी शुरुआत हुई है उसको देखकर लग रहा है कि हम पूरे पांच दिनों का टेस्ट मैच देखने जा रहे है। - माइकल वॉन, पूर्व कप्तान, इंग्लैंड क्रिकेट टीम

57

टेस्ट एशेज सीरीज के खेले गए हैं सिडनी क्रिकेट ग्राउंड में। इनमें से 27 ऑस्ट्रेलिया ने जबकि 22 इंग्लैंड ने जीते हैं। आठ टेस्ट मैच ड्रॉ रहे हैं

स्पोर्ट्स QUIZ

इस पेज पर छपी खबरों में ही इन सवालों का जवाब है।

1. सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर ऑस्ट्रेलिया ने एशेज सीरीज के कितने मैच जीते हैं?
A) 27 B) 22 C) 30 D) 45
2. जो रूट ने अपने टेस्ट करियर में अब तक कितनी हाफ सेंचुरी जड़ी हैं?
A) 15 B) 50 C) 67 D) 33

कल के जवाब
1. C) 11 जनवरी 2. B) विदर्भ

लकी WINNER

1. डॉ. देवराज जैन, रोहिणी, नई दिल्ली
2. दिनेश प्रभुनाथ वर्मा, जोगेश्वरी, मुंबई
3. राकेश कुमार जैन, गुड़गांव, हरियाणा

आप अपने जवाब हमें **9319282367** पर अपने नाम, तस्वीर और शहर/गांव के नाम के साथ वॉट्सऐप करें। एक 'लकी विनर' का नाम और तस्वीर हम कल के अंक में छापेंगे। दो अन्य विजेताओं के नाम भी प्रकाशित होंगे।

भारत के बाहर मैच शिफ्ट हुए तो बदलना पड़ सकता है टी20 वर्ल्ड कप का शेड्यूल

बांग्लादेश ने ICC के पाले में डाली गेंद

FILE

■एजेंसियां, ढाका/नई दिल्ली: बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (BCB) ने अपनी सरकार के निर्देश पर आधिकारिक बयान जारी करते हुए अगले टी20 वर्ल्ड कप के अपने मैच भारत से बाहर कराने का आग्रह किया है। उसने इंटरनैशनल क्रिकेट काउंसिल (ICC) को अपने फैसले से अवगत करा दिया है। गेंद अब ICC के पाले में है। उसको इस मुद्दे पर ध्यान देना होगा क्योंकि बांग्लादेश को लीग स्टेज के अपने चारों मैच भारत में खेलने हैं। पाकिस्तान के साथ हुए समझौते की तरह बांग्लादेश भी चाहता है कि उसके सभी मैच टूर्नामेंट के सह-मेजबान श्रीलंका में स्थानांतरित कर दिए जाएं। BCB के बयान के मुताबिक, 'BCB ने वर्ल्ड कप के आयोजक ICC से औपचारिक रूप से अनुरोध किया है कि वह बांग्लादेश के सभी मैचों को भारत के बाहर किसी अन्य स्थान (सह-मेजबान श्रीलंका) में स्थानांतरित करने पर विचार करे।' BCB को उम्मीद है कि ICC इस मामले पर तत्काल प्रतिक्रिया देगी। अगर ICC बांग्लादेश बोर्ड के फैसले को मान लेती है, तो उसको टी20 वर्ल्ड कप के शेड्यूल में परिवर्तन करना पड़ सकता है।

टी20 वर्ल्ड कप 2026

फेसबुक पेज पर कर दी घोषणा: BCB द्वारा बयान जारी करने से पहले ही बांग्लादेश सरकार के सलाहकार आसिफ नजरुल ने फेसबुक पर घोषणा कर दी कि बोर्ड ने भारत में अपनी टीम नहीं भेजने का फैसला कर लिया है। उनके बंगाली भाषा में साझा पोस्ट में लिखा, 'बांग्लादेश वर्ल्ड कप खेलने के लिए भारत नहीं जाएगा। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने आज यह निर्णय लिया है। हम भारतीय क्रिकेट बोर्ड की हिंसक सांप्रदायिक नीति के संदर्भ में लिए गए इस निर्णय का स्वागत करते हैं।' BCB की आपातकालीन बैठक के बाद नजरुल ने बोर्ड को निर्देश दिया कि वह जय शाह के नेतृत्व वाली ICC से बांग्लादेश के चार लीग मैचों (कोलकाता में तीन और मुंबई में एक) को श्रीलंका में स्थानांतरित करने का अनुरोध करे। नजरुल ने अपने फेसबुक पेज पर बंगाली में लिखा, 'खेल मंत्रालय के प्रभारी सलाहकार के रूप में मैंने क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड को निर्देश दिया है कि वह इस पूरे मामले को लिखित रूप में ICC को स्पष्ट करे। बोर्ड को यह स्पष्ट करना होगा कि कॉन्ट्रैक्ट होने के बावजूद अगर कोई खिलाड़ी भारत में नहीं खेल सकता तो बांग्लादेश की नैशनल टीम वर्ल्ड कप खेलने के लिए भारत की यात्रा करने में सुरक्षित महसूस नहीं कर सकती। मैंने बोर्ड को यह भी निर्देश दिया है कि वह औपचारिक रूप से अनुरोध करे कि बांग्लादेश के वर्ल्ड कप मैच श्रीलंका में आयोजित किए जाएं।'

मुस्तफिजुर मामले के बाद आया रिऐक्शन: शाहरुख खान के सह-स्वामित्व वाली कोलकाता नाइटराइडर्स ने बीसीसीआई के निर्देश के बाद बांग्लादेश के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज को 'रिलीज' कर दिया गया था। फ्रेंचाइजी ने पिछले महीने अबू धाबी में हुई नीलामी में मुस्ताफिजुर को 9.20 करोड़ रुपये में खरीदा था। बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना को सत्ता से बेदखल किए जाने के बाद दोनों देशों के बीच संबंध तनावपूर्ण हो गए। हसीना पिछले साल अगस्त में सरकार विरोधी प्रदर्शनों के बाद भारत आ गई थीं।

लिटन की अगुआई में टीम की भी घोषणा हुई

बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने टी20 वर्ल्ड कप के लिए लिटन दास की अगुआई वाली 15 सदस्यीय टीम का भी ऐलान कर दिया है। फास्ट बोलर तस्किन अहमद हाल में आयरलैंड सीरीज से बाहर रहने के बाद टीम में वापस आए हैं। टीम में मुस्ताफिजुर रहमान भी हैं जिन्हें कोलकाता नाइटराइडर्स ने अपनी आईपीएल टीम से रिलीज कर दिया था और उसके बाद सारा विवाद शुरू हुआ।

बांग्लादेश की टी20 टीम
लिटन दास (कप्तान), मोहम्मद सैफ हसन (उप-कप्तान), तौहिद हसन, परवेज हुसैन इमॉन, तौहीद हृदय, शमीम हुसैन, काजी नुरुल हसन, मेहदी हसन, रिशद हुसैन, नसुम अहमद, मुस्ताफिजुर रहमान, तंजीम हसन साकिब, तस्किन अहमद, मोहम्मद सैफुद्दीन, शोरिफुल इस्लाम।

बांग्लादेश की टी20 टीम की कमान संभालेंगे लिटन दास

भारत के खिलाफ कोई मुकाबला नहीं

NBT Lens खबरों के अंदर की बात

बांग्लादेश को अगले टी20 वर्ल्ड कप में ग्रुप-सी में रखा गया है। उसके साथ इस ग्रुप में इंग्लैंड, वेस्टइंडीज, नेपाल और इटली भी हैं। ग्रुप स्टेज में उसे कुल चार मैच भारत में खेलने हैं और इनमें से कोई भारत के खिलाफ नहीं है। बांग्लादेश को वर्ल्ड कप के शुरुआती दिन है अपना पहला मैच खेलना है। बांग्लादेश के चार लीग मैच में से तीन वेस्टइंडीज (7 फरवरी), इटली (9 फरवरी), इंग्लैंड (14 फरवरी) के खिलाफ कोलकाता में हैं। उनका आखिरी मैच नेपाल (17 फरवरी) के खिलाफ मुंबई में होगा। बांग्लादेश ने यह सवाल उठाकर कि जब एक खिलाड़ी (मुस्ताफिजुर रहमान) की सुरक्षा नहीं मिल सकती तो पूरी टीम की सुरक्षा को लेकर वह कैसे निश्चित हो सकता है, ICC को पसोपेश में डाल दिया है।

रूट-ब्रुक ने पहले दिन दिलाई बढ़िया शुरुआत

ऑस्ट्रेलिया Vs इंग्लैंड
पांचवां टेस्ट, पहला दिन

67 वां टेस्ट फिफ्टी बनाई जो रूट ने जबकि हैरी ब्रुक ने 15वीं बार टेस्ट में अपना अर्धशतक पूरा किया

139 साल बाद यह पहली बार है जब ऑस्ट्रेलिया ने सिडनी में किसी स्पेशलिस्ट स्पिनर को इलेवन में नहीं रखा

ब्रीफ स्कोर
इंग्लैंड (पहली पारी): 45 ओवर्स में 211/3* (हैरी ब्रुक 78*, जो रूट 72*, माइकल नेसर 1/36, मिचेल स्टार्क 1/53)

■एजेंसियां, सिडनी: जो रूट और हैरी ब्रुक के बीच 154* रन की अटूट साझेदारी से इंग्लैंड ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांचवें और अंतिम एशेज क्रिकेट टेस्ट के पहले दिन खराब रोशनी के कारण खेल रोके जाने तक तीन विकेट पर 211 रन बनाए। इस मैच में बोंडी आतंकी हमले के पीड़ितों और 'फर्स्ट रिस्पॉन्डर्स' को मैदान पर श्रद्धांजलि दी गई। रूट (72* रन, 103 बॉल, 8 फोर) और ब्रुक (78* रन, 92 बॉल, 6 फोर, 1 सिक्स) उस समय एक साथ आए जब इंग्लैंड की टीम 57 रन तक तीन विकेट गंवाकर संकट में थी। रूट और ब्रुक की यह साझेदारी मौजूदा सीरीज में मेहमान टीम की ओर से सर्वश्रेष्ठ साझेदारी है। खराब रोशनी और बारिश के कारण चाय के विश्राम से ठीक पहले खेल रोक दिया गया और फिर मैच दोबारा शुरू नहीं हो सका।

तेज गति से रन बनाए: रूट और ब्रुक दोनों ने उसी ओवर में अपने अर्धशतक पूरे किए जिसमें उनकी शतकीय साझेदारी पूरी हुई। ऑस्ट्रेलिया के गेंदबाजों को पिच से अधिक मदद नहीं मिल रही थी जिससे इस जोड़ी की बदौलत इंग्लैंड ने नियंत्रण बनाया। रूट ने 65 गेंद में अपना 67वां जबकि ब्रुक ने 63 गेंद में 15वां अर्धशतक पूरा किया। इंग्लैंड ने सुबह के सेशन में जल्दी-जल्दी तीन विकेट खो दिए। बेन डकेट और जैक क्राउली ने मेहमान टीम को तेज शुरुआत दी थी। मिचेल स्टार्क ने 35 रन के स्कोर पर डकेट (27) को विकेटकीपर एलेक्स कैरी के हाथों कैच कराके सीरीज का अपना 27वां विकेट हासिल किया।

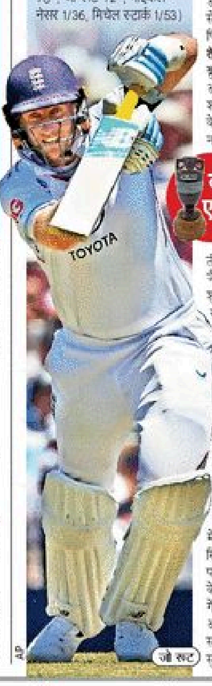

द एशेज

जो रूट

आठ गेंद में दो विकेट: इसके बाद ऑस्ट्रेलिया ने आठ गेंद में दो विकेट लिए। माइकल नेसर ने क्राउली (16) को एलबीडब्ल्यू किया जबकि स्कॉट बोलैंड ने जैकब बेथेल (10) को विकेटकीपर के हाथों कैच कराया। ऑस्ट्रेलिया ने इलेवन में एक बदलाव करते हुए ऑलराउंडर ब्यू वेब्स्टर को जाय रिचर्डसन की जगह इस सीरीज में पहली बार खेलने का मौका दिया। स्पिनर टॉड मर्फी को जगह नहीं मिल पाई। चौथे टेस्ट के दौरान गस एटकिंसन के चोटिल होने के बाद इंग्लैंड ने तेज गेंदबाज मैथ्यू पॉट्स को शामिल किया। ऑस्ट्रेलिया सीरीज में 3-1 की बढ़त के साथ पहले ही एशेज अपने पास रखना सुनिश्चित कर चुका है।

फटाफट खबरें

सिंड्रेला और दिव्यांशी जीते
■ बड़ोदरा: सिंड्रेला दास, दिव्यांशी भौमिक और जापान की मिकू मात्सुशिमा ने 'डब्ल्यूटीटी यूथ कंटेंडर' 2026 में लड़कियों के अंडर-19 सिंगल्स में अपने-अपने अभियान की जीत से शुरुआत की। सिंड्रेला ने अंकिरिमता महतो को 11-7, 11-7, 11-8 से हराया, जबकि दिव्यांशी ने श्रेष्ठा कोथम को 11-4, 11-3, 11-7 से मात दी। मिकू ने गुंजन कुमार पर 11-3, 11-6, 11-4 से जीत दर्ज की।

रेफरी पैनल पर विवाद
■ नई दिल्ली: चंडीगढ़ विश्वविद्यालय में पांच जनवरी से होने वाली अखिल भारतीय अंतर-विश्वविद्यालय कुश्ती चैंपियनशिप पर अनिश्चितता के बादल छा गए हैं क्योंकि मेजबान विश्वविद्यालय ने भारतीय कुश्ती महासंघ द्वारा सुझाए गए रेफरी पैनल से अलग पैनल चुना है, जिसके कारण राष्ट्रीय महासंघ ने तकनीकी अधिकारियों को भेजने से मना कर दिया है।

बंगाल टाइगर्स की महिला, पुरुष टीमों ने दर्ज की जीत

■एजेंसियां, नई दिल्ली: महिला हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) के आठवें मैच में श्राची बंगाल टाइगर्स ने मेजबान रांची रॉयल्स को 1-0 से मात दी। इस मुकाबले का इकलौता गोल अमरिटना गोरजेलानी ने दागा, जिनके गोल की मदद से टीम को तीन अंक मिले। इसी के साथ श्राची बंगाल टाइगर्स पॉइंट्स टेबल में दूसरे पायदान पर पहुंच गई है। मरांग गोमके जयपाल सिंह एस्ट्रो टर्फ हॉकी स्टेडियम में खेले गए इस मैच में रांची रॉयल्स ने मुकाबले की शुरुआत में ही मिडफील्ड पर दबदबा बनाते हुए खेल की गति को नियंत्रित किया। पहले क्वॉर्टर में उन्हें पांच पेनल्टी कॉर्नर और सात सर्कल पेनिट्रेशन मिले, लेकिन श्राची के गोलकीपर जेनिफर रिजो ने शानदार बचाव किए।

अमरिटना गोरजेलानी ने दागा विजयी गोल

हॉकी इंडिया लीग

मैंस टीम की भी जीत: दूसरी ओर, मैंस एचआईएल में भी गत चैंपियन श्राची बंगाल टाइगर्स ने चेन्नै में हुए मैच में जेएसडब्ल्यू सूरमा क्लब पर 3-1 की शानदार जीत के साथ अभियान की शुरुआत की। टाइगर्स के लिए सुखजीत सिंह (33वें मिनट), अभिषेक (45वें) और गुरसेवक सिंह (60वें) ने गोल किए जबकि प्रभजोत सिंह (54वें) ने सूरमा के लिए एक गोल किया। पहला क्वॉर्टर बराबरी का रहा जिसमें दोनों टीमें गोल करने की कोशिश कर रही थीं। सूरमा ने टाइगर्स के डिफेंस को फैलाने की कोशिश की। लेकिन टाइगर्स तेज 'काउंटर-अटैक' पर निर्भर रही। निकोलस पोंसलेट और टॉमी विलेम्स के कुछ अच्छे मूव के बावजूद पहले 15 मिनट में कोई भी टीम मौका नहीं बना पाई।

ओलिंपिक्स मेज़बानी की मज़बूती से तैयारी कर रहा है भारत: पीएम

■एजेंसियां, वाराणसी: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कहा कि पिछले साढ़े 11 वर्षों में सरकार ने देश में खेलों के क्षेत्र में व्यापक बदलाव करते हुए 20 से अधिक प्रमुख अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट आयोजित किए हैं और भारत 'पूरी मजबूती से' 2036 के ओलिंपिक्स की मेजबानी की भी तैयारी कर रहा है। वाराणसी में रविवार से शुरू हुई 72वीं सीनियर नैशनल वॉलीबॉल चैंपियनशिप के उद्घाटन कार्यक्रम से ऑनलाइन जुड़े पीएम ने कहा कि पिछले एक दशक में कई शहरों में फीफा अंडर-17 वर्ल्ड कप और हॉकी वर्ल्ड कप समेत 20 से अधिक प्रमुख अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट आयोजित किए गए हैं।

उन्होंने कहा, '2030 के राष्ट्रमंडल खेल भी भारत में ही होने जा रहे हैं। भारत पूरी मजबूती से ओलिंपिक्स की मेजबानी की भी तैयारी कर रहा है। इसके पीछे प्रयास है कि ज्यादा से ज्यादा खिलाड़ियों को खेलने के अधिक से अधिक मौके मिलें।'

> पहले खेलों को लेकर सरकार और समाज दोनों में ही उदासीनता का माहौल था। बहुत कम युवा खेल को करियर की तरह अपनाते थे, लेकिन बीते दशक में खेलों को लेकर सरकार और समाज दोनों की ही सोच में बदलाव दिख रहा है। - नरेंद्र मोदी, पीएम

डेमियन मार्टिन की स्थिति में चमत्कारिक सुधार: गिलक्रिस्ट

■एजेंसियां, नई दिल्ली: मेनिनजाइटिस से पीड़ित होकर गंभीर हालत में पहुंचे ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर डेमियन मार्टिन को लेकर राहत भरी खबर मिली है। मार्टिन कोमा से बाहर आ गए हैं और बातचीत भी कर पा रहे हैं। मार्टिन के परिवार की ओर से जारी बयान में करीबी दोस्त और एडम गिलक्रिस्ट ने कहा, 'पिछले 48 घंटों में घटनाओं में अविश्वसनीय मोड़ आया है। मार्टिन अब बात कर पा रहे हैं। कोमा से बाहर आने के बाद से उन्होंने असाधारण रूप से अच्छी प्रतिक्रिया दी है।'

पूर्व क्रिकेटर पर राहत भरी खबर

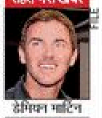

डेमियन मार्टिन

आर्सेनल की जीत में राइस ने दागे 2 गोल

■एपी, लंदन: डेकलान राइस के दो गोल की मदद से आर्सेनल ने पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए बोर्नमाउथ को 3-2 से हराकर इंग्लिश प्रीमियर लीग फुटबॉल टूर्नामेंट में छह अंक की बढ़त बना ली। इंग्लैंड के मिडफील्डर राइस ने दूसरे हाफ में दो गोल दागकर आर्सेनल की जीत सुनिश्चित की। घुटने की चोट के कारण शुरुआत में राइस के खेलने पर संदेह था, लेकिन उन्होंने शानदार वापसी की। आर्सेनल की ओर से गैब्रिएल मेगलहाइस ने भी एक गोल किया। बोर्नमाउथ के लिए इवानिल्सन और एली जूनियर क्रोपी ने गोल दागे।

फुटबॉल कॉर्नर

डेकलाइन राइस

अटलांटा से हारा रोमा
मिलान: जियान पिएरो गैस्पेरिनी के वापसी मुकाबले में रोमा को सिरी-ए फुटबॉल टूर्नामेंट में अटलांटा के खिलाफ 0-1 से शिकस्त झेलनी पड़ी। मैच का एकमात्र गोल 12वें मिनट में निकोलो स्केलविनी ने किया। इस जीत से अटलांटा की टीम आठवें स्थान पर पहुंच गई।

सेनेगल क्वॉर्टर फाइनल में
रबात (मोरक्को): सादियो माने की अगुआई में सेनेगल ने सूडान को 3-1 से हराकर अफ्रीका कप ऑफ नेशंस फुटबॉल टूर्नामेंट के क्वॉर्टर फाइनल में जगह बनाई। वर्ष 2019 और 2022 के अफ्रीका के सर्वश्रेष्ठ फुटबॉलर रहे सादियो ने निलंबित कप्तान कालिदौ कोलिबाली की गैरमौजूदगी में टीम के अपने साथियों के लिए कई मौके बनाए।

12 राशियां और आपका दिन

ARIES 21 Mar - 19 Apr
आज का दिन आपके लिए मिश्रित फलकारक है। समाज के बीच आपके मान-सम्मान की वृद्धि होगी तथा रुके हुए कार्य भी आज के दिन बन जाएंगे। आज के दिन धार्मिक यात्रा का प्लान प्लान होकर स्थगित होगा। शुभ व्यय कीर्ति की वृद्धि होगी। संतान पक्ष से शुभ समाचार मिलेगा और मन को संतोष मिलेगा।

TAURUS 20 Apr - 19 May
राशि का स्वामी शुक्र नवम भाग्य भाव में राज्य मान-प्रतिष्ठा की वृद्धि कारक है। चंद्रमा तृतीय भाव में मजबूत सकारात्मक विस्तार और लाभदायक महान व्यक्तियों की कृपा से धन लाभ कराएगा। अच्छा मौका आपके आसपास है, बस उसे पहचानना आपके हाथों में है। आज की गई यात्रा सफल होगी।

GEMINI 21 May - 21 Jun
आपकी राशि का स्वामी बुध धनु राशि सूर्य के साथ अष्टम भाव में उदय चल रहा है। आज के दिन आपके विरोधी कार्यक्षेत्र में आपकी बाधा बनेंगे। आप किसी फिजूल की चिंता को लेकर परेशान भी रहेंगे। व्यवसाय में विशेष सावधानी बरतें और जोखिम के कामों से दूर रहें, अन्यथा आगे चलकर पछताएंगे।

CANCER 22 Jun - 22 Jul
आज का दिन आपके लिए सुख-शांति का रहेगा। पिछले कई दिनों से चल आ रहा तनाव आज कुछ कम हो जाएगा और आप नई ऊर्जा से भर जाएंगे। राशि का स्वामी चंद्रमा चतुर्थ भाव में पराक्रम वृद्धि और कोर्ट-कचहरी में विजय कारक है। राशि पर मिथुन राशि का कुछ परिजनों को रोग मुक्त रहेगा।

LEO 23 Jul - 22 Aug
आपकी राशि का स्वामी सूर्य पंचम भाव में धनु राशि पर होकर संचार कर रहा है। चंद्रमा द्वादश भाव में आकस्मिक बड़ी मात्रा में लाभ कराकर कोष वृद्धि करेगा। सायंकाल के समय हर्षदायक समाचार मिलेगा। राशि में किसी मंगलमय समारोह में सम्मिलित होने का अवसर मिल सकता है।

VIRGO 23 Aug - 22 Sep
आज का दिन आपके स्वास्थ्य एवं सुख पर कारोबार में सुधार का दिन है। इच्छित धन लाभ होने से आपका मनोबल बढ़ेगा। पत्नी व संतान पक्ष से संतोषजनक समाचार से हर्षित होंगे। दांपत्य जीवन में सुखद स्थिति रहेगी। विरोधियों से अकारण दूर रहने का दिन है, लाभ उठाएं।

LIBRA 23 Sep - 22 Oct
आपकी राशि के स्वामी शुक्र का धनु राशि में प्रवेश हो चुका है। राजनीतिक क्षेत्र में कार्य करने का अवसर प्राप्त होगा। सांसारिक सुख-भोगों का विस्तार होगा तथा परिवार में हर्ष-मंगलमय परिवर्तन होने से आप प्रसन्न रहेंगे। राशि में किसी विशेष समारोह में शामिल होंगे। आज के दिन किसी महान व्यक्ति के मिलने से बहुत समय से स्थगित चल रहे महत्वपूर्ण कार्य में गति आएगी।

SCORPIO 23 Oct - 21 Nov
आज का दिन तनाव मुक्त रहेगा। आपकी राशि से पंचम शनि योग बना हुआ है। अतः विवेक से काम लें और बिल्कुल भी जल्दबाजी न करें। आज निकटवर्ती लोगों से कार्य के विवाद में न उलझें, हानि हो सकती है। आज स्वास्थ्य के प्रति भी विशेष सावधानी बरतें, अन्यथा सेहत संबंधी कष्ट हो सकते हैं।

SAGITTARIUS 22 Nov - 21 Dec
आज दिनभर आपको अपनी किसी प्रिय वस्तु के खोने या चोरी होने का भय बना रहेगा। चतुर्थ भाव में मीन राशि शनि कार्य व्यय व भागदौड़ कराएगा। नजदीक व दूर की सकारात्मक यात्रा के प्लान प्लान होंगे। एकादश भाव में तुला राशि का चंद्रमा सायंकाल शुभ अच्छे समाचार व मन को संतोष देगा।

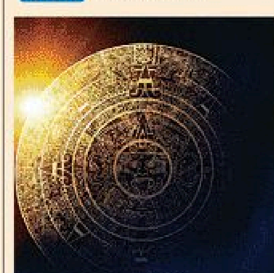

CAPRICORN 22 Dec - 19 Jan
आज का दिन प्रभाव को बढ़ाने वाला है। चतुर्थ सुख भाव में राहु जमीन-जायदाद के कार्यों से अकस्मिक लाभ कराएगा। श्रेष्ठ पुरुषों के मिलने से मन में प्रसन्नता होगी। उच्चाधिकारियों की कृपा से आपका बिगड़ा काम बन जाएगा। कार्यक्षेत्र में आज के दिन आपके कार्यकौशल की प्रशंसा होगी।

AQUARIUS 20 Jan - 18 Feb
आपकी राशि का स्वामी शनि, मीन राशि का होकर द्वितीय भाव में विराजमान है। चंद्रमा आज पंचम घर में आय के नए स्रोत विकसित करेगा। आज के दिन आपका जीवनस्तर उच्च उठेगा। शत्रु पक्ष पराजित होगा। नया परिचय स्थायी मित्रता में परिवर्तित होगा। बेहतर होगा कि आज आप समय का लाभ उठाएं।

PISCES 19 Feb - 20 Mar
राशि का स्वामी देवगुरु पिछले कई दिनों से मिथुन राशि का होकर पंचम भाव में चल रहा है। चंद्रमा भी आज पंचम घर में उत्तम संपत्ति प्रदान करेगा। खोया हुआ धन या रुका हुआ पैसा आज के दिन मिल जाएगा। आप निवेश के मामले में जोखिम उठा सकते हैं, लेकिन बेहतर होगा कि पहले किसी परिजन से चर्चा कर लें। मजबूत राशि के बल पर किसी कठिन समस्या का समाधान भी हो जाएगा।

(आचार्य नंदिता पांडे)

क्या कहते हैं आपके नंबर
(5 जनवरी - 11 जनवरी 2026)

● मूलांक 1
(जन्म तिथि 1, 10, 19, 28)
प्रेम संबंध में आपसी प्रेम सुदृढ़ होगा एवं अपनी लव लाइफ में सुखद परिणाम प्राप्त करने के कई अवसर आपको इस सप्ताह मिलते जाएंगे। कार्यक्षेत्र में अपने पर भरोसा कर निर्णय लेंगे तो अधिक सफल रहेंगे। आर्थिक मामलों में फोकस की आवश्यकता है तभी उन्नति होगी। सप्ताह के उत्तरार्ध में बाहरी कारणों की वजह से कष्ट उत्पन्न हो सकते है एवं दूसरे आप पर हावी होने की कोशिश कर सकते है।

● मूलांक 2
(जन्म तिथि 2, 11, 20, 29)
इस सप्ताह लव लाइफ में सुकून रहेगा एवं मन प्रसन्न रहेगा। आपकी नई सोच आपकी लव लाइफ में रौनक लेकर आएगी। कार्यक्षेत्र में खट्टे-मीठे अनुभव रहेंगे। जिस तरह के बदलाव आप अपने प्रोजेक्ट में चाहते हैं उन्हें प्राप्त करने में अभी समय अधिक लगेगा। आर्थिक मामलों में समय शुभ है एवं आपको अपने निवेशों द्वारा धन लाभ होगा। इस सप्ताह के उत्तरार्ध में किसी बात को लेकर मन बेचैन रहेगा।

● मूलांक 3
(जन्म तिथि 3, 12, 21, 30)
इस सप्ताह कार्यक्षेत्र में आपकी उन्नति होगी एवं रचनात्मक कार्यों द्वारा सफलता आसानी से हासिल होगी। इस सप्ताह आप अपने प्रोजेक्ट की सफलता से प्रसन्न रहेंगे। आर्थिक मामलों में भी धन लाभ रहेगा एवं जीवन में लापरवाही नहीं बरतेंगे तो सुखी रहेंगे। प्रेम संबंध में आपके द्वारा की गई मेहनत आपके लिए शुभ फल लेकर आएगी। सप्ताह के अंत में प्रैक्टिकल होकर निर्णय लें, तो बेहतर होगा।

● मूलांक 4
(जन्म तिथि 4, 13, 22, 31)
इस सप्ताह कार्यक्षेत्र में सफलता के योग बन रहे हैं। आर्थिक मामलों में भी धन लाभ की प्रबल स्थितियां बनेंगी। बिजनेस ट्रिप्स सफल रहेंगी एवं धन लाभ लेकर आएंगी। प्रेम संबंध में सुकून रहेगा एवं आप अपने जीवनसाथी के सानिध्य में काफी रिलैक्स महसूस करेंगे। इस सप्ताह के अंत में की गई यात्राएं सफल रहेंगी एवं यात्राओं के दौरान आप नए दोस्त भी बनाएंगे जो भविष्य में आपकी मदद करेंगे।

● मूलांक 5
(जन्म तिथि 5, 14, 23)
कार्यक्षेत्र में उन्नति होगी और आपके प्रोजेक्ट समय पर पूरे होते जाएंगे। इस सप्ताह की शुरुआत में आपको अपने प्रोजेक्ट से संबंधित कोई सकारात्मक समाचार मिल सकता है। प्रेम संबंध में आपसी प्रेम सुदृढ़ होता जाएगा एवं लव लाइफ में खुशियां दस्तक देंगी। आर्थिक मामलों में व्यय की स्थितियां बन रही है और बच्चों पर खर्च अधिक होते दिखाई दे रहे है।

● मूलांक 6
(जन्म तिथि 6, 15, 24)
इस सप्ताह आपके जीवन में खट्टे-मीठे अनुभव रहेंगे। आप कार्यक्षेत्र में कुछ प्रोजेक्ट्स को लेकर काफी रिलैक्स महसूस करेंगे, लेकिन वहीं किसी प्रोजेक्ट को लेकर मन परेशान भी रहेगा। आर्थिक मामलों में भी साझेदारी में किए गए निवेश कष्ट लेकर आ सकते है। प्रेम संबंध में संघर्ष का सामना करना पड़ सकता है।

● मूलांक 7
(जन्म तिथि 7, 16, 25)
इस सप्ताह आपके कार्यक्षेत्र में उन्नति के योग बन रहे है एवं आपको अपने प्रोजेक्ट द्वारा सफलता हासिल होगी, भले ही वह आपकी अपेक्षाओं से कमतर क्यों न हो। आर्थिक मामलों में आपको किए गए वादे इस सप्ताह पूरे होते दिखाई नहीं दे रहे है। एक बैकअप प्लान के साथ अपने निवेशों पर ध्यान देंगे तो बेहतर रहेगा।

● मूलांक 8
(जन्म तिथि 8, 17, 26)
आर्थिक मामलों में उन्नति के योग बन रहे है। लव लाइफ में खुशियां दस्तक देंगी। कार्यक्षेत्र में किसी सहयोगी से बहसबाजी में न उलझें, तो बेहतर होगा अन्यथा प्रतिकूल असर रहेगा। सप्ताह के अंत में जीवन में संतुष्ट रहेंगे और मन प्रफुल्लित रहेगा।

● मूलांक 9
(जन्म तिथि 9, 18, 27)
इस सप्ताह आपकी आर्थिक स्थिति काफी बेहतर होती जाएगी एवं धन वृद्धि के कई अवसर आपको प्राप्त होंगे। कार्यक्षेत्र में उतार-चढ़ाव रहेंगे एवं कहीं पर नुकसान उठाना पड़ेगा। किसी नए प्रोजेक्ट द्वारा सफलता प्राप्त होगी। प्रेम संबंध बेहतर होंगे एवं आपको अपने साथी द्वारा कोई उपहार भी मिल सकता है। सप्ताह के अंत में बातचीत द्वारा उलझन सुलझाएं।

जन्मदिन की शुभकामनाएं

यह वर्ष आपको रजत पाद से प्रवेश कर रहा है। वर्ष पति बुध दशम केंद्र में जनवरी के शेष आठ दिनों में राज्य-मान-प्रतिष्ठा की वृद्धि करेगा। जनवरी से मार्च तक आपके ज्ञान की वृद्धि होगी। अप्रैल-मई में आयात-निर्यात के व्यवसाय से जुड़े जातकों को बारबार नई-नई समस्याओं से जूझना पड़ेगा। जून में बाधाएं दूर होंगी और व्यापार के अच्छे अवसर प्राप्त होंगे। जुलाई अंत तक जहां आपको किसी भाग्यवर्धक क्षेत्र से जुड़ना पड़ेगा, वहीं अगस्त में आपके कार्य कौशल व एकाग्रता से सभी कठिन कार्य सरल हो जाएंगे। सितंबर-अक्टूबर में आपके कार्य कौशल की प्रशंसा होगी। 10 नवंबर तक कीर्ति की वृद्धि होगी। महिलाओं के दांपत्य जीवन में समरसता बढ़ेगी। विद्यार्थियों को साधारण परिश्रम से उच्च सफलता मिलेगी। देशाटन व धार्मिक कार्यों पर व्यय होकर पुण्यार्जन होगा। -आचार्य कृष्ण दत्त शर्मा

कल का पंचांग (मंगलवार, 6 जनवरी 2026)

राष्ट्रीय मिति पौष 17, शक संवत 1947, माघ कृष्ण, तृतीया, मंगलवार, विक्रम संवत 2082। सौर पौष मास प्रविष्टे 23, रज्जब 16, हिजरी 1447 (मुस्लिम) तद अनुसार अंग्रेजी तारीख 6 जनवरी 2026 ई.। सूर्य दक्षिणायन, दक्षिण गोल, शिशिर ऋतु। राहुकाल दोपहर 3 बजे से सायं 6 बजे तक। तृतीया तिथि प्रातः 8 बजकर 2 मिनट तक उपरांत चतुर्थी तिथि का आरंभ। आश्लेषा नक्षत्र मध्याह्न 12 बजकर 18 मिनट तक उपरांत मघा नक्षत्र का आरंभ। विष्टि करण प्रातः 8 बजकर 2 मिनट तक। चंद्रमा मध्याह्न 12 बजकर 18 मिनट तक कर्क उपरांत सिंह राशि पर संचार करेगा।

सुडोकू

		4		6		8		
8			7		4			2
2		7				6		3
	6			9			7	
			6		3			
	7			5			8	
3		9				4		1
6			1		9			5
		1		4		2		

TELEVISION

big magic

09:00 बलवा
10:00 हड़बड़ गड़बड़
11:00 रुद्र के रक्षक
11:30 अकबर
12:00 चक्रधारी अजेय कृष्णा
13:30 भ से भड़े
14:00 हम पांच
15:00 अजब देश की गज़ब कहानी
15:30 प्यार मोहब्बत हैप्पी लकी
19:30 रुद्र के रक्षक
21:00 वीरू

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 05-01-2026 Zone: Mahanagar Edition: 1 Page: NBTMAH11 User: cci Time: 01-04-2026 21:54 Color:

नवभारत टाइम्स NBT DelhiTimes OF INDIA masala mix
MONDAY, JANUARY 5, 2026 ADVERTORIAL, ENTERTAINMENT, PROMOTIONAL FEATURE

चर्चा है कि अनिल कपूर अपनी फिल्म नायक का सीक्वल बना सकते हैं

अपने बच्चों के साथ जेनिफर लोपेज

बच्चों की बात पर जेनिफर हो गईं भावुक

अपने बच्चों को लेकर जेनिफर लोपेज ने एक इमोशनल पल साझा किया है। एक बातचीत में जब जेनिफर से पूछा कि अब उनके दोनों बच्चे बड़े हो गए हैं और कॉलेज जाने लगे हैं, तो आपको कैसा महसूस हो रहा है? इस सवाल पर जेनिफर ने कहा, 'मुझे बहुत अच्छा लग रहा है। यकीन नहीं होता कि हम यहां तक पहुंच गए हैं, सिर्फ हम तीनों। यह हमारे लिए एक लंबा सफर रहा है क्योंकि मैं तब से अकेली मां हूं जब वे तीन साल के थे। जिंदगी में लोग आते-जाते रहे, लेकिन असल में हमेशा सिर्फ हम तीनों ही रहे हैं। आज उन्हें बढ़ते हुए देखना मुझे बहुत खुशी देता है।'

मैं हमेशा से पापा जैसी फिल्म करना चाहता था: सनी देओल

एक इवेंट के दौरान सनी देओल

सनी देओल एक इवेंट में अपने पापा धर्मेंद्र को याद करते हुए भावुक हो गए। उन्होंने कहा कि वह अपने पापा जैसी एक फिल्म बनाना चाहते थे। उन्होंने कहा, 'जब मैंने अपने पापा की फिल्म हकीकत देखी थी, तो मुझे बहुत प्यारी लगी थी। तब मैं बहुत छोटा था। जब मैं ऐक्टर बन गया, तब मैंने तय किया कि मैं भी पापा जैसी एक फिल्म करूंगा।' गौरतलब है कि हाल ही में धर्मेंद्र का निधन हुआ है। उनके निधन के बाद परिवार में हर कोई उन्हें याद कर रहा है। इसी बीच सनी अपनी नई फिल्म को लेकर भी बिजी हैं।

> जब मैंने पापा की फिल्म हकीकत देखी थी, तब मैं बहुत छोटा था और वो मुझे बहुत प्यारी लगी थी

खाने-पीने का बहुत ज्यादा शौक है मुझे: राशि खन्ना

उपमा सिंह

दिल्ली की कुड़ी राशि खन्ना ने हिंदी फिल्म मद्रास कैफे से ऐक्टिंग का ककहरा सीखा, तो जल्द ही तमिल-तेलुगु सिनेमा को भी साथ लिया। आने वाले दिनों में वह हिंदी फिल्म लाखों में एक में नजर आएंगी। राशि को खाने-पीने का भी बहुत शौक है। वह कहती हैं, 'मैं फूडी हूं। दिल्ली के खाने का कोई मुकाबला नहीं है। अच्छी बात ये है कि मेरी मम्मी साथ में रहती हैं तो वो दिल्ली वाले छोले भटूरे या कुल्चे छोले घर पर बना देती हैं। फिर भी, वेस्ट दिल्ली में एक ज्वाला हेरी मार्केट थी, जहां हम गोलगप्पे खाने जाते थे।'

'इंडस्ट्री में हीरो की चलती है'

इंडस्ट्री में गैर-बराबरी को लेकर बहुत सी ऐक्ट्रेसेज ने खुलकर बोला है। इस बारे में अपना अनुभव साझा करते हुए राशि ने बताया, 'हमारा समाज ही पितृसत्तात्मक है। इंडस्ट्री में भी हम थोड़ा हीरो वरशिप (हीरो की पूजा) करते हैं। इसलिए, उन्हें ज्यादा इज्जत मिलती है। हालांकि, अब चीजें बदल रही हैं।'

शूटिंग के दौरान राशि खन्ना

'ऐक्टर्स को थोड़ी ज्यादा मेहनत करनी पड़ती है'

राशि ने बिना कनेक्शन के इंडस्ट्री में जगह बनाई है। वह कहती हैं, 'ये सही है कि हम जैसे बाहर से आए ऐक्टर्स को थोड़ी ज्यादा मेहनत करनी पड़ती है पर मैं मेहनत से कभी नहीं डरी। मुझे पता था कि ये परिस्थितियां हैं, इनका मैं कुछ नहीं कर सकती। चाहे कोई फिल्म मुझे मिली या ना मिली, उसकी अलग-अलग वजहें होंगी लेकिन मैंने खुद को कभी विक्टिम की तरह नहीं देखा। रिजेक्शन भी मिला तो मैं समझती हूं कि ये बिजनेस है या उन्हें किसी और को फेवर करना है तो मैं बुरा नहीं मानती।'

NBT संग AI

AI के ताज़ा अपडेट्स

बिना लक्षण वाला कैंसर पहचाना

चीन में 57 साल के मजदूर किउ सिजुन ने डायबिटीज की जांच कराई थी। जांच में पता चला कि उन्हें पैंक्रियाज का कैंसर है, लेकिन शुरुआती स्टेज में। AI की मदद से कैंसर समय रहते पकड़ में आ गया। डॉक्टरों ने ऑपरेशन कर ट्यूमर निकाल दिया।

सुरक्षा के लिए SEBI का टूल

AI Image

भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (SEBI) साइबर सिक्योरिटी के लिए AI टूल विकसित कर रहा है। बाजार नियामक के अध्यक्ष तुहिन कांत पांडे ने बीएसई स्टॉक एक्सचेंज (BSE) में सेंसेक्स की 40वीं वर्षगांठ के मौके पर यह जानकारी दी।

Gemini 3 फ्लैश की सर्विस शुरू

AI Image

गूगल ने अपने AI मॉडल Gemini 3 फ्लैश को ग्लोबल लेवल पर रोलआउट कर दिया है। यह कोडिंग से लेकर हर तरह की जानकारी तुरंत दे सकता है। पुराने मॉडल से इसकी स्पीड 2 गुना तेज है। गूगल सर्च में भी इसे इंटीग्रेट किया गया है। API से भी एक्सेस कर सकते हैं।

जानें, कैसे बनाएं AI से परफेक्ट लुक वाली प्रोफाइल पिक

परफेक्ट दिखने वाली फोटो किसे नहीं चाहिए? लेकिन हर किसी के पास अच्छा कैमरा, सही लाइट या बढ़िया बैकग्राउंड नहीं होता। यहीं AI फोटो काम आती है। AI से आप मिनटों में स्टूडियो जैसी फोटो बना सकते हैं- क्लियर चेहरा और प्रोफेशनल लुक के साथ।

अगर आप भी जानना चाहते हैं कि परफेक्ट लुक वाली AI इमेज कैसे बनाएं, तो हमें nbtreader@timesofindia.com पर ईमेल करें। हम अपने एक्सपर्ट की मदद से आपके सवालों के जवाब देने का प्रयास करेंगे। सब्जेक्ट में AI लिखना न भूलें।

रोबॉट महसूस करेंगे दर्द, इंसानों जैसी बनी स्किन

Pradeep.Tiwari@timesofindia.com

■ **नई दिल्ली:** चीन के रिसर्चर्स ने ऐसी आर्टिफिशल स्किन बनाई है जो इंसानों की त्वचा की तरह दबाव और दर्द महसूस कर सकती है। इस तकनीक को वैज्ञानिकों ने न्यूरोमॉर्फिक रोबॉटिक ई-स्किन (NRE-Skin) नाम दिया है। यह डिवेलपमेंट रोबॉटिक्स और AI के क्षेत्र में मानवीय संवेदना जैसी प्रतिक्रियाओं को समझने की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है।

स्किन पर लगे सेंसर का कमाल: इंसानी त्वचा पर हजारों संवेदक होते हैं जो ठंडी-गर्मी, दबाव, दर्द और दूसरी ऐसी किसी भी चीज को दिमाग तक पहुंचाते हैं। इसी सिस्टम पर NRE स्किन को भी बनाया गया है। इसमें फ्लैक्सिबल पॉलीमर से बने प्रेशर सेंसर लगाए गए हैं। ये सेंसर जब दबाव महसूस करते हैं तो इलेक्ट्रिक स्पाइक के रूप में संकेत भेजते हैं, ठीक उसी तरह जैसे हमारे नर्वस सिस्टम में न्यूरॉन्स एक-दूसरे से संवाद करते हैं। इन स्पाइक सिग्नल्स की फ्रिक्वेंसी से पता चलता है कि स्किन पर कितना दबाव है, जबकि दूसरे गुणों से पहचाना जाता है कि सिग्नल किस सेंसर से आया है। यानी इस स्किन में सेंसर्स का अहम रोल है। अगर ये सेंसर खराब हो जाते हैं तो खुद ही पूरा सिस्टम इसे पकड़ लेता है और अलर्ट भी जारी कर देता है।

गरम सामान छूने पर इंसानों जैसे रोबॉट ने हटाया हाथ: इस आर्टिफिशल स्किन में दर्द पहचानने जैसी क्षमता भी है। जब दबाव एक निश्चित सीमा से अधिक हो जाता है, तो सिस्टम दर्द का अलर्ट भेजता है, जिससे रोबॉट का कंट्रोल यानी उसका दिमाग समझ जाता है कि संभवित पंक्चर या कुछ टिक्कर हो रही है। वैज्ञानिकों ने प्रयोग के तौर पर इस स्किन को एक रोबॉटिक हाथ पर लगाया। जैसे ही त्वचा ने अत्यधिक दबाव या संभावित क्षति महसूस की, हाथ स्वतः अपनी स्थिति बदल लेता था, ठीक वैसे जैसे इंसान गरम सामान छूने पर तुरंत हाथ खींच लेते हैं।

बदल सकेंगे यह स्किन

रिसर्चर्स ने इस आर्टिफिशल स्किन को मॉड्यूलर बनाया है। यानी यह कई छोटे-छोटे हिस्सों में बंटी है। इन छोटे हिस्सों को मैग्नेटिक इंटरलॉक से जोड़कर लगाया गया है। इसका फायदा यह है कि अगर इसके किसी हिस्से में खराबी आ जाए तो उसे आसानी से बदला जा सकेगा। बदलाव के बाद नया सिस्टम खुद से कनेक्ट होने के बाद पहचान शेयर कर लेता है।

बिजली भी बचेगी AI के लिए जरूरी

NRE-Skin अभी सिर्फ दबाव को महसूस करने में पूरी तरह से सक्षम है। यह तापमान, ठंडक, जलन या अन्य संवेदनाओं को महसूस करना सीख रहा है। साइंटिस्ट मान रहे हैं कि इसे और अधिक अडवांस बनाया जा सकता है। चूंकि यह सिस्टम स्पाइक-आधारित न्यूरोमॉर्फिक प्रोसेसर पर काम करता है, इसलिए यह बिजली भी काफी बचा सकता है और AI बेस्ड कंट्रोल सॉफ्टवेयर से आसानी से जुड़ सकता है।

फिटनेस, वेटलॉस, डायबिटिक और हार्ट पेशंट, बुजुर्ग सभी के लिए पर्सनल प्लान

AI घर में कैसे करें वर्कआउट, बताएगा

Pradeep.Tiwari@timesofindia.com

■ **नई दिल्ली:** प्रदूषण, स्मॉग और कड़ाके की ठंड की वजह से इन दिनों लोग घर के बाहर वर्कआउट के लिए नहीं जा पा रहे हैं। ऐसे में फिट रहने की चिंता बढ़ना स्वाभाविक है। लेकिन राहत की बात यह है कि अब घर बैठे, बिना किसी जिम इक्वुपमेंट के भी टिनबर की जरूरत तक का वर्कआउट आसानी से कर सकते हैं। उम्र, फिटनेस, गोल के हिसाब से आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (AI) से वर्कआउट प्लान ले सकते हैं और कैसे एक्सरसाइज करनी है, किन बातों का ध्यान रखना है, ये बातें भी पता सकते हैं।

कितना वर्कआउट जरूरी: डॉक्टरों के मुताबिक, एक स्वस्थ वयस्क को हफ्ते में कम से कम 150 मिनट की मॉडरेट एक्सरसाइज या 75 मिनट की इंटेंस यानी कठिन एक्सरसाइज करनी चाहिए। इसके लिए जिम जाना जरूरी नहीं है। घर में ही बॉडी-वेट एक्सरसाइज जैसे स्क्वैट्स, लंजेस, पुश-अप्स, प्लैंक, ब्रिज, स्टेप-अप्स, स्पॉट जॉगिंग और स्ट्रेचिंग से अच्छी फिटनेस हासिल की जा सकती है। योग और प्राणायाम भी सर्दी और प्रदूषण के समय सुरक्षित विकल्प माने जाते हैं।

AI कैसे बना रहा है एक्सरसाइज का प्लान: AI आधारित फिटनेस टूल्स यूजर से कुछ बेसिक जानकारी लेते हैं, जैसे उम्र, वजन, लंबाई, पहले से कोई बीमारी जैसे डायबिटीज, हाई बीपी, घुटनों का दर्द, अस्थमा आदि, फिटनेस गोल यानी वजन घटाना, मसल्स मजबूत करना, स्टैमिना बढ़ाना कितनी देर तक वर्कआउट कर सकते हैं। इसके आधार पर ये टूल्स यह तय करते हैं कि कौन सी एक्सरसाइज कितनी देर और कितनी रिपीटेशन के साथ करनी चाहिए।

कहां से बना सकते है वर्कआउट प्लान

ChatGPT: अपनी उम्र, वजन, हाइट, बीमारी (अगर कोई हो), कहां वर्कआउट करना है, जैसे घर या जिम में ये जानकारी देनी होगी। इसके साथ ही यह भी बताना होगा कि आप अभी शुरुआत कर रहे यानी बिगनर हैं या कभी कभार वर्कआउट करते हैं, या अडवांस लेवल के वर्कआउट का प्लान चाहिए।

कैसे इस्तेमाल करें *ChatGPT ऐप खोलें। Ask Anything में लिखें- 'मेरी उम्र 35 साल है, वजन 82 किलो है, घर पर रोज 30 मिनट एक्सरसाइज करना चाहता हूं, मोल फैट कम करना है। मुझे पूरे एक हफ्ते का वर्कआउट प्लान दे।' फिर पूरे हफ्ते का फ्री में वर्कआउट प्लान मिल जाएगा।*

Fitbod App

अगर आप जिम जाते हैं या पहले भी वर्कआउट करते रहे हैं तो Fitbod ऐप बेस्ट हो सकता है। यह आपकी पिछली एक्सरसाइज देखकर अगले वर्कआउट का प्लान बना सकता है। इस ऐप की खास बात है कि यह आपको ओवरट्रेनिंग से बचाता है। यहां पर अडवांस लेवल के वर्कआउट प्लान के लिए कुछ पेमेंट करनी होती है।

Nike Training Club (NTC)

यहां छोटे-छोटे विडियो के साथ वर्कआउट प्लान मिलता है। शुरुआत करने वालों से लेकर अडवांस लेवल वर्कआउट करने वालों तक के लिए यहां खास प्लान है। अगर विडियो के साथ आप वर्कआउट करना सीखना चाहते हैं तो NTC बेस्ट ऑप्शन हो सकता है, लेकिन इसके खास फीचर्स के लिए कुछ पेमेंट करनी होगी।

Gemini: गूगल का AI ऐप Gemini बेहद सरल तरीके से वर्कआउट समझाता है। यह डाइट के साथ कौन सी एक्सरसाइज बेस्ट होगी, इसका सुझाव दे सकता है। यहां भी आपको अपनी बेसिक जानकारी, जैसे उम्र, वजन, हाइट, बीमारी, वर्कआउट कहां करना है बतानी होगी। यह भी बताना होगा कि वर्कआउट अभी शुरू कर रहे हैं या अडवांस लेवल पर है।

कैसे इस्तेमाल करें *Gemini ऐप खोलें। Ask Gemini जहां लिखा हो, वहां अपनी डिटेल्स डालें और बताएं कि कैसा वर्कआउट प्लान चाहिए, मोल क्या है? यहां से कुछ देर में पर्सनलाइज्ड प्लान मिल जाएगा।*

Grok: xAI का Grok आपकी उम्र, वजन, मोल यानी फैट कम करना, मसल बनाना, फिट रहना के हिसाब से वर्कआउट प्लान बता सकता है। यह घर और जिम दोनों के लिए रूटीन प्लान दे सकता है। लेकिन यह हेल्थ कंडीशन को लेकर बहुत रोल पर्सनलाइज्ड वर्कआउट प्लान नहीं दे सकता है।

कैसे इस्तेमाल करें *अगर X पर एक्टिव हैं तो वहां भी Grok आइकन पर टच करके ये जानकारी ले सकते हैं। Grok इंटरफेस खुलने के बाद Ask Anything वाली जगह लिखें- 'मेरी उम्र 35 साल है, वजन 75 किलो है, घर पर 20-30 मिनट एक्सरसाइज करना चाहता हूं।' फिर पूरा प्लान मिल जाएगा।*

बेस्ट तरीका YouTube

सबसे बेस्ट तरीका YouTube है, लेकिन यहां पर्सनलाइज्ड प्लान नहीं मिलता है। ऐसे में ChatGPT या Gemini से अपना पर्सनल प्लान बनवाएं, फिर वही एक्सरसाइज YouTube पर देखकर करें। 4 हफ्ते बाद AI को अपनी डिटेल्स देकर से देकर नया प्लान बनवाएं, फिर उसे फॉलो करें।

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 05-01-2026 Zone: Mahanagar Edition: 1 Page: NBTMAHBP User: cci Time: 01-04-2026 22:44 Color:

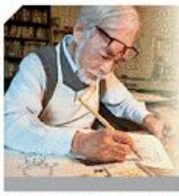

NBT AI टाइम मशीन

आज है Ghibli के जादूगर का जन्मदिन

आज ही के दिन 1941 में एनिमे दुनिया के हीरो हयाओ मियाजाकी (Hayao Miyazaki) का जन्म हुआ था। उन्होंने दो साथियों के साथ मिलकर 1985 में स्टूडियो गिबली की नींव रखी, जो हाथ से बने जादुई एनिमेशन और दिल छू लेने वाली कहानियों के लिए पूरी दुनिया में फेमस हुआ। फिल्म 'स्पिरिटेड अवे' को अकैडमी अवॉर्ड भी मिला। इनकी फिल्मों में प्रकृति, शांति और मानवीय भावनाओं का संगम दिखता है।

NBT

Front Page-2

नवभारत टाइम्स। नई दिल्ली

रविवार, 5 जनवरी 2026

भविष्य में जा सकेंगे एनिमे की दुनिया में

ChatGPT के अनुसार, भविष्य में एनिमेशन सिर्फ देखने का माध्यम नहीं रहेगा, बल्कि पूरी तरह जीने वाला अनुभव बन जाएगा। आर्टिफिशल इंटेलिजेंस, क्वांटम कंप्यूटिंग और ब्रेन-कंप्यूटर इंटरफेस से सोचते ही किरदार और कहानियां बनेंगी। एनिमेशन 2D-3D से आगे बढ़कर होलोग्राफिक रूप ले लेगा। यह दुनिया की सबसे बड़ी क्रिएटिव इंडस्ट्री होगी। दर्शक कहानी का हिस्सा बनेंगे, किरदारों से बात करेंगे और कहानी की दिशा खुद तय कर सकेंगे।

AI Images

SPEED News

भारत के आर्मी चीफ जनरल उपेंद्र द्विवेदी

रविवार को UAE और श्रीलंका के दौरे पर रवाना हो गए। वे UAE जाकर टॉप सैन्य अधिकारियों के साथ व्यापक वार्ता करेंगे।

Agency

ईरान में खस्ताहाल अर्थव्यवस्था की

वजह से भड़के विरोध-प्रदर्शनों के दौरान हुई हिंसा में कम से कम 15 लोगों की मौत हो चुकी है।

बांग्लादेश नैशनल पार्टी ने पूर्व प्रधानमंत्री

खालिदा जिया के निधन पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के भेजे गए शोक संदेश के लिए आभार व्यक्त किया।

AI Image

नेपाल में भारत सीमा से सटे दो कस्बों में

सोशल मीडिया पर विवादित धार्मिक कंटेंट डालने पर हिंसा भड़की। पुलिस ने आंसू गैस के गोले दागे।

SPEED News पर आप अपनी राय हमें 9220747220 पर वट्सऐप करके बताएं।

द इनसाइड स्टोरी

US ने मादुरो को कैसे पकड़ा

Photos: Agency

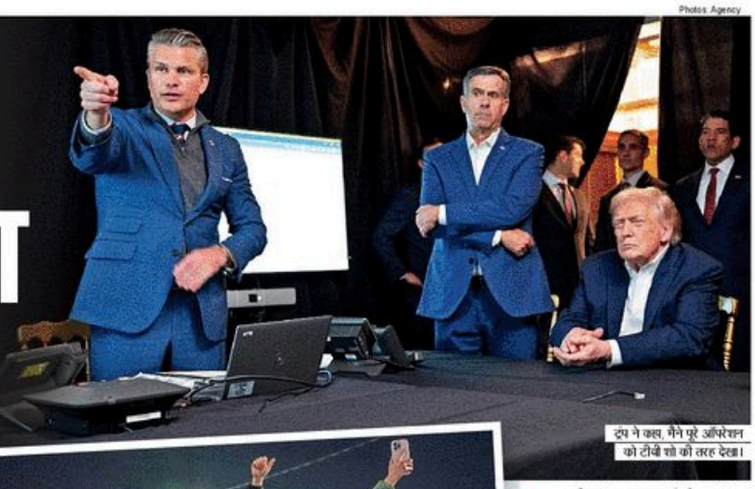

ट्रंप ने कहा, मैंने पूरे ऑपरेशन को टीवी शो की तरह देखा।

ये कोई फिल्म का सीन नहीं, बल्कि हकीकत थी। महीनों की खुफिया निगरानी और सैन्य ताकत के दम पर अमेरिकी सेना ने वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को उनके ही घर से गिरफ्तार कर लिया। इस ऑपरेशन ने पूरी दुनिया की राजनीति को हिला दिया है।

ब्रुकलिन की कुख्यात जेल में रहेंगे मादुरो

■ एपी, न्यूयॉर्क

वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को न्यू यॉर्क के ब्रूकलिन के कुख्यात मेट्रोपॉलिटन डिटेंशन सेंटर (MDC) में रखा गया है। मादुरो की गिरफ्तारी के बाद रविवार को बड़ी संख्या में वेनेजुएला के प्रवासी इस जेल के बाहर जमा हुए और जश्न मनाया। यह जेल अपनी खराब हालत और हिंसा के लिए बदनाम रही है। कई जज यहां आरोपियों को भेजने से भी इनकार कर चुके हैं। 1990 के दशक की शुरुआत में बनी इस जेल में करीब 1,300 कैदी हैं। यहां आमतौर पर संघीय अदालतों में ट्रायल का इंतजार कर रहे आरोपी रखे जाते हैं। पहले भी इस जेल में आर. केली, 'शॉन डिडी' कॉम्ब्स, सैम बैंकमैन-फ्राइड जैसे चर्चित कैदी रह चुके हैं। इससे पहले होंडुरास के पूर्व राष्ट्रपति जुआन ऑरलैंडो हर्नांडेज भी इसी जेल में बंद रह चुके हैं।

ट्रंप ने पूरे ऑपरेशन को देखा लाइव

फ्लोरिडा के मार-ए-लागो क्लब में ट्रंप एक अलग कमरे में बड़ी स्क्रीन पर सब कुछ लाइव देख रहे थे। वाइट हाउस ने जो तस्वीरें पोस्ट कीं, उनके मुताबिक, स्क्रीन पर सोशल मीडिया X की लाइव फीड भी चल रही थी। इसी दौरान, अमेरिकी डेल्टा फोर्स के कमांडो वेनेजुएला की राजधानी कराकास में मादुरो के घर में घुसे, जहां वे अपनी पत्नी के साथ सो रहे थे। मादुरो स्टील से बने सुरक्षित कमरे की ओर भागे, लेकिन उन्हें पकड़ लिया गया।

LIVE

महीनों की योजना, लक्ष्य-मादुरो को सत्ता से हटाना

यह कार्रवाई अचानक नहीं हुई। CNN की रिपोर्ट के मुताबिक, इसका मकसद शुरू से साफ था- मादुरो को वेनेजुएला की सत्ता से हटाना। हालांकि, पहले सार्वजनिक रूप से कहा जाता रहा कि अमेरिका का इरादा रेजीम चेंज यानी सत्ता बदलने का नहीं है, लेकिन पर्दे के पीछे तैयारी चल रही थी। ट्रंप को डर था कि कहीं अमेरिका किसी लंबे युद्ध में न फंस जाए, लेकिन क्रिसमस से पहले उन्होंने ऑपरेशन को हरी झंडी दे दी।

अमेरिका में जश्न

अमेरिका में रह रहे वेनेजुएला के लोग निकोलस मादुरो को पकड़ लिए जाने और अमेरिका लाने की खबर के फैलते ही, जश्न मनाने लगे। कुछ लोगों ने वेनेजुएला का झंडा कंधों पर लपेट कर 'आजादी' का नारा भी लगाया।

वेनेजुएला के सबसे बड़े सैन्य परिसर फुएर्ते तिउना की अमेरिकी हवाई हमले से पहले और बाद की तस्वीर।

कब, कैसे शुरू हुई तैयारी

तैयारी अगस्त से ही शुरू हो गई थी। CIA ने वेनेजुएला में एक टीम तैनात की, जिसने मादुरो की दिनचर्या, खाना, यहां तक कि क्या खाते-पहनते हैं, पर नजर रखी। CIA का एक सूत्र वेनेजुएला सरकार में भी सक्रिय था। अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक, मादुरो के पालतू जानवरों तक पर यह टीम नजर रख रही थी।

अल्टीमेटम और ड्रोन हमला

नवंबर 2025 में ट्रंप और मादुरो के बीच फोन पर बातचीत हुई थी। ट्रंप ने साफ कहा कि मादुरो के लिए पद छोड़ना उनके 'हित में' होगा। इसे एक तरह का अल्टीमेटम माना गया। क्रिसमस के अंत तक अमेरिका को लगा कि मादुरो के समर्थन में दरार नहीं पड़ रही है, इसलिए सैन्य कार्रवाई तय हुई। मौसम और अन्य कारणों से देरी हुई, लेकिन आखिरकार हालात अनुकूल बने।

राजनीतिक विवाद, आरोप

अमेरिका में डेमोक्रेट सांसदों ने आरोप लगाया कि ट्रंप सरकार ने संसद से झूठ बोला था। सीनेटर एडी किम ने कहा, बताया गया था कि सत्ता परिवर्तन की योजना नहीं है, लेकिन अब सच सामने आ गया है।

फिर हुआ ऑपरेशन 'एब्सल्यूट रिज़ॉल्व'

150 से ज्यादा विमान और कई सैन्य अड्डों से उड़ानें भरी गईं।

पूरे ऑपरेशन में अमेरिकी साइबर डॉमेनेंस तकनीक का इस्तेमाल किया गया।

राजधानी कराकास पहुंचने पर US के हेलिकॉप्टर पर फायरिंग हुई, लेकिन मिशन जारी रहा।

मादुरो और उनकी पत्नी ने सरेंडर किया। पहले उन्हें अमेरिकी युद्धपोत पर ले जाया गया, फिर क्यूबा के गुआंतानामो और बाद में न्यू यॉर्क भेजा गया।

अब फोटो छपवाने का मौका भी

खबरों का ज्ञान

रोज की खबरों पर कितनी पैनी नजर है, आजमाएं

1. सिक्किम हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस कौन बने हैं?
A. ए. मोहम्मद मुस्ताक B. श्री चंद्रशेखर C. देवेन्द्र कुमार उपाध्याय

2. निकोलस मादुरो की गिरफ्तारी के लिए US ने खास ऑपरेशन चलाया, उसका नाम?
A. एब्सल्यूट डिस्ट्रक्शन B. एब्सल्यूट रिजॉल्व C. ऑपरेशन वेनेजुएला

3. केरल में किस नेता के खिलाफ CBI जांच की सिफारिश की गई है?
A. वी.डी. सतीशन B. सुरेश गोपी C. एस. सदानंद

4. प्रियंका गांधी को किस राज्य के चुनाव के लिए स्क्रीनिंग कमिटी की कमान सौंपी गई है?
A. असम B. ओडिशा C. तमिलनाडु

5. निकोलस मादुरो को अमेरिका की किस जेल में रखा गया है?
A. बुकलिन जेल B. टेक्सस जेल C. लॉस एंजिलिस जेल

कल के जवाब

A1 A. कराकास A2 C. KKR A3 B. मौसम नूर A4 C. तेलंगाना A5 B. विंटर

लकी विनर्स

1. पूनम कपूर, नई दिल्ली
2. रजनी गोरखानी, गाजियाबाद
3. आनंद कुमार जैन, नई दिल्ली

ऐसे भेजें अपने जवाब

अपने नाम, शहर के साथ जवाब भेजें nbtreader@timesofindia.com पर, साथ में फोटो भी भेजें। सब्जेक्ट में KKG लिखें। हर दिन सभी सही जवाब देने वाले तीन चुनिंदा रीडर्स में से एक का फोटो और दो के नाम छापे जाएंगे। जवाब आज के पेपर की खबरों में ही छिपे हैं।

घटनाक्रम से बदल जाएगा वर्ल्ड ऑर्डर!

पहली बार नहीं, जब साउथ अमेरिका में US की दखलअंदाज़ी दिखी

Alpyu.Singh@timesofindia.com

■ **नई दिल्ली:** वेनेजुएला पर अमेरिकी कार्रवाई को लेकर दुनिया की अंतरराष्ट्रीय निगमों को लेकर बहस छिड़ी है। ऐसे में ये बात रखने वाली बात है कि जहां तक दक्षिण अमेरिका की बात है, तो ये पहली बार नहीं है जब इस क्षेत्र में अमेरिकी दखलअंदाजी दिखी है। अब जहां वर्ल्ड ऑर्डर एक या दो देशों पर निर्भर नहीं, ट्रंप का यह कदम यूरोप की पुरानी नीतियों से भी आगे की कार्रवाई है।

शीत युद्ध के दौरान, वर्चस्व की लड़ाई में साउथ अमेरिका भी मैदान बना। यहां के देशों में साम्यवादी सरकारों के विरोध में वैकल्पिक विद्रोहों को शह दी गई थी। इसी के चलते 1960 के आखिर तक US और लैटिन अमेरिकी देशों के संबंधों में तनाव दिखा। हाल के दो दशकों की बात करें, जैसे चीन ने अमेरिका को इकॉनमी से लेकर डिप्लोमेसी में टक्कर दी है, वह किसी से छिपा नहीं है। रूस पहले से ही अमेरिका समेत पश्चिम के प्रभुत्व को चुनौती देता रहा है। इस हमले से ट्रंप ने वेनेजुएला के करीबी चीन को संकेत दिए है कि वह इन देशों से दूर रहे।

अर्जेंटीना के Obelisk स्मारक पर वेनेजुएला के लोगों ने जश्न मनाया।

देखती रह गई अंतरराष्ट्रीय बिरादरी

ट्रंप अप्रत्याशित फैसलों के लिए जाने जाते हैं। दुनिया के कई देशों पर एकतरफा टैरिफ, दक्षिण अफ्रीका में जी20 का खुलेआम बहिष्कार समेत वो ऐसे कई फैसले ले चुके हैं, जो हाल के वर्षों में दुनिया ने नहीं देखे। वेनेजुएला पर हमले को लेकर अंतरराष्ट्रीय बिरादरी ने कुछ हद तक उनकी नीतियों की आलोचना की, लेकिन यूएन जैसी संस्थाओं के ज्यादा कारगर ना होने के बाद वो अमेरिकी दबदबे को लेकर अपने प्रतिद्वंदियों को संकेत देने में कामयाब रहे।

अब US की नजर ईरान की सत्ता पर: एक्सपर्ट

वेनेजुएला के तेल संसाधनों पर अमेरिकी कब्जे का सीधा अर्थ है कि अब उसकी नजरें ईरान में सत्ता बदलाव पर हैं। ऐसे में वेनेजुएला के तेल पर कंट्रोल इस दिशा में मददगार साबित हो सकता है। भविष्य में जब भी ईरान में दखल दिया जाएगा, तो पश्चिम एशिया के तेल की कीमतों में संभावित वृद्धि के मद्देनजर ये कदम अहम साबित होगा। ट्रंप खुद को शांति का दूत बताते हैं लेकिन बावजूद इसके अमेरिका ने इस एक्शन से एक तथ्य प्रमाणित कर दिया है, वह अब भी उतना शक्तिशाली है, जितना वह शीत युद्ध के समय या शीत युद्ध के बाद था। अब ये तय है कि ईरान पर हमला कुछ वक्त की ही बात है। इसके बाद वर्ल्ड ऑर्डर में भी बदलाव आएगा। - *अभिताभ सिंह, अंतरराष्ट्रीय मामलों के जानकार*

ऑपरेशन एब्सल्यूट रिज़ॉल्व ने फिर दिखाई एयर पावर की अहमियत

Absolute Resolve

Poonam.Pandey@timesofindia.com

■ **नई दिल्ली:** अमेरिका सेना ने निकोलस मादुरो को पकड़ने के लिए 'ऑपरेशन एब्सल्यूट रिजॉल्व' चलाया। इसने एक बार फिर किसी भी देश के लिए एयर पावर और एयर डिफेंस की मजबूती की अहमियत दिखाई है। अमेरिकी मिलिट्री ने सबसे पहले वेनेजुएला के एयर डिफेंस सिस्टम को ध्वस्त किया। पिछले साल पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों को ध्वस्त करने के लिए भारत ने ऑपरेशन सिंदूर लॉन्च किया था, इस ऑपरेशन ने भी यही संदेश दी थी कि एयर पावर और एयर डिफेंस कितना जरूरी है। पिछले साल दुनिया भर में जितने भी संघर्ष, लड़ाइयां हुईं हैं, उनमें सबसे ज्यादा ड्रोन और एयर पावर का इस्तेमाल किया गया। एयर डिफेंस की मजबूती के लिए दुनियाभर में तेजी से काम भी शुरू किया है। अमेरिका गोल्डन डोम पर काम कर रहा है तो भारत 'सुदर्शन चक्र' पर।

ऑपरेशन में 150 से ज्यादा एयरक्रफ्ट शामिल थे।

वेनेजुएला में अमेरिकी हमले में रिहायशी इमारतों को भी नुकसान पहुंचा।

बॉम्बर से लेकर F-35 तक का इस्तेमाल

इस मिशन को US सेना की डेल्टा फोर्स ने अंजाम दिया और अमेरिका की एयर पावर ने उसका रास्ता साफ किया। ऑपरेशन के बाद अमेरिका ने बताया कि जैसे ही डेल्टा फोर्स कराकास की ओर बढ़ी, एयर कम्बैटेंट ने वेनेजुएला के एयर डिफेंस सिस्टम को निशाना बनाकर उन्हें निष्क्रिय करना शुरू कर दिया।

सबसे टॉप स्पेशल यूनिट है डेल्टा फोर्स

डेल्टा फोर्स अमेरिकी सेना की सबसे टॉप स्पेशल मिशन यूनिट मानी जाती है। यह बेहद जोखिम भरे मिशनों में एक्सपर्ट है। इसका मुख्य काम आतंकवाद-रोधी अभियान, बंधक बचाव, आतंकियों को पकड़ना और टोही करना है। यूनिट हाई-प्रोफाइल लोगों को सुरक्षा देने में भी ट्रेन्ड है।

मादुरो के साई भक्त होने की कहानी फिर चर्चा में

■ NBT रिपोर्ट

गिरफ्तार किए गए वेनेजुएला के पूर्व राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को लेकर एक रोचक पहलू सामने आया है। TOI की रिपोर्ट के मुताबिक, मादुरो दिवंगत भारतीय आध्यात्मिक गुरु श्री सत्य साई बाबा के भक्त रहे हैं। वे कैथोलिक परिवार में पले-बढ़े थे, लेकिन उनकी पत्नी सिलिया फ्लोरेस के प्रभाव में आकर साई बाबा के अनुयायी बने। साल 2005 में मादुरो और फ्लोरेस भारत आए थे और पुट्टपर्थी में साई बाबा से मुलाकात की थी। उस समय फ्लोरेस पूर्व राष्ट्रपति हुगो चावेज की वकील थीं और मादुरो संसद के सदस्य थे। बाद में मादुरो विदेश मंत्री बने। साई बाबा के निधन पर वेनेजुएला की संसद ने शोक प्रस्ताव पास किया और एक दिन का राष्ट्रीय शोक भी घोषित किया गया।

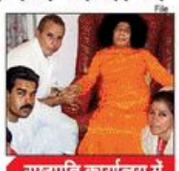

राष्ट्रपति कार्यालय में साई बाबा की तस्वीर

मादुरो के राष्ट्रपति कार्यालय में साई बाबा की तस्वीर भी लगी रही है। उनके शासन में साई संगठन को वेनेजुएला में काम करने की अनुमति मिली। अब जब मादुरो अमेरिका की कुख्यात जेल में बंद है, उनके पुराने आध्यात्मिक विश्वास फिर चर्चा में है।

वेनेजुएला मुद्दे पर भारत ने संवाद पर दिया ज़ोर

जताई चिंता, कहा- डायलॉग से हल हों सभी विवाद, दुनियाभर के देशों के अलग-अलग सुर

Alpyu.Singh@timesofindia.com

■ **नई दिल्ली:** वेनेजुएला में हालिया घटनाक्रम को लेकर भारत ने गहरी हुई प्रतिक्रिया दी है। भारत ने मामले में किसी पक्ष का खुला समर्थन या विरोध करने के बजाय संवाद और शांति पर जोर दिया है। विदेश मंत्रालय ने रविवार को एक आधिकारिक बयान जारी कर हालात पर चिंता जताई। बयान में कहा गया है कि भारत सरकार वेनेजुएला में स्थिति पर करीबी नजर बनाए हुए है। भारत ने वेनेजुएला के लोगों की सुरक्षा और भलाई के प्रति अपना समर्थन दोहराया है। साथ ही सभी पक्षों से अपील की है कि वे क्षेत्र में शांति और स्थिरता बनाए रखने के लिए बातचीत और संवाद के जरिये सभी मुद्दों को सुलझाएं। मंत्रालय ने यह भी बताया कि कराकास में स्थित भारतीय दूतावास वहां रह रहे भारतीय नागरिकों के लगातार संपर्क में है।

दुनिया की प्रतिक्रिया, समर्थन से विरोध तक: वेनेजुएला में अमेरिकी कार्रवाई को लेकर वैश्विक स्तर पर तीखी प्रतिक्रियाएं देखने को मिली हैं। चीन और रूस ने इस कार्रवाई की खुलकर आलोचना की है। यूरोप में भी अलग-अलग रुख सामने आए हैं। जर्मनी ने अंतरराष्ट्रीय कानून के पालन पर जोर दिया, वहीं कनाडा ने सभी पक्षों से अंतरराष्ट्रीय नियमों का सम्मान करने की अपील की। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने पहले तथ्यों को समझने की बात कही, लेकिन बाद में उन्होंने मादुरो को अवैध राष्ट्रपति बताते हुए उनकी सत्ता समाप्त होने पर दुख न जताने की बात कही।

ईरान ने इस कार्रवाई को वेनेजुएला की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का घोर उल्लंघन करार दिया। स्पेन ने दोनों पक्षों के बीच मध्यस्थता की पेशकश की है। यूरोपीय संघ के भीतर भी मतभेद हैं। फ्रांस ने कार्रवाई को अंतरराष्ट्रीय नियमों के खिलाफ बताया, जबकि इटली ने कहा कि तानाशाही से निपटने के लिए सैन्य हस्तक्षेप समाधान नहीं है, हालांकि ड्रग तस्करी जैसी समस्याओं में सीमित दखल सही हो सकता है।

अमेरिकी हमले के विरोध में रविवार को दिल्ली में प्रदर्शन किया गया।

Surender Kumar

मामले में सतर्क रुख अपना रहा है भारत

भारत भी वेनेजुएला पर अमेरिका की मिलिट्री कार्रवाई को लेकर अभी नजर ही रखना चाहेगा। रूस-यूक्रेन युद्ध और पश्चिम एशिया संकट के दौरान भी भारत ने संवाद पर जोर दिया था। भारत ने बयान में अंतरराष्ट्रीय नियमों के पालन के अलग से जिक्र से परहेज किया है। भारत ने अमेरिका के मिलिट्री ऐक्शन को लेकर कुछ भी सीधे तौर पर नहीं कहा है। घटना के बाद भारत कूटनीतिक उथलपुथल, रूस और चीन समेत दूसरे देशों के अगले कदम और अंतरराष्ट्रीय बिरादरी की गतिविधियों पर नजर रखेगा।

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 05-01-2026 Zone: NBTWealth Edition: 1 Page: NBTWD1 User: cci Time: 01-04-2026 00:27 Color:

NBT Wealth
नवभारत टाइम्स

किसी एक के पीछे सारा पैसा क्यों?
यदि अपना सारा पैसा किसी एक फंड में लगाते हैं या नहीं समझ पाते कि कहां-कहां लगाएं, तो यह लेख पढ़ें...
देखें PG-2

नए साल में कहां लगाए पैसा?
नए साल में मार्केट कहां होगा... पढ़ें कोटक सिक्योरिटीज के इक्विटी रिसर्च हेड श्रीकांत चौहान का इंटरव्यू
देखें PG-3

पंजाब एण्ड सिंध बैंक
कार लोन
7.30%* ब्याज दर
8879840089 पर मिस्ड कॉल दें

गोल्ड लोन इतना पसंद क्यों?

64% उछलकर लगभग ₹1.35 लाख/10 ग्राम पहुंची सोने की कीमत 2025 में

125% की बढ़ोतरी हुई एक साल में गोल्ड लोन में, बकाया लोन पहुंचा ₹3.5 लाख करोड़

8%-12% सालाना आमतौर पर ब्याज दर होती है गोल्ड लोन की बैंक और NBFC के अनुसार अलग-अलग।

6 से 12 महीने के भीतर चुकाना होता है ज्यादातर गोल्ड लोन, 1 साल में क्लोज जरूरी।

आपकी बात

NBT Wealth आपको कैसा लगता है, इसमें क्या पसंद आता है और क्या नहीं, आप और किन विषयों पर लेख पढ़ना चाहते हैं? आप कॉल करके अपनी बात नोट करा सकते हैं। आपका संदेश संपादक तक पहुंच जाएगा।

कॉल करें **011-4978 0064**
आज दिन में 11 बजे से 12 बजे तक

अंदर देखें ये खास स्टोरी

TROP: प्रीमियम वापस मिलेगा, पर कीमत क्या?

टर्म इंश्योरेंस में 'रिटर्न ऑफ प्रीमियम' (TROP) को अक्सर ऐसे बताया जाता है जैसे कि आपका बीमा भी फ्री हो गया और पैसा भी वापस हो जाएगा। लेकिन क्या वाकई यह समझदारी भरा सौदा है? ज्यादा प्रीमियम, लगभग न के बराबर रिटर्न और लंबी अवधि में महंगाई के असर को देखें तो कई बार यह प्लान जेब पर बोझ बन जाता है। हां, कुछ लोगों के लिए यह 'फोर्स्ड सेविंग + प्रोटेक्शन' का विकल्प हो सकता है, लेकिन ज्यादातर निवेशकों के लिए प्योर टर्म प्लान और अलग निवेश ज्यादा बेहतर साबित होता है। इस रिपोर्ट में जानिए कि TROP किसके लिए सही है, किसके लिए जाल है और क्या कहते हैं विशेषज्ञ।

देखें PG-4

लोन ट्रांसफर करने से पहले ये गणित समझ लें

कई लोग यह सोचकर लोन ट्रांसफर कर देते हैं कि नया बैंक थोड़ा कम ब्याज ले रहा है, लेकिन हर बार यह फैसला फायदेमंद साबित नहीं होता। सबसे पहले यह देखना जरूरी है कि आपका लोन फिक्स्ड है या फ्लोटिंग। अगर लोन फिक्स्ड है और अब तक कुल EMI का केवल 35-40% ही चुका पाए हैं, तो बैलेंस ट्रांसफर पर विचार करना समझदारी हो सकता है। खासकर तब, जब नया बैंक पुराने मुकाबले 0.50% से 1% तक कम ब्याज दे रहा हो। ऐसे केस में 50 लाख के लोन पर करीब 1.5-2 लाख रुपये तक की बचत हो सकती है। लेकिन लोन ट्रांसफर का कदम उठाने से पहले प्रोसेसिंग फीस, डॉक्यूमेंट चार्ज और बाकी छिपे हुए खर्च भी जरूर जोड़कर देखें। जानें, कैसे करें सही फैसला?

देखें PG-2

काम की खबरें

AI Image

PPF, सुकन्या समृद्धि पर ब्याज दर इस तिमाही वही

सरकार ने जनवरी-मार्च (2026) के लिए स्मॉल सेविंग्स स्कीम्स की ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं किया है। यानी PPF, सुकन्या समृद्धि और बाकी योजनाओं पर वही रेट मिलेंगे जो अब तक मिल रहे थे। यह लगातार आठवीं बार है जब दरें स्थिर रखी गई हैं। PPF पर 7.1%, सुकन्या समृद्धि पर 8.2%, NSC पर 7.7%, किसान विकास पत्र पर 7.5%, मंथली इनकम स्कीम पर 7.4% और पोस्ट ऑफिस सेविंग्स पर 4% ब्याज मिलता रहेगा।

मिस-सेलिंग पर और कड़े नियम, शिकायतें सुनेंगे बैंक

आरबीआई गलत तरीके से प्रॉडक्ट बेचने (मिस-सेलिंग) के खिलाफ नियम बनाने जा रहा है, जिससे ग्राहकों को गुमराह कर लोन, कार्ड या स्कीम बेचना मुश्किल होगा। सालाना रिपोर्ट में आरबीआई ने कहा है कि रिकवरी एजेंटों के व्यवहार पर भी नए नियम बनेंगे। डिजिटल फ्रॉड रोकने के लिए MuleHunter.ai और DPIP जैसे AI सिस्टम संदिग्ध खातों और लेनदेन की पहचान करेंगे। बैंकों को शिकायतें सुनने के लिए ज्यादा अफसर रखने होंगे।

Gain Guide

मृत्युंजय त्रिपाठी
Mrityunjay.Tripathi
@timesofindia.com

RBI के अनुसार, नवंबर 2025 तक बैंकों के गोल्ड लोन में पिछले साल के मुकाबले 125% की तेज बढ़ोतरी हुई है। शहरों के साथ-साथ छोटे कस्बों और गांवों में भी गोल्ड लोन तेजी से बढ़ रहा है। वजहें साफ हैं- प्रक्रिया आसान है, कागजी झंझट कम होता है और तुरंत पैसा मिल जाता है।

सोने की कीमत बढ़ने से उसी सोने पर अब ज्यादा लोन मिल जाता है। लेकिन यह आम तौर पर शॉर्ट-टर्म होता है और एक साल में चुकाना पड़ता है। इसलिए सिर्फ जरूरतभर ही लोन लें, वरना बकाया पर बैंक आपका सोना बेच सकते हैं।

-विनीत राठी, चार्टर्ड अकाउंटेंट

भारत में सोना हमेशा से शौक, समृद्धि और सुरक्षा का प्रतीक रहा है। पहले लोग इसे गहनों और परंपराओं के लिए खरीदते थे लेकिन अब यह वित्तीय सहारा भी बन गया है। जब अचानक पैसे की जरूरत पड़ती है, तो लोग यही सोचते हैं कि सोना बेचूं या गिरवी रखकर लोन ले लूं? जाहिर है कि अधिकतर लोग सोना बेचने की बजाय उसे गिरवी रखना ही चुनते हैं। इससे काम भी हो जाता है और सोना भी सुरक्षित रहता है, बस कुछ समय के लिए बैंक में रखा रहता है।

गोल्ड लोन की प्रक्रिया न सिर्फ आसान है, बल्कि तेज भी है। कई जगह 30-60 मिनट में लोन मिल जाता है। क्रेडिट स्कोर की भी चिंता नहीं होती। सोना गिरवी रखा होता है, इसलिए CIBIL बहुत बड़ा मुद्दा नहीं बनता। ज्यादा कागजात नहीं देने होते। KYC से काम हो जाता है। लोन चुकाने के भी कई विकल्प मिलते हैं। इसलिए गोल्ड लोन तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। पिछले तीन साल में गोल्ड लोन लगभग चार गुना बढ़ गए हैं। खास बात यह है कि लोन लेने वालों में 60% से ज्यादा छोटे शहरों और ग्रामीण इलाकों से आते हैं।

RBI के हालिया डेटा के अनुसार, गोल्ड लोन रिटेल क्रेडिट के स्टार बन गए हैं। गोल्ड लोन का बकाया नवंबर 2023 के 99 करोड़ से बढ़कर नवंबर 2024 में 1.59 लाख करोड़ और नवंबर 2025 में छलांग लगाकर 3.5 लाख करोड़ तक पहुंच गया। 2025 में सोने की कीमतों में करीब 64% बढ़त ने गिरवी रखे सोने का मूल्य बढ़ाया, जिससे लोगों ने बड़े लोन लिए। बैंकों ने भी दिल खोलकर गोल्ड लोन दिए और गोल्ड लोन मार्केट शेयर में NBFCs को पीछे छोड़ दिया, जिसमें उनका हिस्सा 50.35% है और बाकी हिस्सा फाइनैंस कंपनियों का है। मुथूट फाइनैंस, मणप्पुरम और IIFL फाइनैंस सबसे बड़े गोल्ड लोन फाइनैंसर्स में से हैं।

गोल्ड लोन क्या होता है?

गोल्ड लोन एक सिक्योर्ड लोन है, जिसमें आपका सोना कोलैटरल के तौर पर गिरवी रखा जाता है। आप अपने सोने के गहने बैंक या फाइनैंस कंपनी के पास जमा करते हैं। बैंक सोने की कीमत तय करते हैं। इसके अनुसार, IBJA या SEBI एक्सचेंज रेट के अनुसार, पिछले 30 दिनों की औसत कीमत या पिछले दिन की कीमत में से जो कम होगी, वही मान्य होती है। कीमत के हिसाब से बैंक लोन दे देते हैं। जब आप लोन चुका देते हैं, तो आपका सोना वापस मिल जाता है। अगर लोन नहीं चुकाया, तो बैंक/NBFC सोना नीलाम कर सकते हैं।

कौन ले सकता है?

गोल्ड लोन लेने वाले को आमतौर पर 18 से 65 वर्ष का होना चाहिए, फिर वह नौकरीपेशा, व्यापारी, किसान, गृहिणी कोई भी भी हो। गोल्ड लोन अप्लाई करने से पहले आप संबंधित बैंक की साइट पर मौजूद गोल्ड लोन एलिजिबिलिटी कैलकुलेटर का इस्तेमाल कर सकते हैं।

कैसा सोना लेते हैं बैंक?

आमतौर पर बैंक/NBFC 18 कैरेट से 22 कैरेट तक की जूलरी ही लेते हैं, जैसे नेकलेस, चेन, ब्रेसलेट, कंगन आदि। सोने की बार या बिस्कुट, गोल्ड प्लेटेड गहने, बहुत कम शुद्धता वाला सोने पर आमतौर पर लोन नहीं मिलता है। अधिकतम 1 किलो के गहने और 50 ग्राम कॉइन पर लोन ले सकते हैं।

लोन चुकाने के क्या ऑप्शन?

गोल्ड लोन चुकाने के आपके पास कई विकल्प होते हैं, जो लोन लेते समय आपको चुनना होता है। जैसे...

- **नियमित EMI:** हर महीने फिक्स EMI में ब्याज और मूलधन दोनों भरें।
- **केवल ब्याज:** हर महीने सिर्फ ब्याज भरें, मूलधन आखिर में चुकाएं।
- **बुलेट पेमेंट:** ब्याज और मूलधन दोनों एक साथ अंत में चुकाएं।
- **पार्शियल पेमेंट:** जब सुविधा हो तब थोड़ा-थोड़ा भुगतान करें।
- **प्रीपे:** ब्याज एकमुश्त पहले ही चुका दें, बाद में मंथलीरेट पर केवल मूलधन दें।

कितना ब्याज?

गोल्ड लोन पर ब्याज दर पर्सनल लोन से कम होती है। ब्याज इस पर निर्भर करता है कि आप कहां से लोन ले रहे हैं। बैंक से लोन पर ब्याज दर अक्सर कम होती है, जो लगभग 8.5% से 12% सालाना हो सकती है, वहीं NBFC का ब्याज थोड़ा ज्यादा होता है, जो करीब 10% से 24% तक हो सकता है। हालांकि NBFC में लोन प्रोसेस तेज होता है और झंझट कम। ब्याज दर, प्रोसेसिंग फीस, पेनल्टी चार्ज, नीलामी के नियम, बीमा आदि को समझकर फैसला लेना चाहिए कि लोन कहां से ले। आम तौर पर प्रोसेसिंग फीस 0.5%-2% और देर से भुगतान पर मासिक पेनल्टी 2%-3% हो सकती है।

कब लें लोन?

गोल्ड लोन तब सही है, जब जरूरत तात्कालिक और सीमित समय की हो, जैसे मेडिकल इमरजेंसी, बच्चों की फीस, छोटे बिजनेस के खर्च, शादी या घर के काम, अचानक कैश की जरूरत। नया सोना खरीदने, शेयर/क्रिप्टो/ट्रेडिंग, पुराने कर्ज चुकाने के लिए नया कर्ज, लंबे समय के खर्च के लिए यह नहीं होता। RBI ने साफ कहा है कि बैंक/NBFC गोल्ड या उससे जुड़े प्रोडक्ट खरीदने के लिए फाइनैंस नहीं करेंगे। कच्चे सोने-चांदी (Bullion, ETF, MF, गोल्ड-सिल्वर फंड) पर लोन नहीं मिलेगा। ध्यान रखें कि गोल्ड लोन इमरजेंसी टूल है, इसे आदत नहीं बनाना चाहिए।

कितना मिलता है?

सोने पर कितना लोन मिलेगा, यह तय होता है सोने के वजन, शुद्धता और बाजार कीमत से। बैंक सोने की पूरी कीमत के बराबर लोन नहीं देते, क्योंकि सोना बैंक के लिए सुरक्षा (Collateral) है। बैंक हमेशा कुछ मार्जिन अपने पास रखते हैं, ताकि सोने के दाम गिर जाएं, तो भी नुकसान न हो, या नीलामी में सोना थोड़ा कम दाम पर बिके, तो भी लोन की राशि कवर हो जाए। RBI ने LTV (Loan to Value) को लेकर स्पष्ट नियम बनाए हैं, जो 1 अप्रैल 2026 से लागू होंगे। अगर आपके सोने का मूल्य ₹1,00,000 है, तो लोन अधिकतम ₹75,000 से ₹85,000 तक ही मिलेगा। 100% लोन कभी नहीं मिलता।

कैसे लें लोन, सोना वापस कब मिलेगा?

प्रक्रिया समझें

1. सोना लेकर बैंक या NBFC में जाएं। कुछ कंपनियां घर पर सेवा भी देती हैं।
2. सबसे पहले आपके सामने सोने की जांच होती है। प्योरिटी और वजन मशीन से चेक होता है।
3. जांच के बाद सोने की वैल्यू तय की जाती है। स्टोन, मोती और मेकिंग चार्ज अलग रहते हैं। आपको वैल्यूएशन सर्टिफिकेट भी दिया जाएगा।
4. फीस, नीलामी के नियम और रिफंड की टाइमलाइन डॉक्यूमेंट में होगी। आपको इसे स्वीकार करना होता है।
5. तुरंत ही कैश मिल जाता है या पैसा अकाउंट में आ जाता है।

क्या सावधानियां रखें?

- जरूरत से ज्यादा लोन न लें।
- **सिर्फ RBI-रेग्युलेटेड बैंक/NBFC से ही लोन लें।**
- लोन एग्रीमेंट पूरी तरह पढ़ें।
- **ऑरनामेंट/वैल्यूएशन रिपोर्ट की कॉपी जरूर लें, जिसमें वजन और शुद्धता लिखी होती है।**
- नहलों की फोटो अपने पास रखें
- **रसीदें और ई-मेल सुरक्षित रखें**
- लचीले रिपेमेंट ऑप्शंस चुनें।
- **समय पर भुगतान करें।**

कितने दिन में चुकाना होगा?

पहले गोल्ड लोन में आम प्रैक्टिस थी कि लोन हर साल केवल ब्याज भर देते थे और लोन को आगे बढ़ाते रहते थे। मूलधन वहीं का वहीं पड़ा रहता था। RBI ने अब साफ कर दिया है कि 12 महीनों के भीतर पूरा लोन खत्म करना होगा। यानी सिर्फ ब्याज नहीं, मूलधन भी इसी अवधि के अंदर देना होगा।

लोन नहीं चुकाया तो क्या होगा?

तय समय में लोन नहीं चुकाने पर बैंक पहले आपको नोटिस भेजेंगे। एक महीने बाद नीलामी प्रक्रिया शुरू होगी। नीलामी के लिए RBI ने न्यूनतम सीमा तय की है, जिसे कहते हैं Reserve Price (आरक्षित मूल्य)। यह वह कीमत है, जिससे कम पर सोना नहीं बेचा जा सकता। रिजर्व प्राइस मौजूदा मार्केट वैल्यू का कम से कम 90% होना चाहिए। 2 बार नीलामी फेल होने, यानी कोई खरीदार नहीं मिलने पर 85% नियम लागू होगा। नीलामी में जो रकम मिलेगी, उससे पहले बैंक बकाया काटेगा। बाकी बचा पैसा बैंक को 7 दिनों के भीतर ग्राहक को लौटाना होगा।

देरी पर जुर्माना भी

पहले शिकायतें आती थीं कि लोन पूरा चुकाने के बाद भी बैंक या NBFC सोना वापस देने में देरी करते थे। RBI ने यहां भी सख्ती लागू की है। नियम के अनुसार, लोन बंद होते ही आपका सोना 7 कार्यदिवस के भीतर हर हाल में वापस करना होगा। अगर देरी बैंक या NBFC की तरफ से होती है, तो उस पर ₹5,000 प्रतिदिन का जुर्माना लगेगा।

चांदी पर भी लोन

सिर्फ सोना ही नहीं, चांदी के गहनों, आभूषण पर भी लोन ले सकते हैं। RBI ने सिल्वर लोन को भी रेगुलेट कर दिया है। हालांकि कच्ची चांदी (Bullion), ETF/MF पर लोन नहीं ले सकते। लोन के लिए सिल्वर गहने 10 किलो तक और सिल्वर कॉइन 500 ग्राम तक की लिमिट तय की गई है। चांदी पर भी LTV गोल्ड जैसा ही है।

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 05-01-2026 Zone: NBTWealth Edition: 1 Page: NBTWD2 User: cci Time: 01-04-2026 00:28 Color:

पोर्टफोलियो में REITs, InvITs कितना ज़रूरी?

सुधा श्रीमाली
Sudha.Shrimali
@timesofindia.com

भारतीय निवेशकों की REIT और InvIT में रुचि बढ़ रही है। कम निवेश में नियमित आय और लंबी अवधि में गुंजाइश की उम्मीद ने इन प्रोडक्ट्स को आकर्षक बनाया है। लेकिन जोखिम को समझना भी जरूरी है।

कितने REIT और InvIT लिस्टेड है?

इस समय देश में कुल 5 REIT और 24 InvIT लिस्टेड है। ये सड़क, पावर ट्रांसमिशन, रिन्यूएबल एनर्जी, टेलीकॉम, वेयरहाउसिंग और कमर्शल रियल एस्टेट जैसे सेक्टरों में काम कर रहे है।

रियल एस्टेट इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट (REIT) और इंफ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट (InvIT) ऐसे निवेश माध्यम हैं, जिनकी मदद से कई निवेशकों से पैसा जुटाकर बड़ी रियल एस्टेट और इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं में लगाया जाता है। ये दोनों सेबी के नियमों के तहत चलते हैं और स्टॉक एक्सचेंज पर लिस्टेड होते हैं, इसलिए जरूरत पड़ने पर इनकी यूनिट्स खरीदी-बेची जा सकती हैं। भारत में InvIT और REIT ने FY2026 की दूसरी तिमाही में अच्छी बढ़त दिखाई है।

ICRA के मुताबिक, इन तेजी का डिस्ट्रीब्यूशन पिछले साल की तुलना में 55% से ज्यादा बढ़ा है। यह तेजी सड़क, बिजली, ऊर्जा, कमर्शल रियल एस्टेट, टेलिकॉम और वेयरहाउसिंग जैसे सेक्टरों के बेहतर प्रदर्शन की वजह से देखने को मिली। REIT, InvIT और छोटे-मोटे यानी SM-REIT को मिलाकर कुल असेट्स अंडर मैनेजमेंट लगभग 9.25 लाख करोड़ के आसपास पहुंच चुका है। इसमें से करीब 7 लाख करोड़ InvIT में और लगभग 2.25 लाख करोड़ REIT और SM-REIT में लगे हुए हैं।

रिटेल निवेशक क्या करें?

Money Honey Finance1 सॉल्यूशंस के फाउंडर अनुप वैश बताते हैं, 'REITs और InvITs भारत में रिटेल निवेशकों के लिए आकर्षक इन्वेस्टमेंट ऑप्शन के तौर पर उभरे हैं, जो सीधे मालिकाना हक के बोझ के बिना हाई-क्वालिटी कमर्शल रियल एस्टेट और इंफ्रास्ट्रक्चर एसेट्स में निवेश का मौका देते हैं। इनकम का 90% हिस्सा बांटना जरूरी होने के कारण, ये 6-8% की स्थिर डिविडेंड यील्ड देते हैं, साथ ही कैपिटल एप्रिसिएशन की संभावना भी होती है, जिससे हाल के सालों में कुल 12-14% का रिटर्न मिला है।'

क्या लॉन्ग टर्म में वेल्थ क्रिएट करने का यह सही टूल है? जवाब में अनुप वैश का कहना है कि मजबूत आर्थिक विकास, रेगुलेटरी सुधारों और बढ़ती लिक्विडिटी के बीच, ये ट्रस्ट पोर्टफोलियो डाइवर्सिफिकेशन, प्रोफेशनल मैनेजमेंट और महंगाई से बचाव के फायदे देते हैं, जो इन्हें लंबे समय में दौलत बनाने के लिए जरूरी असेट क्लास बनाते हैं।

वहीं एंबेसी InvIT के CFO अभिषेक अग्रवाल कहते हैं, 'आम निवेशकों को REIT के बारे में ज्यादा जानकारी है, क्योंकि इनमेंने इसे आर्थिक उतार-चढ़ाव के दौरान परफॉर्म करते हुए देखा है।'

वहीं, SEBI चेयरमैन का कहना है कि अभी आम निवेशकों में REIT और InvIT के बारे में जागरूकता बहुत कम है। रेगुलेटर के सर्वे के मुताबिक केवल करीब 10% लोगों को इनके बारे में जानकारी है और इनका इनेमाल करने वाले निवेशक 1%से भी कम हैं। उनका कहना है कि रिटेल निवेशकों को REIT और InvIT को भी उसी तरह देखना चाहिए, जैसे वे इक्विटी, म्यूचुअल फंड, बॉन्ड या बैंक डिपॉजिट को देखते हैं।

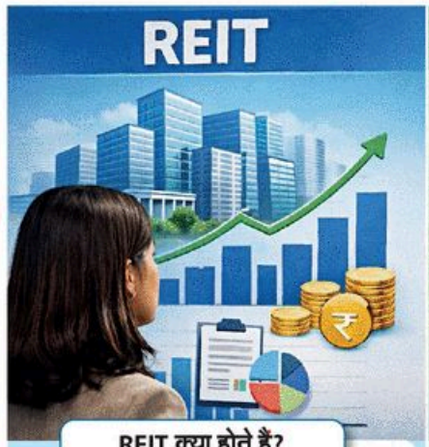

REIT क्या होते हैं?

REIT यानी रियल एस्टेट इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट। यह ऐसी निवेश व्यवस्था है, जो म्यूचुअल फंड की तरह कई निवेशकों से पैसा जुटाती है और उसे बड़ी कमर्शल प्रॉपर्टीज में लगाती है। ये ट्रस्ट उन प्रॉपर्टीज के मालिक होते हैं, उन्हें किराए पर देते हैं और वहां से मिलने वाली आमदनी का बड़ा हिस्सा निवेशकों में बांटते हैं। इस तरह निवेशकों को बिना कोई प्रॉपर्टी खरीदे, रियल एस्टेट से नियमित आय और लंबी अवधि में पूंजी बढ़ने का मौका मिलता है। साथ ही, यह निवेश को ज्यादा लिक्विड बनाता है और पोर्टफोलियो को डाइवर्सिफाई करने में भी मदद करता है।

कमाई कैसे होती है?

REIT ऐसी प्रॉपर्टीज के मालिक होते हैं, जिन्हें वे किराए, लीज पर देते हैं या बेच देते हैं। इन्हीं से उनकी कमाई होती है। REIT को कम से कम 80% रकम ऐसी कमर्शल प्रॉपर्टीज में लगानी होती है, जो पहले से इनकम दे रही हों। फिलहाल केवल कमर्शल रियल एस्टेट में ही निवेश की इजाजत है। REIT को आमदनी का 90% हिस्सा निवेशकों में बांटना जरूरी होता है। अगर कोई प्रॉपर्टी बेच दी जाए, तो बिक्री से मिली रकम को दूसरी प्रॉपर्टी में लगाना होता है या 90 प्रतिशत हिस्सा यूनिट होल्डर्स में बांटना होता है।

80% रकम कम से कम REIT को अपनी ऐसी कमर्शल प्रॉपर्टीज में लगानी होती है जो पहले से इनकम दे रही हो।

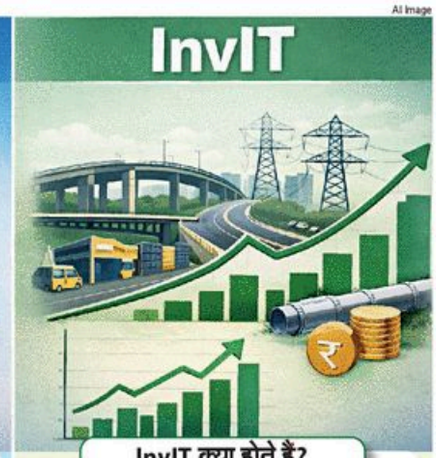

AI Image

InvIT क्या होते हैं?

InvIT यानी इंफ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट। यह भी म्यूचुअल फंड जैसा ढांचा होता है, जो कई निवेशकों से पैसा जुटाता है और उसे ऐसे इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स में लगाता है, जो पहले से चल रहे होते हैं, जैसे हाईवे, टोल रोड, गैस पाइपलाइन, पावर ट्रांसमिशन लाइन, वेयरहाउस या पावर प्लांट आदि। इन प्रोजेक्ट्स से जो कमाई होती है, उसका बड़ा हिस्सा नियमित रूप से निवेशकों में बांटा जाता है। इसलिए InvIT में निवेश करने पर निवेशकों को डिविडेंड के रूप में लगातार आय के साथ-साथ लंबी अवधि में पूंजी बढ़ने का मौका भी मिल सकता है।

कमाई कैसे होती है?

InvIT ऐसे इंफ्रास्ट्रक्चर असेट्स के मालिक होते हैं जो पहले से चल रहे होते हैं। इनमें सड़कें, टोल, गैस पाइपलाइन या पावर ट्रांसमिशन लाइनें आदि शामिल होती हैं। इनके साथ आमतौर पर लंबे समय के कॉन्ट्रैक्ट होते हैं, जिनसे लगातार रेवेन्यू आता रहता है। InvIT को भी अपने नेट कैश फ्लो का 90 प्रतिशत हिस्सा निवेशकों में बांटना पड़ता है। अगर कोई एसेट बेचा जाए, तो राशि या तो नए प्रोजेक्ट में लगाई जा सकती है, या फिर 90 प्रतिशत हिस्सा यूनिट होल्डर्स में बांटा जा सकता है।

90% हिस्सा निवेशकों में बांटना अनिवार्य होता है InvIT को, अपने कमाए गए नेट कैश का कम-से-कम।

कौन ज्यादा स्थिर है?

जहां तक स्थिरता की बात है, REIT आम तौर पर ज्यादा स्थिर माने जाते हैं, क्योंकि उनकी ज्यादातर संपत्तियां किराए पर होती हैं और उनके पास तय रेंटल कॉन्ट्रैक्ट होते हैं। इससे नियमित और अनुमानित इनकम मिलती है। इसके मुकाबले InvIT का कैश फ्लो कई कारकों पर निर्भर करता है जैसे ट्रैफिक, उपयोग, टैरिफ और नीतियां बदलाव। कई बार टैरिफ बढ़ाने की सीमाएं भी इनके शेयर की रफ्तार को धीमा कर सकती हैं।

SEBI ने क्या बदला है?

- सितंबर 2025 में SEBI ने REIT को 'इक्विटी' की श्रेणी में रख दिया, जबकि InvIT को 'हाइब्रिड' ही रहने दिया।
- SEBI चेयरमैन ने बताया कि REIT को इक्विटी की श्रेणी में रखने से म्यूचुअल फंड्स के लिए अलोकेशन आसान होगा। इससे इन प्रोडक्ट्स को अलग-अलग इंडेक्स में शामिल होने और पैसिव फंड्स से पैसा आने में मदद मिलेगी।
- InvIT के हाइब्रिड कैटिगरी में होने से फंड्स को यहां निवेश करने का अधिक स्पेस मिलेगा।
- सेबी ने InvIT के लिए न्यूनतम निवेश सीमा भी कम की है, ताकि अधिक से अधिक लोग इसमें शामिल हो सकें और मार्केट में लिक्विडिटी बढ़े।
- इंडियन REIT असोसिएशन का मानना है कि ऑफिस स्पेस की मांग मजबूत बनी रही, तो REIT एक मुख्य निवेश विकल्प बन सकते हैं।

जोखिम कहां हैं?

REIT में निवेश करते समय यह समझना जरूरी है कि हर तरह के REIT में जोखिम अलग होता है। नॉन-ट्रेडेड REIT ज्यादा जोखिम भरे होते हैं, क्योंकि ये एक्सचेंज पर लिस्टेड नहीं होते, इनमें अक्सर लॉक-इन होता है और कई बार अपफ्रंट फीस रिटर्न घटा देती है। वहीं पब्लिकली-ट्रेडेड REIT ट्रेड तो होते हैं, लेकिन इनमें ब्याज दर बढ़ने पर दबाव आता है। जब रेट बढ़ते हैं, तो निवेशक सुरक्षित विकल्पों की ओर चले जाते हैं, जिससे REIT की कीमत गिर सकती है। इसलिए REIT में भी उतार-चढ़ाव संभव है और रिटर्न हमेशा स्थिर नहीं रहता।

न्यूनतम निवेश कितना?

- SEBI के मुताबिक, REIT और InvIT में तय न्यूनतम रकम से ही निवेश शुरू हो सकता है।
- REIT में न्यूनतम अलॉटमेंट लॉट का साइज लगभग 50,000 रुपये रखा गया है। एक लॉट में आम तौर पर 100 यूनिट होती हैं।
- InvIT के मामले में न्यूनतम अलॉटमेंट लॉट का साइज लगभग 1 लाख रुपये है, और इसमें भी 100 यूनिट शामिल रहती हैं।
- दोनों ही स्टॉक एक्सचेंज पर लिस्टेड होते हैं, इसलिए लिस्टिंग के बाद निवेशक छोटी मात्रा में भी यूनिट खरीद या बेच सकते हैं।
- लिक्विडिटी में REIT को थोड़ा बेहतर माना जाता है, क्योंकि इसकी यूनिट कीमत आम तौर पर कम होते हैं और रियल एस्टेट सेक्टर से लोग परिचित ज्यादा हैं। इससे यह रिटेल निवेशकों के लिए अपेक्षाकृत आकर्षक विकल्प माना जाता है।

AI Image

लोन ट्रांसफर

पहले ही कर लें फायदे-घाटे का हिसाब-किताब

ब्याज दरें घटने से बैंक और फाइनैंशल इंस्टिट्यूशन्स सस्ते कर्ज दे रहे हैं। अगर आपकी दर ज्यादा है, तो लोन ट्रांसफर पर विचार करें, लेकिन पहले पूरा कैलकुलेशन जरूर करें।

प्रदीप तिवारी
Pradeep.Tiwari
@timesofindia.com

पिछले कुछ महीनों से भारत में ब्याज दरों का रुख नीचे की ओर चल रहा है। भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने रेपो रेट में कटौती की, जिसके बाद से कई बैंकों ने अपने होम लोन और दूसरे कर्ज के ब्याज दरों में कमी लानी शुरू कर दी। ऐसे माहौल में आप भी सोच रहे होंगे कि क्या अब अपना मौजूदा लोन किसी दूसरे बैंक में ट्रांसफर करना चाहिए?

दिसंबर 2025 में RBI की रेपो रेट 5.25% तक आ चुकी है और कई बड़े बैंकों ने लेंडिंग रेट घटाई है। कई बैंकों के होम और कार लोन रेट 7.9% से 10% सालाना के आसपास हैं। नए साल में कई बैंक सस्ते लोन ऑफर कर रहे हैं और पुराने लोन धारकों को भी बेहतर ऑफर देने की कोशिश में हैं। ऐसे में अगर आपके लोन की ब्याज दर ज्यादा है, तो लोन ट्रांसफर अच्छा विकल्प हो सकता है। लोन ट्रांसफर में नया बैंक आपका पुराना लोन चुका देता है और आगे आप उसी नए बैंक को EMI चुकाते हैं, जिससे EMI और कुल ब्याज बोझ कम हो सकता है।

... तो करें लोन ट्रांसफर

सिर्फ कम ब्याज दर देखकर लोन ट्रांसफर का फैसला नहीं करना चाहिए, बल्कि पूरे खर्चे जोड़कर तुलना करना जरूरी है। कैलेस ट्रांसफर में आम तौर पर प्रोसेसिंग फीस, लीगिस्टिक चार्ज, लीगल और वैल्यूएशन फीस, डॉक्यूमेंट चार्ज जैसे कई खर्च शामिल होते हैं। ये कुल लोन अमाउंट के लगभग 0.25% से 1% तक पहुंच सकते हैं। इसलिए नए बैंक की दर और इन अतिरिक्त खर्चों को जोड़कर ही फैसला करें। जिन लोगों का लोन पुराने नियमों पर चल रहा है, जैसे BPLR, बेस रेट या MCLR पर, उन्हें रेपो-लिंक्ड या EBLR रेट पर शिफ्ट करने से फायदा हो सकता है, क्योंकि इससे ब्याज कम पड़ता है। ट्रांसफर के बाद बैंक अक्सर आपको कम EMI या कम टेन्योर में से चुनने का विकल्प देते हैं। लंबी अवधि में बचत के लिए आमतौर पर EMI घटाने से ज्यादा टेन्योर घटाना बेहतर माना जाता है।

... तो न करें लोन ट्रांसफर

हर केस में कैलेस ट्रांसफर समझदारी नहीं होती। अगर लोन की सिर्फ 3-5 साल की अवधि बची है, तो अधिकतर मामलों में फायदा सीमित रहता है, क्योंकि आखिरी वर्षों में EMI का ज्यादा हिस्सा प्रिंसिपल पर जाता है। ऐसे में प्रीपेमेंट ज्यादा फायदेमंद हो सकता है। इसी तरह, अगर नए ऑफर में ब्याज दर का अंतर सिर्फ 0.25% के आसपास है, तो फीस और प्रोसेस में बचत खत्म हो सकती है। पहले अपने मौजूदा बैंक से रेट कम कराने की कोशिश करें। खराब क्रेडिट स्कोर या अस्थिर आय वाले लोगों को नया बैंक ज्यादा दर भी दे सकता है। साथ ही, ऑफर में छिपी शर्तें, बंडल्ड इंश्योरेंस या बाद में रेट बढ़ने के जोखिम पर भी ध्यान दें। फिक्स्ड-रेट लोन में प्रीपेमेंट पेनल्टी भी भारी हो सकती है। इसलिए कुल लागत का पूरा हिसाब लगाकर ही निर्णय लें।

इन हालात में लोन ट्रांसफर करना सही

1 कई बैंक मानते हैं कि पुराने-नए लोन की ब्याज दर में कम से कम 0.5-1% का अंतर हो, खासकर लंबे होम लोन में, तो कैलेस ट्रांसफर की सोच सकते हैं।

2 लोन की शुरुआत में, जब EMI का बड़ा हिस्सा ब्याज में जाता है, ट्रांसफर कर सकते हैं। जैसे 20-25 साल के लोन में 3-7 साल हुए हों।

3 कैलेस ट्रांसफर फायदेमंद है जब बकाया लोन बड़ा और लंबा टेन्योर हो। 20-25 लाख बकाया और 10-15 साल बाकी हो तो बड़ी बचत संभव है।

4 अच्छा क्रेडिट स्कोर और साफ रीपेमेंट हिस्ट्री हो तो बैंक कम ब्याज दर ऑफर करते हैं, खासतौर पर सैलरीड, समय पर EMI भरने वालों को।

5 कैलेस ट्रांसफर सिर्फ कम ब्याज दर के लिए नहीं, बल्कि बेहतर कस्टमर सर्विस, आसान प्रीपेमेंट और टॉप-अप सुविधा के लिए भी किया जाता है। अगर बैंक रेट-कट का फायदा नहीं दे रहा या री-प्राइसिंग पर ज्यादा शुल्क ले रहा है, तो दूसरे बैंक में जाना उचित हो सकता है।

यहां दूर होगी उलझन

Q रीपो रेट में कटौती के बाद किस तरह के लोन के ब्याज दर घटते हैं?

सीए अंकुर तायल के अनुसार, लोन मुख्य रूप से दो तरह के होते हैं। एक वे, जिनकी ब्याज दर रीपो रेट से जुड़ी होती है, और दूसरे फिक्स्ड रेट वाले लोन।

अंकुर तायल, चार्टर्ड अकाउंटेंट

फिक्स्ड रेट लोन ज्यादातर असेसबेर्ड होते हैं, जैसे पर्सनल लोन। जिन लोन की ब्याज दर रीपो रेट से जुड़ी है, उनमें हाल में कमी आई है, जबकि फिक्स्ड रेट वाले लोन की ब्याज दरों पर कोई असर नहीं पड़ा है। फिलहाल होम लोन की ब्याज दर करीब 7.1% से 8.7% के बीच है, वहीं ऑटो लोन 7.6% से 11% तक मिलते हैं। MSME और अन्य बिजनेस लोन की दरें 12% तक जाती हैं।

Q ब्याज दर घटने के बाद किस तरह के लोन में रहना नुकसान वाला सौदा है?

पर्सनल लोन में ब्याज दर 12% से 24% तक होती है। ऐसे लोन पर रीपो रेट घटने का फायदा नहीं मिलता। इसी तरह अगर आपने गाड़ी का लोन NBFC से लिया है या होम लोन, बिजनेस लोन किसी ऐसे संस्थान से लिया है जहां ब्याज दर फिक्स्ड है, तो नुकसान हो सकता है। इसलिए जहां से लोन लिया है, वहां जरूर जांचें कि ब्याज दर फिक्स्ड है या नहीं। फिक्स्ड है, तो ट्रांसफर की सोच सकते हैं।

Q किस तरह के लोन को ट्रांसफर करना सही फैसला होगा?

अगर लोन फिक्स्ड है और अब तक 35-40% EMI ही चुकाई है, तो लोन ट्रांसफर पर विचार किया जा सकता है। लेकिन अगर नए बैंक में ब्याज दर सिर्फ 0.25% कम मिल रही है, तो ज्यादा बचत नहीं होगी। मान लीजिए, 50 लाख रुपये का लोन है, ब्याज दर में 0.50 से 1% का फर्क है और करीब 10 साल की EMI बाकी है, तो 1.5 से 2 लाख रुपये तक ब्याज बच सकता है। लोन ट्रांसफर से पहले बैंक की प्रोसेसिंग फीस, डॉक्यूमेंट चार्ज और दूसरे खर्चे जरूर जांच लें।

जब वेराइटी हो तो किसी एक के पीछे पैसे क्यों लगाना?

मार्केट ऊपर-नीचे तो डायवर्सिफिकेशन ही आता है काम

2 दो दूनी चार

रमेश तिवारी
Ramesh.Tiwari
@timesofindia.com

बाजार अच्छा चल रहा हो तो लगता है कि एक ही जगह पैसा लगाकर जल्दी अमीर हुआ जा सकता है। लेकिन अगर दांव उलटा पड़ जाए तो पूरा पोर्टफोलियो हिल जाता है। यही वजह है कि निवेश में डायवर्सिफिकेशन सबसे अहम रणनीति माना जाता है, जो जोखिम घटाकर सफर को स्थिर बनाता है।

जब बाजार ऊपर जा रहा होता है, तब एक ही जगह सारा पैसा लगाना बहुत समझदारी जैसा लगता है। एक सेक्टर के शेयर तेजी से बढ़ रहे हों, कोई प्रॉपर्टी हर साल महंगी हो रही हो या क्रिप्टो रातों-रात दोगुना हो जाए, ऐसे समय में भरोसा बढ़ता है। लगता है कि हमने सही फैसला लिया है। लोग ऐसी कहानियां बहुत सुनाते हैं, उसने एक ही शेयर में पैसा लगाया और करोड़पति बन गया। उसने एक ही जमीन खरीदी और किस्मत बदल गई। लेकिन इन कहानियों में एक बात अक्सर छूट जाती है। अगर वही दांव गलत पड़ जाता, तो क्या होता?

बाजार रहे कि बाजार हमेशा ऊपर नहीं जाता। कभी मंदी आती है, कभी सरकार की पॉलिसी बदलती है। बिजनेस में दिक्कत भी आती है, गलत टाइमिंग हो सकती है। इस हालत में अगर सारा पैसा एक ही जगह लगा हो तो झटका भी पूरा लगता है। समस्या यह है कि आपने सिर्फ एक ही जोखिम लिया। इसकी जगह डायवर्सिफिकेशन को बेहतर रणनीति के तौर पर देखा जाता है। इसके जरिये आप अपना सारा पैसा एक ही जगह न लगाकर अलग-अलग जगहों पर फैला सकते हैं, ताकि अगर एक जगह नुकसान हो, तो बाकी जगहें आपको संभाल सकें।

डायवर्सिफिकेशन न सिर्फ पोर्टफोलियो के जोखिम को कम करता है, रिटर्न को भी स्थिर बनाने में मदद करता है। यदि किसी एक शेयर, कंपनी, सेक्टर या उद्योग का प्रदर्शन खराब हो जाए, तो यह पूरे पोर्टफोलियो को प्रभावित नहीं करता। उतार-चढ़ाव यानी वॉलेटिलिटी भी कम होती है। अलग-अलग असेट्स जिनका प्रदर्शन आपस में कम या उलटा संबंधित होता है, उन्हें मिलाकर रखने से कुल रिटर्न का सफर आसान हो जाता है। जब एक असेट का मूल्य गिरता है, तो दूसरा अक्सर स्थिर रहता है या बढ़ता है, जिससे निवेशक को कम झटके मिलते हैं। यह कम जोखिम में बेहतर रिटर्न हासिल करने का मौका देता है। सारे अंडे एक टोकरी में मत डालो, ये कहावत तो आपने सुनी होगी। अलग-अलग आर्थिक परिस्थितियों में असेट्स अलग तरह से प्रदर्शन करते हैं। उदाहरण के लिए, महंगाई के समय रियल एस्टेट और गोल्ड के दाम बढ़ सकते हैं, जबकि ब्याज दरों में गिरावट पर बॉन्ड्स लाभ पहुंचा सकते हैं। स्टॉक्स ग्रोथ देने में सहायक होते हैं, जबकि बॉन्ड्स और कैश पूंजी बचाने में काम आते हैं और नियमित आय देते हैं। इस तरह पूरा जोखिम तो नहीं मिटता, लेकिन संभावना कम हो जाती है।

डायवर्सिफिकेशन न सिर्फ पोर्टफोलियो के जोखिम को कम करता है, रिटर्न को भी स्थिर बनाने में मदद करता है। यदि किसी एक शेयर, कंपनी, सेक्टर या उद्योग का प्रदर्शन खराब हो जाए, तो यह पूरे पोर्टफोलियो को प्रभावित नहीं करता। उतार-चढ़ाव यानी वॉलेटिलिटी भी कम होती है।

अलग असेट्स से निवेशक को कई तरह के रिटर्न सोर्स मिलते हैं, जैसे तकनीकी स्टॉक्स से ग्रोथ, डिविडेंड स्टॉक्स से आय, रियल एस्टेट और बॉन्ड्स से सुरक्षा। यह छोटे और लंबे समय के निवेश लक्ष्यों दोनों के लिए उपयुक्त होता है। अंतरराष्ट्रीय निवेश से किसी देश-विशेष का जोखिम कम होता है। अगर किसी देश की अर्थव्यवस्था मंदी, राजनीतिक अस्थिरता या नीतिगत बदलावों से प्रभावित होती है, तो दूसरे देशों के बाजार उसका असर संतुलित कर सकते हैं। केवल घरेलू बाजार पर निर्भर रहने से यह सुरक्षा नहीं मिलती। अमेरिका की टेक कंपनियां, यूरोप के कंस्यूमर ब्रैंड्स, एशिया की मैन्युफैक्चरिंग कंपनियां या उभरते बाजारों की ग्रोथ- ये सभी अलग-अलग रिटर्न देते हैं, जिससे पोर्टफोलियो ज्यादा संतुलित बनता है। ग्लोबल निवेश से विश्वस्तरीय कंपनियों तक सीधी पहुंच मिलती है। कई बार ये कंपनियां घरेलू बाजार में उपलब्ध ही नहीं होतीं, जबकि वे लंबे समय में स्थिर और मजबूत ग्रोथ देती हैं। इसके अलावा, करेंसी भी एक अहम फायदा है। जब घरेलू मुद्रा कमजोर होती है, तब डॉलर या अन्य मजबूत मुद्राओं में किए गए निवेश का मूल्य बढ़ सकता है।

इसमें एक गलती भी होती है, जरूरत से ज्यादा डायवर्सिफिकेशन। आजकल बहुत से लोग सोचते हैं कि जितने ज्यादा म्यूचुअल फंड, उतना सुरक्षित। असलियत उलटी है। अगर आपके पास 7 या 8 इक्विटी म्यूचुअल फंड हैं, तो हो सकता है कि आप अनजाने में पूरे बाजार को ही खरीद रहे हैं। एक आम इक्विटी फंड में 60-80 शेयर होते हैं। 7-8 फंड मिलकर 400-500 कंपनियों का एक्सपोजर बन देते हैं। इसका मतलब यह हुआ कि अच्छा प्रदर्शन औसत में दब जाता है। आप बाजार से अलग कुछ नहीं कर रहे। अच्छे फंड मैनेजर की समझ का फायदा खत्म हो जाता है। बहुत सारे असेट्स, फंड्स और इंस्ट्रूमेंट्स को समझना, ट्रैक करना और मैनेज करना मुश्किल हो जाता है। आम निवेशक के लिए यह भ्रम पैदा करता है कि पैसा कहां और क्यों लगा है। वैसे अब पोर्टफोलियो में आल्टरनेटिव्स पर भी ध्यान जा रहा है। रियल एस्टेट इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट, इन्फ्रा ट्रस्ट भी सामने आ रहे हैं। इसमें कौन से आपके लिए फायदेमंद हो सकते हैं, फैसला आपको करना है।

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 05-01-2026 Zone: NBTWealth Edition: 1 Page: NBTWD3 User: cci Time: 01-04-2026 00:28 Color:

'2026 में BFSI, IT और हेल्थकेयर सेक्टर बेहतर'

अखिलेश प्रताप सिंह
Akhilesh.Singh1@timesofindia.com

नए साल में शेयर बाजार को लेकर तस्वीर पहले से ज्यादा सकारात्मक दिख रही है। लेकिन वैश्विक अनिश्चितता और डॉलर-रुपया जैसे जोखिम भी बने हुए हैं। इन्हीं मुद्दों पर यहां निवेशकों की उलझनों को दूर करने का प्रयास किया है।

पिछले साल शेयर बाजार काफी हद तक एक दायरे मे रहा और इसका प्रदर्शन अधिकतर विकसित और उभरते बाजारो के मुकाबले कमजोर रहा। हालांकि आने वाले समय मे कंपनियो के मुनाफे मे अच्छी बढ़ोतरी होने की उम्मीद और दमदार इकॉनमी से नए साल मे स्टॉक मार्केट को अच्छा सपोर्ट मिलेगा। यह कहना है कोटक सिक्योरिटीज के इक्विटी रिसर्च हेड श्रीकांत चौहान का। पेश है उनसे हुई बातचीत के मुख्य अंश:

तिमाही मे फोकस लार्ज कैप शेयरो पर रहेगा। मिड कैप, स्मॉल कैप सेगमेंट्स मे मोमेंटम मे 3-6 महीने तक लग सकते है।

हम चुनिंदा मिड कैप और स्मॉल कैप स्टॉक्स पर पॉजिटिव है, जिनमे दमदार ग्रोथ के अवसर है और जो वाजिब वैल्यूएशस पर ट्रेड कर रहे है।

नए साल में बाजार कैसा रह सकता है?

पहले के मुकाबले अब भारतीय शेयर बाजार के बारे मे हमारी राय ज्यादा पॉजिटिव और कंस्ट्रक्टिव है। इसकी वजह यह है कि अर्निंग्स आउटलुक मजबूत हुआ है और सरकार ने भी ठोस कदम उठाए है। पहले भारतीय बाजार मे ऊंचे वैल्यूएशस और अर्निंग्स डाउनग्रेड्स के रिस्क से जुड़ी चिंताएं थी। ये धीरे-धीरे करके काफी हद तक दूर हो गई है। आने वाले समय मे उम्मीद है कि कंपनियो के मुनाफे मे अच्छी ग्रोथ दिखेगी। वित्त वर्ष 2027 के लिए अनुमानित ग्रोथ भी अच्छी रहेगी।

29,120 पॉइंट्स का बेस केस टारगेट है निफ्टी 50 का कैलेंडर ईयर 2026 के अंत तक के लिए

निवेशकों के सामने किस तरह के रिस्क हो सकते हैं?

वैश्विक अनिश्चितता से 2026 मे ग्लोबल GDP ग्रोथ नरम रह सकती है। क्योंकि विकसित और उभरती अर्थव्यवस्थाओ मे परिवारो का सेंटिमेंट कमजोर है, इनवेस्टमेंट एक्टिविटी सुस्त है और सरकारो के पास राजकोषीय स्तर पर कदम उठाने की गुंजाइश सीमित दिख रही है। स्टॉक मार्केट के लिए निकट भविष्य के जोखिमो की बात है, तो इनमे बढ़ती वैश्विक अनिश्चितता और अमेरिका के ऊंचे टैरिफ से बढ़ता व्यापार घाटा मुख्य है। रुपये मे कमजोरी से मार्केट परफॉर्मेंस पर असर पड़ सकता है। करंसी कमजोर होती है तो फॉरेन पोर्टफोलियो इनवेस्टर पैसा निकालने लगते है।

आने वाली तिमाहियो मे फोकस लार्ज कैप शेयरो पर रहेगा। मिड कैप और स्मॉल कैप सेगमेंट्स मे मोमेंटम बनने मे 3 से 6 महीने तक लग सकते है। इस साल के अंत तक के लिए निफ्टी 50 का बेस केस टारगेट 29120 पॉइंट्स का है। ***-श्रीकांत चौहान, इक्विटी रिसर्च हेड, कोटक सिक्योरिटीज***

किन सेक्टरों से बेहतर रिटर्न मिल सकता है?

निफ्टी 50 इंडेक्स के लिए इंक्रीमेंटल प्रॉफिट ग्रोथ मे ज्यादा योगदान डायवर्सिफाइड फाइनैंशल्स, मेटल्स एंड माइनिंग, ऑयल, गैस और टेलीकम्युनिकेशन सर्विसेज का हो सकता है। हमारे पसंदीदा सेक्टरो मे BFSI, इंफॉर्मेशन टेक्नॉलजी, हेल्थकेयर और हॉस्पिटैलिटी शामिल है। टियर-1 बैंको का वैल्यूएशन वाजिब दिख रहा है। वही, टियर-2, टियर-2 बैंक और NBFC आकर्षक वैल्यूएशस पर ट्रेड कर रहे है। IT सेक्टर आकर्षक है क्योंकि इसमे अधिकतर कंपनियो का वैल्यूएशन सस्ता हो गया है। हॉस्पिटल्स पर हम पॉजिटिव है क्योंकि ये कंपनियां नई कैपेसिटी जोड़ रही है और कैपिटल एक्सपेंडिचर बढ़ा रही है।

आउटलुक तेजड़ियों के पक्ष में, वेनेजुएला पर अमेरिकी हमले से जुड़ा घटनाक्रम दिखा सकता है असर

नए साल में नए सफर पर स्टॉक मार्केट, इस हफ्ते कितना चढ़ेगा निफ्टी, कहां लगाएं पैसा?

अखिलेश प्रताप सिंह
Akhilesh.Singh1@timesofindia.com

नए साल की शुरुआत मे शेयर बाजार ने रफ्तार पकड़ ली है और निफ्टी ने नया ऑल-टाइम हाई छू लिया। मजबूत अर्निंग्स आउटलुक, बेहतर आर्थिक संकेतकों और ग्लोबल घटनाक्रमो के बीच इस हफ्ते भी तेजी का माहौल रहने की उम्मीद है, हालांकि उतार-चढ़ाव बना रह सकता है।

नए साल मे लगातार दूसरे हफ्ते बढ़त के साथ बंद होने के साथ शेयर बाजार मे इस हफ्ते भी तेजी का माहौल बने रहने की संभावना है। नए साल की शुरुआत वाले सप्ताह मे निफ्टी ने शुक्रवार को 26340 पॉइंट्स का नया ऑल-टाइम हाई बनाया और 15 महीनों बाद नए शिखर पर बंद हुआ। इंडेक्स ने 1.1% वीकली गेन दर्ज किया। विशेषज्ञों का कहना है कि इस हफ्ते भी बाजार मे पॉजिटिव मोमेंटम बना रह सकता है क्योंकि इकॉनमी की दमदार ग्रोथ के बीच कंपनियों का मुनाफा बेहतर होने की उम्मीद मजबूत हुई है। वहीं अमेरिका मे बेरोजगारी के आंकड़ो से लेकर वेनेजुएला पर अमेरिकी हमले तक का घटनाक्रम अहम होगा। भारत-अमेरिका व्यापार समझौते से जुड़े अपडेट पर भी निवेशकों की नजर रहेगी।

पिछले हफ्ते मे 2 जनवरी को निफ्टी ने 26340 का नया इंट्रा डे हाई और 26328 पॉइंट्स का नया क्लोजिंग हाई बनाया। शुक्रवार लगातार तीसरा सेशन रहा, जब बाजार बढ़त के साथ बंद हुआ। NSE कैश सेगमेंट मे टर्नओवर पिछले सेशन से 28% ज्यादा रहा। निफ्टी 50 के अलावा निफ्टी ऑटो, निफ्टी मेटल, निफ्टी बैंक, निफ्टी पीएसयू बैंक, निफ्टी प्राइवेट बैंक और निफ्टी मिड कैप 150 से लेकर निफ्टी मिडकैप 100 और निफ्टी मिड कैप 50 ने शुक्रवार को बढ़त दर्ज की थी। निफ्टी 500, निफ्टी 200 और निफ्टी 100 जैसे लार्ज कैप सूचकांकों ने 52 हफ्तों के हाई बनाए। HDFC सिक्योरिटीज के डिप्टी वाइस प्रेसिडेंट नंदीश शाह ने कहा, 'वीकली बेसिस पर निफ्टी मे 1.1% की बढ़त से पहले से चला आ रहा बुलिश अंडरटोन और मजबूत हुआ। निफ्टी FMCG को छोड़कर बाकी सभी सूचकांक चढ़कर बंद हुए। ब्रॉडर मार्केट दमदार बना हुआ है। निफ्टी मिडकैप 100 भी 1% चढ़कर ऑल-टाइम हाई पर बंद हुआ, वहीं निफ्टी स्मॉल कैप इंडेक्स 0.7% चढ़ा। BSE पर एडवांस-डिक्लाइन रेशियो 1.93 रहा।'

कौन-सा शेयर खरीद सकते हैं?

LKP Securities के टेक्निकल एनालिस्ट वत्सल भुवा की सलाह

(खरीदें) टारगेट प्राइस

शेयर	टारगेट प्राइस
टाटा स्टील	₹188
फेडरल बैंक	₹288
बजाज ऑटो	₹9,900

HDFC Securities की सलाह

(खरीदें) टारगेट प्राइस

शेयर	टारगेट प्राइस
डॉ. लाल पैथलैब्स	₹1,740
ऑयल इंडिया	₹495

बेचें, टारगेट प्राइस
₹200 FSN E-Commerce (Nykaa)

PL Capital के रिसर्च एनालिस्ट आदित्य जखोटिया की सलाह

(होल्ड रेटिंग) टारगेट प्राइस

शेयर	टारगेट प्राइस
बजाज ऑटो	₹9,050
आयशर मोटर्स	₹6,840
मारुति सुजुकी	₹16,215

(खरीदें) टारगेट प्राइस

शेयर	टारगेट प्राइस
हीरो मोटोकॉर्प	₹6,555
M&M	₹3,950
TVS मोटर	₹3,907

इस सप्ताह इन पर रहेगी नज़र

जियोजीत इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के रिसर्च हेड विनोद नायर ने कहा, 'इस सप्ताह निवेशकों की नजर अमेरिकी पेरोल और अनएम्प्लॉयमेंट डेटा पर होगी। इससे वैश्विक बाजारो को दिशा मिलेगी। ओवरऑल सेंटिमेंट कंस्ट्रक्टिव रहने की उम्मीद है। हालांकि मार्केट एक रेंज मे रह सकता है क्योंकि निवेशक कंपनियो के मुनाफे मे अच्छी बढ़ोतरी के संकेत देखना चाहेंगे और नजर भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के अपडेट पर भी होगी।' अमेरिका मे बेरोजगारी के आंकड़े 9 जनवरी को जारी होंगे। वहीं, वेनेजुएला घटनाक्रम भी अहम होगा।

किधर जाएगा निफ्टी?

एंजल वन के चीफ मैनेजर ओशो कृष्णन ने कहा, 'कंसॉलिडेशन ब्रेकआउट के साथ इंडेक्स निकट भविष्य मे 26500-26600 की रेंज मे जा सकता है। नीचे की ओर 26200-26150 का पिछला रेजिस्टेंस लेवल सपोर्ट दे सकता है। वहीं, ठोस सपोर्ट 26000 पर बना हुआ है।' HDFC सिक्योरिटीज के नंदीश शाह ने कहा, 'इंडेक्स अब नई टेरिटरी मे आ गया है और निकट भविष्य मे यह 26500 की ओर जा सकता है। नीचे की ओर नजदीकी सपोर्ट बढ़कर 26100 के करीब आ गया है।'

कैसी हो रणनीति?

LKP सिक्योरिटीज के सीनियर टेक्निकल एनालिस्ट रूपक दे ने कहा, 'निफ्टी के 26000 पॉइंट्स से ऊपर रहने पर गिरावट पर खरीदारी की रणनीति सही रहेगी। 26350 से ऊपर जाने पर शॉर्ट टर्म मे 26600 की ओर बढ़ने का दरवाजा खुल सकता है।' एंजेल वन के ओशो कृष्णन ने ने कहा, 'ओवरऑल मार्केट आउटलुक बुल्स के फेवर मे शिफ्ट हो गया है। हम अपनी इस राय पर कायम है कि प्राइस मे संभावित उतार-चढ़ाव का फायदा लेने के लिए गिरावट पर खरीदारी की रणनीति पर बने रहना चाहिए।

SMART STATS

किसका, कैसा रिटर्न?

यहां अलग-अलग कैटिगरी मे रिटर्न के आधार पर शीर्ष 5 और सबसे कम रिटर्न देने वाले 5 फंड्स की सूची दी गई है, ताकि निवेशक समझ सके कि हाल के महीनो मे किन फंड्स का कैसा प्रदर्शन रहा है।

Equity: Large Cap 3-year returns

अव्वल		फिसड्डी	
19.44	Nippon India Large Cap Fund(G)	11.98	PGIM India Large Cap Fund(G)
18.31	ICICI Pru Large Cap Fund(G)	12.23	LIC MF Large Cap Fund-Reg(G)
18.22	DSP Large Cap Fund-Reg(G)	12.25	Sundaram Large Cap Fund-Reg(G)
17.62	Bandhan Large Cap Fund-Reg(G)	12.36	Axis Large Cap Fund-Reg(G)
17.35	Invesco India Largecap Fund-Reg(G)	12.69	Union Largecap Fund-Reg(G)

Equity: Flexi Cap 3-year returns

अव्वल		फिसड्डी	
22.16	Parag Parikh Flexi Cap Fund-Reg(G)	2.10	Samco Flexi Cap Fund-Reg(G)
21.62	Motilal Oswal Flexi Cap Fund-Reg(G)	11.11	Shriram Flexi Cap Fund-Reg(G)
21.53	HDFC Flexi Cap Fund(G)	11.42	UTI Flexi Cap Fund-Reg(G)
21.31	Invesco India Flexi Cap Fund-Reg(G)	13.11	Navi Flexi Cap Fund-Reg(G)
20.98	Bank of India Flexi Cap Fund-Reg(G)	13.17	PGIM India Flexi Cap Fund-Reg(G)

Equity: Mid Cap 3-year returns

अव्वल		फिसड्डी	
26.81	Invesco India Midcap Fund-Reg(G)	13.47	PGIM India Midcap Fund-Reg(G)
25.84	Edelweiss Mid Cap Fund-Reg(G)	14.77	Quant Mid Cap Fund(G)
25.63	WOC Mid Cap Fund-Reg(G)	15.76	Taurus Mid Cap Fund-Reg(G)
25.62	HDFC Mid Cap Fund-Reg(G)	17.10	UTI Mid Cap Fund-Reg(G)
25.01	Motilal Oswal Midcap Fund-Reg(G)	17.51	SBI Midcap Fund-Reg(G)

Equity: Small Cap 3-year returns

अव्वल		फिसड्डी	
29.47	Bandhan Small Cap Fund-Reg(G)	13.82	PGIM India Small Cap Fund-Reg(G)
25.03	Mahindra Manulife Small Cap Fund-Reg(G)	13.92	SBI Small Cap Fund-Reg(G)
24.98	ITI Small Cap Fund-Reg(G)	15.40	Kotak Small Cap Fund(G)
24.32	Invesco India Smallcap Fund-Reg(G)	15.42	Tata Small Cap Fund-Reg(G)
21.34	Nippon India Small Cap Fund(G)	15.89	Canara Rob Small Cap Fund-Reg(G)

Hybrid: Aggressive 3-year returns

अव्वल		फिसड्डी	
19.37	ICICI Pru Equity & Debt Fund(G)	11.54	Axis Aggressive Hybrid Fund-Reg(G)
18.52	BOI Mid & Small Cap Equity & Debt	11.72	Groww Aggressive Hybrid Fund-Reg
18.05	JM Aggressive Hybrid Fund-Reg(G)	11.77	PGIM India Aggressive Hybrid Equity
16.88	UTI Aggressive Hybrid Fund-Reg(G)	11.78	Quant Aggressive Hybrid Fund(G)
16.85	Edelweiss Aggressive Hybrid Fund-Reg(G)	11.78	Tata Aggressive Hybrid Fund-Reg(G)

ANNUALISED RETURNS IN %. As on: 1 Jan 2026

छोटे निवेशक आखिर कब तक बने रहेंगे शेयर बाज़ार की ताक़त?

मृत्युंजय राय
Mrityunjay.Ray@timesofindia.com

शेयर बाजार के सूचकांक भले ऊंचे दिख रहे हों, लेकिन छोटे निवेशकों के पोर्टफोलियो दबाव मे है। FII बिकवाली, सेक्टरवार कमजोरी और महंगे वैल्यूएशन के बीच जोखिम धीरे-धीरे आम निवेशकों पर खिसक रहा है। सवाल यह है कि कब तक उनका पैसा बाजार को सहारा देता रहेगा।

भारतीय शेयर बाजार के बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी अपने लाइफ टाइम हाई लेवल से ज्यादा नीचे नहीं है, लेकिन आम निवेशकों के पोर्टफोलियो की हालत खराब है। पिछले साल सितंबर के बाद से भारतीय बाजार और खासतौर पर छोटे निवेशकों मे मायूसी पसरी हुई है। अक्सर ये लोग मिडकैप, स्मॉल कैप और माइक्रोकैप स्टॉक्स मे पैसा लगाते हैं, जिनकी हालत साल भर से अधिक समय से खराब चल रही है। फिर सेंसेक्स और निफ्टी मे भी सभी कंपोनेंट्स मे तेजी नहीं है। अगर फाइनैंशल स्टॉक्स अच्छा कर रहे हैं तो IT कंपनियों की स्थिति काफी समय से खराब चल रही है। इस बीच, विदेशी संस्थागत निवेशक (FII) भारत से लगातार पैसा निकाल रहे हैं। कई कंपनियों के प्रमोटरों ने भी वैल्यूएशन अधिक होने की वजह से अपनी हिस्सेदारी बेची है। इसके बावजूद कुछ समय पहले बेंचमार्क सूचकांक नए लाइफ टाइम हाई लेवल पर पहुंचे।

अगर यह सब पढ़कर आपके मन मे सवाल आ रहा है कि FII और प्रमोटरों की बिकवाली के बीच ऐसा क्यों हुआ तो इसके लिए आपमे से कई जिम्मेदार हैं। आप इसलिए जिम्मेदार हैं, क्योंकि सिस्टेमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (SIP) के जरिये जो पैसा आप मार्केट मे लगा रहे हैं या इंश्योरेंस कंपनियों को आप जो प्रीमियम दे रहे हैं, उसने बाजार को गिरने नहीं दिया है, जबकि कई शेयरों के वैल्यूएशन बहुत ही ज्यादा हैं।

कई विशेषज्ञ मानते हैं कि FII बिकवाली के बावजूद बाजार मे बड़ा करेक्शन न आना सकारात्मक है, लेकिन दूसरा पहलू यह है कि जोखिम घरेलू निवेशकों पर शिफ्ट हो गया है। छोटे निवेशक उतार-चढ़ाव झेलने की स्थिति मे नहीं होते। SIP और इंश्योरेंस के जरिए उनका पैसा बाजार मे जा रहा है। गिरावट बढ़ी, तो परिवारों की नेटवर्थ प्रभावित होगी, वे खर्च घटाएंगे और इसका प्रभाव अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा, जबकि रिटर्न हाल मे कमजोर रहा है।

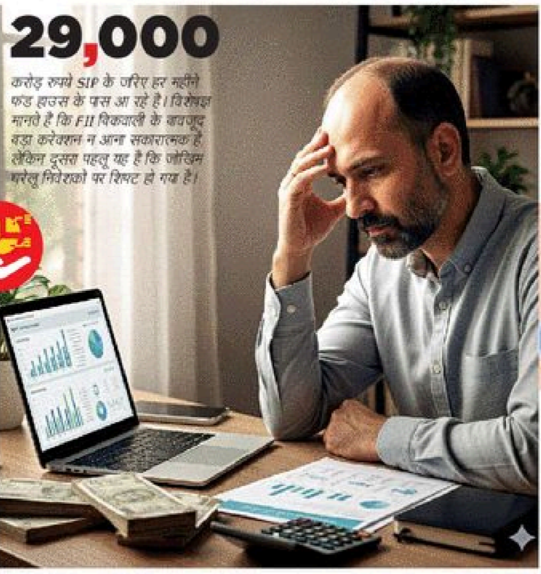

29,000 *करोड़ रुपये SIP के जरिए हर महीने फंड हाउस के पास आ रहे हैं। विशेषज्ञ मानते हैं कि FII बिकवाली के बावजूद बड़ा करेक्शन न आना सकारात्मक है लेकिन दूसरा पहलू यह है कि जोखिम घरेलू निवेशकों पर शिफ्ट हो गया है।*

SIP का पैसा और FII का दबाव

SIP के जरिए हर महीने 29,000 करोड़ फंड हाउस के पास आ रहे है। बेहतर रिटर्न दिखाने की होड़ मे फंड मैनेजर IPO और सेकेंडरी मार्केट मे चुने हुए शेयरो के पीछे दौड़ रहे हैं, जिससे उनका वैल्यूएशन ऊंचा बना हुआ है। दूसरी तरफ FII ने प्राइवेट बैंक, IT, इंश्योरेंस और कंज्यूमर स्टेपल्स मे बिकवाली की, तो इन पर दबाव बढ़ा। जबकि ऑटो, सीमेंट, PSU, मेटल्स और साइक्लिकल स्टॉक्स पहले से महंगे है। FII यहां लौटे भी तो सही वैल्यूएशन का इंतजार करेंगे, तब तक दबाव बना रह सकता है।

पोर्टफोलियो की हालत बुरी क्यों?

एक वक्त था, जब कंपनियो की प्रॉफिट ग्रोथ अच्छी बनी हुई थी। लिक्विडिटी यानी फाइनैंशल सिस्टम मे पैसा भी काफी था। अब हालात अलग है। विदेशी निवेशकों की दिलचस्पी आर्टिफिशल इंटेलिजेंस से जुड़ी कंपनियों मे है। इसलिए भारतीय बाजार मे हर रैली पर बिकवाली हो रही है। यही वजह है कि बेंचमार्क सूचकांक भले ही लाइफ टाइम हाई लेवल से ज्यादा नीचे न हो, लेकिन पोर्टफोलियो की हालत बुरी चल रही है।

कब लौटेंगे विदेशी संस्थागत निवेशक?

FII की बिकवाली से मैक्रो-इकॉनमी पर भी बुरा असर पड़ रहा है। डॉलर के मुकाबले रुपया 2025 मे काफी कमजोर रहा। एशियाई देशो की मुद्रा की तुलना मे सबसे अधिक गिरावट रुपये मे आई। यह बात तब है, जबकि डॉलर दूसरे देशो की मुद्रा के मुकाबले 2025 मे खुद कमजोर रहा। ऐसे मे जो लोग विदेशी संस्थागत निवेशकों के जल्द लौटने की भविष्यवाणी कर रहे है, उन्हे यह समझना होगा कि यह तभी होगा, जब रुपये मे स्थिरता आएगी।

कैसे बदलेगी यह सूरत?

अब सवाल यह है कि यह सूरत बदले कैसे? इसके दो रास्ते है। पहला, कंपनियो की प्रॉफिट ग्रोथ मे तेजी आए, जिससे उनका वैल्यूएशन कम हो। यह तभी होगा, जब प्रॉफिट ग्रोथ के साथ कंपनियो के शेयर प्राइस ज्यादा न भागें। दूसरा रास्ता यह है कि जिन कंपनियो का वैल्यूएशन अधिक है, उनमे गिरावट आए। यह बात भी याद रखनी चाहिए कि अभी SIP से आने वाला जो पैसा मार्केट की ताकत बना हुआ है, अगर रिटर्न खराब रहे तो इनके जरिये निवेश की जाने वाली रकम मे कमी आ सकती है। अमेरिकी बॉन्ड यील्ड मे कमी आने और AI ट्रेड से विदेशी निवेशकों का मोहभंग होने पर भी वे भारतीय बाजार का रुख कर सकते है। कई एक्सपर्ट्स AI सेक्टर मे बुलबुले को लेकर आगाह कर चुके है, लेकिन अभी इसके फूटने की आशंका नहीं दिखी। मार्केट मे बड़ी गिरावट आती है तो SIP वाले चपेट मे आएंगे और इससे खर्च की उनकी क्षमता पर बुरा असर पड़ेगा।

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 05-01-2026 Zone: NBTWealth Edition: 1 Page: NBTWD4 User: cci Time: 01-04-2026 00:29 Color:

रिटर्न ऑफ प्रीमियम

टर्म इंश्योरेंस विद रिटर्न ऑफ प्रीमियम प्लान (TROP) में बीमाधारक पॉलिसी के अंत तक जीवित रहे, तो प्रीमियम वापस हो जाता है।

टर्म इंश्योरेंस जेब खाली कर रहा है?

Gain Guide

मृत्युंजय त्रिपाठी
Mrityunjay.Tripathi
@timesofindia.com

टर्म इंश्योरेंस में रिटर्न ऑफ प्रीमियम (TROP) पहली नजर में मुफ्त जैसा लगता है। सुनने में यह अच्छा लगता है कि जीवन बीमा का कवर भी मिल गया और अंत में पैसा भी वापस मिल जाएगा। पर क्या वाकई यह समझदारी भरा सौदा है? जानिए TROP किसके लिए फायदेमंद और किसके लिए नुकसानदायक है।

फाइनैंशल प्लानिंग के जानकार बबलू कुमार सिंह का मानना है कि ऊपर किसी परिवार की पहली जरूरत कम खर्च में ज्यादा बीमा कवर है, तो साधारण प्योर टर्म प्लान लेना और उसके साथ अलग से नियमित निवेश करना ज्यादा समझदारी होती है। लेकिन अगर कोई साफ तौर पर मानता है कि उसे केवल गारंटीड रकम ही मानसिक शांति देती है, तो ऐसे लोगों के लिए TROP मानसिक शांति दे सकता है।

बीमा बेचने वालों से आप यह लाइन अक्सर सुनेंगे कि आपका बीमा भी हो जाएगा और आखिर में सारा पैसा वापस भी मिल जाएगा! यही है रिटर्न ऑफ प्रीमियम यानी TROP। दरअसल, आमतौर पर टर्म लाइफ इंश्योरेंस दो तरह का होता है। पहला, प्योर टर्म प्लान जिसमें केवल डेथ बेनिफिट मिलता है और अगर पॉलिसी अवधि तक आप जीवित रहे, तो कुछ वापस नहीं मिलता। दूसरा, TROP प्लान, जिसमें डेथ कवर तो वही रहता है, लेकिन अगर बीमाधारक पॉलिसी के अंत तक जीवित रहे, तो उसने जितना प्रीमियम भरा, वह वापस कर दिया जाता है, यह भी बिना किसी ब्याज के। आज के दौर में, जब हर कोई बचत के हर छोटे मौके को पकड़ना चाहता है, यह ऑफर जादू जैसा लगता है। सुनने में अच्छा लगता है कि बीमा भी रही और पैसा भी सुरक्षित! यही वजह है कि लाखों मिडल क्लास परिवार इस प्लान की तरफ खिंचे चले आते हैं। लेकिन सवाल यही है कि क्या सच में TROP अच्छा फैसला है या फिर समझदारी से ज्यादा भावनाओं से किया गया महंगा सौदा?

ध्यान से देखा जाए तो रिटर्न ऑफ प्रीमियम न पूरी तरह गलत है, न पूरी तरह सही। कई लोगों के लिए यह महंगा सौदा साबित होता है, क्योंकि इसमें रिटर्न बहुत कम मिलता है और बीमा के साथ निवेश भी का लालच दिखाकर अतिरिक्त प्रीमियम भी वसूल जाता है। कुछ बेहद कंजरवेटिव लोगों के लिए जो हर हाल में पैसा वापस चाहते हैं, उनके लिए यह काम का हो सकता है, लेकिन ज्यादातर परिवारों के लिए प्योर टर्म+अलग निवेश ज्यादा समझदारी भरा विकल्प होता है। कई विशेषज्ञ मानते हैं कि पहली नजर में TROP आकर्षक जरूर लगता है- बीमा भी, पैसा भी। लेकिन, यह वही प्लान है, जो धीरे-धीरे जेब खाली करता है और एहसास तक नहीं होने देता। हालांकि पहली नजर में यह सौदा इतना आकर्षक लगता है कि कोई भी इसे मना नहीं कर पाता। आखिर किसे बुरा लगेगा कि उसकी जिंदगी का जोखिम भी कवर हो जाए और जेब से एक रुपया भी खर्च न हो?

फाइनैंशल प्लानिंग के जानकार बबलू कुमार सिंह कहते हैं कि टर्म प्लान में रिटर्न ऑफ प्रीमियम को समझने के लिए हमें इस मानसिकता को समझना होगा जिसे 'लोस एवर्जन' कहा जाता है। भारतीय ग्राहकों में यह प्रवृत्ति बहुत मजबूत है कि वे उस चीज में पैसा नहीं डालना चाहते, जहां से कुछ वापस न मिले। साधारण टर्म इंश्योरेंस में यदि व्यक्ति जीवित रहता है तो उसे कुछ वापस नहीं मिलता, जिसे कई लोग पैसों की बर्बादी मानते हैं। इसी मनोवैज्ञानिक डर के कारण TROP प्रोडक्ट चलन में आया है। हालांकि यह भी जानना जरूरी है कि प्योर टर्म के मुकाबले TROP का प्रीमियम ज्यादा होता है लगभग 2 गुना तक महंगा।

TROP चुनते समय यह नहीं भूलना चाहिए कि शुद्ध टर्म प्लान की अपेक्षा इसका प्रीमियम लगभग 2 गुना तक महंगा हो सकता है। उदाहरण के तौर पर, एक तीस साल का व्यक्ति अगर एक करोड़ का साधारण टर्म प्लान लेता है 60 साल की उम्र तक कवर का तो उसे साल के करीब 10,000 रुपये देने होंगे। वहीं अगर वह रिटर्न ऑफ प्रीमियम प्लान चुनता है, तो उसे उसी एक करोड़ के कवर के लिए साल के 20,000 रुपये देने पड़ सकते हैं। POLICY BAZAR के अनुसार, इस व्यक्ति को एक्सिस मैक्स, CANARA HSBC, टाटा और बजाज जैसी कंपनियां TROP के लिए औसत 20,000 के आसपास प्रीमियम डिमांड करेंगी, वहीं HDFC लाइफ, ICICI प्रूडेंशल 27 से 30 हजार तक प्रीमियम वसूल करेंगी।

अब TROP थोड़ा और अपग्रेड हो गया है। अब जिंदा रहने पर सिर्फ भरे गए प्रीमियम की वापसी की बात नहीं हो रही, बल्कि प्रीमियम के डबल वापसी की बात हो रही है। लेकिन इसका यह भी मतलब हुआ कि प्रीमियम दोगुने वापस मिलेंगे यानी और आपको ज्यादा प्रीमियम भरने होंगे। अब यहां भी कई लोगों को लग सकता है कि हर साल दस हजार अतिरिक्त प्रीमियम देने से यदि पूरा प्रीमियम वापस मिल जाएगा, तो बुरा क्या है? लेकिन असल में ऐसे लोग समय की कीमत और महंगाई के असर को नजरअंदाज कर जाते हैं। मान लीजिए आपने 30 साल तक हर साल 20 हजार रुपये भरे। 30 साल बाद कंपनी आपको आपके छह लाख रुपये वापस कर देगी। सुनने में यह बड़ी रकम लग सकती है, लेकिन तीस साल बाद के छह लाख रुपये की परचेजिंग पावर कितनी होगी? अगर हम 5-6% महंगाई दर मानें तो इसकी कीमत 1-1.5 लाख रुपये जितनी ही रह जाएगी।

शुद्ध टर्म प्लान की अपेक्षा TROP का प्रीमियम लगभग 2 गुना तक महंगा हो सकता है।

TROP किनके लिए सही?

TROP पूरी तरह बेकार नहीं है। कई के लिए इसका लॉक-इन भी फायदेमंद होता है, क्योंकि पैसे बीच में निकाल नहीं पाते, पॉलिसी छोड़ने पर डेथ्यू कम मिलती है, इसलिए वे प्रीमियम जारी रखते हैं और अनजाने में बचत हो जाती है। ऐसे लोगों के लिए व्यवहारिक तौर पर प्योर टर्म+अलग निवेश अक्सर काम नहीं करता, क्योंकि वे बीच में निवेश रोक देते हैं या पैसा निकाल लेते हैं। इसलिए, कुछ खास मामलों में TROP सही हो सकता है।

- *जिनमें निवेश के लिए अनुशासन की कमी है।*
- *जो बाजार के जोखिम से डरते हैं और केवल पूंजी की सुरक्षा चाहते हैं। "मुझे न मार्केट चाहिए, न ULIP, न म्यूचुअल फंड; बस गारंटी चाहिए कि पैसा वापस आएगा।"*
- *जिनके लिए पैसा वापस मिलने का मनोवैज्ञानिक सुकून तार्किक हिसाब से ऊपर है।*
- *जिन्हें लगता है कि प्रीमियम खर्च नहीं, लेकिन जैसा होना चाहिए।*
- *जो किसी भी हालत में 'फंसे' तो कुछ न कुछ मिलना ही चाहिए' की सोच रखते हैं।*

TROP किनके लिए जाल?

TROP को अक्सर निवेश जैसा दिखाया जाता है, जबकि यह असल में सिर्फ बीमा+प्रीमियम वापसी का ढांचा है, जिसमें रिटर्न लगभग शून्य रहता है। लोग जब इसे FD या MF से तुलना करते हैं, तो उन्हें लगता है डबल फायदा होगा, जबकि ज्यादातर मामलों में गणित उलटा निकलता है। भारी प्रीमियम के कारण कई लोग बीच में पॉलिसी छोड़ देते हैं और न बीमा मिलता है, न पूरा रिफंड।

- जो रिटर्न की उम्मीद में TROP लेते हैं, जबकि यह निवेश नहीं, सिर्फ बीमा + रिफंड है।
- जो इसे FD, म्यूचुअल फंड या किसी शेयर प्रोडक्ट का विकल्प समझ बैठते हैं।
- जो यह मान लेते हैं कि पैसे वापस मिलने का मतलब फायदा होना ही है।
- जिन्हें यह नहीं बताया जाता कि इस अतिरिक्त प्रीमियम का कोई ब्याज नहीं मिलता।
- जो शर्तें, सरेंडर वैल्यू और कॉस्ट स्ट्रक्चर ठीक से समझे बिना साइन कर देते हैं।

सही टर्म प्लान कैसे चुनें?

सही बीमा चुनने से पहले खुद से ये पांच सवाल जरूर पूछिए। इससे साफ हो जाएगा कि आपके लिए प्योर टर्म बेहतर है या TROP।

Q क्या आप नियमित रूप से निवेश कर सकते हैं?
अगर आप SIP, PPF या दूसरे प्रोडक्ट में नियमित निवेश कर सकते हैं, तो प्योर टर्म+अलग निवेश आम तौर पर ज्यादा बेहतर और एफिशिएंट रहता है।

Q क्या समझते हैं कि बीमा और निवेश अलग होने चाहिए?
अगर आप इस बात से कम्फर्टेबल हैं कि बीमा एक खर्च है और निवेश अलग से होना चाहिए, तो TROP की जरूरत नहीं है।

Q क्या आप बहुत ज्यादा कंजरवेटिव हैं?
अगर आप जोखिम नहीं लेना चाहते और सिर्फ गारंटी चाहते हैं, तो TROP आपके लिए मानसिक शांति वाला प्रोडक्ट हो सकता है बशर्ते आप पहले से मान लें कि रिटर्न कम मिलेगा।

Q क्या आपका कैश फ्लो टाइट है?
यदि बजट तंग है, तो TROP लेना जोखिम भरा हो सकता है। उच्च प्रीमियम के कारण कई लोग बीच में पॉलिसी छोड़ देते हैं, तब पूरा रिफंड नहीं मिलता है।

Q क्या अनुशासन में कमजोर हैं?
यदि आपको लगता है कि बचा हुआ पैसा आप कहीं निवेश नहीं कर पाएंगे, तो TROP आपके लिए जबरदस्ती की सेविंग बन सकता है।

IRDAI क्या कहता है?

बीमा नियामक प्राधिकरण IRDAI ने साफ कहा है कि कंपनियां ग्राहकों को यह स्पष्ट बताएं कि ROP कोई शुद्ध जोखिम कवर नहीं है। यह एक हाइब्रिड प्रोडक्ट है, इसलिए इसकी शर्तों और लागत पूरी पारदर्शिता के साथ समझाई जानी चाहिए। नियामक का जोर इस बात पर है कि ग्राहक समझकर फैसला ले, केवल 'पैसा वापस मिलेगा' सुनकर नहीं।

यह नियम याद रखें

बीमा सुरक्षा के लिए होता है और निवेश मुनाफे के लिए। जब दोनों को मिलाते हैं, तो न सही सुरक्षा मिलती है न अच्छा रिटर्न। TROP मानसिक सुकून तो देता है, लेकिन यह आम तौर पर महंगा, कम रिटर्न वाला सौदा साबित होता है।

रंगीन हीरों का क्रेज़

पिंक-ब्लू-येलो डायमंड में निवेश कर रहे बड़े अमीर

सुतनुका घोषाल
NBTwealth
@timesofindia.com

रंगीन हीरे अब सिर्फ गहना नहीं रहे। वे स्टेटस, दुर्लभता और निवेश का मिला-जुला प्रतीक बन चुके हैं। हालांकि ये आम निवेशक की पहुंच से बहुत दूर है, लेकिन भारत के अल्ट्रा रिच के लिए ये एक ऐसा लग्जरी असेट है, जिसकी चमक समय के साथ और बढ़ती दिख रही है।

देश के हाई नेट-वर्थ इंडिविजुअल (HNI) यानी बड़े अमीर लोग अब सिर्फ सफेद हीरों तक सीमित नहीं हैं। वे तेजी से पिंक, ब्लू और येलो रंग के हीरों की ओर आकर्षित हो रहे हैं। ये हीरे बेहद दुर्लभ होते हैं और इसी वजह से न सिर्फ जूलरी के रूप में, बल्कि निवेश के तौर पर भी इनकी मांग बढ़ रही है। पिछले एक साल में इनकी मांग करीब 20-25% बढ़ गई है, जबकि कीमतें पहले ही काफी ऊंची हैं।

जूलरी कारोबार से जुड़े लोगों का कहना है कि कोरोना महामारी के बाद भारत रंगीन हीरों के लिए सबसे तेजी से बढ़ते बाजारों में शामिल हो गया है। नई पीढ़ी के हाई नेटवर्थ लोग दुनिया भर में घूमते हैं, ग्लोबल ब्रैंड्स देखते हैं और ऐसे ओनेस्ट चाहते हैं जिनकी कीमत समय के साथ बढ़ सके। रंगीन हीरे इसी श्रेणी में आते हैं, यानी लग्जरी भी और निवेश भी।

रंगीन हीरों की कीमतें सफेद हीरों से ज्यादा हैं। जहां सामान्य सफेद हीरे की कीमत आमतौर पर कट और क्वालिटी के आधार पर 1 लाख से 7 लाख रुपये प्रति कैरट होती है, वहीं गुलाबी हीरे 15 लाख रुपये से लेकर 5 करोड़ रुपये प्रति कैरट तक बिक सकते हैं। नीले हीरों की कीमत भी 25 लाख रुपये से शुरू होकर 5 करोड़ रुपये प्रति कैरट तक पहुंच जाती है। तुलना में पीले हीरे सस्ते माने जाते हैं, जिनकी कीमत करीब 5 लाख से 15 लाख रुपये प्रति कैरट तक होती है, इसलिए पहली बार रंगीन हीरा खरीदने वाले कई HNI इन्हें चुनते हैं।

मुंबई स्थित फैंसी कलर डायमंड और जूलरी बनाने वाली कंपनी पी हिरणी एक्सपोर्टर्स के को-फाउंडर दर्शित हिरणी ने कहा, डिमांड इस बात से भी बढ़ रही है कि दुनिया भर में सिलेब्रिटी और बिजनेसमैन शादियों और दूसरे खास मौकों पर रंगीन हीरों को अपना रहे हैं। अमीर भारतीय इस ग्लोबल ट्रेंड का हिस्सा बनना चाहते हैं। मांग बढ़ने की एक बड़ी वजह कीमतों में लगातार बढ़ोतरी भी है। नई खदानें नहीं खुल रही, सप्लाई सीमित है और पुरानी खदानों का उत्पादन घट रहा है। इसी कारण रंगीन हीरे अब वैकल्पिक निवेश के रूप में देखे जा रहे हैं। पिछले 20 सालों में गुलाबी हीरों की कीमत करीब 10 गुना बढ़ चुकी है, नीले हीरे 6-7 गुना महंगे हो गए हैं और पीले हीरों की कीमत भी लगभग दोगुनी हो चुकी है। हिरणी के अनुसार, 45 साल और उससे ज्यादा उम्र के लोग 1-2 कैरट के बड़े साइज के हीरे खरीद रहे हैं, जबकि छोटे और मध्यम साइज के रंगीन हीरे समृद्ध युवा खरीदारों को भी आकर्षित कर रहे हैं। कोविड के बाद लोगों में यह सोच और मजबूत हुई कि अगर कुछ खरीदना है तो कुछ खास, दुर्लभ और अलग होना चाहिए।

येलो डायमंड के मामले में ऑस्ट्रेलिया, रूस और साउथ अफ्रीका से कच्चा पत्थर आता है और उसका कटिंग-पॉलिशिंग काम सूरत में होता है, जिससे भारत इस कारोबार में और मजबूत बन रहा है।

कुछ निवेश हमेशा के लिए होते हैं...

- एक दशक बाद रंगीन हीरों की डिमांड में तेज बढ़ोतरी हुई है।
- दुर्लभ नीले हीरे की बहुत सीमित सप्लाई है।
- 20 साल में कीमतों में कई गुना बढ़ोतरी हुई है।
- आर्गाइल (Argyle) खदान बंद होने से लाल और गुलाबी हीरों की भारी कमी हुई है।
- बोत्सवाना (Botswana) की खदानों से नीले और पीले, दोनों तरह के हीरे मिलते हैं।
- कनाडा और सिएरा लियोन (Sierra Leone) की खदानें पीले हीरों का उत्पादन करती हैं।

कहीं आप सिर्फ़ ऑफिस के मेडिकल इंश्योरेंस के ही भरोसे तो नहीं बैठे हुए हैं?

सुदेश रंजन
Sudesh.Ranjan
@timesofindia.com

आजकल ज्यादातर नौकरीपेशा लोगों के पास ऑफिस की मेडिकल पॉलिसी होती है, इसलिए लगता है कि अलग से हेल्थ इंश्योरेंस की जरूरत नहीं। लेकिन नौकरी बदलने, रिटायरमेंट और बढ़ते इलाज खर्च के बीच यह भरोसा कई बार अधूरा साबित होता है। समझिए, सही मेडिकल कवर वास्तव में क्या होना चाहिए?

आज इलाज, दवाइयों और अस्पताल का खर्च इतना बढ़ गया है कि किसी परिवार में अचानक बीमारी आ जाए तो पूरा बजट डगमगा जाता है। ऐसे में मेडिकल इंश्योरेंस ही सबसे बड़ा सुरक्षा कवच बनता है। नौकरीपेशा लोगों के पास आमतौर पर ऑफिस की तरफ से मिलने वाला हेल्थ कवर होता है, इसलिए बहुत से लोग मान लेते हैं कि अलग से हेल्थ पॉलिसी लेने की कोई जरूरत नहीं। लेकिन क्या वाकई ऐसा है? जवाब थोड़ा गहराई से समझने पर ही साफ होता है।

कई कंपनियां अपने कर्मचारियों के लिए ग्रुप हेल्थ इंश्योरेंस देती हैं। इसमें आमतौर पर कर्मचारी, पति/पत्नी, बच्चे और कई मामलों में माता-पिता को भी कवर किया जाता है। अस्पताल में भर्ती होने पर बिल सीधे इंश्योरेंस के जरिए सेटल हो जाता है, क्लेम प्रक्रिया काफी आसान रहती है और कई बीमारियों पर वेटिंग पीरियड भी नहीं होता। यानी अचानक बीमारी या दुर्घटना की स्थिति में यह पॉलिसी बहुत काम आती है। लेकिन कहानी यहीं खत्म नहीं होती, क्योंकि इस पॉलिसी की कुछ सीमाएं भी हैं और यहीं से असली समझ शुरू होती है।

कॉरपोरेट पॉलिसी काफी है?

अक्सर लोग कहते हैं कि जब ऑफिस ने इंश्योरेंस दे रखा है, तो अलग से कहीं खरीदें? सुनने में यह बिल्कुल ठीक लगता है, लेकिन टिकता तब सामने आती है जब नौकरी बदलती है, नौकरी चली जाती है या रिटायरमेंट आता है। जैसे ही आप कंपनी से बाहर होते हैं, कवरेज खत्म हो जाता है। सबसे बड़ी बात, मेडिकल खर्च आमतौर पर उसी समय ज्यादा बढ़ता है, जब इंसान रिटायर हो चुका होता है।

ज्यादातर कॉरपोरेट प्लान में कवर भी सीमित होता है, कई बार 3 से 5 लाख रुपये तक। बड़े शहरों में एक बड़ी सर्जरी का खर्च ही 8 से 15 लाख रुपये तक पहुंच जाता है। ऊपर से हर इलाज कवर नहीं होता, जैसे OPD, कुछ दवाइयां या कुछ खास तरह के ट्रीटमेंट। इसलिए समझदार तरीका यह है कि कंपनी की पॉलिसी के साथ-साथ अपनी अलग पर्सनल हेल्थ इंश्योरेंस पॉलिसी भी जरूर रखी जाए। इससे आपका कवर नौकरी पर निर्भर नहीं रहता।

इंडिविजुअल पॉलिसी क्यों जरूरी है?

अपनी खुद की पॉलिसी का सबसे बड़ा फायदा यह है कि यह आपके साथ चलती है- चाहे नौकरी बदले या न बदले। अगर आप देर से इंश्योरेंस लेते हैं, तो कई बीमारियों पर 1 से 3 साल का वेटिंग पीरियड लग जाता है। अगर आप पहले से पॉलिसी लेकर चलते हैं, तो समय रहते कवरेज मजबूत हो जाता है और बाद में परेशानी कम होती है। साथ ही टैक्स बेनिफिट भी मिलता है और आप सम-इंश्योर्ड अपनी जरूरत के हिसाब से तय कर पाते हैं।

प्लान कैसे काम करता है?

मान लीजिए आपके पास 5 लाख रुपये का बेस प्लान है और ऊपर से आपने 15 लाख का टॉप-अप ले रखा है। अगर किसी वजह से 12 लाख रुपये का अस्पताल बिल आता है, तो पहले 5 लाख बेस पॉलिसी से और बाकी 7 लाख टॉप-अप से कवर हो जाते हैं। इस तरह जेब पर कम बोझ पड़ता है और सुरक्षा का दायरा बड़ा हो जाता है।

रिटायरमेंट के बाद क्या करें?

कुछ कंपनियां रिटायरमेंट के बाद भी पॉलिसी जारी रखने का विकल्प देती हैं, लेकिन तब प्रीमियम काफी बढ़ जाता है और शर्तें भी बदल सकती हैं। मौका मिले तो इस विकल्प को समझकर देखना चाहिए, लेकिन सिर्फ इसी पर भरोसा करना समझदारी नहीं। बेहतर यही है कि पर्सनल पॉलिसी चलती रहे, ताकि रिटायरमेंट के बाद अचानक से नई पॉलिसी लेने की मजबूरी न पड़े। क्योंकि जॉब छोड़ने के बाद अगर आप नई पॉलिसी लेते भी हैं, तो उसमें प्रतीक्षा अवधि की समस्या आ जाती है।

दो इंश्योरेंस पॉलिसियों से क्लेम कैसे करें?

अगर आपके पास दो हेल्थ पॉलिसियां हैं, तो पहले एक कंपनी से उसका पूरा कवरेज क्लेम करें, फिर बची रकम दूसरी पॉलिसी से लें। मान लीजिए 15 लाख का बिल है और पहली पॉलिसी 10 लाख कवर करती है, तो बाकी 5 लाख दूसरी से मिलेंगे। ध्यान रहे, आप दोनों कंपनियों से अलग-अलग 10-10 लाख रुपये लेकर कुल 20 लाख नहीं ले सकते।

टैक्स का भी फायदा

चार्टर्ड अकाउंटेंट सुमनदीप कुमार के अनुसार, कॉरपोरेट प्लान के साथ कई बार टैक्स छूट की सुविधा नहीं मिलती, क्योंकि यह कंपनी की पॉलिसी पर निर्भर करता है। यह आम तौर पर CTC में शामिल होता है, लेकिन आपके इंडिविजुअल मेडिकल इंश्योरेंस और टॉप-अप प्लान के प्रीमियम पर IT एक्ट की धारा 80D के तहत इनकम टैक्स में रिबेट मिलता है।

बेस प्लान काफी है या राइडर भी लें?

राइडर यानी अतिरिक्त कवर जैसे कि क्रिटिकल इलनेस कवर, रूम-रेंट लिमिट हटाना, एक्सीडेंट कवर या कुछ खास सर्जरी और डे-केयर ट्रीटमेंट पर अतिरिक्त सुविधा। थोड़ा-सा अतिरिक्त प्रीमियम देकर आप अपने कवर को ज्यादा मजबूत बना लेते हैं।

कितना सम-इंश्योर्ड ठीक रहता है?

यह इस बात पर निर्भर करता है कि आप कहां रहते हैं और परिवार का साइज कितना है। अकेले व्यक्ति के लिए 7 से 10 लाख रुपये और फैमिली-फ्लोटर के लिए 8 से 15 लाख रुपये का कवर बेहतर माना जाता है। लेकिन अगर खर्च बहुत ज्यादा हो जाए, तो टॉप-अप प्लान मदद करता है।

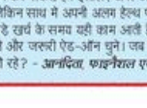

क्या सावधानी बरतें?

बीमा सलाहकार रविंद्र पंडित कहते हैं कि पॉलिसी लेते समय पुरानी बीमारी, धूम्रपान, शराब या डॉक्टर से जुड़ी कोई भी जानकारी छुपानी नहीं चाहिए। कई लोग सोचते हैं बाद में जोड़ लेंगे, लेकिन फिर क्लेम के समय दिक्कतें आ सकती हैं और पूरा दावा भी रिजेक्ट हो सकता है।

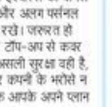

समझदारी क्या है?

ऑफिस की पॉलिसी बहुत काम की है, लेकिन यह पूरी लाइफलाइन नहीं है। सही तरीका यह है कि कॉरपोरेट हेल्थ इंश्योरेंस को बोनस की तरह मानें और अलग पर्सनल पॉलिसी जरूर रखें। जरूरत हो तो राइडर और टॉप-अप से कवर मजबूत करें। असली सुरक्षा वही है, जो नौकरी और कंपनी के भरोसे न टिकी हो, बल्कि आपके अपने प्लान पर टिकी हो।

> भारत में अभी भी ज्यादातर लोग इलाज का 60% खर्च अपनी जेब से भरते हैं। अस्पताल में कुछ समय ही बचत खाता कर सकता है। इसलिए अगर ऑफिस से मेडिकल कवर मिलता है, उसे रखें लेकिन साथ में अपनी अलग हेल्थ पॉलिसी भी जरूर लें। नौकरी बदलने, कवरेज में गैप या बड़े खर्च के समय यही काम आती है। समय-समय पर प्लान रिव्यू करें, जरूरत हो तो टॉप-अप लें और जरूरी ऐड-ऑन चुनें। जब सुरक्षा बढ़ाना आसान है, तो सिर्फ एक पॉलिसी पर निर्भर क्यों रहें? - *आनंदिता, फाइनैंशल एक्सपर्ट*

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 05-01-2026 Zone: NBTWealth Edition: 1 Page: NBTWD5 User: cci Time: 01-04-2026 00:30 Color:

लीव ऐंड लाइसेंस एग्रीमेंट के जरिए किराये पर घर देना सुरक्षित है?

सुदेश रंजन
Sudesh.Ranjan
@timesofindia.com

किराए पर घर देना हमेशा सुरक्षित सौदा नहीं होता। अक्सर विवाद, कब्जे और बेदखली की मुश्किलें आ जाती हैं। ऐसे में कई मकान मालिक रेंट एग्रीमेंट के बजाय लीव ऐंड लाइसेंस एग्रीमेंट चुन रहे हैं, ताकि नियंत्रण उनके पास रहे और विवाद की स्थिति में कानूनी प्रक्रिया आसान हो सके।

मकान मालिकों के लिए 12 महीने से कम अवधि वाला लीव ऐंड लाइसेंस एग्रीमेंट सामान्यतः सुरक्षित है, जिसका रजिस्ट्रेशन अनिवार्य नहीं होता, जबकि 1 साल या उससे ज्यादा वाले एग्रीमेंट का रजिस्ट्रेशन जरूरी है। - अखिलेश मिश्रा, हाई कोर्ट के वकील

कई लोग प्रॉपर्टी में इन्वेस्टमेंट करते हैं। उन्हें लगता है कि इससे अच्छा-खासा रिटर्न मिल सकता है और जब तक इसकी बिक्री करके प्रॉफिट बुक करेंगे, तब तक इसे किराए पर लगाकर हर महीने उन्हें निश्चित रिटर्न मिलता रहेगा। इसी सोच के तहत लोग एक मकान या फ्लैट रहने के लिए खरीदने के बाद दूसरे मकान या फ्लैट में निवेश कर देते हैं। उन्हें लगता है किराए की राशि के साथ कुछ और रकम जोड़ देने से बैंक की ईएमआई भी आसानी से जाती रहेगी। लेकिन आए दिन किराएदारों और मकान मालिकों के बीच विवाद भी सामने आते हैं। अगर कोई किराएदार मकान खाली करने से इनकार कर दे तो उससे मकान खाली कराना आसान नहीं होता है। इससे लोगों के मन में सवाल होता है कि किराए पर प्रॉपर्टी देना क्या सुरक्षित है और रेंट एग्रीमेंट के अलावा क्या कुछ और एग्रीमेंट है, जिसमें मकान मालिक के हित ज्यादा सुरक्षित हैं?

जब हम किसी संपत्ति को किराए पर देने या लेने की बात करते हैं, तो अक्सर हमारे मन में 'रेंट एग्रीमेंट' (किरायानामा) का विचार आता है। लेकिन इसके अलावा एक और एग्रीमेंट होता है, जिसके तहत आप अपनी कमर्शल या रेजिडेंशल प्रॉपर्टी को किराए पर दे सकते हैं। आप 'लीव एंड लाइसेंस एग्रीमेंट' बनवा सकते हैं।

'लीव ऐंड लाइसेंस एग्रीमेंट' (Leave and License Agreement) प्रचलित कानूनी दस्तावेज है, जो मकान मालिक (Licensor) और किराएदार (Licensee) के बीच के संबंधों को परिभाषित करता है और भविष्य में होने वाले किसी भी कानूनी विवाद से दोनों पक्षों की रक्षा करता है। इसे समझना इसलिए भी जरूरी है क्योंकि यह सामान्य 'लीज एग्रीमेंट' या 'रेंट एग्रीमेंट' से काफी अलग होता है और इसमें अधिकारों का हस्तांतरण सीमित होता है। इसमें आप किसी प्रॉपर्टी को किसी दूसरे पक्ष को इस्तेमाल करने के लिए लाइसेंस देते हैं।

यह एग्रीमेंट पूरे भारत में वैध है, क्योंकि यह Indian Easements Act, 1882 की धारा 52 के तहत कानूनी रूप से मान्यता प्राप्त व्यवस्था है, जो संपत्ति के उपयोग का अधिकार देता है, मालिकाना हक नहीं। यह महाराष्ट्र, दिल्ली, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल और तेलंगाना जैसे राज्यों में लोकप्रिय है, खासकर जहां मकान मालिक किरायेदारी कानून से बचना चाहते हैं, हालांकि रजिस्ट्रेशन और नियम राज्य-विशिष्ट कानूनों के अधीन हैं।

लीव ऐंड लाइसेंस एग्रीमेंट एक कानूनी समझौता है, जिसमें संपत्ति का मालिक (लाइसेंसकर्ता) किसी और व्यक्ति (लाइसेंसधारी) को निश्चित अवधि के लिए संपत्ति का इस्तेमाल करने की अनुमति देता है, लेकिन बिना कोई स्वामित्व या किरायेदारी का अधिकार दिए। यह व्यवस्था मकान मालिक को संपत्ति पर नियंत्रण बनाए रखने में मदद करती है और किरायेदारी के कानूनों (रेंट कंट्रोल एक्ट) से बचाती है, जिससे अपना मकान खाली कराना आसान होता है।

किराएदार के अधिकार प्रभावित नहीं:

रेंट कंट्रोल एक्ट के मुताबिक, मकान मालिक बिना नोटिस या किसी ठोस वजह के किराएदार से मकान खाली नहीं करा सकता है। मकान मालिक यह दलील नहीं दे सकता है कि उसे ऐसे ही मकान खाली कराना या किसी को देना है। उसे वाजिब वजह बताकर मकान खाली कराने का नोटिस देना होता है।

इस एग्रीमेंट में खास क्या?

अनुमति, स्वामित्व नहीं: लीव ऐंड लाइसेंस एग्रीमेंट किरायेदार को संपत्ति में कोई मालिकाना हक या स्थायी किराएदारी का अधिकार नहीं देता, केवल उपयोग का लाइसेंस (अनुमति) देता है।

अस्थायी कब्जा: लाइसेंसधारी को केवल तय समय, जैसे 11 महीने के लिए संपत्ति मिलती है, जिसके बाद उसे खाली करना होता है।

मकान मालिक के ज्यादा अधिकार: यह मालिक को संपत्ति पर पूरा नियंत्रण देता है और विवाद की स्थिति में उसे बेदखली प्रक्रिया को आसान बनाता है, क्योंकि यह रेंट कंट्रोल एक्ट के दायरे में नहीं आता। इसमें लाइसेंसकर्ता और लाइसेंसधारी के नाम, संपत्ति का विवरण, किराया, सुरक्षा जमा, अवधि आदि होती है।

रेंट एग्रीमेंट से अलग कैसे?: रेंट एग्रीमेंट किरायेदार को संपत्ति पर कुछ हद तक कानूनी हित और अधिकार देता है और यह रेंट कंट्रोल एक्ट के तहत आ सकता है, जिससे किराएदार को निकालना मुश्किल हो सकता है। वहीं लीव एंड लाइसेंस सिर्फ एक 'लाइसेंस' है, 'लीज' (किरायेदारी) नहीं, इसलिए मालिक के पास ज्यादा शक्ति होती है और संपत्ति में किराएदार का कोई स्थायी हित नहीं होता।

रेंट एग्रीमेंट और लीव ऐंड लाइसेंस में अंतर समझें

	लीव ऐंड लाइसेंस एग्रीमेंट	रेंट एग्रीमेंट
अधिकार	केवल उपयोग की अनुमति (No Interest)	संपत्ति में 'हित' (Interest)
मकान मालिक का नियंत्रण	ज्यादा	कम (किरायेदारी कानून लागू)
किरायेदार की सुरक्षा	कम	ज्यादा
अवधि	11 महीने (अमतौर पर)	12+ महीने (लंबी अवधि)
कानून	रेंट कंट्रोल एक्ट लागू नहीं	रेंट कंट्रोल एक्ट लागू

क्या है खासियतें?

- **स्वामित्व का अधिकार:** इस एग्रीमेंट में संपत्ति का कानूनी कब्जा और स्वामित्व मालिक (Licensor) के पास ही रहता है। लाइसेंसी (किरायेदार) के पास केवल उसके उपयोग का 'व्यक्तिगत अधिकार' होता है। यदि लाइसेंसी अनुबंध की शर्तों का उल्लंघन करता है, तो मालिक को उसे बेदखल कर सकता है।
- **निश्चित समयावधि:** आमतौर पर लीव ऐंड लाइसेंस एग्रीमेंट 11 महीने के लिए बनाए जाते हैं, क्योंकि 12 महीने से कम के समझौते पर रजिस्ट्रेशन और स्टाम्प ड्यूटी के नियम कुछ राज्यों में थोड़े सरल होते हैं, हालांकि अब कई राज्यों में इसे भी पंजीकृत कराना जरूरी हो गया है।
- **लाइसेंस शुल्क:** एग्रीमेंट में उल्लेख होता है कि लाइसेंसी को हर महीने मालिक को कितना शुल्क (किराया) देना। इसके अलावा, बिजली बिल, पानी का बिल और सोसाइटी मेंटिनेंस शुल्क कौन भरेगा, इसका भी विवरण इसमें दिया जाता है।
- **सुरक्षा जमा:** मालिक निश्चित राशि सुरक्षा के तौर पर जमा करवाता है, जिसे एग्रीमेंट खत्म होने पर वापस करना होता है।
- **टर्मिनेशन क्लॉज:** यदि कोई भी पक्ष एग्रीमेंट को समय से पहले खत्म करना चाहता है, तो उसे नोटिस देना होगा। आमतौर पर यह 1 से 2 महीने का होता है।

Q ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन के लिए क्या चाहिए?: ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन के लिए दोनों पक्षों (किरायेदार, मकान मालिक) के आधार नंबर, पैन नंबर और दो गवाहों के नंबर होने चाहिए।

Q लॉक-इन अवधि क्या है?: यह वह अवधि है जिसके दौरान पट्टेदार दोनों पक्षों द्वारा तय की गई जगह पर कब्जा रखेगा। इस अवधि के दौरान, समझौते के अनुसार, पट्टेदार जगह खाली नहीं करेगा।

Q क्या मैं लॉक-इन अवधि के दौरान नोटिस दे सकता हूं?: अनुबंध समाप्त करना संभव है। हालांकि, दूसरे पक्ष की कोई गलती न होने पर भी अनुबंध समाप्त करने पर आपको हर्जाना देना पड़ सकता है।

Q सुरक्षा जमा राशि कितनी है?: यह पट्टेदार द्वारा पट्टेदाता को सुरक्षा जमा राशि के रूप में दी गई राशि है। संपत्ति को कोई क्षति होने की स्थिति में, मरम्मत का खर्च सुरक्षा जमा राशि से काट लिया जाएगा।

NCR में घर लेने का मौका

हिंडन एयरपोर्ट से 10-15 km के दायरे में नई टाउनशिप

आशु मिश्रा
Ashu.Mishra
@timesofindia.com

गाजियाबाद में हिंडन एयरपोर्ट चालू होने के बाद से इसके आसपास प्रॉपर्टी डिवेलपमेंट तेजी से बढ़ा है। घरेलू उड़ानों की कनेक्टिविटी, बेहतर सड़क नेटवर्क और दिल्ली-NCR से नजदीकी ने इस पूरे क्षेत्र को रियल एस्टेट हॉटस्पॉट में बदल दिया है।

मिडल क्लास और नौकरीपेशा लोगों को हिंडन एयरपोर्ट का एरिया काफी लुभा रहा है। इसकी बड़ी वजह है कि यहां दिल्ली की तुलना में कम दामों पर बेहतर सुविधाओं वाले फ्लैट उपलब्ध हैं, जबकि टिन-प्रतिदिन कनेक्टिविटी भी बेहतर हो रही है। ट्रांस हिंडन बिल्डर्स असोसिएशन के चेयरमैन प्रदीप गुप्ता के अनुसार, हिंडन एयरपोर्ट के शुरू होने से पहले इन इलाकों में प्रॉपर्टी की कीमतें सीमित दायरे में थीं, वहीं अब इनमें 25 से 40 प्रतिशत तक का उछाल देखा गया है। GDA द्वारा बसाया गया कोयल एंक्लेव हो या किसी बिल्डर की अन्य सोसायटी, पहले की तुलना में अब यहां पर फ्लैट खरीदार बड़ी संख्या में पहुंच रहे हैं।

डिवेलपर्स भी इस बढ़ती मांग को देखते हुए बड़े प्रोजेक्ट्स लेकर आ रहे हैं। हिंडन एयरपोर्ट के आसपास नए आ रहे प्रोजेक्ट्स की भरमार है। मल्टी-स्टोरी रेजिडेंशल सोसाइटी, ग्रुप हाउसिंग, कमर्शल कॉम्प्लेक्स और मिक्स्ड-यूज प्रोजेक्ट्स तेजी से विकसित हो रहे हैं। हाल-फिलहाल, आवास विकास की सबसे पुरानी योजना अर्जनगुरुम का लेआउट पास होने के बाद निवेशकों की दिलचस्पी काफी बढ़ी है। कई नामी बिल्डरों ने हिंडन एयरपोर्ट से 10-15 किलोमीटर के दायरे में नई टाउनशिप की योजना शुरू कर दी है। इनमें स्कूल, अस्पताल, शॉपिंग कॉम्प्लेक्स और ग्रीन स्पेस जैसी सुविधाएं शामिल की जा रही हैं। इंफ्रास्ट्रक्चर के मोर्चे पर भी बदलाव दिख रहा है।

प्रॉपर्टी बाजार से जुड़े जानकारों का मानना है कि हिंडन एयरपोर्ट के विस्तार और उड़ानों की संख्या बढ़ने के साथ ही यहां प्रॉपर्टी की कीमतों में और इजाफा हो सकता है। निवेश के लिहाज से यह समय अनुकूल माना जा रहा है, लेकिन खरीदारों के लिए जरूरी है कि वे प्रोजेक्ट की वैधता, बिल्डर की साख और जरूरी अनुमतियों की जांच जरूर करें। कुल मिलाकर, हिंडन एयरपोर्ट, गाजियाबाद के आसपास का इलाका तेजी से एक नए शहरी केंद्र के रूप में उभर रहा है। बेहतर कनेक्टिविटी, आधुनिक सुविधाएं और अपेक्षाकृत किफायती दरें इसे भविष्य की बड़ी प्रॉपर्टी डेस्टिनेशन बना रही हैं।

कुछ दिक्कतें भी

इलाके के तेज विकास के साथ कुछ चुनौतियां भी सामने आ रही हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि ट्रैफिक दबाव बढ़ रहा है और कुछ इलाकों में सीवर और जल निकासी की समस्या अब भी बनी हुई है। इसके अलावा, अनियंत्रित निर्माण से पर्यावरण पर असर पड़ने की आशंका भी जताई जा रही है। हालांकि ये समस्याएं यहां अन्य जगहों पर भी हैं और यदि इसे इग्नोर किया जाए तो यह क्षेत्र तेजी से विकास कर रहा है।

> दिल्ली से सटे होने के कारण यह इलाका पहले भी डिमांड में था लेकिन एयरपोर्ट शुरू होने के बाद से यहां डिमांड काफी बढ़ी है। लगातार निर्माण कार्य हो रहे हैं। हमारा अजंतागुरम योजना का काम भी जल्द शुरू होगा। खुद के घर का सपना देखने वालों के लिए यह जगह बहुत अच्छी है। - *अजय कुमार मित्तल, सुप्रिटेंडेंट इंजिनियर, आवास विकास*

महंगे हेडफोन क्यों? सोनी, JBL और सिनेहाइज़र के नए प्रीमियम हेडफोन्स इसी सवाल का जवाब देते हैं

तीस हज़ार के हेडफ़ोन? आखिर क्या ख़ास बात है इनमें?

गैजेट गुरु
आकृति राणा

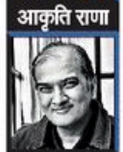

निमिष दुबे
NBTwealth
@timesofindia.com

30-40 हजार रुपये वाले हेडफोन आखिर क्यों? जब पांच-छह हजार में ANC, बैटरी और अच्छे फीचर मिल जाते हैं, तो इतने महंगे मॉडल किस बात के लिए पैसे वसूल करते हैं?

आज बाजार में 5-6 हजार रुपये के ऐसे हेडफोन आसानी से मिल जाते हैं, जिनमें ANC (नॉइज कैंसलेशन), ट्रांसपेरेंसी मोड, बढ़िया बैटरी और स्टाइलिश डिजाइन सब कुछ होता है। Sennheiser HD 450BT और Soundcore Space One जैसे मॉडल इसका अच्छा उदाहरण हैं। ऐसे में जब Sony, JBL और Sennheiser जैसे बड़े ब्रैंड 30 से 45 हजार रुपये के हेडफोन लॉन्च करते हैं, तो पहला सवाल यही उठता है कि इतनी बड़ी कीमत किस बात के लिए?

यूं तो ऊपर से देखें तो फीचर लगभग वही लगते हैं। बड़े ड्राइवर, खास ऐप, इक्वलाइजर, ANC- ये सब तो सस्ते हेडफोन में भी मौजूद होते हैं। लेकिन प्रीमियम हेडफोन की असली कहानी सतह पर नहीं, अंदर छिपी होती है। सबसे बड़ा फर्क आता है ऑडियो ट्यूनिंग और साउंड इंजिनियरिंग से। महंगे मॉडल्स में ड्राइवर सिर्फ बड़े नहीं होते, बल्कि उन्हें इस तरह ट्यून किया जाता है कि म्यूजिक ज्यादा नैचरल, साफ और 'डीटेल्ड' सुनाई दे। वोकल्स अलग से उभरते हैं, इंस्ट्रूमेंट्स गड़बड़ नहीं लगते और हाई वॉल्यूम पर भी आवाज फटती नहीं। ऑडियो क्वालिटी में यही सूक्ष्म अंतर कीमत बढ़ा देता है। दूसरी बड़ी चीज होती है नॉइज कैंसलेशन। सस्ते हेडफोन बाहरी शोर को दबाते हैं, लेकिन प्रीमियम हेडफोन उसे 'स्मार्ट तरीके' से कंट्रोल करते हैं। वे आस-पास के माहौल के हिसाब से शोर को एडजस्ट करते हैं, ताकि आवाज बंद भी हो जाए और कानों पर दबाव भी न पड़े। लंबे समय तक पहनने पर फर्क साफ महसूस होता है।

इसके साथ, बिल्ड क्वालिटी और कम्फर्ट भी बड़ा फैक्टर है। प्रीमियम हेडफोन में बेहतर कुशन, मजबूत फ्रेम और हल्का डिजाइन मिलता है, ताकि आप कई घंटे सुनें और थकान न हो। फिर आते हैं लंबी उम्र और भरोसा। महंगे मॉडल्स के स्पेयर पार्ट्स, फर्मवेयर अपडेट्स और रिपेयर सपोर्ट ज्यादा समय तक मिलता है। यानी ये गैजेट नहीं, एक लंबे समय का ऑडियो इन्वेस्टमेंट बन जाते हैं। अगर आप 'डीटेल साइंड' पसंद करते हैं, तब प्रीमियम हेडफोन कीमत वसूल हैं।

सबसे स्मार्ट हेडफोन

JBL Tour One M3 Smart TX

ज्यादातर प्रीमियम हेडफोन शानदार ऑडियो और बहुत अच्छे ANC के साथ आते हैं, लेकिन JBL के नए Tour One M3 Smart TX में इसके अलावा है कुछ खास फीचर्स। इसमें मिलता है एक खास ट्रांसमीटर, जिसकी टचस्क्रीन से आप हेडफोन को कंट्रोल कर सकते हैं, ऐप की जरूरत नहीं। इस ट्रांसमीटर को किसी भी डिवाइस (टीवी, लैपटॉप, इन-फ्लाइट एंटरटेनमेंट सिस्टम इत्यादि) के 3.5 mm audio जैक से तार द्वारा जोड़कर उन डिवाइस से आने वाला ऑडियो सुन सकते हैं- कोई पेयरिंग, ऐप्स या कनेक्टिविटी का झंझट नहीं। आप इस ट्रांसमीटर के द्वारा अपना ऑडियो दूसरे हेडफोन और स्पीकर्स पर भी बजा सकते हैं। अवाज और ANC भी अच्छा प्रदर्शन करते हैं, लेकिन इनका असली पैसा वसूल फीचर है वह जबर्दस्त ट्रांसमीटर जो इन्हें सही मायने में स्मार्ट हेडफोन बना देता है।

Rs 32,999

ANC का बादशाह Sony WH-1000XM6

Rs 39,999

इस समय कई प्रीमियम हेडफोन बाजार में मौजूद हैं, लेकिन सारे नए प्रीमियम हेडफोन में सबसे ज्यादा चर्चा हो रही है सोनी के WH-1000XM6 की, क्योंकि ये बहुचर्चित और लाखों की संख्या में बिकनेवाले WH-1000XM5 के उत्तराधिकारी हैं। WH-1000XM5 की सफलता का राज था उनका शानदार एक्टिव नॉइज कैंसिलेशन (ANC), जो बाहरी आवाज को काफी हद तक कम कर देता था। WH-1000XM6 आवाज कम करने की इस उर्सीयत को काफी आगे ले जाता है। हालांकि ANC अब आपको दो-तीन हजार रुपये के हेडफोन में भी मिल जाता है लेकिन उसकी क्वालिटी उतनी अच्छी नहीं होती और वह आपके आस पास की आवाज थोड़ी बहुत ही कम कर पाता है। इस मामले में WH-1000XM6 सबसे काफी आगे हैं। इनका ANC इतना प्रभावशाली है कि भीड़ भाड़ वाली मेट्रो, फ्लाइट या कैफे में होने वाला शोर आपको काफी कम सुनाई देगा और आप हेडफोन में आने वाले ऑडियो पर ध्यान दे सकते हैं। हम तो कई बार इन पर ANC तब भी लगा देते हैं, जब हम कुछ नहीं सुन रहे होते हैं, बस पास पड़ोस के हल्ले से बचने के लिए। यह कमाल करते हैं इसमें लगे बारह माइक्रोफोन और खास एल्गोरिथ्म, जो आपको किसी अन्य हेडफोन में नहीं मिलेंगे। हां, इनकी ऑडियो क्वालिटी शानदार है और बैटरी लाइफ भी काफी अच्छी है, लेकिन इनको इनके दाम के लायक बनाता है इनका शानदार ANC ही।

Sennheiser HDB 630 है सुर का सूरमा

Rs 44,990

अगर आप हेडफोन शानदार साउंड और ऑडियो क्वालिटी के लिए चाहते हैं, तो Sennheiser HDB 630 से शायद ही बेहतर कोई हो। हां, इनका दाम तीनों नए हेडफोन में सबसे ज्यादा है, लेकिन वह इसलिए क्योंकि HDB 630 सिर्फ मनोरंजन के लिए नहीं, बल्कि ऑडियोफाइल साउंड के लिए बना है, जिसकी जरूरत स्टूडियो लेवल पर होती है। आम लोगों को इनका साउंड थोड़ा उबाऊ लग है, क्योंकि इनमें न तो दमदमाता न ही तेज तरंगें Treble। इनकी है स्वर और सुर को उसी रूप में आप तक पहुंचाना जिसमें वह रिकॉर्ड किया गया था। इसको शुद्ध (Pure) और साफ ऑडियो कहते हैं, जिसे ऑडियोफाइल्स और ऑडियो इंजिनियर्स बेहद पसंद करते हैं। ऐसी ऑडियो क्वालिटी आम तौर पर वायरलेस हेडफोन में नहीं मिलती और यही है सबसे बड़ा कारण इनके बड़े दाम का। यही नहीं, आपको इनके साथ एक खास डोमेन भी मिलती है जो वायरलेस ऑडियो क्वालिटी काफी बेहतर कर देती है और अगर आप शुद्ध वायर्ड ऑडियो का आनंद उठाना चाहते हैं तो वह भी इसके साथ आने वाले खास केबल्स के द्वारा प्राप्त कर सकते हैं। हां, इनमें ANC है और बैटरी भी काफी चलती है, लेकिन इसका दाम इसके ऑडियोफाइल लेवल ऑडियो क्वालिटी का है।

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 05-01-2026 Zone: NBTWealth Edition: 1 Page: NBTWD6 User: ccl Time: 01-04-2026 00:30 Color:

सेविंग अकाउंट आपके पैसे को कम कैसे कर रहा?

लावण्या मलिदी
NBTwealth
@timesofindia.com

सेविंग्स अकाउंट जरूरी है लेकिन सिर्फ रोजमर्रा और इमरजेंसी के लिए। बाकी पैसा वहां रखें जहां वह आसानी से उपलब्ध रहे, बढ़े और आपके लक्ष्य पूरे करने में मदद करे। यानी पैसा सिर्फ पड़ा न रहे, बल्कि काम भी करे।

हम सब यह मानकर चलते हैं कि बैंक के सेविंग्स अकाउंट में पैसा रखना सबसे सुरक्षित तरीका है। पैसा नजर के सामने रहता है, जब चाहे निकाल सकते हैं, इसलिए मन को तसल्ली मिलती है। लेकिन सच्चाई यह है कि अगर बड़ी रकम लंबे समय तक सेविंग्स अकाउंट में पड़ी रहे, तो यह चुपचाप आपकी दौलत को कम कर सकता है। कारण है कम ब्याज और ज्यादा महंगाई। अधिकतर सेविंग्स अकाउंट पर सिर्फ 3-4% सालाना ब्याज मिलता है। दूसरी तरफ महंगाई कई बार 6% या उससे ज्यादा रहती है। यानी सेविंग अकाउंट में आपका पैसा बढ़ता जरूर है, लेकिन समय के साथ उसकी असली कीमत घटती चली जाती है। उदाहरण के लिए, अगर बैंक 4% दे रहा है और महंगाई 6% है, तो असल में आप 2% पीछे जा रहे हैं।

निवेश में देरी से भी नुकसान

मान लीजिए, आपने 5 लाख रुपये सेविंग्स अकाउंट में डाल दिए। तीन साल में आपको करीब 60,000 रुपये ब्याज मिला। अगर यही पैसा किसी अच्छे इक्विटी फंड में करीब 15% सालाना की दर से बढ़ता, तो रकम लगभग 7.5 लाख रुपये हो सकती थी। यानी करीब 1.9 लाख रुपये का अतिरिक्त फायदा होता। यानी अकाउंट में पैसा संभावित फायदा खो देता है।

कितना कैश रखें?

फाइनेंशल प्लानर्स कहते हैं कि 3 से 6 महीने के खर्च के बराबर रकम इमरजेंसी फंड के रूप में रखना चाहिए। लेकिन इससे ज्यादा रकम यूं ही पड़ी रहे, तो वह काम नहीं कर रहा होता।

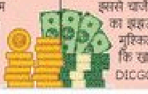

ज्यादा अकाउंट है?

कई लोग कई बैंक अकाउंट खोल लेते हैं। इससे चार्जेज और मिनिमम बैलेंस का झंझट होता है। ट्रैक करना मुश्किल होता है। बेहतर यह है कि खाते सीमित रखें, ₹5 लाख DICGC बीमा का ध्यान रखें।

ऑटो-स्वीप करें: ऑटो-स्वीप में सेविंग्स का अतिरिक्त पैसा ऑटोमैटिकली छोटे FD में बदल जाता है। इससे ब्याज ज्यादा मिलता है और जरूरत पर तुरंत मिल जाता है।

एक्स्ट्रा पैसा कहां लगाएं?

सेविंग्स अकाउंट से बेहतर कई विकल्प हैं:

- फिक्स्ड डिपॉजिट (**FD**): सुरक्षित और ज्यादा ब्याज।
- लिक्विड/अल्ट्रा-शॉर्ट फंड: 6-7.5% तक रिटर्न और आसानी से निकासी।
- लो-रिस्क हाइब्रिड फंड: संतुलित सुरक्षा और ग्रोथ।
- ऑटो-स्वीप अकाउंट: अतिरिक्त पैसा अपने-आप FD में चला जाता है।

Crypto Class

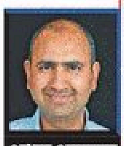

अभय अग्रवाल
NBTwealth
@timesofindia.com

क्रिप्टो निवेशकों के मन में बड़ा सवाल यही है कि 2026 में कहां मौका है और कहां जोखिम। कई लोग क्रिप्टो को एक ही तरह का निवेश समझ लेते हैं, जबकि सच यह है कि बिटकॉइन और बाकी क्रिप्टो (जिन्हें ऑल्टकॉइन कहा जाता है) की प्रकृति, रिस्क, रिटर्न अलग-अलग होते हैं। इसलिए क्रिप्टो में निवेश से पहले सही नजरिया और साफ समझ बहुत जरूरी है।

इस साल क्रिप्टो से क्या उम्मीद

क्या बरतें सावधानी?

2025 तक बिटकॉइन को लेकर कई अहम बदलाव देखने को मिले। कई देशों ने इसे अपनाना शुरू किया। अमेरिकी बाजार में बिटकॉइन ETF में संस्थागत निवेश बढ़ा और नियमन भी पहले से ज्यादा स्पष्ट होता दिखा। इसके बावजूद कीमत बहुत तेजी से नहीं बढ़ी। इससे यह बात समझ आती है कि बिटकॉइन ट्रेडिंग के लिए नहीं, बल्कि लॉन्ग-टर्म असेट के रूप में ज्यादा समझ में आता है।

क्रिप्टो एक ही तरह का नहीं

भारत में भी क्रिप्टो अब आम बातचीत का हिस्सा बन चुका है, लेकिन अभी भी बहुत-से निवेशकों के मन में यह सवाल रहता है कि इसे किस तरह का निवेश माना जाए। यहां सबसे पहले यह समझना जरूरी है कि क्रिप्टो को एक ही वर्ग में रखना ठीक नहीं है। इसे दो हिस्सों में देखें:

1 बिटकॉइन

बिटकॉइन धीरे-धीरे डिजिटल गोल्ड जैसा बन गया है। इसकी सप्लाई सीमित है, पूरी दुनिया में ट्रेड किया जा सकता है, किसी सरकार या कंपनी के सीधे कंट्रोल में नहीं है और लॉन्ग-टर्म में वैल्यू स्टोर करने वाला असेट माना जा रहा है। इसकी खासियत तेज मुनाफा नहीं, बल्कि स्ट्रक्चर की स्पष्टता, डिसेंट्रलाइजेशन और समय के साथ बढ़ता भरोसा है।

2 ऑल्टकॉइन

ऑल्टकॉइन को टेक्नॉलजी या स्टार्ट-अप जैसे निवेश की तरह समझना चाहिए। इनकी सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि प्रोजेक्ट कितना चलता है, लोग उसे कितना अपनाते हैं और नियम किस तरह बनते हैं। कुछ ऑल्टकॉइन शानदार रिटर्न दे सकते हैं, लेकिन कई पूरी तरह फेल भी हो जाते हैं। इसलिए दोनों को एक जैसा मानकर निवेश करना अक्सर गलत साबित होता है।

ऑल्टकॉइन: मौके भी, लेकिन ज्यादा जोखिम

2026 में ऑल्टकॉइन आकर्षक तो दिखेंगे, लेकिन इनके साथ बड़े रिस्क भी रहते हैं, जैसे प्रोजेक्ट का असफल हो जाना, टोकन का ज्यादा डाइल्यूशन, गवर्नेंस की कमजोरी और नियमों की अनिश्चितता। लॉन्ग-टर्म में संपत्ति बनाने वाले आम निवेशकों के लिए इनका जोखिम-रिटर्न संतुलन कई बार उनके पक्ष में नहीं रहता।

निवेश से पहले सीखना जरूरी

क्रिप्टो में सफल लॉन्ग-टर्म निवेश के लिए सीखिए, भरोसा बनाइए, सही मात्रा तय कीजिए, फिर समय को काम करने दीजिए। अगर सीखने वाला हिस्सा छोड़ दिया जाए, तो फिर फैसले भावनाओं से होते हैं, प्लानिंग से नहीं।

2030 की तरफ नजर

मौजूदा ट्रेंड जारी रहे तो बिटकॉइन लॉन्ग-टर्म में मजबूत असेट साबित होगा और भारत में भी ज्यादा रेगुलेटेड विकल्प मिल सकते हैं। यहां फायदा शॉर्ट-टर्म प्रिडिक्शन में नहीं, बल्कि दिशा समझने में है।

निवेशक क्या करें?

बिटकॉइन पर फोकस, कस्टडी की समझ और लॉन्ग-टर्म प्लानिंग, आकर्षक दिखने वाले ऑल्टकॉइन के पीछे भागने से ज्यादा समझदारी भरा विकल्प साबित हो सकता है।

बिटकॉइन किन लोगों के लिए सही?

जिन निवेशकों का फोकस सादगी, पूंजी की सुरक्षा और लॉन्ग-टर्म अनुशासन होता है, उनके लिए बिटकॉइन-फोकस्ड अप्रोच व्यावहारिक है। इसमें कंपनी, प्रमोटर या बैलेंस शीट का रिस्क नहीं होता, ग्लोबल लिक्विडिटी रहती है और संस्थागत स्वीकृति भी बढ़ रही है। कई प्लेटफॉर्म SIP-स्टाइल निवेश का विकल्प देते हैं, ताकि लोग धीरे-धीरे बिटकॉइन जमा कर सकें और रोज मार्केट देखने की जरूरत न पड़े।

2026 में सबसे बड़ा जोखिम: कॉइन कहां रखा है?

क्रिप्टो निवेश का सबसे बड़ा जोखिम अक्सर वही होता है, जिसे लोग सबसे कम समझते हैं। वह यह कि आपका कॉइन कहां रखा है। अगर जिस प्लेटफॉर्म या एक्सचेंज पर आपने कॉइन रखा है, वही अचानक बंद हो जाए, हैक हो जाए या दिवालिया हो जाए तो क्या होगा? इतिहास बताता है कि कई बड़े एक्सचेंज इसी तरह गायब हुए हैं और ऐप पर दिखने वाला बैलेंस हमेशा असली मालिकाना हक नहीं होता। क्रिप्टो में स्वामित्व दरअसल Private Keys से तय होता है, न कि एक्सचेंज के अकाउंट से। इसलिए समझदारी इसी में है कि Self-Custody का इस्तेमाल करें, सुरक्षित वॉलेट चुनें और जितना हो सके उतना कम बिचौलियों पर भरोसा रखें।

(लेखक FIU-रजिस्टर्ड बिटकॉइन प्लेटफॉर्म GetBit के CEO हैं)

काम की तारीखें

बैंक भी मैनेज कर सकेंगे NPS फंड

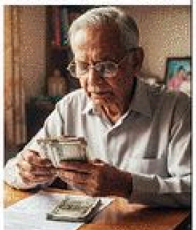

पेंशन रेगुलेटर PFRDA ने बड़ा फैसला लिया है। अब बैंकों को भी अपना खुद का पेंशन फंड बनाने की मंजूरी दे दी गई है, ताकि वे नैशनल पेंशन सिस्टम (NPS) के पैसों को मैनेज कर सकें। रेगुलेटर ने साफ किया है कि इसके लिए नेटवर्थ, मार्केट कैप और RBI के नियमों के आधार पर योग्यता तय की जाएगी। इससे निवेशकों के पास विकल्प बढ़ेंगे और सेवाएं बेहतर हो सकती हैं। इससे छोटे शहरों और नए निवेशकों तक NPS पहुंच आसान होगी, क्योंकि बैंक की पहुंच और डिजिटल सुविधाएं मजबूत हैं।

NPS में खर्च घटेगा

1 अप्रैल 2026 से NPS के निवेश प्रबंधन शुल्क (Investment Management Fee) का नया स्लैब आधारित ढांचा लागू होगा, जिसमें न्यूनतम लागत बड़े फंड के लिए और कम होगी। इससे NPS निवेशकों का खर्च घटेगा और लंबी अवधि में बेहतर रिटर्न मिलने के अवसर बढ़ेंगे।

जॉन सी बोगल की किताब कहती है, खुद ही शेयर चुनने के झमेले में नहीं पड़ें

बाज़ार से हर कोई बना सकता है पैसा

किताब लाजवाब

मृत्युंजय राय
Mrityunjay.Ray
@timesofindia.com

जॉन सी बोगल की मशहूर किताब 'The Little Book of Common Sense Investing' बताती है कि बाजार में लंबे समय तक टिके रहकर, कम लागत वाले इंडेक्स फंड में निवेश करना बेहतरीन रणनीति है। एक्टिव फंडों की तुलना में इन फंडों में खर्च कम और नेट रिटर्न ज्यादा मिल सकता है।

जॉन सी बोगल (John C. Bogle) की 'The Little Book of Common Sense Investing' ऐसी किताब है, जो इक्विटी मार्केट में पैसा लगाने वाले हर शख्स को पढ़नी चाहिए। वैनगार्ड ग्रुप के संस्थापक बोगल अपनी इस किताब में लिखते हैं कि निवेशकों को खुद से शेयर चुनने के झमेले में नहीं पड़ना चाहिए, न ही उन्हें एक्टिव फंडों में पैसा लगाना चाहिए। बोगल उन्हें इंडेक्स फंडों में पैसा लगाने की सलाह देते हैं, जिनकी लागत काफी कम होती है। इस तरह के फंड को पैसिव फंड भी कहा जाता है।

इंडेक्स फंड किसी सूचकांक की कॉपी होते हैं। जैसे-NSE का निफ्टी सूचकांक 50 शेयरों को मिलाकर बनाया गया है। इसलिए इसे निफ्टी 50 इंडेक्स कहा जाता है। इसमें शामिल कंपनियों का अलग-अलग वेटेज (भार) होता है। अब अगर कोई निफ्टी 50 इंडेक्स फंड होगा तो फंड हाउस उन कंपनियों के अलग-अलग वेटेज के हिसाब से उनमें निवेश करेगा। इस तरह के फंड में रिटर्न सूचकांक में बढ़ोतरी के मुताबिक मिलता है।

हालांकि, एक्टिव फंडों को लेकर भारतीयों का तजुर्बा अलग रहा है और उसे देखते हुए शायद उनकी सलाह पहली नजर में आपको काम की न लगे। भारत में कई ऐसे एक्टिव फंड हैं, जिनका रिटर्न उनके बेंचमार्क इंडेक्स से कुछ प्रतिशत अधिक रहा है। लेकिन यहां भी ऐसे फंड मैनेजरों की संख्या कम नहीं है, जो बेंचमार्क इंडेक्स को अंडरपरफॉर्म करते हैं। यह बात भी याद रखनी चाहिए कि दुनिया के सबसे मशहूर इन्वेस्टर वॉरेन बफेट ने भी इंडेक्स फंडों में पैसा लगाने की सलाह दी थी। उन्होंने कहा था कि 90% से अधिक एक्टिव फंड मैनेजर बेंचमार्क इंडेक्स से कम रिटर्न देते हैं। फिर उनकी कॉस्ट भी अधिक होती है।

गौर, बोगल ने इस किताब में तथ्यों के जरिये समझाया है कि इंडेक्स फंड क्यों बेहतर होते हैं। इसके लिए उन्होंने इंडस्ट्री डेटा की मदद ली है। वह लिखते हैं कि निवेश की लागत घटाकर और लंबे समय तक निवेशित रहकर आप बेहतर रिटर्न हासिल कर सकते हैं।

वह बताते हैं कि निवेशकों को 'विनिंग स्टॉक' या स्टार फंड मैनेजरों के पीछे नहीं भागना चाहिए। बोगल लिखते हैं कि एक क्लासिक इंडेक्स फंड से आपको मार्केट के बराबर (इंडेक्स) रिटर्न मिलता है और आपकी कॉस्ट भी कम होती है। यानी आप जो मुनाफा या रिटर्न कमाते हैं, उसका बहुत छोटा हिस्सा ही असेट मैनेजमेंट कंपनी के पास जाता है। बोगल की मानें तो यह छोटे निवेशकों के लिए बेहतरीन स्ट्रैटिजी है।

बोगल कहते हैं कि 'विनिंग स्टॉक' या स्टार फंड मैनेजर के पीछे भागने से बेहतर है शांत रहकर इंडेक्स फंड में निवेश किया जाए। लागत घटेगी, रिटर्न बढ़ेगा।

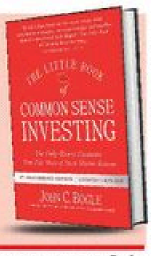

मार्केट का रोज का उतार-चढ़ाव सिर्फ शोर है। जॉन सी बोगल के अनुसार, लंबे समय में शेयर कंपनी के बिजनेस, प्रॉफिट और डिविडेंड के आधार पर चलते हैं, इसलिए निवेशकों में धैर्य और अनुशासन होना जरूरी है।

इस किताब में बोगल ने निवेशकों से लागत घटाने के बाद जो पैसा हाथ में आता है, उस पर ध्यान देने की सलाह दी है। वह लिखते हैं कि एक्टिव फंड में निवेशकों से मैनेजमेंट फीस, सेल्स की लागत, ट्रेडिंग कमिशन जैसे खर्चे वसूले जाते हैं। इसके बाद अगर वे मुनाफा भुनाते हैं तो उन्हें सरकार को टैक्स देना होता है। उनका कहना है कि इन सभी बातों का निवेशकों को खयाल रखना चाहिए। बोगल के मुताबिक, इन सभी खर्चों को घटाने के बाद एक्टिव फंड के मुकाबले इंडेक्स फंड बेहतर रहते हैं क्योंकि उनकी लागत तुलनात्मक रूप से कम होती है। वह कहते हैं कि परफॉर्मेंस कभी अच्छा या कभी बुरा हो सकता है, लेकिन लागत वही रहती है। इंडेक्स फंड में पोर्टफोलियो बार-बार नहीं बदलता, इसलिए ट्रेडिंग कमिशन भी कम होता है। इन फंड्स का एक्सपेंस रेश्यो भी एक्टिव फंड की तुलना में बहुत कम होता है। इसलिए जो लोग इनमें पैसा लगाते हैं, उनके हाथ में कहीं ज्यादा रिटर्न आता है।

इस किताब में म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री की इस बात के लिए आलोचना की गई है कि वे निवेशकों को गुमराह करती हैं। बोगल के मुताबिक, इंडस्ट्री ने यह भ्रम पैदा किया है कि निवेशक सुपीरियर फंड मैनेजर्स या फंड्स को चुन सकते हैं। वह लिखते हैं कि बेशक, कुछ फंड मैनेजर मार्केट को तय अवधि में आउटपरफॉर्म करते हैं, लेकिन निवेशकों के लिए पहले उनकी पहचान करना मुश्किल होता है। बोगल बताते हैं कि अगर कोई एक्टिव फंड बेंचमार्क इंडेक्स के बराबर रिटर्न दे रहा है और उसमें से निवेशक का खर्चा घटाया जाए तो वह इंडेक्स फंड की तुलना में कमतर बैठता है। उन्होंने किताब में ऐतिहासिक आंकड़े भी दिए हैं, जिनसे यह बात सही ठहरती है।

वह निवेश और स्पेकुलेशन (ट्रेडिंग या सट्टेबाजी) में फर्क भी बताते हैं। वह निवेशकों से कंपनी के बिजनेस पर ध्यान देने को कहते हैं। यानी कंपनी की प्रॉफिट ग्रोथ कैसी है और वह डिविडेंड कैसा दे रही है। बोगल बताते हैं कि इस बात की अहमियत नहीं है कि किसी कंपनी के शेयर में शॉर्ट टर्म में कितना उतार-चढ़ाव हो रहा है और एक्सपर्ट्स उससे कम अवधि में क्या उम्मीद कर रहे हैं। बोगल लिखते हैं कि शेयर में शॉर्ट टर्म रिएक्शन एक तरह का शोर होता है। उसके पीछे निवेशकों की भीड़ की भावनाएं होती हैं। वहीं, लॉन्ग टर्म में कोई शेयर बिजनेस फंडामेंटल के हिसाब से परफॉर्म करता है। इसलिए वह एक व्यापक डायवर्सिफाइड इंडेक्स फंड खरीदने की सलाह देते हैं और उसमें तेजी और मंदी के दौरान निवेशित रहने को कहते हैं। बोगल का कहना है कि लंबी अवधि का नजरिया रखकर और अनुशासन के साथ इंडेक्स फंड में निवेश किया जाए तो उसमें सफलता की संभावना होती है। बोगल की किताब का निवेशकों के लिए यही मूल मंत्र है।

नन्दिता पाण्डेय
NBTwealth
@timesofindia.com

साप्ताहिक आर्थिक भविष्यफल

(5-11 जनवरी 2026)

मेष (22 मार्च-21 अप्रैल)
सप्ताह की शुरुआत में घर-परिवार और कुछ खर्चों पर ध्यान रहेगा, लेकिन धीरे-धीरे पैसा आने के मौके बनेंगे। सप्ताह के आखिर में अचानक लाभ होगा, शेयर मार्केट या लॉटरी जैसा मौका भी बन सकता है। दोस्तों और नेटवर्किंग से भी फायदा होगा। इस दौर में IT, हेल्थ, ग्रीन एनर्जी, बैंकिंग, इंश्योरेंस और शिक्षा जैसे सेक्टरों से लाभ के संकेत हैं। सोना-चांदी में निवेश भी मददगार रह सकता है।

वृषभ (22 अप्रैल-21 मई)
सप्ताह की शुरुआत में आपका आत्मविश्वास और पर्सनालिटी काम आएंगे और आप निवेश को सही दिशा दे पाएंगे। दोस्तों और नेटवर्किंग से लाभ के मौके बनेंगे। खर्च बढ़ सकते हैं, इसलिए योजना बनाकर चलें। सप्ताह के अंत में अचानक धन मिलने के संकेत हैं और मन हल्का व संतुष्ट रहेगा। इस दौरान IT, फार्मा, केमिकल, तेल-पेट्रोलियम, लेदर, ऑटो और एयरलाइन जैसे सेक्टर आर्थिक रूप से लाभ दे सकते हैं।

मिथुन (22 मई-21 जून)
इस सप्ताह आपकी समझदारी और बोलचाल का तरीका आपको फायदे दिला सकते हैं। धन आने के अच्छे योग हैं और लोग आपके काम और विचारों से प्रभावित होंगे। हालांकि सप्ताह के आखिर में घर, वाहन या किसी मरम्मत पर खर्च बढ़ सकता है, इसलिए बचत का ध्यान रखें। इस समय लेदर प्रॉडक्ट्स, इवेंट मैनेजमेंट, AI, सोशल मीडिया, बैंकिंग, इंश्योरेंस और शिक्षा जैसे क्षेत्रों से लाभ के मौके बन सकते हैं।

कर्क (22 जून-21 जुलाई)
यह सप्ताह आपकी समझ और तेज सोच से धन बढ़ाने वाला हो सकता है। निवेश पर ध्यान देंगे तो अच्छे नतीजे मिलेंगे। रिश्तेदारों और दोस्तों से भी आर्थिक मदद या लाभ मिल सकता है। आपकी नेटवर्किंग आपके लिए नए मौके लाएगी। इस समय डिफेंस, सोलर पावर, इलेक्ट्रॉनिक्स, स्पोर्ट्स और मेटल जैसे सेक्टर से फायदा होने के योग दिख रहे हैं। खर्च पर नियंत्रण रखें और बड़े फैसले काफी सोच-समझकर लें।

सिंह (22 जुलाई-21 अगस्त)
सप्ताह की शुरुआत में शेयर मार्केट से लाभ मिल सकता है, हालांकि खर्च बढ़ सकते हैं। बुधवार से स्थिति सुधरेगी और पैसा आने के मौके मिलेंगे। आगे चलकर आपके निवेश आपको अच्छा रिटर्न दे सकते हैं, हालांकि लापरवाही नुकसान भी करा सकती है। सप्ताहांत तक आर्थिक स्थिति बेहतर हो सकती है। सोलर, हेल्थ, ऑप्टिकल, सर्जिकल, मेटल, बैंकिंग और शिक्षा जैसे क्षेत्रों से लाभ के संकेत हैं।

कन्या (22 अगस्त-21 सितंबर)
यह सप्ताह शुरुआत से ही धन लाभ वाला हो सकता है। मेहनत का फल मिलेगा और जमीन-जायदाद या पैतृक संपत्ति से भी फायदा हो सकता है। बीच में कुछ खर्च बढ़ सकते हैं, इसलिए प्लानिंग जरूरी है। शुक्रवार के आसपास हालात बेहतर होंगे और कमाई की स्थितियां बनेंगी। इस समय बैंकिंग, इंश्योरेंस, लेदर, क्लीनिंग प्रॉडक्ट्स, डेटा एनालिटिक्स, AI, शिक्षा और सोना-चांदी में निवेश से लाभ मिल सकता है।

तुला (22 सितंबर-21 अक्टूबर)
यह सप्ताह आपके लिए भाग्य साथ देने वाला हो सकता है। मेहनत का सीधा फायदा मिलेगा और अधूरे काम पूरे होंगे। प्रॉपर्टी, पैतृक संपत्ति या शेयर मार्केट से कमाई के मौके बन सकते हैं। आर्थिक स्थिति धीरे-धीरे मजबूत होती दिख रही है। IT, फार्मा, केमिकल, ऑयल-पेट्रोलियम, ऑटोमोबाइल, एयरलाइन, डेयरी और मेटल जैसे क्षेत्रों से लाभ के संकेत मिल रहे हैं।

वृश्चिक (22 अक्टूबर-21 नवं.)
सप्ताह की शुरुआत से ही भाग्य का साथ और बिजनेस ट्रिप से धन लाभ की स्थितियां बनती जाएंगी। काम में प्रगति होगी और बॉस या सीनियर्स का सहयोग मिलेगा, जिससे आर्थिक फायदा हो सकता है। आगे चलकर अचानक धन लाभ संभव है, खासकर शेयर या प्रॉपर्टी से। इस सप्ताह आपको सोलर पावर, हेल्थ, सर्जिकल, IT, फार्मा, ऑटोमोबाइल, ऑप्टिकल इंस्ट्रूमेंट और मेटल जैसे क्षेत्रों से विशेष धन लाभ प्राप्त हो सकता है।

धनु (22 नवंबर-21 दिसंबर)
सप्ताह की शुरुआत में अचानक खर्च बढ़ सकते हैं और हल्की परेशानियां भी आ सकती हैं, इसलिए सतर्क रहें। मध्य में स्थितियां सुधरेंगी और भाग्य साथ देगा। बिजनेस ट्रिप फायदेमंद हो सकती है और आय के नए मौके मिलेंगे। अंत में मेहनत का फल मिल सकता है। सोलर, हेल्थ, बैंकिंग, लेदर, डेटा एनालिटिक्स, इवेंट मैनेजमेंट और सोना-चांदी जैसे क्षेत्रों से धन लाभ संभव है।

मकर (22 दिसंबर-21 जनवरी)
सप्ताह की शुरुआत में अचानक आय बढ़ सकती है और जीवनसाथी या पार्टनर से आर्थिक मदद मिल सकती है। पार्टनरशिप में किए गए काम फायदेमंद रह सकते हैं। बीच में कुछ खर्च बढ़ सकते हैं, इसलिए योजना बनाकर चलें। सप्ताह के आखिरी दिनों में हालात सुधरेंगे और सुख-समृद्धि बढ़ेगी। IT, फार्मा, ऑटोमोबाइल, ऑयल-पेट्रोलियम, एयरलाइन, डेटा एनालिटिक्स और लेदर से लाभ के संकेत हैं।

कुंभ (22 जनवरी-18 फरवरी)
सप्ताह की शुरुआत में आय के नए स्रोत खुल सकते हैं और कर्ज से राहत की संभावना रहेगी। पार्टनरशिप से फायदा तो मिलेगा, लेकिन मन कुछ अस्थिर रह सकता है। सप्ताह के अंत में खर्च बढ़ सकते हैं, इसलिए बजट पर ध्यान रखें। डिफेंस, इलेक्ट्रॉनिक्स, स्पोर्ट्स, IT, फार्मा, होटल और रिसॉर्ट्स से लाभ हो सकता है।

मीन (19 फरवरी-21 मार्च)
सप्ताह की शुरुआत में अचानक धन लाभ के संकेत हैं। शेयर मार्केट, लॉटरी या बोनस जैसा कोई फायदा मिल सकता है। कर्जों से राहत की संभावना है। जीवनसाथी और बिजनेस पार्टनर से आर्थिक सहयोग मिल सकता है। सप्ताह के आगे बढ़ते ही स्थिरता आएगी। डिफेंस, इलेक्ट्रॉनिक्स, सोलर, डेयरी, बैंकिंग, इंश्योरेंस और सोना-चांदी से लाभ के योग हैं।

(लेखिका ऐस्ट्रो-टैरो रीडर, आध्यात्मिक गुरु और लाइफ कोच हैं।)

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 05-01-2026 Zone: Mahanagar Edition: 1 Page: NBTMAH02 User: cci Time: 01-04-2026 23:27 Color:

दिल्ली महानगर
नवभारत टाइम्स । नई दिल्ली । सोमवार, 5 जनवरी 2026

कड़ाके की ठंड में एम्स के बाहर इलाज के इंतजार में ठहरने को मजबूर मरीजों और उनके परिवार वालों के लिए राहत भरी खबर -p5

अंकिता भंडारी केस में 'वीआईपी' का नाम सामने आने के बाद न्याय की मांग ने नए सिरे से तूल पकड़ा, सीबीआई जांच की मांग को लेकर प्रदर्शन -p7

307
रहा संडे को दिल्ली का AQI। 10 दिनों तक बेहद खराब रहेगा

7.4
डिग्री रहा रविवार को दिल्ली का न्यूनतम तापमान। यह सामान्य से 0.5 डिग्री अधिक रहा

राहत के बाद फिर बढ़ा प्रदूषण का सितम

7 जनवरी तक हवा बेहद खराब रह सकती है | 1 जनवरी को साल की हुई थी प्रदूषित शुरुआत | 2-3 जनवरी को प्रदूषण में काफी कमी आई थी

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

दो दिन बाद प्रदूषण का स्तर एक बार फिर बढ़कर बेहद खराब हो गया है। हवाओं की कम रफ्तार की वजह से प्रदूषण में यह इजाफा हुआ है। अगले दस दिनों तक इसका स्तर बेहद खराब ही रहने वाला है।

प्रदूषण का स्तर बेहद खराब होने के बावजूद GRAP-3 के लगने की संभावना अभी नहीं है। एक्यूआई 401 या इससे अधिक होने पर GRAP-3 लगाया जाता है। ऐसे में पूर्वानुमान के अनुसार अगले दस दिनों तक इसके आने की संभावना नहीं है। एक जनवरी को साल की प्रदूषित शुरुआत के बाद हवाएं तेज हुईं। इसकी वजह से 2 और 3 जनवरी को प्रदूषण में काफी कमी आई और एक्यूआई 300 से कम रहा। लेकिन रविवार को इसका स्तर बढ़कर फिर 300 को पार कर गया। रविवार को राजधानी का एक्यूआई 307 रहा। फरीदाबाद का 215, गाजियाबाद का 298, ग्रेटर नोएडा का 316, गुरुग्राम का 333 और नोएडा का 307 रहा। 40 में से 26 जगहों पर प्रदूषण का स्तर बेहद खराब रहा। 10 जगहों पर यह खराब और दो जगहों पर यह सामान्य स्तर पर रहा। एनएसआईटी द्वारका का एक्यूआई 179 और आईजीआई एयरपोर्ट का 182 रहा। यह तीनों सबसे साफ इलाके रहे।

GRAP-3 के अभी आसार नहीं, स्थिति के मुताबिक होगा निर्णय

पूर्वानुमान के अनुसार 5 से 7 जनवरी को एक्यूआई बेहद खराब रह सकता है। इसके बाद अगले छह दिनों तक एक्यूआई बेहद खराब स्तर पर ही रह सकता है। रविवार को हवाओं की गति 5 से 15 किमी प्रति घंटे रही। सोमवार को हवाओं की गति 10 से 15 किमी प्रति घंटे, मंगलवार को 10 से 20 किमी प्रति घंटे और बुधवार को 10 से 20 किमी प्रति घंटे तक रह सकती है।

प्रदूषण से जंग: प्रदूषण से निपटने के लिए दिल्ली सरकार की ओर से सड़कों और अलग-अलग इलाकों में लगातार पानी का छिड़काव किया जा रहा है

राजधानी, वंदे भारत समेत 17 ट्रेनें लेट

■ **नई दिल्ली** और आनंद विहार टर्मिनल आने वाली कई राजधानी, वंदे भारत, सुपरफास्ट और एक्सप्रेस ट्रेनें देरी से चल रही हैं। 2 से 4 जनवरी के बीच 17 ट्रेनें 25 मिनट से लेकर 6 घंटे से ज्यादा समय तक लेट रहीं। सबसे ज्यादा लेट राजधानी और सुपरफास्ट ट्रेनें रहीं। रेलवे की ओर से जारी रिपोर्ट के अनुसार, डिब्रूगढ़ से नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस (12423) करीब 4 घंटे 15 मिनट लेट रही। सहरसा से आनंद विहार राजधानी (20507) और भागलपुर से आनंद विहार गरीब रथ (22406) भी लगभग 4 से 6 घंटे की देरी से चलीं। वाराणसी से नई दिल्ली जाने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस (22415) करीब 25 मिनट लेट रही। इसी तरह गुवाहाटी से नई दिल्ली सुपरफास्ट (22449) और भुवनेश्वर से आनंद विहार सुपरफास्ट (22806) करीब 2 से 3 घंटे देरी से दर्ज की गई। पुरी से आनंद विहार मेल एक्सप्रेस (18427) लगभग 2 घंटे 20 मिनट लेट। जयनगर से नई दिल्ली सुपरफास्ट (12561) करीब 50 मिनट देरी, लखनऊ से नई दिल्ली सुपरफास्ट (12419) करीब 2 घंटे 30 मिनट लेट, बिलासपुर से जम्मू मेल एक्सप्रेस (18309) लगभग 12 मिनट देरी।

महरौली-बदरपुर रोड पर लगेंगे मिस्ट स्प्रेयर

■ **NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली:** दिल्ली सरकार ने महरौली-बदरपुर रोड के पास 900 मीटर स्ट्रेच में मिस्ट स्प्रेयर लगाने का प्लान बनाया है। 98.13 लाख की लागत से 25 स्ट्रीट लाइट्स पोल पर ये लगाए जाएंगे। बदरपुर अंडरपास से FOB तक इन्हें लगाने की योजना है।

पीडब्ल्यूडी अफसरों के अनुसार दिल्ली-बदरपुर रोड दिल्ली-मथुरा रोड टोल प्लाजा से शुरू होता है। यहीं रेलवे का अंडरपास है। इससे आगे फरीदाबाद की ओर जाने वाला सूरजकुंड-बड़खल रोड टी-जंक्शन है। यहीं पर एफओबी है। अंडरपास से एफओबी के बीच करीब 900 मीटर का स्ट्रेच है। इस स्ट्रेच में रोड के बीच लगे स्ट्रीट लाइट के 25 पोल पर मिस्ट स्प्रेयर लगाने का प्लान बनाया गया है। मिस्ट स्प्रेयर दो शिफ्टों में ऑपरेट किया जाएगा। बता दें कि अभी तक दिल्ली सरकार द्वारा, आईटीओ और सुप्रीम कोर्ट के पास मिस्ट स्प्रेयर लगा चुकी है।

फरवरी से दिल्ली में शुरू होगा पहला चरण

3D प्रिंटिंग से बने स्वदेशी स्टेशन देंगे मौसम की सटीक जानकारी

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

देश में मौसम की जानकारी को ज्यादा सटीक और भरोसेमंद बनाने के लिए सरकार ने मिशन मौसम के तहत बड़ा कदम उठाया है। भारतीय वैज्ञानिकों ने 3D प्रिंटिंग तकनीक से पूरी तरह स्वदेशी ऑटोमैटिक वेदर स्टेशन तैयार किए हैं। इनका पहला चरण फरवरी से दिल्ली में शुरू होगा। इसके बाद दूसरे शहरों में लगाया जाएगा। इस योजना है का मकसद देश को मौसम के लिहाज से ज्यादा तैयार और जलवायु को लेकर जागरूक बनाना है।

मोहल्ले तक का सटीक अनुमान संभव होगा

इस मिशन का नेतृत्व पुणे का इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ ट्रॉपिकल मेट्रोलॉजी कर रहा है। यह पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के तहत काम करता है। मंत्रालय के मुताबिक सरकार चाहती है कि देश में मौसम से जुड़े डेटा की कोई कमी न रहे। ज्यादा इलाकों में तापमान, हवा की रफ्तार, नमी और बारिश की जानकारी जुटाई जाएगी। इससे मोहल्ले और शहर स्तर तक सटीक मौसम का अनुमान संभव हो सकेगा।

■ **आपदा प्रबंधन में भी मदद:** आने वाले 6 महीने में दिल्ली, मुंबई, कोलकाता और चेन्नई जैसे शहरों में ऑटोमैटिक वेदर स्टेशन और रडार सिस्टम का तेजी से विस्तार किया जाएगा। मिशन मौसम के जरिए सरकार आम लोगों, किसानों, मछुआरों और डिजास्टर मैनेजमेंट से जुड़े सिस्टम को समय रहते सटीक जानकारी देना चाहती है ताकि जान-माल का नुकसान कम हो।

■ **ऑटोमैटिक होंगे स्टेशन:** ये नए स्टेशन सौर ऊर्जा से चलेंगे और पूरी तरह ऑटोमैटिक होंगे। 3D प्रिंटिंग के इस्तेमाल से इनकी लागत कम हुई है और कम समय में बड़ी संख्या में स्टेशन लगाए जा सकते हैं।

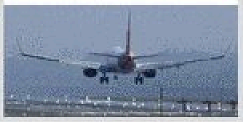

नए साल में दिल्ली को मिलेंगी 1000 ई-बसें

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

नए साल की पहली तिमाही में दिल्लीवालों को करीब एक हजार नई इलेक्ट्रिक बसें मिलने की उम्मीद है। इसके बाद डीटीसी के बेड़े में 100 फीसदी ई-बसें होंगी।

दिल्ली के परिवहन मंत्री डॉ. पंकज सिंह ने बीते दिनों बस निर्माता कंपनियों के साथ बैठक कर बसों की डिलिवरी में हो रही देरी पर नाराजगी जताते हुए कंपनियों को इसमें तेजी लाने के निर्देश दिए थे। उसी का नतीजा है कि कंपनियों ने दिसंबर 2025 से मार्च 2026 तक डिलिवरी का शेड्यूल दिया। दिसंबर में 120 से अधिक बसों की डिलिवरी हो चुकी है। अब जनवरी में 9 मीटर वाली 156 बसें और 12 मीटर वाली 120 बसें मिलेंगी। जनवरी से मार्च 2026 के बीच 529 बसों की डिलिवरी की योजना है।

अधिकारियों के मुताबिक मार्च तक आने वाली कुल बसों में 296 बसें 9 मीटर वाली जबकि 530 बसें 12 मीटर वाली होंगी। इसके बाद डीटीसी के अंदर सीएनजी बसों को पूरी तरह से हटाने की तैयारी है। डीटीसी के पास 3427 इलेक्ट्रिक बसें अभी हैं। मार्च तक यह संख्या 4500 हो जाएगी। इसके बाद पीएम ई-ड्राइव योजना के तहत 2800 नई इलेक्ट्रिक बसें अगले वित्तीय वर्ष से आनी शुरू होंगी। यह बसें दिसंबर 2026 तक आएंगी।

4 बस डिपो भी जल्द खुलने को तैयार: द्वारका, कोहाट एनक्लेव, नंगलोई और रिठाला डिपो में 1500 से अधिक बसों की पार्किंग की सुविधा होगी।

5295 कुल बसें हैं डीटीसी व क्लस्टर की मिलाकर।

3427 इलेक्ट्रिक बसें अभी मौजूद हैं।

829 बसें मार्च तक और आएंगी।

4 इलेक्ट्रिक बस डिपो भी खुलने को तैयार हैं।

डायबिटीज़ के मरीजों की सेहत पर पड़ रहा है बुरा असर

पल्यूशन से मॉर्निंग वॉक बंद, शुगर लेवल बिगड़ने का बढ़ा खतरा

Abhishek.Gautam1
@timesofindia.com

■ **नई दिल्ली:** बढ़ते पल्यूशन की वजह से दिल्ली में सुबह की हवा भी सुरक्षित नहीं रह गई है। इसका सीधा असर डायबिटीज के मरीजों की सेहत पर पड़ रहा है। खराब हवा से बचने के लिए मरीज मॉर्निंग वॉक करने से परहेज कर रहे हैं जिससे मरीजों में ब्लड शुगर बिगड़ने की शिकायत तेजी से बढ़ रही है। ऐसे में डॉक्टरों ने अपील की है कि डायबिटीज के मरीज घर के अंदर ही योग, स्ट्रेचिंग या ट्रेडमिल जैसे सुरक्षित विकल्प अपनाएं।

एक्सपर्ट बोले, घर के अंदर ही योग, स्ट्रेचिंग जैसी एक्सरसाइज करें

डायबिटीज एक्सपर्ट डॉ एके झिंगन बताते हैं कि पल्यूशन और मौसम का असर सबसे ज्यादा डायबिटीज के मरीजों पर पड़ रहा है। क्योंकि मॉर्निंग वॉक न करने की वजह से ऐसे मरीजों का ब्लड शुगर बिगड़ जाता है। इसके अलावा कई केस में चेस्ट इंफेक्शन होने से भी शुगर बढ़ता है। इसके अलावा ब्लड प्रेशर और हार्ट की समस्या बढ़ सकती है। वहीं, शालीमार बाग स्थित मैक्स हॉस्पिटल के डॉ. अशोक जोशी बताते हैं कि मॉर्निंग वॉक इंसुलिन सेंसिटिविटी बढ़ाने और ब्लड शुगर को नियंत्रित रखने में अहम भूमिका निभाती है। लेकिन प्रदूषण के कारण बाहर टहलना कई मरीजों के लिए जोखिम भरा हो गया है। वे बताते हैं कि प्रदूषण में मौजूद सूक्ष्म कण शरीर में सूजन बढ़ाते हैं, जिससे इंसुलिन रेसिस्टेंस बढ़ सकता है और शुगर लेवल अनियंत्रित हो जाता है। ऐसे में मरीजों संतुलित आहार, नियमित दवाइयां और ब्लड शुगर मॉनिटरिंग बेहद जरूरी है। वहीं, मॉडल टाउन स्थित यथार्थ हॉस्पिटल के डॉ. हरीश भाटिया ने बताया कि मौसम और पल्यूशन के चलते वजन बढ़ना, थकान और हार्ट संबंधित बीमारी का भी जोखिम बढ़ रहा है। ऐसे में मरीज मॉर्निंग वॉक संभव न हो तो मरीज को घर के अंदर योग, प्राणायाम, स्ट्रेचिंग और हल्की एक्सरसाइज को अपनी दिनचर्या में शामिल करना चाहिए, ताकि शुगर कंट्रोल रहे।

AI Image

PTI

गणतंत्र दिवस की तैयारी तेज

दिल्ली में ठंड, कोहरे और प्रदूषण का ट्रिपल अटैक दिल्लीवालों की सेहत पर बुरा असर डाल रहा है। इसके बावजूद कर्तव्य पथ पर सुबह-सुबह हमारे देश के जवान किसी भी चीज की परवाह किए बगैर गणतंत्र दिवस परेड की तैयारी में जुट जाते हैं।

सुबह और शाम के समय ठिठुरन वाली ठंड है बरकरार

धूप निकली, लेकिन ठंड पर बेअसर

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

राजधानी में अभी सुबह के समय में ठंडक काफी महसूस हो रही है। अधिकतम तापमान 20 डिग्री से कम है। धूप हल्की और कम देर के लिए निकल रही है, इसकी वजह से गुनगुनी धूप भी लोगों को काफी अच्छी लग रही है। वहीं सुबह व शाम के समय ठिठुरन वाली ठंड बरकरार है। मौसम विभाग के अनुसार अभी कुछ दिनों तक मौसम इसी तरह का बना रहेगा।

रविवार को दो से तीन घंटे के लिए धूप कुछ एरिया में निकली, फिर भी ठंडक में कमी नहीं आई। दिल्ली (सफदरजंग) में अधिकतम तापमान 17.3 डिग्री रहा। यह सामान्य से दो डिग्री कम था। वहीं न्यूनतम तापमान 7.4 डिग्री रहा। यह सामान्य से 0.5 डिग्री अधिक रहा। हवा में नमी का स्तर 71 से 100 प्रतिशत रहा। पालम में अधिकतम तापमान महज 16.3 डिग्री और आया नगर में 16.7 डिग्री रहा। वहीं पालम में न्यूनतम तापमान 6.8 डिग्री और आया नगर में 6.6 डिग्री रहा। पूर्वानुमान के अनुसार सोमवार को आसमान साफ रहेगा। ज्यादातर जगहों पर हल्का कोहरा और कुछ जगहों पर मध्यम कोहरा रह सकता है।

दिल्ली का मौसम अभी कुछ दिनों तक इसी तरह का बना रहेगा

स्टाफ के लिए हीटर देना ज़रूरी

■ **NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली:** अभी तक सिक्योरिटी गार्ड और अन्य लोगों को हीटर देने की अपील की जा रही थी और आरडब्ल्यूए और संस्थान इसके लिए जवाबदेह नहीं थे, लेकिन अब पर्यावरण विभाग ने इस तरह के कामकाजी वर्ग के आग जलाने को कंट्रोल करने के लिए इनकी जवाबदेही तय की है। पर्यावरण विभाग ने आदेश दिया है कि अब इन्हें रोजगार देने वाले लोगों की जवाबदेही होगी। इस आदेश में कहा गया है कि दिल्ली की सभी आरडब्ल्यूए, हाउसिंग सोसायटी, इंस्टिट्यूट्स, सरकारी या प्राइवेट कार्यालय, कॉन्ट्रैक्टर, एजेंसी अगर अपने स्टाफ के लिए गर्माहट के सही अरेंजमेंट नहीं करते तो वह इसके लिए जवाबदेह होंगे और उन पर कार्रवाई होगी।

मुंबई पत्तन प्राधिकरण
निविदा आमंत्रण सूचना

भारत सरकार के पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय के तहत मुंबई पत्तन प्राधिकरण निविदा सं. ई.1/2026 - "इंदिरा डॉक पर एकीकृत कार्गो हैंडलिंग परिचालन के लिए दो हिस्सों / क्लस्टर में ऑनलाइन निविदा आमंत्रित करती है। यह निविदा 5 साल की अवधि के लिए है, जिसे परिचालन और प्रबंधन के आधार पर 5 साल के लिए और बढ़ाया जा सकता है"। जमा करने की अंतिम तारीख 11/02/2026 है।

निविदाओं की जानकारी एमबीपीए की वेबसाइट https://www.mumbaiport.gov.in और https://www.eprocure.gov.in/eprocure/app पर उपलब्ध है।

मुख्य अभियंता (प्रभारी)
मुंबई पत्तन प्राधिकरण

MbPA-39-2025

पहचान के लिए अपील

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि एक पुरुष जिसका नामः अज्ञात पुत्र अज्ञात, निवासी अज्ञात, जो कि दिनांक 22.12.2025 को हंसराज कॉलेज के फुटपाथ के पास, मलकागंज चौक के नजदीक, दिल्ली क्षेत्र में मृत पाया गया। इस सन्दर्भ में DD No.: 23A, Dated 22.12.2025, पुलिस स्टेशन मौरिस नगर, उत्तरी जिला, दिल्ली में रिपोर्ट दर्ज है। नीचे मृत पुरुष की पहचान दी गई है:

लिंगः पुरुष, उम्रः लगभग 55 वर्ष, कदः 5'4'', रंगः गेहुंआ, चेहराः अंडाकार, शरीरः सामान्य, पहचान चिन्हः दाहिने गाल पर कट का निशान, पहनावाः सफेद व नीले रंग का प्रिंटेड स्वेटर पहने हुए है। मृतक के शव को पहचान के लिए सब्जी मंडी, दिल्ली के शवगृह में 72 घंटे के लिए सुरक्षित रखा गया है।

अगर किसी को इस मृत पुरुष के बारे में कोई जानकारी मिले तो कृपया नीचे दिए गए नंबर पर संपर्क करें।

थाना प्रभारी,
पुलिस स्टेशन मौरिस नगर,
उत्तरी जिला, दिल्ली,
फोनः 8750870128, 7840803558

DP/194/N/2026

'यमुना की सफाई अब सरकारी कार्यक्रम नहीं, जन आंदोलन'

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

सीएम रेखा गुप्ता रविवार को आईटीओ के पास यमुना छठ घाट पर चल रहे क्लीनअप ड्राइव का निरीक्षण करने पहुंचीं। इस दौरान मुख्यमंत्री ने दिल्ली की जनता को भरोसा देते हुए कहा कि यमुना की स्वच्छता अब केवल सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि जन आंदोलन का स्वरूप ले रहा है। मां यमुना हमारी आस्था, संस्कृति और सभ्यता की शाश्वत जीवनधारा है।

ITO घाट पर यमुना क्लीनअप ड्राइव में पहुंचीं CM ने कहा

रविवार को क्लीन ड्राइव का आयोजन संस्कृति युवा फाउंडेशन द्वारा किया गया था। मुख्यमंत्री ने स्वयंसेवकों की सराहना की और अभियान में शामिल नागरिकों, युवाओं व यमुना टास्क फोर्स (137 सीईटीएफ बटालियन टेरिटोरियल आर्मी) के जवानों की सक्रिय सहभागिता को प्रेरणादायी बताया। मुख्यमंत्री ने कहा कि रविवार के दिन भी इतनी बड़ी संख्या में लोगों का स्वेच्छा से यमुना स्वच्छता अभियान में जुटना यह दर्शाता है कि अब यमुना की स्वच्छता केवल सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि जन आंदोलन का स्वरूप ले रहा है। उन्होंने कहा कि युवाओं की भागीदारी किसी भी सामाजिक और पर्यावरणीय परिवर्तन की सबसे बड़ी शक्ति होती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यमुना को स्वच्छ, निर्मल और अविरल बनाए रखना केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के प्रति हम सभी की सामूहिक नैतिक जिम्मेदारी है। उन्होंने जानकारी दी कि दिल्ली सरकार यमुना सफाई अभियान को युद्धस्तर पर, चरणबद्ध, वैज्ञानिक और सुनियोजित तरीकों से संचालित कर रही है। गाद व अन्य सामग्री का निस्तारण, कचरा प्रबंधन, सीवेज ट्रीटमेंट, नैतिक उपचार और निगरानी व्यवस्था को सुदृढ़ करते हुए यमुना के पुनर्जीवन के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जब समाज और सरकार एक साथ मिलकर कार्य करते हैं, तभी स्थायी और सकारात्मक परिवर्तन संभव होता है। मुख्यमंत्री ने यमुना के संरक्षण और स्वच्छता के लिए नागरिकों से निरंतर जागरूकता, अनुशासन और सहभागिता बनाए रखने का आह्वान किया और कहा कि स्वच्छ यमुना ही स्वच्छ, स्वस्थ और सशक्त दिल्ली की पहचान बनेगी।

वित्त सचिव, निगम कमिश्नर समेत 8 IAS बदले

गृह मंत्रालय की ओर से 10 दानिक्स अधिकारियों का भी किया गया तबादला

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

गृह मंत्रालय ने दिल्ली सरकार में शीर्ष पदों पर तैनात 8 आईएएस अधिकारियों समेत कुल 10 दानिक्स अधिकारियों का दिल्ली से बाहर ट्रांसफर कर दिया है। गृह मंत्रालय के इस फैसले के बाद दिल्ली के कई विभागों के मुखिया बदल जाएंगे। हालांकि इस फैसले के बाद दिल्ली में पहले तैनात रहे कई अधिकारियों की वापसी होगी, जिससे सरकार को उनके अनुभव का फायदा भी हो सकता है। सरकार इस तबादले को रूटीन प्रक्रिया बता रही है।

गृह मंत्रालय की ओर से जारी ट्रांसफर लिस्ट के मुताबिक दिल्ली में फाइनेंस और पावर सेक्रेटरी की जिम्मेदारी संभाल रहे शूरबीर सिंह का तबादला लद्दाख कर दिया गया है। उनके तबादले का फैसला इसलिए चौंकाने वाला है, क्योंकि कुछ दिनों में दिल्ली सरकार 2025-26 का अपना रिवाइज्ड बजट सदन में रखने जा रही है। दिल्ली नगर निगम के आयुक्त अश्विनी कुमार का भी जम्मू-कश्मीर ट्रांसफर किया गया है। दिल्ली सरकार में स्पेशल सेक्रेटरी (पावर) रवि दधीचि का भी तबादला हो गया है।

दिल्ली में पहले तैनात रहे कई अधिकारियों की वापसी भी हो रही है

इसके अलावा दिल्ली मुख्य निर्वाचन अधिकारी एलिस ए. वाज का तबादला कर दिया गया है। इनका तबादला भी चौंकाने वाला है, क्योंकि दिल्ली में SIR की तैयारी चल रही है, उस बीच उनका तबादला चर्चा का विषय बना हुआ है। इसके अलावा अलग-अलग विभागों में स्पेशल सेक्रेटरी, डीसी जोन ऑफिस में तैनात भी कई आईएएस अधिकारियों का दिल्ली से बाहर तबादला हुआ है। हालांकि दिल्ली में पहले काम कर चुके कुछ अनुभवी अधिकारियों की वापसी हो रही है। दिल्ली में 1994 बैच के संजीव खिरवार की वापसी हो रही है। कोविड के दौरान वह दिल्ली में तैनात थे, लेकिन विवादों के बीच उनका तबादला लद्दाख हुआ था। इनके अलावा सत्येंद्र सिंह, राहुल सिंह, अमन गुप्ता की दिल्ली वापसी हो रही है।

दिल्ली सरकार में आईएएस अधिकारियों के अलावा विभिन्न विभागों में अहम पदों में जिम्मेदारी निभा रहे 10 दानिक्स अधिकारियों का भी तबादला हुआ है। रजनीश कुमार सिंह, विक्रम सिंघल, गुरप्रीत सिंह, कुमार अभिषेक, नीरज टोकस समेत अन्य अधिकारी शामिल हैं। यह अधिकारी दिल्ली सरकार के अलावा एमसीडी में अलग-अलग जगहों पर काम कर रहे हैं।

AI Image

18 IPS का भी हुआ ट्रांसफर

■ **NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली:** 18 आईपीएस अधिकारियों का तबादला कर केंद्र शासित राज्यों में भेजा गया है। रविवार को ट्रांसफर ऑर्डर जारी हुआ। अजीत कुमार सिंगला को पुडुचेरी से दिल्ली लाया गया है। दिल्ली पुलिस के एडिशनल सीपी क्राइम ब्रांच मंगेश कश्यप को अरुणाचल प्रदेश, दिल्ली पुलिस में तैनात आईपीएस राजीव रंजन सिंह को चंडीगढ़, शाहदरा जिले के डीसीपी प्रशांत प्रिय गौतम को जम्मू कश्मीर, अरुणाचल प्रदेश से आरपी मीणा को दिल्ली लाया है। मिजोरम से आईपीएस राहुल अलवल को भी दिल्ली भेजा गया है। जम्मू कश्मीर से शोभित डी सक्सेना को दिल्ली बुलाया गया है। अंडमान और निकोबार से निहारिका भट्ट को भी दिल्ली लाया गया है। दिल्ली पुलिस से संध्या स्वामी को अरुणाचल प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश से सचिन कुमार सिंघल को दिल्ली, दिल्ली से अचिन गर्ग को अरुणाचल प्रदेश, पुडुचेरी से ईशा सिंह को दिल्ली लाया गया है। बाकी आईपीएस को केंद्र प्रशासित प्रदेश में एक से दूसरी जगह भेजा गया है।

TV की तेज़ आवाज़ में दब गई बुज़ुर्ग दंपती की चीखें, CCTV में नज़र आए 3 संदिग्ध

जिम गया था बेटा, लौटा तो अलग-अलग कमरों में पड़े थे माता-पिता के शव

■ कृष्णा कुशाल सिंह, नई दिल्ली

Photos: Surender Kumar, PTI

मानसरोवर पार्क के राम एक्सटेंशन में रहने वाले बुजुर्ग दंपती की हत्या कर दी गई। हत्या के बाद पुलिस वाले मौके पर पहुंचे। फिर शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। हत्या की कॉल पुलिस को वीरेन्द्र कुमार बंसल के बेटे वैभव बंसल ने की थी। वीरेन्द्र कुमार बंसल मूलरूप से मेरठ का बागपत के रहने वाले थे। पुलिस के मुताबिक, उनके बेटे वैभव बंसल शनिवार शाम करीब 5 बजे घर से निकलकर घौंडा स्थित अपने जिम में गए थे। वहां से रात 12:15 बजे वापस घर लौटे तो देखा कि उनकी मां और पिता अलग-अलग कमरे में बिस्तर पर बेहोश पड़े हुए हैं। उसके बाद उन्होंने पुलिस को सूचना दी। जब पुलिस ने जांच शुरू की तो पता चला कि वारदात के वक्त पति-पत्नी की आवाज किसी भी पड़ोसी को सुनाई नहीं दी। हालांकि पड़ोसियों ने देर रात तक तेज आवाज में टीवी चलने की बात कही है।

वहीं एक रिश्तेदार ने बताया कि परवेश बंसल ने जो मंगलसूत्र, अंगूठी और इयररिंग्स पहन रखे थे, वह गायब हैं। घर में बनी अलमारी काफी मजबूत है। जिसे आरोपी तोड़ने में सफल नहीं हो सके। उन्होंने लूटपाट की वजह से हत्या का शक जताया है। हालांकि घर में बाकी सामान अपनी जगह पर पाया गया है। पुलिस के जांच में भी घर में जबरन एंट्री नहीं पाई गई है। सूत्रों के मुताबिक, वीरेन्द्र बंसल मुद पर पैसे चलाते थे। हालांकि इसकी किसी ने पुष्टि नहीं की है।

जांच में किसी की घर में जबरन एंट्री नहीं पाई गई है

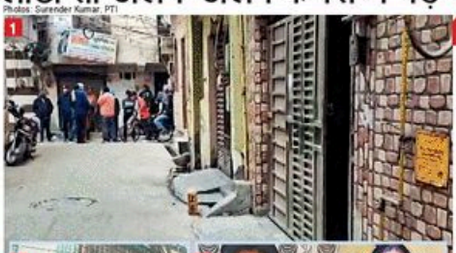

1) मानसरोवर पार्क के राम एक्सटेंशन में रहते थे दंपती
2) इसी घर में हुई थी बुजुर्ग दंपती की हत्या
3) वीरेन्द्र कुमार बंसल, परवेश बंसल की फाइल फोटो

लिफ्ट में आते दिखे कुछ लोग

पड़ोसियों ने बताया कि घर से किसी तरह की शोर शराबे की आवाज नहीं सुनाई पड़ी। देर रात करीब 12:15 बजे तक टीवी की तेज आवाज आ रही थी। इस कारण किसी को पता नहीं चल सका। 220 गज में करीब 8 फ्लैट बने हुए हैं। लिफ्ट भी लगी हुई है। मेन गेट ऑटोमेटिक लॉक हो जाता है। पड़ोसी ने बताया कि रात 10:30 बजे मेन गेट बंद हो जाता था। एक सप्ताह पहले ही वीरेन्द्र बंसल ने नीचे रहने वाले पड़ोसी को कहा था कि मेन गेट पर ताला मत लगाना। उनका बेटा देर रात आता है। पड़ोसियों ने बताया कि आरोपी लिफ्ट से आए होंगे। लिफ्ट में आते-जाते कुछ लोग भी दिखाई पड़े थे।

पड़ोसियों ने बताया घर से नहीं सुना कोई शोर-शराबा

पास लगे कैमरे से मिले सुराग

पुलिस सूत्रों के मुताबिक, वैभव बंसल शनिवार शाम करीब 5 बजे घर से बाहर गए थे। उसके बाद 5:15 बजे एक स्कूटी पर दो लोग घर पर आए और बुजुर्ग दंपती के फ्लैट में गए। जबकि तीसरा संदिग्ध चेहरे पर मास्क लगा रखा था। वह गली में घर के आसपास टहलता हुआ दिखाई पड़ रहा था। बाद में स्कूटी सवार वहां से काफी देर बाद जाते हुए दिखाई पड़े। पुलिस को शक है कि हत्या में स्कूटी सवार और मास्क वाला शख्स भी शामिल हो सकता है।

MASS COMM AT AMITY
2026 ADMISSIONS OPEN

B.A., M.A., MBA, PG DIPLOMA IN:
- Journalism & Mass Comm
- Advertising & Marketing Mgmt.
- PR & Event Mgmt.
- Media Mgmt.
- Acting
- Film, Television & Web Series
- Visual Effects, Animation & Comics
- Game Design & Development

Industry-simulated Learning Studios
Earn practical experience at Amity's Double Height News/ Film Studios, Newsroom and Community Radio Station (107.8 FM) spread over 10,000 sq.ft., equipped with Sony HD Cameras, WASP 3D Graphics Software, 16 Editing Bays...

Master Classes by Industry Veterans
100+ interactive sessions with leading figures in Journalism, Advertising and PR

Industry Immersion Opportunities
Regular visits to top news studios, leading PR agencies, and creative hubs, facilitated by proximity to campus

Flexible Credit System
allows students to pursue double majors and minors in popular fields like Digital Marketing, Film & TV Production, Political Science, Psychology and 90+ other disciplines

Students have secured placements in leading TV channels, Publications, Ad Agencies and PR Agencies like:
REPUBLIC | Network 18 | dentsu | McCANN | genesis bcw

Amity University, Sector - 125, Noida
Apply at www.amity.edu | Tel: 0120-2445252
Gurugram: www.amity.edu/gurugram | T: 7303-399-399
AMITY UNIVERSITY

अवैध रूप से रह रहे दो अफ्रीकी गिरफ्तार

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: गणतंत्र दिवस से पहले सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करते हुए साउथ वेस्ट डिस्ट्रिक्ट की ऑपरेशंस सेल ने भारत में अवैध रूप से रह रहे दो अफ्रीकी (नाइजीरियाई) नागरिकों को गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपी नाइजीरिया से कारोबारी वीजा पर भारत आए थे और उसके बाद यहां से वापस नहीं गए। आरोपी अपने साथियों के साथ मिलकर यहां नौकरी करने लगे। आरोपी मिशेसेले ओनीका और मोसेस विनेसो को वापस भेजने के लिए पुलिस ने एफआरआरओ की मदद से कार्रवाई शुरू कर दी है।

दोनों हाउस कीपिंग का काम करते थे

पुलिस ने नेपाल से आई चरस पकड़ी

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली : नेपाल से दिल्ली लाई जा रही 11 किलोग्राम हाई-ग्रेड चरस साउथ ईस्ट डिस्ट्रिक्ट पुलिस ने अमर कॉलोनी इलाके से बरामद की है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसकी कीमत एक करोड़ आंकी गई है। डिस्ट्रिक्ट के स्पेशल स्टाफ ने चरस के साथ एक तस्कर को भी गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान महेश (46) के रूप में हुई है। आरोपी लंबे समय से नेपाल से दिल्ली ड्रग्स की सप्लाई कर रहा था। डीसीपी डी. हेमंत तिवारी ने बताया कि स्पेशल स्टाफ की टीम को इसकी सूचना मिली थी।

आरोपी की पहचान महेश (46) के रूप में हुई है

आरोपियों ने बातों में फंसाकर लूटी जूलरी

■ NBT रिपोर्ट, बुराड़ी : बुराड़ी इलाके में पैदल घर जा रही दो महिलाओं को अपनी बातों में उलझाकर दो लड़कों ने जूलरी उतरवा ली और उसे डबल करने का झांसा फरार हो गए। महिलाओं की शिकायत पर पुलिस केस दर्ज कर सीसीटीवी की मदद से जांच कर रही है। पुलिस के मुताबिक, अनीता अमृत विहार के डी ब्लॉक में रहती है। उन्होंने बताया कि वह पड़ोसन सरोज के साथशाम करीब साढ़े चार बजे बुराड़ी से अपने घर जा रही थी। 100 फूटा रोड, गली नंबर 9 के पास दो लड़के पीछे से आये और उन्हें को अंजाम दिया।

डबल करने का झांसा देकर हुए फरार

7 कोर्ट में भर सकते हैं गाड़ी के चालान

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: दिल्ली के अलग-अलग 7 कोर्ट में जाकर आप अपनी गाड़ी के चालान का फाइन भर सकते हैं। लोगों की सहूलियत के लिए दिल्ली राज्य विधिक सेवाएं प्राधिकरण (DSLSA) के सहयोग से दिल्ली ट्रैफिक पुलिस द्वारा आयोजित नेशनल लोक अदालत लगाई जा रही है। यह लोक अदालत 10 जनवरी को दिल्ली के पटियाला हाउस कोर्ट, कड़कड़डूमा कोर्ट, तीस हजारी कोर्ट, साकेत कोर्ट, रोहिणी कोर्ट, द्वारका कोर्ट और राउज एवेन्यू कोर्ट में लगाई जाएंगी।

यह लोक अदालत 10 जनवरी को लगेगी

हीटर में शॉर्ट सर्किट के कारण घर में लगी आग

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

AI Image

मंडावली इलाके में कम हीटर में शॉर्ट सर्किट के कारण चौथे मंजिल पर फ्लैट में आग लग गई। आग फैलने से घर में रखा गैस सिलिंडर भी फट गया। हालांकि इससे किसी को नुकसान ते नहीं हुआ, लेकिन आग बुझाने के दौरान तीन फायरकर्मी झुलस गए। फायर की 5 गाड़ियों की मदद से आग पर काबू पाया गया।

ईस्ट जिला के डीसीपी अजिथेव धनिया ने बताया कि रविवार दोपहर करीब 1 बजे मंडावली के शांति मार्ग स्थित गली नंबर एक मकान नंबर 419ए के चौथी मंजिल पर आग की कॉल मिली थी। इस फ्लैट में 24 वर्षीय आदित्य सिंह रहते हैं। वह नोएडा स्थित एक एमएनसी में काम करते हैं। वह नाइट शिफ्ट के बाद घर आए थे। सूचना के बाद स्थानीय पुलिस और फायर विभाग के कर्मी भी मौके पर पहुंच गए। दमकल विभाग की पांच गाड़ियां मौके के पर पहुंच गईं। करीब एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद लगभग 2:05 बजे आग पर काबू पा लिया गया। हालांकि आग बुझाने के दौरान 3 दमकलकर्मी मामूली रूप से झुलस गए। शुरुआती जांच में पता चला है कि हीटर में शॉर्ट सर्किट होने लगा और आग लग गई। उसके बाद कमरे में रखा गैस सिलिंडर भी आग के चपेटे में आ गया। पुलिस और फायर विभाग का कहना है कि अब तक किसी तरह की सार्वजनिक या फाउल प्ले के सबूत नहीं मिले हैं। पुलिस ने फ्राइम और टेक्निकल टीमों से रिपोर्ट मांगी है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

मंडावली इलाके में हुई घटना, आग बुझाते वक्त तीन फायरकर्मी झुलसे

प्रमोशन पार्टी में झगड़ा होने पर पुलिसवालों ने चलाई गोलियां!

Shanker.Singh@timesofindia.com

AI Image

■ नई दिल्ली: शाहदरा जिला के झिलमिल इंडस्ट्रियल एरिया स्थित लमौर क्लब के बाहर 31 दिसंबर की रात हुई ताबड़तोड़ फायरिंग में सनसनीखेज खुलासा हुआ है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, मौजपुर निवासी मुख्य आरोपी बादल और विकास के साथ नॉर्थ-ईस्ट जिले की एक स्ट्रम यूनिट में तैनात पुलिस स्टाफ भी था, जिन्होंने अपनी सरकारी पिस्टल से भी गोलियां चलाई थीं। दरअसल यहां एक पुलिसकर्मी को आउट ऑफ टर्न प्रमोशन (OTP) की पार्टी थी, जिसमें बदमाश भी बुलाए गए थे।

एनबीटी ने 3 जनवरी को 'कारोबारी से कड़ासुनी में क्लब के बाहर फायरिंग' की खबर प्रमुखता से प्रकाशित की थी। शिकायतकर्ता गाजियाबाद के सिस्तल गांव निवासी सोनू कमाना ने पुलिस को बताया था कि वह 31 दिसंबर की देर रात करीब 1:30 बजे अपने दोस्तों के साथ नए साल का जश्न मनाने झिलमिल इंडस्ट्रियल एरिया स्थित लमौर क्लब आए थे। वहां उनकी कुछ लोगों से कड़ासुनी हो गई थी। वह तड़के यानी 1 जनवरी की सुबह करीब 4:15 बजे दोस्तों के साथ क्लब के बाहर निकले तो उन लड़कों ने उन्हें घेर लिया। गाली-गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी और एक लड़के ने कार का शीशा तोड़ दिया। एक अन्य लड़के ने सीने पर पिस्टल तान दी। तीसरे लड़के ने थप्पड़ मारते हुए 270 ग्राम की गोल्ड की चेन लूट ली। इसके बाद उनके साथ के युवकों ने करीब 9-10 राउंड फायरिंग की।

चेन लूटने वाले का नाम बादल बताया गया, जबकि एक अन्य बदमाश की पहचान विकास के तौर पर हो गई।

FIR दर्ज

- GTB एनक्लेव इलाके में 270 ग्राम चेन लूटने का भी दावा, FIR दर्ज
- एनबीटी ने 3 जनवरी को प्रमुखता से छापी थी खबर

बदमाशों को बुलाया था पार्टी में

मौके पर मौजूद एक पुलिसकर्मी को ओटीपी मिला था। इसी खुशी में उसने अपने सहयोगी स्टाफ और एरिया के कुछ बदमाशों को पार्टी में बुलाया था। इसी दौरान सोनू कसाना और उसके दोस्तों से बहस हो गई। शाहदरा जिला पुलिस अब तक इस वारदात में शामिल किसी आरोपी को नहीं पकड़ सकी है। मामले को रफा-दफा करने की कवायद भी चल रही है।

जांच में सामने आया कि नॉर्थ ईस्ट जिले में तैनात एक पुलिसकर्मी को ओटीपी मिला था। इसी खुशी में उसने अपने साथियों को पार्टी में बुलाया था

फिल्मी सीन की तरह छतों पर छलांग लगाते हुए पुलिस ने पकड़ा बदमाश

Vishal.sharma3@timesofindia.com

AI Image

■ नई दिल्ली: झुग्गियों के बीच संकरे रास्ते। आड़ी तिरछी छतें पर कूद फांदकर भागता एक युवक और उसके पीछे फुर्तीले पुलिस के जवान। यह सब हैरानी से देखते हुए आसपास के लोग। यह बॉलीवुड फिल्म का सीन नहीं, बल्कि जहांगीरपुरी इलाके की असली घटना है।

पुलिस ने छतों से छलांग लगाकर भाग रहे जिस बदमाश को पकड़ा है, उसने अपनी धार्मिक पहचान छिपाने के लिए अपना नाम पंकज रखा हुआ था। असल में उसका नाम इरशाद है। वह आपराधिक वारदातों के लिए कुख्यात जहांगीरपुरी के बीडी पार्क का रहने वाला है। पुलिस का कहना है कि आरोपी एक शख्स से मोबाइल लूटकर भाग था। उसके कब्जे से छीना गया मोबाइल बरामद कर लिया गया है। इस पर पहले से आपराधिक केस दर्ज है।

अडिशनल सीपी भीष्म सिंह के मुताबिक 3 जनवरी को थाना जहांगीरपुरी में मोबाइल फोन लूट के सिलसिले में एक पीसीआर कॉल मिली थी। तुरंत पुलिस स्टाफ चौधरी डेवरी, सी-ब्लॉक, जहांगीरपुरी पहुंचा। पंडित डी ब्लॉक निवासी अरुण कुमार मिले। उन्होंने बताया कि घर से ड्यूटी पर जाते समय एक शख्स ने जान से मारने की धमकी देकर उनका मोबाइल लूट लिया था। पुलिस ने केस दर्ज कर आरोपी की सीसीटीवी के जरिए पहचान की। एसएचओ सतविंदर सिंह के सुपरविजन में इंस्पेक्टर नेतराम, हेड कॉन्स्टेबल नित्यानंद, मनदीप, अमित, राकेश और कॉन्स्टेबल अनिल ने आरोपी की तलाश शुरू की। सीसीटीवी और लोकल इंटेलिजेंस की मदद से आरोपी को सीडी पार्क, जहांगीरपुरी की झुग्गी इलाके में ट्रेस किया गया।

पुलिस को देखकर आरोपी छत पर चढ़ गया और पास-पास की झुग्गियों की छतों पर कूदकर भागने लगा। कॉन्स्टेबल अनिल और टीम ने छतों पर छलांग लगाते हुए उसका पीछा किया, जबकि हेड कॉन्स्टेबल नित्यानंद और टीम के बाकी सदस्यों ने गलियों और सड़कों पर घेराबंदी की हुई थी। पीछा करने के दौरान एक झुग्गी की छत गिर गई, जिससे आरोपी और कॉन्स्टेबल अनिल नीचे गिर गए,इसके बाद आरोपी को काबू कर लिया गया। आरोपी के कब्जे से छीना गया मोबाइल बरामद कर लिया गया।

पुलिस का कहना है कि आरोपी एक शख्स से मोबाइल लूटकर भागा था

चाकू मारने का विडियो वायरल, हो रही तलाश

■ NBT रिपोर्ट, जहांगीरपुरी : जहांगीरपुरी इलाके में दो युवकों को चाकू मारने का विडियो सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है। आरोपियों ने बाकायदा इस विडियो को इंस्टाग्राम पर अपलोड किया। पुलिस ने बताया कि आरोपियों ने 2 जनवरी की दोपहर को दो लड़कों को चाकू मारा था। हत्या की कोशिश के तहत मामला दर्ज कर आरोपियों की धरपकड़ है लेर टीमें रेड कर रही है। डीसीपी के मुताबिक 2 जनवरी को जहांगीरपुरी थाना पुलिस को दोपहर करीब 3 बजे K ब्लॉक की झुग्गी से एक महिला ने पीसीआर कॉल की। उसने बताया कि गली 1500 वाली, जहांगीरपुरी के कोने पर दो लोगों को चाकू मारा है।

आरोपियों ने खुद सोशल मीडिया पर डाला विडियो

द्वारका एक्सप्रेसवे पर थार सवार ने जानलेवा स्टंट कर बनाया विडियो

■ NBT रिपोर्ट, गुड़गांव

शॉर्ट विडियो बनाने के चक्कर में अपने साथ दूसरों की जान भी खतरे में डाली

द्वारका एक्सप्रेसवे पर काले रंग की थार में सवार एक युवक के जानलेवा स्टंट करते हुए विडियो बनाने का मामला सामने आया है। युवक चलती गाड़ी की खिड़की से आधा शरीर बाहर निकालकर एक्सप्रेसवे पर विडियो शूट करता दिखा। गुड़गांव से लेकर दिल्ली सीमा के भीतर कई किलोमीटर तक उसने न सिर्फ अपनी जान खतरे में डाली, बल्कि सड़क पर चल रहे अन्य वाहन चालकों के लिए खतरा पैदा कर दिया। एक कार चालक ने इस घटना का विडियो बनाकर सोशल मीडिया पर गुड़गांव और दिल्ली ट्रैफिक पुलिस को टैग करते हुए पोस्ट किया और सख्त कार्रवाई की मांग की है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, वाहन नंबर के आधार पर आरोपी का चालान व FIR दर्ज कर ओरिजिनल की कार्रवाई की जा सकती है। सोशल मीडिया पर डाले गए विडियो में दिख रहा है कि युवक तेज रफ्तार में चल रही थार की खिड़की से बाहर निकलकर शॉर्ट विडियो बना रहा है। इसी दौरान पीछे चल रही एक कार के चालक ने इस खतरनाक स्टंट को अपने मोबाइल से रिकॉर्ड करना शुरू कर दिया। जैसे ही थार सवार युवक को रिकॉर्डिंग किए जाने का अहसास हुआ, वह तुरंत गाड़ी के अंदर घुस गया और थार की स्पीड बढ़ाकर मौके से फरार हो गया।

ट्रैफिक पुलिस ने पोस्ट पर दिया जवाब: कार चालक ने अपने मोबाइल से बनाए विडियो को सोशल मीडिया पर अपलोड करते हुए गुड़गांव व दिल्ली ट्रैफिक पुलिस को टैग कर आरोपी युवक के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने इस पोस्ट पर जवाब देते हुए मामले में आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

टैक्सी पलटने से एयरपोर्टकर्मी घायल

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: साउथ वेस्ट डिस्ट्रिक्ट के कैंट इलाके में टैक्सी पलटने से एयरपोर्ट कर्मी गंभीर रूप से घायल हो गए। उनकी पहचान रविंद्र सिंह के रूप में हुई।

रोड की हड्डी में गंभीर चोट होने के कारण उनका लगातार अस्पतालों में इलाज चल रहा था। पुलिस ने ड्राइवर के खिलाफ शनिवार को केस दर्ज किया।

दो महीने बाद उन्होंने पुलिस को लिखित शिकायत देकर आरोपी ड्राइवर के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। पुलिस के अनुसार, रविंद्र सिंह परिवार के साथ विकास नगर रेवाड़ी हरियाणा में रहते हैं। वह दिल्ली एयरपोर्ट पर कार्यरत हैं। शिकायत में उन्होंने बताया कि 3 नवंबर 2025 तड़के 4.40 बजे एक टैक्सी में बैठे थे जो एयरपोर्ट की ओर जा रही थी और वहीं पलट गई।

दो महीने बाद दी शिकायत, पुलिस ने दर्ज किया मामला

देर से केस दर्ज करने को लेकर SHO लाइन हाजिर, SI सस्पेंड

■ NBT रिपोर्ट, बवाना: एक्सीडेंट की घटना में एक्शनाईक्षर देरी से करने पर बवाना थाने के एसएचओ को लाइन हाजिर कर दिया गया है। साथ ही केस के इन्वेस्टिगेशन ऑफिसर (सब इंस्पेक्टर) को सस्पेंड कर दिया गया है। यह एक्शन पीड़ित को एफआईआर दर्ज कराने में हुई लापरवाही और टालमटोल की वजह से हुआ है। इसकी पुष्टि अडतर नॉर्थ जिले के सीनियर अफसर ने की। उन्होंने बताया कि मार्च 2025 में संदिग्ध परिस्थितियों के तहत एक हाद्दा मिला। शुरू में इसे मर्डर माना गया, लेकिन बाद में यह मर्डर नहीं बल्कि रोड एक्सीडेंट मालूम चला। बाबनूर इसके पीड़ित परिवार के बयान पर एफआईआर दर्ज नहीं हुई थी। ना ही इसका संज्ञान बवाना एसएचओ ने लिया। इस बीच केस की जांच कर रहे एसआई की शादी थी। वह चले गए और मामला पेंडिंग पड़ा रहा।

केस की जांच कर रहे SI छुट्टी लेकर शादी में चले गए थे

नशे की हालत में दोनों के बीच हुए विवाद में युवती ने चाकू से युवक के सीने पर किया वार

मल्टीनैशनल कंपनी के कोरियन ब्रांच मैनेजर की हत्या, लिव-इन पार्टनर अरेस्ट

■ NBT न्यूज, ग्रेटर नोएडा

डक ही यूह — लुंजियाना पामई

नोएडा के सेक्टर-150 स्थित एटीएस पावस हाइटवे सोसायटी में सैमसंग कंपनी के ब्रांच मैनेजर कोरियाई युवक की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। आरोप मणिपुर की रहने वाली उनकी लिव-इन पार्टनर पर है। घायल अवस्था में वह खुद ही युवक को कासना स्थित निम्स अस्पताल लेकर पहुंचे और मौके से फरार हो गईं।

युवक की मौत के बाद रविवार को अस्पताल ने पुलिस को सूचना दी। इसके बाद नोलेज पार्क पुलिस ने आरोपी युवती को अरेस्ट कर लिया। बताया जा रहा है कि एक पार्टी में नशे की हालत में दोनों के बीच विवाद हुआ, जो मर्डर तक पहुंच गई।

डेढ़ साल से लिव-इन में रह रहे थे: एडिशनल डीसीपी सुधीर कुमार ने बताया कि मृतक की पहचान डक ही यूह (Duck Hee Yuh) के रूप में हुई है। वह वर्तमान में सेक्टर-150 स्थित एटीएस पावस हाइटवे सोसायटी में रह रहे थे। सैमसंग कंपनी में ब्रांच मैनेजर के पद पर कार्यरत थे। यूह पिछले डेढ़ साल से मणिपुर की रहने वाली लुंजियाना पामई के साथ लिव-इन में रह रहे थे। आरोप है कि शनिवार रात दोनों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो गया। इसी दौरान युवती ने चाकू से मृतक के सीने पर वार कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद युवती घायल अवस्था में उन्हें कार से कासना स्थित निम्स अस्पताल लेकर पहुंची। वहां उन्हें छोड़कर मौके से फरार हो गईं। डॉक्टरों ने जांच के बाद युवक को मृत घोषित कर दिया।

शराब पार्टी के दौरान हुआ विवाद

पुलिस अधिकारियों के मुताबिक प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया है कि घटना के समय फ्लैट में शराब पार्टी चल रही थी। दोनों ने शराब पी थी। इसी दौरान कहासुनी हुई, जो मारपीट और फिर हत्या तक पहुंच गई। युवती का आरोप है कि बॉयफ्रेंड उसके साथ मारपीट करता था।

कॉल डिटेल खंगाली जा रही हैं

पुलिस यह भी जांच कर रही है कि घटना के समय फ्लैट में कोई अन्य व्यक्ति मौजूद था या नहीं। इसके साथ ही मृतक और आरोपी के मोबाइल कॉल डिटेल रिकॉर्ड (सीडीआर) खंगाले जा रहे हैं, ताकि यह पता लगाया जा सके कि कहीं हत्या पूर्व नियोजित तो नहीं थी। पुलिस आरोपी से गहन पूछताछ कर रही है।

काम छोड़ने के बाद मानसिक तनाव में थे परविंदर, नहीं मिला स्यूसाइड नोट

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

ली मेरिडियन होटल की 12वीं मंजिल से रविवार दोपहर को छलांग लगाकर एक प्रॉपर्टी डीलर ने जान दे दी। मृतक की पहचान लाजपत नगर निवासी परविंदर सिंह जुनेजा (45) के रूप में हुई है। उनके पास से कोई स्यूसाइड नोट नहीं मिला है। जांच में यह भी पता चला है कि परविंदर पहले भी इसी होटल में 25 और 26 दिसंबर की रात को रुके थे। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है और परिवारवालों से पूछताछ कर मामले की छानबीन कर रही है।

पुलिस के अनुसार रविवार सुबह करीब 11:40 बजे पुलिस को होटल ली मेरिडियन होटल की कपर के फ्लोर से एक शख्स के छलांग लगने की सूचना मिली। खबर मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। होटल की लॉबी में एक शख्स लहूलुहान पड़ा था। पुलिस ने उसे तुरंत अस्पताल लेकर गई, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मौके पर फ्राइम और फॉरेंसिक टीम को बुलाया। मृतक के पास से बरामद दस्तावेज के जरिए पहचान लाजपत नगर निवासी परविंदर सिंह जुनेजा के रूप में हुई। उनके पास से कोई स्यूसाइड नोट नहीं मिला। पुलिस ने परिवार वालों से संपर्क कर घटना की जानकारी दी।

पुलिस अधिकारी के अनुसार परविंदर होटल में सामान्य तरीके से दाखिल हुए थे। उसके बाद वह होटल की 12वीं मंजिल पर पहुंचे और अचानक लॉबी में छलांग लग दी। परविंदर पहले प्रॉपर्टी डीलिंग का काम करते थे। काम छोड़ने के बाद वह मानसिक तनाव में आ गए थे। नई दिल्ली जिले के अडिशनल डीसीपी आनंद कुमार मिश्रा ने बताया कि कोई स्यूसाइड नोट नहीं मिला है।

होटल में 25 और 26 दिसंबर की रात को रुके थे परविंदर

जांच जारी

- पुलिस परिवारवालों से पूछताछ कर मामले की छानबीन कर रही है
- पुलिस होटल में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 05-01-2026 Zone: Mahanagar Edition: 1 Page: NBTMAH04 User: cci Time: 01-04-2026 22:45 Color:

'गांव के मुद्दों को प्रमुखता से उठाए सरकार': दिल्ली पंचायत संघ के प्रमुख थान सिंह यादव ने 5 जनवरी को होने वाले दिल्ली विधानसभा सत्र में गांव, ग्रामीणों और किसानों से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाने की मांग की है। (NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली)

विधानसभा में CAG रिपोर्ट और 'फांसी घर' पर होगी बहस

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

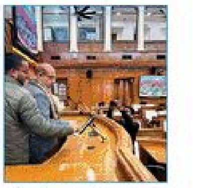

दिल्ली विधानसभा का शीतकालीन सत्र आज यानी 5 जनवरी से शुरू हो रहा है। 5 से 8 जनवरी तक चलने वाले इस चार दिवसीय सत्र को लेकर राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। सत्र के दौरान सत्ता पक्ष, आम आदमी पार्टी की पिछली सरकार को घेरने की तैयारी में है, जिसमें कैग रिपोर्ट के जरिए पूर्व मुख्यमंत्री के आवास, मोहल्ला क्लिनिक के साथ साथ कथित फांसी घर के स्ट्रक्चर पर चर्चा करा सकती है।

वहीं विपक्ष दिल्ली की समस्या खासकर पानी और प्रदूषण के मुद्दे पर दिल्ली सरकार पर हमलावर हो सकता है। आठवीं विधानसभा के चौथे सत्र की शुरुआत उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना के अभिभाषण से होगी। विधानसभा सचिवालय ने सत्र के संचालन के लिए सभी प्रशासनिक और लॉजिस्टिक तैयारियां पूरी कर ली हैं। विधानसभा की तरफ से जारी लिस्ट में सोमवार को केवल एलजी का अभिभाषण होना है। मंगलवार से सत्र सुचारू रूप से चलेगा, जहां पर अलग अलग दिन की कार्यसूची तैयार की गई है।

AAP विधायक दल के चीफ व्हिप संजीव झा ने कहा कि AAP के लिए शीतकालीन सत्र में प्रदूषण प्रमुख मुद्दा रहेगा। हम बीजेपी सरकार से सदन में इस मुद्दे पर चर्चा की मांग करेंगे।

गरिमा के साथ काम के निर्देश

विधानसभा सत्र की शुरुआत से पहले विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने रविवार को सदन की तैयारियों का जायजा लिया और अधिकारियों को सदन की गरिमा बनाए रखते हुए संचालन सुनिश्चित करने का निर्देश भी दिया। इस दौरान अध्यक्ष ने कहा कि हमारा मकसद है कि दिल्ली विधानसभा का शीतकालीन सत्र का अच्छे तरीके से संचालन हो। सत्र के दौरान चर्चा हो, सबकी भागीदारी हो और पारदर्शिता भी बनी रहे। सत्र से पहले की गई इस समीक्षा के दौरान विधायी, प्रशासनिक और तकनीकी तैयारियों सहित समग्र व्यवस्थाओं का मूल्यांकन किया गया।

अटल स्मृति सम्मेलन

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी के जन्म शताब्दी समारोह वर्ष के तहत रोहिणी विधानसभा एरिया में अटल स्मृति सम्मेलन का आयोजन हुआ। इस मौके पर विजेन्द्र गुप्ता और वीरेंद्र सचदेवा ने संबोधन दिया।

'हमारी उड़ान जज़्बा तय करता है'

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

ब्रेल लिपि के जनक लुई ब्रेल की जयंती पर दिल्ली के समाज कल्याण मंत्री रविंद्र इंद्राज ने रोहिणी स्थित ब्रेल भवन और किंग्सवे कैंप स्थित सेवा कुटीर कॉलेज में दृष्टि बाधित छात्रों के कार्यक्रम में भाग लिया। इस दौरान उन्होंने कहा कि व्यक्ति की उड़ान उसका जज्बा और सोच तय करता है। मंत्री ने दृष्टिहीन बच्चों और छात्रों की अद्भुत प्रतिभा, आत्मविश्वास और संकल्प की सराहना की।

उन्होंने कहा कि बच्चों ने जो प्रस्तुतियां पेश की हैं, उससे साबित होता है कि सीमित संसाधनों के बाद भी समर्पण और अभ्यास से उपलब्धियां हासिल की जा सकती हैं। सरकार दिव्यांगजनों को सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

लुई ब्रेल की जयंती पर हुए कार्यक्रम में बोले मंत्री

AAP का सूद पर गरीबी का मजाक उड़ाने का आरोप

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: आम आदमी पार्टी ने बीजेपी नेता और दिल्ली सरकार के शिक्षा मंत्री आशीष सूद पर विधायक संजीव झा और कुलदीप कुमार की गरीबी का मजाक उड़ाने का आरोप लगाया है। आप की ओर से सोशल मीडिया पर एक कैंपेन चलाया और पार्टी के नेताओं ने दिल्ली सरकार के मंत्री पर हमला बोला। पार्टी का दावा है कि इस कैंपेन को दिल्ली की जनता का भी समर्थन मिला। पार्टी के प्रदेश संयोजक सौरभ भारद्वाज ने कैंपेन के कई वीडियो सोशल मीडिया एक्स पर साझा कर आशीष सूद से कहा कि, आशीष सूद का 'छोटे इलाके के बड़े-बड़े प्रवक्ता बने घूम रहे हैं' बयान बीजेपी की असल मानसिकता को दिखाता है।

AAP ने सोशल मीडिया पर चलाया कैंपेन

सूद पर निजी हमले कर रहे AAP नेता: सचदेवा

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: दिल्ली की सत्ता पर काबिज बीजेपी और विपक्षी आम आदमी पार्टी के बीच आरोप प्रत्यारोप थमने का नाम नहीं ले रहा है। रविवार को बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने आरोप लगाते हुए कहा कि दिल्ली की जनता, आम आदमी पार्टी के नेताओं को बार-बार रंग बदलते देख हैरान है। उन्होंने 'आप' पर दिल्ली सरकार के शिक्षा मंत्री आशीष सूद पर निजी टिप्पणी करने का आरोप लगाया। सचदेवा ने कहा कि जब मंत्री और मैंने सर्कुलर को सार्वजनिक कर दिया तो 'आप' के झूठ की पोल खुल गई। इसके बाद 'आप' नेता सूद पर निजी टिप्पणी करने पर उतर आए हैं।

'सर्कुलर दिखाएं, जिसमें कुत्ते गिनने में ड्यूटी लगाई गई हो'

कांग्रेस ने भलस्वा डेयरी में किया विरोध-प्रदर्शन

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली : राजधानी में लगातार बढ़ती अपराधिक घटनाओं और खराब कानून व्यवस्था के खिलाफ दिल्ली प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव की अगुवाई में बादली विधानसभा के दुर्गा चौक थाना भलस्वा डेयरी में विरोध प्रदर्शन किया गया। यादव ने श्रद्धानंद कॉलोनी ई ब्लॉक, भलस्वा डेयरी क्षेत्र में दुर्गा मंदिर के पुजारी को 15 वर्षीय एक नाबालिग लड़की के साथ गंभीर अपराध करने पर उनकी गिरफ्तारी की मांग की। उन्होंने कहा कि बीजेपी का यह कैसा तानाशाही शासन है, जिसमें कोर्ट के आदेश के बाद और परिवार के दबाव पर पुलिस नाबालिग के साथ अपराध करने वाले पर सिर्फ FIR करती है।

'जैन दर्शन व्यावहारिक, उसे आचरण में उतारें'

■ रमेश जैन, नई दिल्ली: कुंद-कुंद भारती में रविवार को हुई विशाल धर्मसभा में श्वेतपिच्छाचार्य श्री विद्यानंदजी मुनिराज के शिष्य आचार्य श्री श्रुतसागरजी ने कहा कि पर्यावरण को स्वच्छ रखना जरूरी है, जब तक वायु है तब तक हमारी आयु है। मुख्य अतिथि श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विवि. के कुलपति मुरली मनोहर पाठक ने कहा कि जैन दर्शन बहुत ही व्यावहारिक है, उसे केवल सिद्धांतों में ही नहीं बल्कि आचरण में उतारना है। मंगलाचरण डा वीरसागर जैन ने किया। संस्था के अध्यक्ष सतीश जैन, मंत्री अनिल जैन, संघपति राजेंद्र जैन, जैन समाज दिल्ली के प्रधान चक्रेश जैन, साहू अखिलेश जैन, विवेक जैन, तानिया जैन आदि ने विनयांजलि अर्पित की।

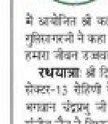

विधान: दि. जैन मंदिर निर्माण विहार में आयोजित श्री कल्याण मंदिर विधान के मौके पर उपा. श्री गुप्तिसागरजी ने कहा कि यदि हम अपने मन को पवित्र रखेंगे तो हमारा जीवन उज्जवल हो जाएगा।

रथयात्रा: श्री दि. जैन मंदिर आत्मवल्लभ विहार सोसायटी सेक्टर-13 रोहिणी के 25वें स्थापना दिवस पर रविवार को भगवान चंद्रप्रभु जी का अभिषेक, शांतिधारा के बाद पंडित संजीव जैन ने विधान कराया।

वार्षिकोत्सव: सिद्ध शक्तिपीठ बालाजी धाम, विकास के 33वें वार्षिकोत्सव पर महंत प्रमोद महाराज के सानिध्य में बालाजी महाराज के श्रृंगार के बाद बाल स्वरूप के दर्शन कराए गए।

भागवत कथा: संतोषी मां दुर्गा मंदिर ईस्ट कृष्णा नगर में भागवत कथा सुनाते हुए आचार्य कौशल किशोर मिश्र उदय -आवस्ती ने कहा कि कथा के भक्तिपूर्वक श्रवण प्रेमभक्ति प्राप्त होती है।

पहचान के लिए अपील

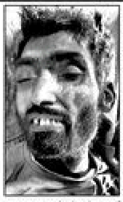

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि एक पुरुष जिसका **नाम: अज्ञात पुत्र** अज्ञात, **निवासी** अज्ञात, जो कि दिनांक 01.01.2026 को पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन, रिजर्वेशन गेट नं0-1, दिल्ली क्षेत्र में मृत पाया गया। इस सन्दर्भ में **DD No.: 25A, Dated 01.01.2026, पुलिस स्टेशन पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन, दिल्ली** में रिपोर्ट दर्ज है। नीचे मृत पुरुष की पहचान दी गई है:

लिंग: पुरुष, **उम्र:** लगभग 45–50 वर्ष, **कद:** 5'7", **रंग:** सांवला, **चेहरा:** लम्बा, **शरीर:** दुबला, **पहनावा:** नीली टी–शर्ट, सफेद जैकेट व भूरी पैंट पहने हुए है। मृतक के शव को पहचान के लिए सब्जी मंडी, दिल्ली के शवगृह में 72 घंटे के लिए सुरक्षित रखा गया है।

अगर किसी को इस मृत पुरुष के बारे में कोई जानकारी मिले तो कृपया नीचे दिए गए नंबर पर संपर्क करें।

थाना प्रभारी,
पुलिस स्टेशन पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन, दिल्ली, फोन: 011-23961522, 9868916031

DP/177/Rly/2026

संतुष्टि शॉपिंग कॉम्प्लेक्स में किराए पर दुकानों का आवंटन एयर फोर्स स्टेशन नई दिल्ली

शुद्धिपत्र

विज्ञापन दिनांक 28 दिसंबर 25 देखें।

संशोधन करके आवंटन की संभावित तिथि 01 मार्च 25 के बजाय 01 मार्च 26 पढ़ें।

उत्तर पश्चिम रेलवे

सामग्री आपूर्ति हेतु निविदा सूचना भण्डार विभाग ई-प्रोक्योरमेंट के द्वारा

निविदा सूचना संख्या : एस/2025/134 — दिनांक : 02.01.2026

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबन्धक, तृतीय तल, उ.प. रेलवे प्रधान कार्यालय, जवाहर सर्किल के पास, मालवीय नगर, जयपुर-302017. निम्नलिखित मदों हेतु मोहरबंद खुली ई-निविदाएं www.ireps.gov.in में सभी खुली ई-निविदायें 14.25 बजे बंद कर दी जाएंगी।

क्र. सं.	निविदा सं.	अल्प विवरण	मात्रा	यूनिट	खुलने की तिथि
1	10254592	वी मैटेनेंस लीड एसिड बैटरी 8वी 500 एएच कैपेसिटी।	262	नग	23-01-2026
2	37255007	केसनब-22 एयरस कास्ट स्टील बोगी विथ डिजाइन डम्पिंग।	65	नग	03-02-2026
3	65255015A	डिजाइन सप्लाई फाउंडेशन इंस्टालेशन टेस्टिंग कमीशनिंग एंड प्रोविंग ऑफ कॉइल स्प्रिंग एंड लोड डिफ्लेक्शन टेस्टिंग मशीन फॉर एलएचबी एंड आई आर वाई कोचेज।	01	नग	12-01-2026
4	70251671	पीवीसी फ्लोरिंग (वीआईएनवाईएल) विड्थ 1620 एमएम मिनिमम लेंथ 14 मीटर्स ऑफ थिकनेस 2 एमएम फॉर विथ पीवीसी वेल्डिंग इलेक्ट्रोड।	4842	स्क्वायर मीटर	27-01-2026
5	70251665A	वीआईएनवाईल कोटेड उपहोल्स्ट्री फैब्रिक लैदर टू आरडीएसओ स्पेक नं. आरडीएसओ/2008/सीजी 07 रिवीजन-1	22746	मीटर	02-02-2026

(1) इच्छुक निविदाकर्ता हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर सामग्री का पूरा विवरण/स्पेसिफिकेशन/ बयाना राशि/निविदा फार्म का मूल्य और अन्य जानकारी देख सकते हैं। सभी निविदाकर्ताओं से निवेदन है कि अपने डिजिटल हस्ताक्षर प्राप्त करें तथा अपनी फर्म को उक्त साइट पर रजिस्टर्ड करें। (2) 50 लाख से नीचे के विज्ञापित निविदा, सीमित निविदा, विशेष सीमित निविदा एवं कम मूल्य की निविदा में भाग लेने के लिए हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर जाएं।

NWRailways — 8-DK/26

सार्वजनिक सूचना

यह सार्वजनिक सूचना आम जनता की जानकारी के लिए है कि हमारे मुवक्किल ने **सेक्टर 86, गुरुग्राम, हरियाणा में स्थित मेसर्स इंटरनेशनल ग्रीन स्केप्स लिमिटेड (पूर्व में मेसर्स इंटरनेशनल डायपर्स लिमिटेड) ("उक्त स्वामी")** के स्वामित्व वाली निम्नलिखित सम्मिलित भूमि के संबंध में एक लेनदेन में प्रवेश कर रहे हैं: (I) आयत क्रमांक (I) **Rectangle No-** 28//6/2 (3–4), 7 (8–0), 8/1 (4–0), 8/2/1 (2–17), 8/2/2 (5–3), 9 (7–15), 10/1 (6–15), 11 (2–18), 12 (8–0), 13/1 (4–0), 13/2 (4–0), 14/1 (4–0), 15/2/1 (2–12), 16/1 (7–0), 17/1 (3–12), 17/2/1 (0–16), 17/2/2 (3–12),18/1 (4–0), 18/2 (4–0), 19 (6–16), 22 (2–2), 23/1 (4–0), 23/2 (4–0), 24/1 (4–8), 24/2 (3–12), 25/1 (7–0), 26 (1–5); और **Rectangle No-** 33//3 (6–4), 4/1 (4–0), 5/1/1 (6–0), 6/2/2 (2–10), 7/4 (4–0), 8 (2–8), 14/2 (5–9), 15/1 (7–0), 16/1/1 (1–7), 17 (0–18), **गांव नवादा फतेहपुर, तहसील और जिला गुरुग्राम, हरियाणा;** और (II) **Rectangle No-** 3//4/4 (1–11), 5 (0–14), 6/1 (2–0), 6/2/1 (1–19), **गांव नाहरपुर कैशन, तहसील मानेसर, जिला गुरुग्राम, हरियाणा ("उक्त भूमि")**

यदि कोई व्यक्ति द्वारा उक्त स्वामी या उक्त भूमि या उसके किसी भाग के विरुद्ध या उसके संबंध में किसी भी तरीके से कोई दावा, हित, अधिकार, हक, शीर्षक, मांग, संपदा हित का दावा करना या रखना, जिसमें बिक्री, उपहार, विनिमय, विक्रय अनुबंध, शेयर खरीद अनुबंध, उक्त भूमि में हिस्सेदारी सहित अधिकार या हित, बंधक, गिरवी, किराये पर देना, पट्टा, किरायेदारी, प्रहणाधिकार, प्रभार, दृष्टिबंधक, रखरखाव, लाइसेंस, कब्जा, आंशिक कब्जा, सुखभोगाधिकार शामिल हैं या उक्त भूमि या उसके किसी भाग को हस्तांतरित करने या उक्त भूमि में लाभकारी हित के हस्तांतरण या किसी अन्य समझौते या व्यवस्था के संबंध में मूल अधिकार विलेख, ट्रस्ट, वसीयत, असाइनमेंट या प्रतिकूल दावा रखने वाले, उक्त भूमि या उसके किसी भाग को हस्तांतरित करने या उक्त भूमि में लाभकारी हित के हस्तांतरण या किसी अन्य समझौते या व्यवस्था के संबंध में, जिसका प्रभाव उनके पक्ष में या पूर्वोक्त में से किसी या किसी अन्य निपटान या किसी डिक्री, आदेश या पंचाट के तहत अधिकार प्रदान करने या निहित करने का हो, या किसी भी तरह से दावा करने वाले से अपेक्षित है कि वे अपने दावों, हितों, अधिकारों, हकों, शीर्षक या मांगों का समर्थन करने वाले सभी दस्तावेजों के साथ इस सार्वजनिक सूचना के प्रकाशन की तारीख से 14 (चौदह) दिनों के भीतर नीचे हस्ताक्षरकर्ता को सूचित करें। ऐसा न करने पर यह माना जाएगा कि ऐसे दावेदारों ने उक्त भूमि में और उक्त मालिक के खिलाफ अपने दावों और मांगों को त्याग दिया है या माफ कर दिया है और इस पर कोई दावा या मांग मौजूद नहीं है और उक्त मालिक उक्त भूमि और उसके प्रत्येक भाग के साथ उस तरीके से व्यवहार करने के लिए स्वतंत्र है, जैसा वे उचित समझें।

आशीष वत्स
KkL PARTNERS
P-3, South Extension - 2, New Delhi – 110049, India
M: +91-9899282553 E: aashish@kklpartners.in

TIMES TRIBUTE
PAYING HOMAGE TO THE DEPARTED SOUL
To book your ad logon to ads.timesofindia.com or Call: 18001205474 (Toll Free)

TIMES TRIBUTES
RATE CARD

Publications	Rates per sq. cms
TOID Capital + NBT (Delhi+NCR)	1295
TOID Full Run ## + NBT (Delhi+NCR)	1360
THE TIMES OF INDIA (Delhi+NCR)	780
THE TIMES OF INDIA (Delhi) Full Run##	900
NAVBHARAT TIMES (Delhi+NCR)	595
THE ECONOMIC TIMES (Delhi+NCR)	715
SANDHYA TIMES (Delhi)	100

Rates effective 5th June 2019

▸ *Placement on specified obit pages only. ▸ This rate benefit is extended up till the size of 320 sq. cm only. ▸ ## Full run includes Delhi City + NCR (Including Gurgaon + Noida) + Chandigarh + Western U.P. + Uttarakhand ▸ TOI Capital (Delhi & NCR) Includes TOI Gurgaon & TOI Noida.

To place an Obituary announcement or Remembrance message please call
Vinod: 9958992088
Pankaj : 8130604727

"HONOUR. COURAGE. BRAVERY. Three words that you taught us. Three words that help us cope with your loss".

The silent joy of remembering a loved one.
The moments you shared together.
Little moments that make life beautiful.
Share them. With Friends. Relatives. Neighbours. Colleagues. With all those whose lives the departed Soul has touched. Because while life goes on, when you share memories, they stay on forever.

Publications	Total Outlay
The Times of India Delhi/NCR	5,600
TOI+NBT (Delhi/NCR)	8,800
TOI+ET (Delhi/NCR)	6,600

REMEMBRANCE
SHARING MEMORIES
For any information call
Vinod : 9958992088
Pankaj : 8130604727

Bharati Vidyapeeth
(Deemed to be University), Pune (India)
Founder Chancellor : Dr. Patangrao Kadam
Accredited (4th cycle) with "A++" Grade by NAAC
Category I University Status by UGC, NIRF RANKING 59

TENDER NOTICE

Sealed item rate tenders are invited by the undersigned from Contractors of repute and approved experience for the **PROPOSED CONSTRUCTION WORK OF ACADEMIC BLOCK & HOSTEL BLOCK BUILDING AT PLOT NO. 13, RAJIV GANDHI EDUCATION CITY, SONIPAT - 131001, HARYANA STATE FOR BHARATI VIDYAPEETH (DEEMED TO BE UNIVERSITY), PUNE - MAHARASHTRA**

Name of the work	Estimated Cost in Rs. (Without GST)	Security Deposit	EMD 1%	Time Period
Academic Block, Sonipat	100.00 Crore	5%	1.00 Crore	24 Months
Hostel Block, Sonipat	35.00 Crore	5%	0.35 Crore	12 Months

Blank tender forms will be available in the office of **Bharati Vidyapeeth Regional Office, A4, Paschim Vihar, Rohtak Road, New Delhi** with effect from **05/01/2026** to **15/01/2026** during office hours on all working days on payment of **Rs. 25,000/- & Rs. 15,000/-** respectively by cash (non-refundable). Pre bid meeting will be held in our Regional Office at New Delhi on **16/01/2026** at **11.00 a.m.**

Sealed tenders will be received in the office of Bharati Vidyapeeth, Regional Office, A4, Paschim vihar, Rohtak Road, New Delhi on or before **19/01/2026** up to **1.00 p.m.** and will be opened on the same day at 4.00 p.m. in the presence of attending tenderers, if any. The earnest money should be paid by Demand Draft only payable at New Delhi drawn in favour of **REGISTRAR, BHARATI VIDYAPEETH (DEEMED TO BE UNIVERSITY).**

Contractors who have done similar types of institutional work **(at least one completed work costing not less than 100 Crore & 35 Crore respectively in last 5 years)** will only be issued tender forms after submittal of adequate proof.

Bharati Vidyapeeth (Deemed to be University), reserves the right to open, negotiate or reject any or all the tenders without assigning any reason.

ARCHITECTS ADDRESS
M/S. Perkins Eastman Design Consultants India Pvt. Ltd.
Forbes Building, Floor 5, Charanjit Raj Marg, Fort, Mumbai- 400001.
Email : v.ekkaldevi@perkinseastman.com
Contact Person No. - 9323276022

REGISTRAR
Bharati Vidyapeeth (Deemed to be University)
Bharati Vidyapeeth Bhavan Building Section, 4th Floor, LBS Marg, Pune - 411 030
Tel. : 020 24407302 / 020 24407100
Email : buildingsection@bharatividyapeeth.edu
Contact Person No. - 09953253542

Online Tender Document for M.P. Police
पुलिस मुख्यालय, मध्यप्रदेश, भोपाल

No. PHQ/15/GPC/5838-1 /2025 — Bhopal, Dated 31/12/2025

"ऑनलाईन निविदा सूचना"

पुलिस महानिदेशक, मध्यप्रदेश की ओर से सहायक पुलिस महानिरीक्षक (प्रबंध) पुलिस, मुख्यालय, भोपाल द्वारा नीचे दर्शित तालिका अनुसार राज्य न्यायालयिक विज्ञान प्रयोगशाला हेतु ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है:-

Forensic Equipments for Bhopal, Indore, Sagar and Gwalior

Sr	Name of Equipment	Quantity	EMD Paid Online Through mptenders.gov.in	Tender Fees (Rs.)
1	Accelerated Solvent extractor	1	195000	5000
2	Automated Rotatory Vacuum Evaporator	3	54000	2000
3	Flash point apparatus	3	180000	5000
4	Gas generator (nitrogen, air and Hydrogen)	4	294000	5000
5	Refrigerated Centrifuge (table Top)	4	48000	2000
	TOTAL EMD & Tender FEES		771000	19000

1. निविदा प्रपत्र ऑनलाइन वेबसाइट https://mptenders.gov.in/nicgep/app पर जमा किये जाऐंगे।
2. निविदा शुल्क ऑनलाइन जमा करना अनिवार्य है।
3. मध्यप्रदेश पुलिस की वेबसाइट www.mppolice.gov.in से निविदा प्रपत्र एवं विस्तृत जानकारी डाउनलोड की जा सकती है।
4. समय सारणी :-

निविदा प्रकाशन की दिनांक	31/12/2025 के 14:00 बजे
निविदा प्रपत्र डाउनलोड करने की प्रारंभ दिनांक	01/01/2026 के 12:00 बजे
प्री-बिड मीटिंग दिनांक	01/01/2026 के 12:00 बजे
निविदा जमा करने की प्रारंभ दिनांक	09/01 /2026 के 11:00 बजे
निविदा जमा करने की अंतिम दिनांक	19/01 /2026 के 14:00 बजे
निविदा खोलने की दिनांक	20/01/2026 के 16:00 बजे

5. निविदाकर्तागण से अनुरोध है कि निविदा से संबंधित संशोधन, शुद्धि पत्र आदि वेबसाईट पर ही अपलोड किये जायेंगे अतः वेबसाईट पर अवलोकन करें।
6. निविदा में दर्शाएं दिनांक /समय पर निविदा खोली जावेगी, निविदा खोलने के उपरान्त तकनीकी निविदा में योग्य पाए गए निविदाकर्ताओं एवं वित्तीय निविदा की जानकारी वेबसाईट के माध्यम से बाद में सूचित की जावेगी।

Sd/-
(संदीप दीक्षित)
सहायक पुलिस महानिरीक्षक (प्रबंध)
हेतु- पुलिस महानिदेशक मध्यप्रदेश

G-23811/25

"पॉक्सो है सुरक्षा का हथियार, बच्चों पर न करें अत्याचार"

TIMES interact
Connecting People, Connecting Needs.
To book your ad — Logon to: ads.timesofindia.com or Call: 18001205474 (Toll Free) — Scan QR Code

टेंडर और नोटिस | न्यायालय सूचना | निविदाएं (टेंडर्स)

TENDER NOTICE
FIRE DAMAGED BUILDING & MACHINERY SCRAP
Sealed tenders are invited from interested buyers for disposal of fire damaged building and machinery MS scrap (appx. Quantity 406 MT) strictly on **'AS IS WHERE IS BASIS'** belonging to **HINDUSTAN POLYFOAMS PVT. LTD.** and lying at the factory situated at KILA NO. 25/9/2,10, 26/7/1, 7/2, 8/2, 26, 6/1, 14/1, 14/2/1, 14/3/1, VILLAGE WAZIDPUR, SABOLI, SONIPAT, HARYANA-131029. Tender Documents can be obtained in person on payment of Rs. 1,000/- in demand draft' cash from Mr. Latesh Bansal (cell No.9501469977) and Mr. Sandeep Kumar (cell no.97028026677). Time of collection of Tenders and inspection from site:10.00 AM to 5.00 PM on all days from **05.01.2026** to **10.01.2026**. Sealed Tenders to be submitted before 5.00 PM on **12.01.2026** at our above mentioned address. Successful bidders will be informed about the outcome suitably.

IN THE COURT OF MS. ILLA RAWAT, LD. PRINCIPAL JUDGE NEW DELHI DISTRICT, COURT ROOM NO.37 FAMILY COURT, PATIALA HOUSE COURT, NEW DELHI.
Case No. HMA-1299/2024
U/s: 13(1)(ia) OF HMA
N.D.O.H. - 06.02.2026
Sidharth Verma ...Petitioner
Vs
Punita ...Respondent
To,
Punita,
D/o Sh. Rajender Singh Soni, R/o House No.1350, Sector 3, Ballabgarh, Behind Tagore Public School, Ballabgarh, Faridabad Haryana-121004.
THE DEFENDANT/ RESPONDENT ABOVE NAMED
WHEREAS you are intentionally evading service of summons it is hereby notified that if you shall not defend the case on the **06th Day of FEBRUARY, 2026 AT 10:00 AM** the day fixed for the final disposal, it will be heard and determined ex-parte.
Given under my hand and seal of the Court this **18th Day of DECEMBER, 2025.**
Seal — **Principal Judge Family Court, New Delhi District, Patiala House, Delhi**

HEALTH & WELLNESS

बवासीर
का इंजेक्शन द्वारा सफल इलाज
पेट दर्द, गैस, कब्ज, एसिडिटी का सफल इलाज
(अनुभव 25 वर्ष)
सोनू क्लीनिक
Dr. A.K. Chaudhary (B.A.M.S.)
K-18, मेन खजूरी रोड, श्याम नगर, विष्णु गार्डन (निकट पदर कैंपरी) नई दिल्ली-18
9289626250
9810807952

बिजनेस | बिजनेस प्रस्ताव

PREMIUM EUROPEAN COATING RESINS/ ADDITIVES
We can offer a diverse range of high-performance materials regularly at low prices, including:
- Waterborne Polyurethane Dispersions
- Acrylic Polyols
- Alkyds & Epoxies
- Functional Monomers & Crosslinkers

Please contact: **Euro Exim Limited** Manchester (UK) Email: sales@euroeximlimited.co.uk

MISSION / ADMISSION

Bharatiya Vidya Bhavan
Delhi Kendra
Bhavan's Jawaharlal Nehru Academy of Languages
Kasturba Gandhi Marg, New Delhi-110001
(Nearest Metro Station Mandi House /Patel Chowk)
Learn a FOREIGN LANGUAGE, Increase Job Opportunities
Admission OPEN
Minimum Eligibility 12th Pass
Batch Starting From : 10.01.2026
Offline Classes :
- Weekends - Morning from 8am to 10am
- Weekdays - Evening 6pm to 8pm (Classes Twice a Week)

· FRENCH · CHINESE · SPANISH · JAPANESE · GERMAN · ARABIC · RUSSIAN · GENERAL & SPOKEN ENGLISH · ADVANCED ENGLISH

For more info: Visit our website www.bvbdelhi.org or contact us @ Room number 7, (Phone : 011-23389942)
Mobile : 9811771503, E-Mail : jna@bvbdelhi.org

To book your Education ads
Please contact
Amit : 9811790649
TO BOOK ONLINE LOG ON TO
Ads.timesofindia.com

Readers are recommended to make appropriate enquires and seek appropriate advice before sending money, incurring any expenses, acting on medical recommendations or entering into any commitment in relation to any advertisement published in this publication. All creatives marked as Advertorial, Spotlight and Promotional Features are to be treated as Advertisements. The Times of India Group doesn't vouch for any claims made by the Advertisers of the products and services. The Printer, Publisher, Editor, and the owners of The Times of India Group publications shall not be held liable for any consequences, in the event such claims are not honoured by the Advertisers.

TIMES interact
TO ADVERTISE IN THE CLASSIFIEDS SECTION, FOR ANY OF THE BELOW MENTIONED CATEGORIES

MATRIMONIAL | BUSINESS | PROPERTY
RECRUITMENT, EDUCATION | SHOPPING | SERVICES, VEHICLES, TRAVEL
TENDER, PUBLIC NOTICE | CHANGE OF NAME, LOST & FOUND | BIRTHDAY/ ANNIVERSARY ADS

Please call us at the below mentioned nos.

Area / Zone	Contact Person	Mobile No.	Area / Zone	Contact Person	Mobile No.
Central Delhi1 + North Delhi	Amit Ghosh	98117 90649	South Delhi + Faridabad + Noida	Raghav Arora	99999 95460
Central Delhi2 + Ghaziabad + East Delhi	Sunil Srivastava	99994 99496	West Delhi + Dwarka + Gurgaon	Aman Pasricha	93126 33518

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 05-01-2026 Zone: Mahanagar Edition: 1 Page: NBTMAH05 User: cci Time: 01-04-2026 23:16 Color:

शहदाद दौलतपुर। रमेश नगर। लक्ष्मी नगर। लाजवंती गार्डन। जहांगीरपुरी। वसंत कुंज। वजीराबाद। पश्चिम विहार। कीर्ति नगर। सफदरजंग एनक्लेव। महरौली। मायापुरी। शक्ति नगर। राजेंद्र नगर। पहाड़गंज। नारायणा। मौजपुर। मियांवली। कालकाजी। नांगल राया। सरिता विहार। प्रीत विहार। वसंत विहार। ⇨⇨

IEW INDIA ENERGY WEEK 2026
MINISTRY OF PETROLEUM AND NATURAL GAS Government of India
27 - 30 जनवरी 2026
ओएनजीसी एटीआई, गोवा, भारत
ऊर्जावान विकास.
सुरक्षित अर्थव्यवस्था. समृद्ध जीवन.
इंडिया एनर्जी वीक 2026
भारत से विश्व तक, भविष्य का नवनिर्माण।
75,000+ ऊर्जा प्रोफेशनल्स | 700+ प्रदर्शनी कंपनियां | 120+ देशों का प्रतिनिधित्व | 6,500+ सम्मेलन प्रतिनिधि | 550+ सम्मेलन स्पीकर्स | 120+ सम्मेलन सत्र
हमारे साथ जुड़ें: #IndiaEnergyWeek | www.indiaenergyweek.com
अधिक जानकारी के लिए QR कोड स्कैन करें
नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

रॉन्ग साइड ड्राइविंग पर अब सीधे FIR दर्ज होगी

गुड़गांव में ट्रैफिक पुलिस नियम तोड़ने वालों पर करेगी सख्त कार्रवाई

■ NBT रिपोर्ट, गुड़गांव

अगर आप शहर में रॉन्ग साइड ड्राइविंग कर रहे हैं तो सावधान हो जाएं। ऐसा करना आपको महंगा न पड़ सकता है। अब ट्रैफिक पुलिस ऐसे वाहन चालकों का चालान नहीं करेगी, बल्कि सीधा केस दर्ज करेगी। डेंजरस ड्राइविंग का यह केस दर्ज बीएनएस के तहत दर्ज होगा। इसमें सजा और जुर्माने का प्रावधान है जबकि चालान केवल 500 रुपये का है। साल 2024 की तुलना में 2025 में रॉन्ग साइड के चालानों में अधिक बढ़ोतरी होने के बाद ट्रैफिक पुलिस ने रॉन्ग साइड चलने वालों पर केस दर्ज करने का फैसला लिया है। हालांकि 2024 में भी इस तरह के मामलों में कई केस दर्ज हो चुके हैं। इसको लेकर पुलिस प्रशासन की ओर से ट्रैफिक पुलिस को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए हैं।

एंबिएंस मॉल के पास अंडरपास में गलत दिशा से आते वाहन

लगेगी लगाम

- रॉन्ग साइड ड्राइविंग के कारण शहर में आए दिन होते हैं सड़क हादसे
- हर साल बढ़ रहे हैं सड़कों पर विपरीत दिशा में चलने वाले के आंकड़े
- 2024 में रॉन्ग साइड के 1,82 लाख से अधिक हुए चालान, 2025 में दो लाख से अधिक हुई संख्या

15 से अधिक जगहों पर रॉन्ग साइड चलते है वाहन

राजीव चौक, शंकर चौक, उद्योग विहार, पालम विहार, एमजी रोड, सेक्टर-10ए, बसई चौक, सुभाष चौक, न्यू रेलवे रोड, ओल्ड रेलवे रोड सहित 15 से अधिक जगहों पर रॉन्ग साइड ट्रैफिक चलता है। इनमें से कई पॉइंट्स तो ब्लैक स्पॉट हैं।

2024 के मुकाबले 2025 में बढ़े इस तरह के चालान

साल 2025 में ट्रैफिक पुलिस ने जनवरी से दिसंबर तक रॉन्ग साइड ड्राइविंग के 203936 चालान किए गए, जबकि 2024 में ऐसे चालान का आंकड़ा 182780 था। दिसंबर 2025 में ही रॉन्ग साइड के 11 हजार 998 चालान हुए हैं।

राजीव चौक पर रॉन्ग साइड चलते वाहन

> रॉन्ग साइड के बढ़ रहे चालानों को देखते हुए अब चालान के साथ-साथ केस दर्ज भी किया जाएगा। ऐसा कर न केवल लोगों को जागरूक किया जाएगा बल्कि इससे सड़क हादसों में भी कमी आएगी। - **डॉ. राजेश मोहन, डीसीपी ट्रैफिक**

लगातार मामले बढ़ने के चलते लिया गया फैसला

रॉन्ग साइड चलने वालों की संख्या में बढ़ोतरी के चलते पुलिस प्रशासन ने ऐसे वाहन चालकों पर एफआईआर जैसा सख्त एक्शन लेने के आदेश दिए हैं। पुलिस कमिश्नर विकास अरोड़ा के आदेश पर डीसीपी ट्रैफिक राजेश मोहन ने एसीपी हाइवे सत्यपाल यादव के नेतृत्व में केस दर्ज करने की कार्रवाई करने के आदेश दिए हैं।

गलत दिशा में ड्राइविंग बनती है हादसों की वजह : रॉन्ग साइड ड्राइविंग से हर साल हादसों की संख्या बढ़ रही है। साल 2025 में 40 से अधिक हादसे हो हुए, जिनमें कई लोगों ने अपनी जान गंवाई है।

1000 रुपये का जुर्माना और छह महीने की जेल : अब बीएनएस के तहत धारा 281 में डेंजर्स ड्राइविंग का केस दर्ज होगा। इसमें 1000 रुपये का जुर्माना और छह माह की कैद का प्रावधान है। यह जमानती अपराध है।

ओवरलोडिंग पर ई-रिक्शे का चालान

■ NBT रिपोर्ट, गुड़गांव: ट्रैफिक पुलिस ने यातायात नियमों के उल्लंघन पर एक ई-रिक्शे का चालान किया है। इस ई-रिक्शे में न केवल क्षमता से अधिक सामान लदा हुआ था बल्कि वह बिना वैध डॉक्यूमेंट के चल रहा था। जीनल ऑफिसर जिले राम ने लेमन ट्री होटल के पास चेकिंग के दौरान यह कार्रवाई की।

2600 साल पुराने इतिहास और बुद्ध की विरासत से रूबरू हो रहे दर्शक

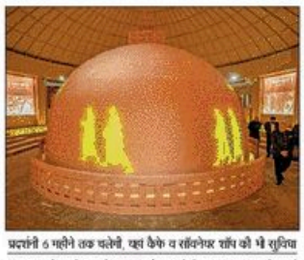

प्रदर्शनी 6 महीने तक चलेगी, यहां कैफे व सॉवनेयर शॉप की भी सुविधा

राम त्रिपाठी, नई दिल्ली: राय पिथौरा किले के कल्चरल कॉम्प्लेक्स में लगी बुद्ध के पिपरवाह अवशेषों की अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी में दर्शकों को गहरी और तथ्यात्मक ऐतिहासिक जानकारी देने की खास व्यवस्था की गई है। साल 1898 में पिपरवाह की खुदाई के दौरान मिले ये अवशेष बौद्ध धर्म के शुरुआती दौर के पुरातात्विक अध्ययन के लिहाज से बेहद जरूरी माने जाते हैं। प्रदर्शनी में पुरातात्विक महत्व की मूर्तियों, चीनी और तांबे के पात्रों पर लिखी पांडुलिपियों की कॉपी रखी गई है। हर ऑब्जेक्ट के साथ क्यूआर कोड भी दिया गया है, जिसे स्कैन करने पर उस चीज से जुड़ी पूरी जानकारी मिल जाती है। यह प्रदर्शनी 6 महीने तक चलेगी। यहां कैफे और सॉवनेयर शॉप भी बनाई गई है, जहां से लोग अवशेषों और मूर्तियों की बड़ी साइज की फोटो खरीद सकते हैं।

कल्चरल कॉम्प्लेक्स में लगी है बुद्ध के पिपरवाह अवशेषों की प्रदर्शनी

2300 साल पुराने क्रिस्टल की बारीकी: नैशनल म्यूजियम के डायरेक्टर जनरल गुरमीत सिंह चावला ने बताया कि प्रदर्शनी में कुल 55 मूर्तियां, पेंटिंग और अन्य ऐतिहासिक वस्तुएं रखी गई हैं। सभी चीजें ऐतिहासिक महत्व की हैं। प्रदर्शनी में तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व का एक क्रिस्टल भी रखा गया है। इसकी कारीगरी देखकर यह अंदाजा लगाया जा सकता है कि इस समय में भी कितनी बारीकी से क्रिस्टल तैयार किए जाते थे।

लोगों के लिए खास व्यवस्था

दर्शकों की समझ बढ़ाने के लिए ऑडियो और विजुअल की व्यवस्था की गई है। यहां करीब 4 मिनट की एक फिल्म दिखाई जा रही है। इसमें 1898 में हुए पिपरवाह उत्खनन की पूरी जानकारी दी गई है। फिल्म में उत्खनन के दौरान मिली बुद्ध की अस्थियां, रत्न अवशेष और उनके ऐतिहासिक महत्व को समझाया गया है। इसके साथ डिजिटल फिल्में और प्रोजेक्शन भी देखे जा सकते हैं। प्रदर्शनी में एक क्यूरेटर की डमी भी लगाई गई है, जो हमेशा दर्शकों को हर मूर्ति और ऑब्जेक्ट की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक पहचान की जानकारी दे रहे हैं। इसमें समय के हिसाब से उस दौर की पृष्ठभूमि भी विस्तार से बताई जा रही है।

पानी में बैक्टीरिया या वायरस हों तो RO भी बेअसर, उबाल कर पीना ही सुरक्षित: एक्सपर्ट

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

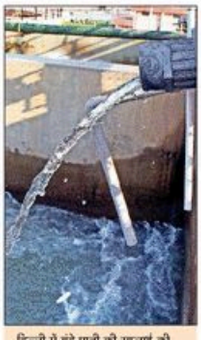

दिल्ली में गंदे पानी की सप्लाई की अक्सर आती रहती है शिकायतें

इंदौर में गंदे पानी पीने से बीमारी और मौत के मामलों के बाद अब दिल्ली में भी इस मुद्दे पर चर्चा तेज हो गई है। हेल्थ एक्सपर्ट का कहना है कि अगर पीने के पानी में मल, बैक्टीरिया या वायरस की मिलावट हो जाए तो यह सिर्फ डायरिया ही नहीं, बल्कि गंभीर बैक्टीरियल इंफेक्शन और जानलेवा हालात तक पहुंच सकता है। डॉक्टरों का साफ कहना है कि ऐसे गंदे पानी को RO भी पूरी तरह साफ नहीं कर सकता। इसे सुरक्षित बनाने का एक ही तरीका है, पानी को उबालकर इस्तेमाल करना।

हेपेटाइटिस-A और E का भी खतरा :

डॉ. पीयूष रंजन

सर गंगाराम अस्पताल के गैस्ट्रोएंटेरॉलॉजी डिपार्टमेंट के कंसल्टेंट डॉ. पीयूष रंजन ने बताया कि इंदौर जैसे मामले पहले 1956 में दिल्ली में भी सामने आए थे। उस समय पीने के पानी में फीकोऑरल कंटामिनेशन मिला था। इससे लूज मोशन, डायरिया, बुखार और खून के संक्रमण दस्त होते हैं। बड़े स्तर पर संक्रमण फैलने पर वायरल हेपेटाइटिस-A और E का खतरा भी रहता है।

डायरिया के बाद किडनी खराब:

डॉ. पीयूष रंजन ने बताया कि इंदौर के मामले में डायरिया के बाद किडनी खराब होने की बात सामने आई है। आमतौर पर समय पर इलाज मिलने पर हालात संभाले जा सकते हैं लेकिन अगर डायरिया बहुत ज्यादा हो जाए तो शरीर में पानी की कमी हो जाती है और इससे किडनी फेल हो सकती है। यह खतरा बुजुर्गों, पहले से बीमार लोगों और बच्चों में ज्यादा रहता है। कुछ मामलों में बैक्टीरियल इंफेक्शन से हीमोलिटिक यूरेमिक सिंड्रोम हो सकता है। इसमें किडनी पर गंभीर असर पड़ता है।

इस तरह कर सकते हैं अपना बचाव

डॉक्टर ने साफ कहा कि अगर पानी गंदा है तो उसे पीने से पहले उबालना जरूरी है। पानी में मौजूद बैक्टीरिया या वायरस को RO सिस्टम खत्म नहीं कर पाता, लेकिन उबालने से पानी सुरक्षित हो जाता है। इस मुद्दे पर श्री बालाजी ऐक्शन मेडिकल इंस्टीट्यूट के इंटरनल मेडिसिन डिपार्टमेंट के डायरेक्टर डॉ. अरविंद अग्रवाल ने कहा कि इंदौर जैसी घटना साफ चेतावनी है। अगर पीने के पानी में कहीं भी गंदगी या मल की मिलावट हो जाए तो संक्रमण बहुत तेजी से फैल सकता है। ऐसे हालात में सिर्फ उबला हुआ पानी ही पीना चाहिए।

डॉ. अरविंद

गले में फंसा मछली का कांटा, सुरक्षित निकाला

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: मछली स्वादिष्ट होने के साथ सेहत के लिए फायदेमंद मानी जाती है लेकिन इसे खाते समय छोटी सी लापरवाही परेशानी खड़ी कर सकती है। ऐसा ही एक मामला रोहिणी के डॉ बाबा साहब अंबेडकर अस्पताल के ईएनटी डिपार्टमेंट में सामने आया। यहां मछली खाते समय एक शख्स के गले में मछली का कांटा फंस गया और पूरी रात दर्द से जूझता रहा। बाद में डॉक्टरों ने एंडोस्कोपी की मदद से गले में फंसी फिश बोन को सुरक्षित बाहर निकाल लिया।

जानकारी के मुताबिक शख्स ने शुक्रवार रात मछली खाते समय गलती से कांटा निगल लिया था। इसके बाद उसे गले में जलन, तेज दर्द और खाना निगलने में परेशानी होने लगी। पूरी रात उसे नींद नहीं आई। शनिवार सुबह वह इलाज के लिए अस्पताल पहुंचा। ईएनटी डिपार्टमेंट के डॉक्टर पंकज कुमार ने बताया कि शख्स ओपीडी में आया और अपनी समस्या बताई। जांच के दौरान मछली का कांटा जीभ के पीछे वाले हिस्से में फंस पाया गया। इसके बाद एंडोस्कोपी के जरिए बिना किसी जटिलता के कांटा निकाल लिया गया।

कांटा निकलते ही शख्स को तुरंत राहत मिली और वह खुद को पूरी तरह ठीक महसूस करने लगा। डॉक्टर ने बताया कि ऐसे मामलों में समय पर एंडोस्कोपिक जांच और इलाज बहुत जरूरी होता है। देरी होने पर संक्रमण, फोड़ा बनने या कांटा सांस या खाने की नली में फंस सकता है। इससे हालत गंभीर हो सकते हैं।

दिल्ली में अब रेबीज़ के हर केस की देनी होगी जानकारी

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

59 जगह एंटी रेबीज वैक्सीन

दिल्ली सरकार ने इंसानों में होने वाले रेबीज को महामारी रोग अधिनियम के तहत नोटिफाइबल डिजीज घोषित करने का फैसला लिया है। रेखा गुप्ता के नेतृत्व में लिए गए इस फैसले का मकसद रेबीज की समय पर पहचान, तुरंत रिपोर्टिंग और तेजी से इलाज सुनिश्चित करना है ताकि इससे होने वाली मौतों को रोका जा सके।

स्वास्थ्य मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह ने कहा कि रेबीज एक ऐसी बीमारी है, जिसे समय रहते रोका जा सकता है। रेबीज से होने वाली कोई भी मौत स्वीकार्य नहीं है। इंसानों में रेबीज को नोटिफाइबल बीमारी घोषित करने से सर्विलांस मजबूत होगा और समय पर इलाज संभव हो सकेगा। यह दिल्ली में रेबीज से इंसानों की मौत को जीरो करने की ओर एक जरूरी कदम है।

स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि यह नोटिफिकेशन जारी होते ही लागू हो जाएगा और अगले आदेश तक प्रभावी रहेगा। रिपोर्टिंग और कोऑर्डिनेशन से जुड़ी गाइडलाइन्स जल्द ही सभी डिपार्टमेंट्स और हेल्थ इंस्टिट्यूट को भेजी जाएंगी। नोटिफिकेशन लागू होने के बाद सभी सरकारी और प्राइवेट हेल्थ केयर इंस्टिट्यूट, मेडिकल कॉलेज और निजी तौर पर प्रैक्टिस करने वाले डॉक्टरों को इंसानों में रेबीज के सभी मामलों की जानकारी तुरंत अथॉरिटी को देनी होगी। रेबीज में एक बार लक्षण दिखने के बाद जान बचना बेहद मुश्किल हो जाता है लेकिन सही समय पर इलाज मिलने से इसे पूरी तरह रोका जा सकता है।

सरकार का दावा है कि राजधानी के 11 जिलों में 59 हेल्थ इंस्टिट्यूट्स में एंटी रेबीज वैक्सीन उपलब्ध है। एंटी रेबीज सीरम व रेबीज इम्युनोग्लोबुलिन दिल्ली की 33 हेल्थ फैसिलिटी और अस्पतालों में मौजूद है। सरकार का कहना है कि ये सुविधाएं रेबीज की रोकथाम के लिए हेल्थ सिस्टम की मजबूत कड़ी है। दिल्ली सरकार लोकल निकायों, पशुपालन डिपार्टमेंट और अन्य स्टेकहोल्डर्स के साथ मिलकर रेबीज खत्म करने के लिए स्टेट ऐक्शन प्लान तैयार करने की अंतिम प्रक्रिया में है। सरकार इंसानों के साथ-साथ कुत्तों और अन्य जानवरों के लिए भी रेबीज वैक्सीनेशन की सुविधाओं को और मजबूत कर रही है।

'करो या मरो' के नारे के साथ पेट लवर्स का विरोध-प्रदर्शन

Photos : Surender Kumar

प्रदर्शनकारियों की प्रमुख मांगें

1. बेसहारा कुत्तों को बड़े पैमाने पर हटाने और बंद करने वाले मौजूदा निर्देशों पर तुरंत रोक लगाई जाए।
2. सुप्रीम कोर्ट ने तीक्ष्ण सुनवाई हो, जिसमें डॉक्टर्स, एक्सपर्ट्स, पब्लिक हेल्थ एक्सपर्ट्स और पशु व्यवहार वैज्ञानिक शामिल हों।
3. कानून के तहत जरूरी एबीसी और एंटी रेबीज टीकाकरण के लिए फंडिंग और निगरानी की जाए।

■ अश्वनी शर्मा, नई दिल्ली

भारत के स्वतंत्रता आंदोलन के ऐतिहासिक नारे 'करो या मरो' की भावना को जीवंत करते हुए रविवार को जंतर मंतर पर बेसहारा कुत्तों के लिए जोरदार प्रदर्शन किया गया। हाथों में बैनर और तख्तियां लिए प्रदर्शनकारी सरकार से कानूनी और मानवीय नीति अपनाने की मांग करते नजर आए। इस प्रदर्शन में पशु अधिकार कार्यकर्ता, डॉक्टर्स, सामाजिक संगठनों के लोग और बड़ी संख्या में पशु प्रेमी शामिल हुए।

प्रदर्शन में पशु प्रेमी और सामाजिक कार्यकर्ता अंबिका शुक्ला, गौरी मौलेखी, योगिता भयाना, महा सिंह शर्मा और मनजी राय सहित कई लोग मौजूद रहे। इसके अलावा लोकल फीडर्स, आरडब्ल्यूए प्रतिनिधि और आम लोगों ने भी समर्थन जताया। कला और संस्कृति जगत से भी प्रदर्शन को समर्थन मिला। प्रसिद्ध गायक मोहित चौहान और राहुल राम ने संगीत के जरिए एकजुटता दिखाई।

प्रदर्शनकारियों का कहना था कि बेसहारा कुत्तों को बड़े पैमाने पर पकड़कर शेल्टर में बंद करना या जबरन हटाना न तो वैज्ञानिक है और न ही इससे रेबीज जैसी गंभीर बीमारियों पर प्रभावी रोकथाम संभव है। एक्सपर्ट्स ने बताया कि भारत में वैक्सीनेशन जरूरी है लेकिन इसे अब तक सही तरीके और जरूरी पैमाने पर लागू नहीं किया गया।

ठोस नीति बनाने पर दिया जोर

प्रदर्शनकारियों ने मांग की कि डर और गलत सूचनाओं के आधार पर फैसले लेने के बजाय ठोस वैज्ञानिक तथ्यों और एक्सपर्ट्स की सलाह से नीति बनाई जाए ताकि जन सुरक्षा के साथ पशु कल्याण भी सुनिश्चित हो सके। दिल्ली के अलावा मुंबई, चेन्नै, बेंगलुरु, कोलकाता, लखनऊ, जयपुर, अहमदाबाद, हैदराबाद, पुणे और त्रिवेंद्रम समेत देश के 50 से ज्यादा शहरों में भी इसी मुद्दे पर शांतिपूर्ण प्रदर्शन हुए। जंतर मंतर पर हुए कार्यक्रम में शामिल लोगों ने लोकल फीडर्स और आरडब्ल्यूए के लोगों को वेलफेयर के असली पैरोकार बताया।

हल्लाबोल : प्रदर्शन में पशु प्रेमी के अलावा लोकल फीडर्स, आरडब्ल्यूए प्रतिनिधि और आम लोग भी हुए शामिल

सुप्रीम कोर्ट ने इतनी बार अपने फैसले बदले हैं। नियम बनाना सरकार का काम है। नियम के हिसाब से यहां इतने शेल्टर भी नहीं हैं। - **अंबिका शुक्ला**

हम बेजुबानों की आवाज बनने आए हैं। क्या देश में रेप केस जैसे बड़े अलार्ध खत्म हो गए हैं? हम उन मामलों में तो कोई ऐक्शन ले नहीं रहे हैं। - **रुपाली जुनेजा**

सरकार और कोर्ट क्यों इन बेजुबान के पीछे पड़ा है। ये आपके जाने के बाद और आपके आने से पहले घर बेट पर खड़े मिलते हैं। - **कौरव सिंह**

AIIMS में मरीज़ों के लिए 'आश्रय' सुविधा शुरू

NBT ने उठाया था इलाज के लिए आने वालों को बाहर होने वाली दिक्कतों का मामला

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

कड़ाके की ठंड में एम्स के बाहर इलाज के इंतजार में ठहरने को मजबूर मरीजों और उनके परिवार वालों के लिए राहत भरी खबर है। एम्स प्रशासन ने मरीजों और उनके तीमारदारों को बड़ी राहत देने की पहल की है। केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के सहयोग से एम्स ने 'आश्रय' सुविधा शुरू की है, जिससे ओपीडी के लिए राउंड अस्पताल के बाहर इंतजार करने की परेशानी काफी हद तक कम होगी। कुछ दिन पहले ही एनबीटी ने एम्स के बाहर मरीजों के बदहाली का मुद्दा उठाया था।

राहत

- रातभर ओपीडी के इंतजार में खुले आसमान में रहने वालों को मिलेगी कई सुविधाएं
- CRPF के सहयोग से एम्स में 'आश्रय' सुविधा की शुरुआत हुई है

एम्स प्रशासन के अनुसार, रात के समय अस्पताल परिसर के बाहर मौजूद मरीजों को इलेक्ट्रिक शटल बसों के जरिए आश्रय केंद्र तक ले जाया जा रहा है और उन्हें ओपीडी के लिए टोकन भी दिया जा रहा है। इस आश्रय केंद्र में मरीजों और उनके साथ आए परिजनों को निःशुल्क भोजन, कंबल और स्वच्छ शौचालय की सुविधा दी जा रही है। अगले दिन मरीजों को इलेक्ट्रिक वाहनों से संबंधित ओपीडी तक पहुंचाया जाता है। एम्स के अनुसार, इस सुविधा में लगभग 250 लोगों के ठहरने की क्षमता है और इसका पूरा उपयोग हो रहा है। अस्पताल प्रशासन का कहना है कि इस पहल से मरीजों की असुविधा कम हुई है और इलाज का अनुभव बेहतर हुआ है। बताया जा रहा है कि भविष्य में जरूरत और उपलब्ध स्थान को देखते हुए आश्रय सुविधा के विस्तार की भी योजना बनाई जा रही है। एम्स की यह पहल बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं की दिशा में एक अहम कदम मानी जा रही है।

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 05-01-2026 Zone: Mahanagar Edition: 1 Page: NBTMAH06 User: cci Time: 01-04-2026 21:41 Color:

भारत की आत्मशक्ति का दिव्य रूप है सोमनाथ

1000 साल पहले जनवरी 1026 में महमूद गज़नवी ने किया था इस मंदिर पर पहला आक्रमण

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

सोमनाथ... ये शब्द सुनते ही हमारे मन और हृदय में गर्व और आस्था की भावना भर जाती है। भारत के पश्चिमी तट पर गुजरात में, प्रभास पाटन नाम की जगह पर स्थित सोमनाथ, भारत की आत्मा का शाश्वत प्रस्तुतिकरण है। द्वादश ज्योतिर्लिंग स्तोत्रम में भारत के 12 ज्योतिर्लिंगों का उल्लेख है। ज्योतिर्लिंगों का वर्णन इस पंक्ति से शुरू होता है, 'सौराष्ट्रे सोमनाथं च...' यानी ज्योतिर्लिंगों में सबसे पहले सोमनाथ का उल्लेख आता है। ये इस पवित्र धाम की सभ्यतागत और आध्यात्मिक महत्ता का प्रतीक है। शास्त्रों में ये भी कहा गया है:

**'सोमलिङ्गं नरो दृष्ट्वा सर्वपापैः प्रमुच्यते।
लभते फलं मनोवाञ्छितं
मृतः स्वर्गं समाश्रयेत्॥'**

अर्थात्, सोमनाथ शिवलिंग के दर्शन से व्यक्ति अपने सभी पापों से मुक्त हो जाता है। मन में जो भी पुण्य कामनाएं होती हैं, वे पूरी होती हैं और मृत्यु के बाद आत्मा स्वर्ग को प्राप्त होती है।

विदेशी हमलों का निशाना : दुर्भाग्यवश, यही सोमनाथ, जो करोड़ों लोगों की श्रद्धा और प्रार्थनाओं का केंद्र था, विदेशी आक्रमणकारियों का निशाना बना, जिनका उद्देश्य विध्वंस था। वर्ष 2026 सोमनाथ मंदिर के लिए बहुत महत्व रखता है, क्योंकि इस महान तीर्थ पर हुए पहले आक्रमण के 1000 वर्ष पूरे हो रहे हैं। जनवरी 1026 में महमूद गजनवी ने इस मंदिर पर बड़ा आक्रमण किया था, इस मंदिर को ध्वस्त कर दिया था। यह आक्रमण आस्था और सभ्यता के एक महान प्रतीक को नष्ट करने के उद्देश्य से किया गया एक हिंसक और बर्बर प्रयास था।

सोमनाथ मंदिर पर हमला मानव इतिहास की सबसे बड़ी त्रासदियों में शामिल है। फिर भी, एक हजार वर्ष बाद आज भी यह मंदिर पूरे गौरव के साथ खड़ा है। साल 1026 के बाद समय-समय पर इस मंदिर को उसके पूरे वैभव के साथ पुनर्निर्मित करने के प्रयास जारी रहे। मंदिर का वर्तमान स्वरूप 1951 में आकार ले सका। संयोग से 2026 सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण के 75 साल पूरे होने का भी वर्ष है। 11 मई 1951 को इस मंदिर का पुनर्निर्माण संपन्न हुआ था। तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद की उपस्थिति में हुआ वो समारोह ऐतिहासिक था, जब मंदिर के द्वार दर्शनों के लिए खोले गए थे।

1026 में सोमनाथ पर हुए पहले विदेशी आक्रमण, वहां के लोगों के साथ की गई क्रूरता और विध्वंस का वर्णन अनेक ऐतिहासिक स्रोतों में विस्तार से मिलता है। जब इन्हें पढ़ा जाता है तो हृदय कांप उठता है। हर पंक्ति में क्रूरता के निशान मिलते हैं, ये ऐसा दुःख है, जिसकी पीड़ा इतने समय बाद भी महसूस होती है। हम कल्पना कर सकते हैं कि इसका उस दौर में भारत पर और लोगों के मनोबल पर कितना गहरा प्रभाव पड़ा होगा। सोमनाथ मंदिर का आध्यात्मिक महत्व बहुत ज्यादा था। ये बड़ी संख्या में लोगों को अपनी ओर खींचता था। ये एक ऐसे समाज की प्रेरणा था, जिसकी आर्थिक क्षमता भी बहुत सशक्त थी। हमारे समुद्री व्यापारी और नाविक इसके वैभव की कथाएं दूर-दूर तक ले जाते थे।

सोमनाथ मंदिर पर हमले और गुलामी के लंबे कालखंड के बावजूद आज मैं पूरे विश्वास के साथ और गर्व से कहना चाहता हूं कि सोमनाथ की गाथा विध्वंस की कहानी नहीं है। ये पिछले 1000 साल से चली आ रही भारत माता की करोड़ों संतानों के स्वाभिमान की गाथा है, ये हम भारत के लोगों की अटूट आस्था की गाथा है। 1026 में शुरू हुई मध्यकालीन बर्बरता ने आगे चलकर दूसरों को भी बार-बार सोमनाथ पर आक्रमण करने के लिए प्रेरित किया। यह हमारे लोगों और हमारी संस्कृति को गुलाम बनाने का प्रयास था। लेकिन, हर बार जब मंदिर पर आक्रमण हुआ, तब हमारे पास ऐसे महान पुरुष और महिलाएं भी थीं, जिन्होंने उसकी रक्षा के लिए खड़े होकर सर्वोच्च बलिदान दिया। और हर बार, पीढ़ी दर पीढ़ी, हमारी महान सभ्यता के लोगों ने खुद को संभाला, मंदिर को फिर से खड़ा किया और उसे पुनः जीवंत किया।

महमूद गजनवी लूटकर चला गया, लेकिन सोमनाथ के प्रति हमारी भावना को हमसे छीन नहीं सका। सोमनाथ से जुड़ी हमारी आस्था, हमारा विश्वास और प्रबल हुआ। उसकी आत्मा लाखों श्रद्धालुओं के भीतर सांस लेती रही। साल 1026 के हजार साल बाद आज 2026 में भी सोमनाथ मंदिर दुनिया को संदेश दे रहा है कि मिटाने की मानसिकता रखने वाले खत्म हो जाते हैं, जबकि सोमनाथ मंदिर आज हमारे विश्वास का मजबूत आधार बनकर खड़ा है। वो आज भी हमारी प्रेरणा का स्रोत है, वो आज भी हमारी शक्ति का पुंज है।

ये हमारा सौभाग्य है कि हमने उस धरती पर जीवन पाया है, जिसने देवी अहिल्याबाई होलकर जैसी महान विभूति को जन्म दिया। उन्होंने ये सुनिश्चित करने का पुण्य प्रयास किया कि श्रद्धालु सोमनाथ में पूजा कर सकें।

1890 के दशक में स्वामी विवेकानंद भी सोमनाथ आए थे, वो अनुभव उन्हें भीतर तक आंदोलित कर गया। 1897 में चेन्नै में दिए गए एक व्याख्यान के दौरान उन्होंने अपनी भावना व्यक्त की। उन्होंने कहा, 'दक्षिण भारत के प्राचीन मंदिर और गुजरात के सोमनाथ जैसे मंदिर आपको ज्ञान के अनगिनत पाठ सिखाएंगे। ये आपको किसी भी संख्या में पढ़ी गई पुस्तकों से अधिक हमारी सभ्यता की गहरी समझ देंगे। इन मंदिरों पर सैकड़ों आक्रमणों के निशान हैं, और सैकड़ों बार इनका पुनर्जागरण हुआ है। ये बार बार नष्ट किए गए, और हर बार अपने ही खंडहरों से फिर खड़े हुए। पहले की तरह सशक्त। पहले की तरह जीवंत। यही राष्ट्रीय मन है, यही राष्ट्रीय जीवन धारा है। इसका अनुसरण आपको गौरव से भर देता है। इसको छोड़ देने का मतलब है, मृत्यु। इससे अलग हो जाने पर विनाश ही होगा।'

ये सर्वविदित है कि आजादी के बाद सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण का पवित्र दायित्व सरदार वल्लभभाई पटेल के सक्षम हाथों में आया। उन्होंने आगे बढ़कर इस दायित्व के लिए कदम बढ़ाया। 1947 में दिवाली के समय उनकी सोमनाथ यात्रा हुई। उस यात्रा के अनुभव ने उन्हें भीतर तक झकझोर दिया, उसी समय उन्होंने घोषणा की कि यहीं सोमनाथ मंदिर का पुनर्निर्माण होगा। अंततः 11 मई 1951 को सोमनाथ में भव्य मंदिर के द्वार श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए गए।

उस अवसर पर तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद उपस्थित थे। महान सरदार साहब इस ऐतिहासिक दिन को देखने के लिए जीवित नहीं थे, लेकिन उनका सपना राष्ट्र के सामने साकार होकर भव्य रूप में उपस्थित था। तत्कालीन प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू इस घटना से अधिक उत्साहित नहीं थे। वे नहीं चाहते थे कि माननीय राष्ट्रपति और मंत्री इस समारोह का हिस्सा बनें। उन्होंने कहा कि इस घटना से भारत की छवि खराब होगी। लेकिन, राजेंद्र बाबू अडिग रहे, और फिर जो हुआ, उसने एक नया इतिहास रच दिया।

सोमनाथ मंदिर का कोई भी उल्लेख के.एम. मुंशी जी के योगदानों को याद किए बिना अधूरा है। उन्होंने उस समय सरदार पटेल का प्रभावी रूप से समर्थन किया था। सोमनाथ पर उनका कार्य, विशेष रूप से उनकी पुस्तक 'सोमनाथ, द श्राइन इटरनल', अवश्य पढ़ी जानी चाहिए। जैसा कि मुंशी जी की पुस्तक के शीर्षक से स्पष्ट होता है, हम एक ऐसी सभ्यता हैं, जो आत्मा और विचारों की अमरता में अटूट विश्वास रखती है। हम विश्वास करते हैं- नैनं छिन्दन्ति शस्त्राणि नैनं दहति पावकः। सोमनाथ मंदिर का भौतिक ढांचा नष्ट हो गया, लेकिन उसकी चेतना अमर रही।

इन्हीं विचारों ने हमें हर कालखंड में, हर परिस्थिति में फिर से उठ खड़े होने, मजबूत बनने और आगे बढ़ने का सामर्थ्य दिया है। इन्हीं मूल्यों और हमारे लोगों के संकल्प की वजह से आज भारत पर दुनिया की नजर है। दुनिया भारत को आशा और विश्वास की दृष्टि से देख रही है। वो हमारे इनोवेटिव युवाओं में निवेश करना चाहती है। हमारी कला, हमारी संस्कृति, हमारा संगीत और हमारे अनेक पर्व आज वैश्विक पहचान बना रहे हैं। योग और आयुर्वेद जैसे विषय पूरी दुनिया में प्रभाव डाल रहे हैं। ये स्वस्थ जीवन को बढ़ावा दे रहे हैं। आज कई वैश्विक चुनौतियों के समाधान के लिए दुनिया भारत की ओर देख रही है। अनादि काल से सोमनाथ जीवन के हर क्षेत्र के लोगों को जोड़ता आया है। सदियों पहले जैन परंपरा के आदरणीय मुनि कलिकाल सर्वज्ञ हेमचंद्राचार्य यहां आए थे और कहा जाता है कि प्रार्थना के बाद उन्होंने कहा था...

**'भवबीजाङ्कुरजनना रागाद्याः
क्षयमुपगता यस्य।'**

अर्थात्, उस परम तत्व को नमन जिसमें सांसारिक बंधनों के बीज नष्ट हो चुके हैं। जिसमें राग और सभी विकार शांत हो गए हैं। आज भी सोमनाथ ज्योतिर्लिंग के दर्शन से ऐसी ही अनुभूति होती है। मन में एक ठहराव आ जाता है, आत्मा को अंदर तक कुछ स्पर्श करता है, जो अलौकिक है, अव्यक्त है। 1026 के पहले आक्रमण के एक हजार वर्ष बाद 2026 में भी सोमनाथ का समुद्र उसी तीव्रता से गर्जना करता है और तट को स्पर्श करती लहरें उसकी पूरी गाथा सुनाती हैं। उन लहरों की तरह सोमनाथ बार-बार उठता रहा है।

आशा का अनंत नाद: अतीत के आक्रमणकारी आज समय की धूल बन चुके हैं। उनका नाम अब विनाश के प्रतीक के तौर पर लिया जाता है। इतिहास के पन्नों में वे केवल फुटनोट हैं, जबकि सोमनाथ ज्योतिर्लिंग आज भी अपनी आशा बिखेरता हुआ प्रकाशमान खड़ा है। सोमनाथ हमें ये बताता है कि घृणा और कट्टरता में विनाश की विकृत ताकत हो सकती है, लेकिन आस्था में सृजन की शक्ति होती है। करोड़ों श्रद्धालुओं के लिए सोमनाथ आज भी आशा का अनंत नाद है। ये विश्वास का वो स्वर है, जो टूटने के बाद भी उठने की प्रेरणा देता है।

अगर हजार साल पहले खंडित हुआ सोमनाथ मंदिर अपने पूरे वैभव के साथ फिर से खड़ा हो सकता है, तो हम हजार साल पहले का समृद्ध भारत भी बना सकते हैं। आइए, इसी प्रेरणा के साथ हम आगे बढ़ते हैं। एक नए संकल्प के साथ, एक विकसित भारत के निर्माण के लिए। एक ऐसा भारत, जिसका सभ्यतागत ज्ञान हमें विश्व कल्याण के लिए प्रयास करते रहने की प्रेरणा देता है।

जय सोमनाथ!

(लेखक भारत के प्रधानमंत्री हैं।)

साल 1026 के बाद समय-समय पर 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक, सोमनाथ मंदिर को उसके पूरे वैभव के साथ पुनर्निर्मित करने के प्रयास जारी रहे। मंदिर का वर्तमान स्वरूप 1951 में आकार ले सका। संयोग से 2026 सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण के 75 साल पूरे होने का भी वर्ष है।

गृहमंत्री ने कहा- तमिलनाडु और बंगाल में NDA जीतेगी

PTI

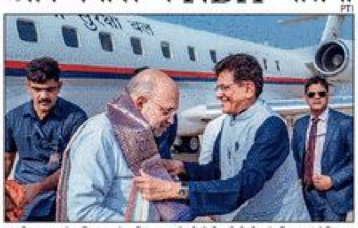

अमित शाह ने रविवार को तमिलनाडु में बीजेपी की रैली को किया संबोधित।

■ भाषा, पुडुकोट्टई (तमिलनाडु)

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने रविवार को एक रैली को संबोधित करते हुए विश्वास जताया कि इस वर्ष तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में होने वाले विधानसभा चुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (NDA) विजयी होगा।

बीजेपी की एक विशाल रैली को यहां संबोधित करते हुए शाह ने 2024 से बीजेपी-एनडीए की जीतों का ब्योरा दिया, जिसमें हरियाणा में लगातार तीसरी जीत भी शामिल है। शाह ने कहा कि अब तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल की बारी है। सत्ताधारी दल द्रविड़ मुनेत्र कषगम (DMK) पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाते हुए उन्होंने पूछा कि क्या राज्य भ्रष्ट मंत्रियों की फौज के साथ प्रगति कर सकता है?

उन्होंने डीएमके पर परिवारवाद का आरोप लगाया और कहा कि इसे कायम रखने का सपना पूरा नहीं होगा और तमिलनाडु में परिवारवाद की राजनीति को खत्म करने का समय आ गया है।

> **परिवारवाद को कायम रखने का सपना पूरा नहीं होगा। तमिलनाडु में परिवारवाद की राजनीति को खत्म करने का समय आ गया है।**
> *- अमित शाह, गृहमंत्री*

असम के लिए प्रियंका को स्क्रीनिंग कमिटी की कमान

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

File

प्रियंका गांधी को पहली बार स्क्रीनिंग कमिटी की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

कांग्रेस ने 2026 में होने वाले विधानसभा चुनावों की तैयारियों के तहत बड़ी संगठनात्मक कवायद करते हुए असम के लिए स्क्रीनिंग कमिटी का गठन किया है। पार्टी ने इस मुश्किल माने जा रहे राज्य में चुनावी रणनीति को धार देने के लिए वायनाड से लोकसभा सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा को स्क्रीनिंग कमिटी का चेयरपर्सन बनाया है। यह फैसला इसलिए भी अहम माना जा रहा है, क्योंकि प्रियंका गांधी को पहली बार पार्टी ने स्क्रीनिंग कमिटी की जिम्मेदारी सौंपी है।

इसके अलावा कांग्रेस ने केरल के लिए मधुसूदन मिस्त्री, तमिलनाडु और पुडुचेरी के लिए वरिष्ठ नेता टीएस सिंह देव और पश्चिम बंगाल के लिए बीके हरिप्रसाद को स्क्रीनिंग कमिटी का चेयरमैन बनाया है।

असम में पिछले करीब 10 साल से बीजेपी की सरकार है। पार्टी के युवा सांसद गौरव गोगोई पहले से ही असम में आक्रामक रुख अपनाए हुए हैं। अब प्रियंका गांधी वाड्रा के सक्रिय रूप से चुनावी प्रक्रिया में शामिल होने से कांग्रेस के अभियान को नई धार मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

कांग्रेस ने केरल, तमिलनाडु, पुडुचेरी और बंगाल के लिए भी बनाई है स्क्रीनिंग कमिटी।

NBT कम्युनिटी कनेक्ट

वजीराबाद के सूर घाट पर मनेगा उत्तरैणी-मकरैणी

ब्रह्म मुहूर्त स्नान, यमुना आरती और विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों का होगा आयोजन

NBT 2 मिनट में पढ़ें

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

AI Image

मकर संक्रांति यूं तो देश भर में मनाई जाती है, मगर उत्तराखंडी समाज में इस पर्व को विशेष रूप से सामूहिक आयोजन के रूप में भव्य तरीके से मनाया जाता है। मान्यता है कि इस दिन ब्रह्म मुहूर्त अर्थात सुबह 4 बजे पवित्र नदी तटों पर स्नान करने वाले भक्तों को सौ दिन की पूजा के बराबर पुण्य फल प्राप्त होता है। पिछले चौदह साल से इसी परंपरा को कायम रखे हुए है दिल्ली की श्रीगुरु माणिकनाथ सर्वजन कल्याण सेवा संस्था। दिल्ली की श्रीगुरु माणिकनाथ सर्वजन कल्याण सेवा संस्था हर साल की तरह इस बार भी मकरैणी उत्तरैणी स्नान मेला वजीराबाद के सूर घाट में कराने जा रही है। यह मेले का 14वां वर्ष है। आयोजन से जुड़े लक्ष्मण सिंह भंडारी बताते हैं कि इस साल 13-14 जनवरी को कार्यक्रम होगा।

13 जनवरी की शाम 6.30 बजे यमुना-आरती से कार्यक्रम शुरू होगा। इसके बाद रात 8.30 पर रात्रि भोज के बाद उत्तराखंड से आए ढोल और दमाऊं संग मंडाण, रात्रि जागर, देवताओं की चार प्रहर की नौबत बजाई जाएगी। अगले दिन 14 जनवरी को ब्रह्म मुहूर्त में देव जागर धुयाल, यमुना पूजन होगा। इसी के साथ स्नान प्रातः 4 बजे से शुरू हो जाएगा। स्नान के बाद प्रातः 6 बजे से आचार्य संदीपकृष्ण कोटनाला के सान्निध्य में श्रद्धालु अपने इष्ट, कुल व पितृ देवताओं के स्मरण के साथ यज्ञ आहुतियां डाल सकेंगे।

इसके बाद श्रीगुरु महाराज के दरबार में देव दर्शन, तिलक व रोट प्रसाद का भोग ग्रहण किया जा सकेगा। इस अवसर पर श्रद्धालुओं के लिए खिचड़ी प्रसाद बनाया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान दिल्ली एनसीआर से आ रहीं महिला शक्ति कीर्तन मंडलियां भजन प्रस्तुतियां देंगी। इस बार कार्यक्रम में लोकगायक मुकेश कठैत, दिनेश कैन्तुरा और बबिता थपलियाल भी सांस्कृतिक गीतों की प्रस्तुति देंगे।

मिलता है पुण्य फल

- मान्यता है कि इस दिन ब्रह्म मुहूर्त पर पवित्र नदी तटों पर स्नान करने वाले भक्तों को सौ दिन की पूजा के बराबर पुण्य फल प्राप्त होता है
- इस साल 13-14 जनवरी को कार्यक्रम होगा

मयूर विहार और आरके पुरम में इस वीकेंड होगा महाकौथिग शरदोत्सव

■ **NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली:** लोकपर्व मकरैणी-उत्तरैणी से पहले उत्तराखंडी संस्थाएं अपने-अपने स्तर पर मेले (कौथिग) और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन कर रही हैं। आरके पुरम उत्तराखंड सांस्कृतिक एवं भ्रातृ मंडल आगामी 10 और 11 जनवरी को आरके पुरम के सेक्टर 12 स्थित सेंट्रल पार्क में महाकौथिग शरदोत्सव का आयोजन करने जा रहा है। दोनों ही दिन उत्तराखंडी लोक कलाकारों की प्रस्तुतियां दोपहर 3 बजे से रात 8 बजे तक होंगी।

मयूर विहार फेज 3 में रेड फॉक्स पार्क में आगामी 9 जनवरी से 11 जनवरी तक घुघुती फाउंडेशन गढ़वाल भ्रातृ एवं सांस्कृतिक समिति के साथ मिलकर राज्योत्सव नाम से सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन कर रही है। इसमें कई बड़े लोक कलाकारों की प्रस्तुतियां होंगी जिनमें गढ़रत्न नरेंद्र सिंह नेगी, इंदर आर्या, सौरव मैठाणी, रोहित चौहान जैसे कलाकार प्रस्तुतियां देंगे।

हिमाचल के हुनर और उद्यम का महापर्व

हिमाचल प्रदेश की आर्थिक शक्ति का प्रदर्शन। 'हिम MSME फेस्ट 2026' का आयोजन शिमला के पीटरहॉफ और आसपास के क्षेत्र में 4 जनवरी से 7 जनवरी 2026 तक किया जा रहा है। चार दिनों तक चलने वाले इस उत्सव में राज्य भर के छोटे और मझोले उद्यमी अपने कौशल का प्रदर्शन कर रहे हैं। फेस्ट में कुल्लू की शॉल, चंबा के रुमाल और कांगड़ा पेंटिंग्स के साथ-साथ आधुनिक तकनीकी उपकरणों के 200 से अधिक स्टॉल लगाए गए हैं। यहां आने वाले दर्शक न केवल खरीदारी कर सकते हैं, बल्कि हिमाचल की समृद्ध विरासत को करीब से देख भी रहे हैं।

महाराजा अग्रसेन की 'शाही' सालगिरह का होगा भव्य जश्न

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

दिल्ली में पहली बार महाराजा अग्रसेन और महारानी माधवी के विवाह की सालगिरह धूमधाम से मनाने की तैयारियां की जा रही हैं। यह आयोजन दिल्ली अग्रोहा विकास ट्रस्ट द्वारा दिल्ली के शाह ऑडिटोरियम में आयोजित किया जाएगा। इसमें अग्रवाल समाज की तमाम संस्थाएं और शख्सियत शामिल होंगी।

ट्रस्ट के चेयरमैन नंद किशोर अग्रवाल और अध्यक्ष ब्रह्म प्रकाश गर्ग ने बताया कि यह आयोजन वसंत पंचमी की पूर्व संध्या यानी 22 जनवरी को आयोजित किया जाएगा। चूंकि, महारानी उस वक्त नागलोक कहलाए जाने वाले नॉर्थ-ईस्ट के मणिपुर और त्रिपुरा से ताल्लुक रखती हैं। महारानी माधवी नागलोक के राजा नागराज महिधर की पुत्री थीं।

- दिल्ली अग्रोहा विकास ट्रस्ट द्वारा दिल्ली के शाह ऑडिटोरियम में होगा आयोजन
- इस समारोह में अग्रवाल समाज की तमाम संस्थाएं और शख्सियत शामिल होंगी

अध्यक्ष बीपी गर्ग ने बताया कि ऐसे में योजना बनाई जा रही है कि दिल्ली में मणिपुर और त्रिपुरा हाउस से नागलोक की राजकुमारी माधवी के रूप में वैश्य समाज की कलाकारा की डोली को विदा कराकर यहां शाह ऑडिटोरियम में लाया जाए। जहां फिर महाराजा अग्रसेन जी महाराज और महारानी माधवी जी की शादी की सालगिरह को धूमधाम से मनाया जाए। गर्ग ने बताया कि दिल्ली ही नहीं बल्कि देश में ऐसा आयोजन पहली बार किया जा रहा है। जब वैश्य समाज के महाराजा अग्रसेन जी की शादी की सालगिरह को पहली बार इतने धूमधाम तरीके से मनाया जाएगा।

इसके लिए जो भी कलाकार महाराज अग्रसेन जी और महारानी माधवी की भूमिका निभाएंगे। वह सब वैश्य समाज से ताल्लुक रखने वाले होंगे। इनके अलावा भी अन्य तमाम कलाकार वैश्य समाज से ही होंगे।

दिल्ली की खबरों के लिए एक्स पर फॉलो करें
@NBTDilli

मैथिली अकादमी पर लगा ताला, उठी विरोध की गूंज

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

मैथिली अकादमी में पूर्व की तरह काम की मांग को लेकर विद्यापति सेवा संस्थान ने शनिवार को दरभंगा प्रमंडल के आयुक्त कार्यालय के समक्ष जोरदार धरना-प्रदर्शन किया। रविवार को चेतना समिति ने भी पटना में उपाध्यक्ष उमेश मिश्र और सचिव जयदेव मिश्र की अगुवाई में एक-दिवसीय धरना-प्रदर्शन किया, जबकि अखिल भारतीय मिथिला संघ ने दिल्ली में प्रदर्शन करने की बात कही है।

दरभंगा में हुआ प्रदर्शन, दिल्ली में विरोध करने की तैयारी

दरभंगा में प्रो. अयोध्या नाथ झा की अध्यक्षता में आयोजित धरना-प्रदर्शन में विद्यापति सेवा संस्थान के महासचिव बैद्यनाथ चौधरी बैजू, मैथिली अकादमी के पूर्व अध्यक्ष कमलाकांत झा, मणिकांत झा, विनोद मिश्र, बैद्यनाथ यादव, उदय शंकर मिश्र, हरिश्चंद्र हरित, चंद्रशेखर झा बूढ़ा भाई, राम शुभग चौधरी, परमानंद झा, गणेश कांत झा, श्याम किशोर राम, महानंद ठाकुर, देवेंद्र चौधरी, राम लला चौधरी, पंकज कुमार ठाकुर, दीपक कुमार झा, संतोष कुमार झा आदि की उल्लेखनीय उपस्थिति रही। संस्थान के महासचिव बैद्यनाथ चौधरी बैजू ने कहा कि ये अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है।

मिथिला संघ के अध्यक्ष का इस्तीफा, महासचिव पहले ही छोड़ चुके हैं पद

Roushan.Jha
@timesofindia.com

■ **नई दिल्ली:** अखिल भारतीय मिथिला संघ के अध्यक्ष विजयचंद्र झा ने बीते मंगलवार को पद से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने अपना यह इस्तीफा 27 और 28 दिसंबर को आयोजित दो दिवसीय कार्यक्रम के बाद उठे कुछ सवालों के बाद संस्था के वट्सऐप ग्रुप में दिया। 76 वर्षीय झा ने अपनी बढ़ती उम्र और स्वास्थ्य का हवाला देते हुए इस्तीफे की घोषणा की। हालांकि उन्होंने ग्रुप में ही लिखा कि वह छह महीने पूर्व ही लिखित में अपना इस्तीफा सौंप चुके थे, लेकिन पदाधिकारियों ने इसे अस्वीकार कर दिया था। उन्होंने कहा कि इस बार वह अपना इस्तीफा वापस नहीं लेंगे।

उम्र और स्वास्थ्य का हवाला देते हुए इस्तीफे की बात कही

पूर्व केंद्रीय मंत्री ललित नारायण मिश्र की पुण्यतिथि मनाई गई।

पिछले लगातार 13 साल से अध्यक्ष पद पर काबिज विजयचंद्र झा से पहले संस्था के महासचिव विद्यानंद ठाकुर भी करीब दो साल पहले इस्तीफा दे चुके हैं। हालांकि उनका इस्तीफा भी अब तक मंजूर नहीं किया गया है। शनिवार को संगम विहार स्थित मिथिला भवन में पूर्व केंद्रीय रेल मंत्री ललित नारायण मिश्र की पुण्यतिथि पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान अध्यक्ष के इस्तीफे पर संक्षिप्त चर्चा हुई।

संस्था के महासचिव डीएन झा ने बताया कि इस बैठक में इस मुद्दे पर चर्चा के लिए सात फरवरी को कार्यकारिणी और आठ फरवरी को राष्ट्रीय परिषद की बैठक बुलाई गई है। बिहार के तीन बार मुख्यमंत्री रहे जगन्नाथ मिश्र के बेटे संजीव मिश्र ने दो दिवसीय कार्यक्रम के बाद सोशल मीडिया पर सवाल खड़े किए थे। उन्होंने लिखा कि कार्यक्रम के दौरान मैथिल व्यक्तियों को सम्मान दिया गया, लेकिन मिथिला क्षेत्र से तीन बार मुख्यमंत्री रहे मिश्र का नाम तक नहीं लिया गया।

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 05-01-2026 Zone: Mahanagar Edition: 2 Page: NBTMAH07 User: cci Time: 01-04-2026 23:55 Color:

ग्रामीण विकास मंत्रालय
गांव-गांव तक पक्की सड़क, पक्के इरादे
प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत बीते साढ़े 11 वर्षों में करीब 1.47 लाख स्कूल, 83 हज़ार हॉस्पिटल और 1.39 लाख कृषि केंद्र और 3.28 लाख परिवहन संसाधन सड़क नेटवर्क से जुड़े
ग्रामीण विकास से राष्ट्र निर्माण
CBC 35101/13/0047/2526

फटाफट खबरें

सिक्किम HC को नए चीफ जस्टिस मिले

■ भाषा, गंगटोक: जस्टिस ए. मोहम्मद मुश्ताक ने रविवार को सिक्किम हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस के रूप में शपथ ली। जस्टिस मुश्ताक सिक्किम हाई कोर्ट के 24वें चीफ जस्टिस बने। मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग अपने मंत्रिपरिषद और सीनियर अधिकारियों के साथ इस मौके पर मौजूद रहे। जस्टिस मुश्ताक ने जस्टिस विश्वनाथ सोमद्दर की जगह ली, जो हाल में रिटायर हुए हैं।

रतले हाइड्रो प्रोजेक्ट की मंत्री ने की समीक्षा

■ पीटीआई, जम्मू: केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल रविवार को जम्मू-कश्मीर पहुंचे और चिनाब नदी पर रतले हाइड्रो प्रोजेक्ट के डैम से जुड़े काम की नींव रखी। मनोहर लाल ने किश्तवाड़ में 1856 मेगावाट की रतले प्रोजेक्ट और रियासी में सलाल परियोजना की प्रगति की समीक्षा भी की। यह कदम ऐसे वक्त पर उठाया गया है, जब भारत ने सिंधु जल संधि को अस्थायी रूप से रोक दिया है।

'सिस्टम की नाकामी से इंदौर में हुई मौतें'

■ पीटीआई, इंदौर: इंदौर में गंदे पानी से कई लोगों की मौत पर फेमस जल संरक्षण ऐक्सपर्ट राजेंद्र सिंह ने चिंता जताई है। उन्होंने इसे सिस्टम की बनाई हुई आपदा बताया और कहा कि इसके पीछे गहरी भ्रष्टाचार की समस्या है। मैग्सेसे पुरस्कार विजेता राजेंद्र सिंह ने कहा कि अगर देश के सबसे साफ शहर इंदौर में ऐसा हो सकता है, तो बाकी शहरों की स्थिति और भी गंभीर हो सकती है।

IRCTC केस में आज सुनवाई संभव

■ भाषा, नई दिल्ली: दिल्ली हाई कोर्ट IRCTC घोटाला मामले में आरजेडी नेता लालू प्रसाद यादव की याचिका पर सोमवार को सुनवाई कर सकता है। याचिका में लालू, उनकी पत्नी राबड़ी, तेजस्वी यादव सहित 11 अन्य के खिलाफ आरोप तय किए जाने संबंधित विशेष अदालत के आदेश को चुनौती दी गई है। पूर्व केंद्रीय रेल मंत्री ने इस आदेश को हाल में चुनौती देते हुए हाई कोर्ट का रुख किया था।

अंकिता केस में CBI जांच की मांग

उत्तराखंड प्रशासन के 'NO VIP' एंगल पर भड़का विपक्ष, व्यापक प्रदर्शन

■ NBT रिपोर्ट, देहरादून

अंकिता भंडारी केस में 'वीआईपी' का नाम सामने आने के बाद न्याय की मांग ने नए सिरे से तूल पकड़ा। सामाजिक संगठनों और कांग्रेस ने रविवार को कोर्ट की निगरानी में सीबीआई जांच की मांग को लेकर बड़े स्तर पर प्रदर्शन हुआ। कार्यकर्ताओं ने देहरादून में मुख्यमंत्री आवास तक जाने की कोशिश की। इधर दिल्ली के जंतर मंतर पर भी मामले में न्याय की मांग पर प्रदर्शन के लिए बड़ी संख्या में लोग जुटे। इस मुद्दे को लेकर 11 जनवरी को उत्तराखंड बंद का ऐलान किया गया है। इसके अलावा आने वाले दिनों में मशाल जुलूस और प्रदर्शन का सिलसिला भी जारी रहेगा।

कार्यकर्ताओं ने उत्तराखंड में बीजेपी सरकार पर हत्याकांड में कथित तौर पर शामिल नेताओं को बचाने की कोशिश का आरोप लगाया। इस मामले में सबूतों को नष्ट करने वालों पर भी कार्रवाई की मांग की।

प्रदर्शन में कांग्रेस, उत्तराखंड क्रांति दल, सीपीआई, बेरोजगार संघ, उत्तराखंड मूल निवास भू कानून संघर्ष समिति, राष्ट्रवादी रीजनल पार्टी, गढ़वाल सभा महिला मंच और अलग-अलग सामाजिक संगठनों से जुड़े लोग शामिल हुए। हजारों की संख्या में प्रदर्शनकारी रविवार को देहरादून के परेड ग्राउंड में इकट्ठे हुए। इसके बाद मुख्यमंत्री आवास कूच कर रहे प्रदर्शनकारियों को पुलिस ने रास्ते में बैरिकेडिंग लगाकर रोक दिया।

PTI

हजारों लोग रविवार को देहरादून के परेड ग्राउंड में जुटे और न्याय की मांग की।

प्रदर्शन कर रहे लोगों ने देहरादून में मुख्यमंत्री आवास तक जाने की कोशिश की।

उत्तराखंड BJP अध्यक्ष को दिखाए काले झंडे

प्रदर्शनकारी और कांग्रेस कार्यकर्ता सरकार को घेरते हुए कोटद्वार पहुंचे। वहां उन्होंने बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट काले झंडे दिखाकर विरोध दर्ज कराया। विरोध देख पुलिस बल ने स्थिति को संभाला। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि बीजेपी के पूर्व विधायक की पत्नी ने सोशल मीडिया पर जारी बयान में प्रदेश अध्यक्ष का भी नाम लिया है।

जंतर-मंतर पर भी जुटे सैकड़ों लोग

NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: अंकिता भंडारी हत्याकांड को लेकर जंतर-मंतर पर रविवार को भी प्रदर्शन हुआ। इसमें बड़ी संख्या में लोग जुटे और सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि यह लड़ाई किसी एक परिवार की नहीं, बल्कि हर बेटी के सम्मान और न्याय की है। प्रदर्शनकारियों ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए तत्काल इस्तीफा देने की मांग की। लोगों ने हत्याकांड में शामिल सभी दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा की मांग उठाई। प्रदर्शनकारियों का आरोप था कि राज्य सरकार प्रभावशाली लोगों को बचाने की कोशिश कर रही है और जांच को प्रभावित किया जा रहा है।

Surender Kumar

2022 का है मामला

अंकिता भंडारी (19) वनंतरा रिजॉर्ट में रिसेप्शनिस्ट के रूप में काम करती थी। 18 सितंबर 2022 को वह अचानक लापता हो गई। कुछ दिनों बाद उनका शव चिला कैनाल से बरामद हुआ। रिजॉर्ट के मालिक पुलकित आर्य और दो कर्मचारियों को गिरफ्तार कर लिया गया। कोर्ट ने उन्हें उम्रकैद की सजा सुनाई। उन्हें हत्या, सबूत मिटाने और अन्य गंभीर आरोपों के तहत सजा मिली। कोर्ट ने अंकिता के परिवार को मुआवजा भी देने का आदेश दिया। हाल में अंकिता केस में सोशल मीडिया और कुछ विडियो/ऑडियो क्लिप की वजह से 'वीआईपी' का नाम चर्चा में आया। हालांकि पुलिस ने ऐसे किसी शख्स की भूमिका से इनकार किया है। उर्मिला सनावर नाम की महिला ने ये क्लिप शेयर किए थे, जिनमें एक शख्स को 'गट्टू' नाम से बताया गया। इसके बाद बड़े नेता यानी 'VIP' का नाम सामने आया। आरोप लगा कि 'VIP' बीजेपी का एक सीनियर नेता है।

फ्लाइट में पावर बैंक सिर्फ हैंड बैग में ले जा सकेंगे

FILE

■ NBT रिपोर्ट

फ्लाइट में यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए पावर बैंक से जुड़े नियम सख्त कर दिए गए हैं। अब विमान के अंदर पावर बैंक से मोबाइल या अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण चार्ज करना मना कर दिया गया है। इसके अलावा, सीट में लगे पावर सॉकेट से पावर बैंक को चार्ज करने की भी अनुमति नहीं होगी। पावर बैंक और अतिरिक्त बैटरियां केवल हैंडबैग में रखने की इजाजत होगी। इन्हें ओवरहेड बिन में रखने पर भी रोक लगा दी गई है।

TOI के अनुसार, यह फैसला उड़ान के दौरान लिथियम बैटरियों में आग लगने की घटनाओं पर हुआ। हाल ही में इंडिगो फ्लाइट में आग की घटना के बाद इस पर विचार किया गया। विमानन महानिदेशालय (DGCA) ने यात्रियों और क्रू द्वारा ले जाए जाने वाले लिथियम बैटरी वाले उपकरणों से होने वाले खतरे को कम करने के लिए 'डैंजरस गुड्स एडवाइजरी सर्कुलर' जारी किया है।

लिथियम बैटरी में आग लगने की घटनाओं पर हुआ फैसला

DGCA ने एयरलाइनों को निर्देश दिया कि वे फ्लाइट के दौरान इन नए नियमों की घोषणा करें। नियमों के अनुसार, अगर किसी भी डिवाइस से गर्मी, धुआं या अजीब गंध आती है, तो यात्री को तुरंत केबिन क्रू को जानकारी देनी होगी। एयरलाइनों को लिथियम बैटरी से जुड़ी हर सुरक्षा घटना की रिपोर्ट तुरंत DGCA को देनी होगी। विमानन विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि अब "एक यात्री, एक हैंडबैग" के नियम को सख्ती से लागू करना जरूरी है। अक्सर ओवरहेड बिन भर जाने पर एयरलाइंस यात्रियों के हैंडबैग गेट पर लेकर विमान के कैबिन होल्ड में रख देती हैं।

जम्मू-कश्मीर में VPN पर रोक

Maneesh.Aggarwal
@timesofindia.com

■ नई दिल्ली : जम्मू-कश्मीर में कश्मीर के सभी जिलों और जम्मू के कुछ जिलों में स्थानीय प्रशासन ने लोगों पर वीपीएन एप्लीकेशन इस्तेमाल करने पर रोक लगा दी है। कुछ दिन पहले किए गए इस ऑर्डर के बाद से लगातार ऐसे कई मामले जम्मू-कश्मीर पुलिस के सामने आ रहे हैं। जहां कुछ स्थानीय कश्मीरियों ने वीपीएन का इस्तेमाल किया है। इस तरह के मामलों में जम्मू-कश्मीर पुलिस ने ऐसे ही 700 से अधिक सस्पेक्टेड लोगों की लिस्ट तैयार की है। जिन्होंने वीपीएन पर रोक लगाए जाने के बाद भी इसका इस्तेमाल किया।

जांच की जा रही है कि क्या इनमें से किसी ने पाकिस्तान, बांग्लादेश, अफगानिस्तान और तुर्किए समेत कौन-कौन से देशों में बात करने के लिए वीपीएन का इस्तेमाल किया। जम्मू-कश्मीर पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि वीपीएन पर नए साल से पहले 29 दिसंबर से अलग-अलग जिलों के हिसाब से अलग-अलग दिन प्रतिबंध लगाने शुरू किए गए। मौजूदा समय में कश्मीर के सभी जिलों में वीपीएन इस्तेमाल पर रोक है। जम्मू में अभी कुछ ही जिलों में यह रोक लगाई गई है। इसके बारे में लोगों को लगातार बताया भी जा रहा है कि वह किसी भी सूरत में एक-दूसरे से बातचीत या अन्य किसी संचार के लिए वीपीएन एप्लीकेशन का इस्तेमाल ना करें।

VPN से आतंकी तार का शक: यह इसलिए जरूरी हो रहा है क्योंकि, शक है कि कुछ स्थानीय लोग अपनी पहचान छिपाते हुए वीपीएन का इस्तेमाल देश के खिलाफ कर सकते हैं। इनमें घुसपैठ कर चुके कुछ पाकिस्तानी आतंकी भी शामिल हो सकते हैं।

AI Image

■ जांच की जा रही है कि इनमें से किस ने पाकिस्तान, बांग्लादेश, अफगानिस्तान और तुर्किए समेत अन्य देशों में बात करने के लिए वीपीएन का इस्तेमाल किया।

■ कश्मीर के सभी जिलों में वीपीएन पर रोक पूरी तरह लागू है। जम्मू में अभी कुछ ही जिलों में रोक लगाई गई है।

केरल में विपक्ष के नेता पर CBI जांच कराएगी सरकार

■ आईएएनएस, तिरुवनंतपुरम: केरल सरकार ने विधानसभा में विपक्ष के नेता वीडी सतीशन के खिलाफ सीबीआई जांच की सिफारिश की है। केरल में अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं। सतीशन पर 2018 की बाढ़ के बाद परवूर विधानसभा क्षेत्र में लागू किए गए पुनर्वास प्रोजेक्ट में विदेशी फंड में कथित अनियमितताओं से जुड़ा है। ऐंटी-करप्शन ब्यूरो ने कहा था कि विदेशी फंड जुटाने और उसके इस्तेमाल के मुद्दे की जांच सीबीआई कर सकती है।

राज्य में अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं, सियासी हलचल तेज

कांग्रेस को ग्राम, काम और राम से परेशानी: शिवराज

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने रविवार को यहां कहा कि विकसित भारत-G RAM G योजना पर कांग्रेस लोगों को गुमराह कर रही है। कांग्रेस जिस मनरेगा बचाओ संग्राम की बात कर रही है, वह 'भ्रष्टाचार बचाओ संग्राम है।' चौहान ने कहा कि मनरेगा भ्रष्टाचार का पर्याय बन गई थी और मोदी सरकार ने जो योजना तैयार की है, इसमें मजदूरों, किसानों और गांवों के हित सुरक्षित रहेंगे। योजना के बारे में जनता को सच्चाई बताने के लिए बीजेपी अध्यक्ष नितिन नबीन जल्द एक कार्यक्रम की घोषणा करेंगे। चौहान ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी को निशाने पर लेते हुए कहा कि लोकसभा में कांग्रेस ने अपनी सारी बातें कहीं, लेकिन मेरी आवाज दबाने की कोशिश की गई।

File

कृषि मंत्री ने कहा- मनरेगा भ्रष्टाचार का दूसरा नाम बन गई थी।

थाइलैंड में भारतीय टूरिस्ट की पिटाई

■ NBT रिपोर्ट: थाइलैंड में ट्रांसजेंडर्स ने एक भारतीय टूरिस्ट को कथित तौर पर पीटा। जानकारी के अनुसार, पैसों को लेकर विवाद होने के बाद मामला आगे बढ़ गया। TOI के अनुसार, मामला 27 दिसंबर का है। घटना का एक विडियो भी वायरल है। टूरिस्ट की उम्र 52 साल बताई जा रही है। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहां मौजूद एक शख्स ने बताया, टूरिस्ट और ट्रांस सेक्स वर्कर के बीच पैसों को लेकर बहस हुई। कुछ देर बाद उन्होंने अपने दोस्तों को बुला लिया और टूरिस्ट की पिटाई कर दी। थाई अधिकारियों ने कहा, टूरिस्ट के पूरी तरह ठीक होने के बाद शिकायत करने को कहा जाएगा, इसके बाद मामले की जांच की जाएगी।

ओडिशा में अवैध खदान में पत्थर गिरा, दो की मौत

■ भाषा, भुवनेश्वर: ओडिशा के ढेंकनाल जिले में पत्थर की एक अवैध खदान में चट्टान गिरने से कम से कम दो लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने रविवार को बताया कि यह घटना शनिवार शाम को उस समय की है जब कुछ मजदूर पत्थरों की खुदाई और उन्हें निकालने का काम कर रहे थे। घटना के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल पाया है। ढेंकनाल के जिलाधिकारी आशीष ईश्वर पाटिल और एसपी अभिनव सोनकर बचाव कार्य की निगरानी के लिए घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने कहा, खदान में विस्फोट की अनुमति सितंबर में समाप्त हो चुकी थी, जबकि खदान की पट्टा अवधि दिसंबर 2025 में समाप्त हो गई थी।

डिजिटल अरेस्ट कर 7 करोड़ ठगे

■ भाषा, हैदराबाद: मुंबई पुलिस अधिकारी बनकर जालसाजों ने 81 वर्षीय व्यक्ति से 'डिजिटल अरेस्ट' कर 7.12 करोड़ रुपये ठग लिए। पुलिस के अनुसार, 27 अक्टूबर को ठगों ने कूरियर कंपनी का प्रतिनिधि बनकर फोन किया और थाईलैंड भेजे गए पार्सल में एमडीएमए मिलने का दावा किया। बाद में पुलिस अधिकारी बनकर बुजुर्ग को मादक पदार्थ तस्करी रैकेट में शामिल होने की धमकी दी। उन्होंने बताया कि जालसाजों ने मामले से बचने के बहाने बुजुर्ग से पैसे ट्रांसफर करवाए।

Raymond upto 60% off
Extra fine Wool, Silk, Linen & Cotton Fabrics
FESTIVAL & WEDDING COLLECTION
SHIRTS • TROUSERS • BLAZERS
SUITS & ETHNIC WEAR
BY ECONOMY SALES
(M): 9212758425
Raymond | PARK AVENUE | ColorPlus | parx | ARROW
• PUNCHKUIAN ROAD, Garwal Bhawan, (Near Jhandewalan, Gole Chkr.)
• GURUGRAM 306, City Center, Sector 29 (Near Hotel Pllazio)
• WAZIRPUR A-5, Near Richi Rich Banquet (Opp. Shalimar Bagh)
• NOIDA, Nirula's Sec-2, Near Metro Station, Sec-15, Noida, UP
• LAJPAT NAGAR, 49, Main Ring Road, Adj. Haldi Ram, Near Moolchand Crossing

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार
प्रशिक्षण और तकनीकी शिक्षा विभाग
मुनि माया राम मार्ग, पीतमपुरा, दिल्ली-110034
सचिवालय शाखा

भर्ती सूचना

कला महाविद्यालय, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली सरकार के प्राचार्य के पद को वेतन मैट्रिक्स में स्तर 14 पर प्रवेश वेतन रुपये 1,44,200/- और 6,750/- प्रति माह रुपये के विशेष भत्ते के साथ प्रतिनियुक्ति (लघु अवधि अनुबंध सहित) पर भरने के लिए आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं।

पात्रता मानदंड (शैक्षिक योग्यता, अनुभव, आदि) और आवेदन पत्र (अनुबंध- 1) प्रशिक्षण और तकनीकी शिक्षा विभाग, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली सरकार की वेबसाइट यानी https://tte.delhi.gov.in पर उपलब्ध है।

पात्र अभ्यर्थी के आवेदन सभी आवश्यक दस्तावेजों के साथ उप निदेशक (एस. बी.), प्रशिक्षण और तकनीकी शिक्षा विभाग, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली सरकार, मुनि माया राम मार्ग, पीतमपुरा, दिल्ली - 110034 को "रोजगार समाचार" में इस मद के प्रकाशन की तारीख से 60 दिनों के भीतर उचित माध्यम से पहुंचना चाहिए।

(अंजलि सहरावत, भा. प्र. से.)
DIP/Shabdarth/Classified/0391/25-26

उत्तर पश्चिम रेलवे
ई-निविदा सूचना
मुख्य परियोजना प्रबंधक, गति शक्ति, उत्तर पश्चिम रेलवे, बीकानेर भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से निम्नलिखित कार्यों के लिए दिनांक 27/01/2026 को 15:00 बजे तक निम्नानुसार खुली ई-निविदा आमंत्रित करते हैं। **निविदा संख्या:** 20R1-2025-GSU-BKN **कार्य का नाम व स्थान:** बीकानेर मंडल के सिरसा स्टेशन पर बीटीआई छोर की ओर लाइन संख्या 5 की स्लीविंग और प्लेटफॉर्म संख्या 1 को 92.40 मीटर तक विस्तारित करके एक अतिरिक्त प्लेटफॉर्म संख्या 3 का प्रावधान, जिसमें सभी आवश्यक यात्री सुविधाएं शामिल हैं तथा हिसार-भटिंडा खंड के सिरसा और रामा स्टेशन पर टीडब्ल्यूसल कार्य का बचा हुआ कार्य के संबंध में ट्रैक कार्य। **कार्य की अनुमानित लागत:** ₹12106356.83/- **बिड सिक्योरिटी राशि:** ₹210600/- **निविदा प्रस्तुत करने की तिथि व समय:** बोली शुरू होने की तारीख 13/01/2026 और निविदा बंद होने की तारीख और समय 27/01/2026 को 15:00 बजे तक। **नोट:** अन्य शर्तें रेलवे की वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखी जा सकती है। E-Office File No.: NWR-BKNOENGG (WRKF)/89/2025 (Computer No. 232554) Dated-02.01.2026
12-DK/26
NWRailways NWRailways_

उत्तर पश्चिम रेलवे
ई-निविदा सूचना
ई-निविदा सूचना संख्या: 263 से 266-25-26 मंडल रेल प्रबंधक, उत्तर पश्चिम रेलवे बीकानेर भारत के राष्ट्रपति की ओर से इच्छुक ठेकेदारों से निम्न लिखित कार्य के लिए दिनांक 22.01.2026 को 15:00 बजे तक खुली ई-निविदा आमंत्रित करते हैं। **(1) निविदा संख्या:** 263, **कार्य का नाम व स्थान:** वरि. मंडल इंजीनियर/ पश्चिम, बीकानेर के क्षेत्राधिकार में विभिन्न आरयूबी में पानी एकत्रित होने से रोकने के लिए ड्रेनेज सिस्टम में सुधार करना। **अनुमानित लागत मूल्य:** ₹ 99536055.32/- **धरोहर राशि:** ₹ 647700.00/- **(2) निविदा संख्या:** 264, **कार्य का नाम व स्थान:** सहायक मंडल इंजीनियर/ मुख्यालय, बीकानेर के अधीन विभिन्न अधिकारी बंगलों एवं स्टाफ क्वार्टरों में सुधार कार्य तथा बीकानेर स्थित बंगला नं. 106ए, 106बी, 107ए व 107बी की छत को बदलने का कार्य। **अनुमानित लागत मूल्य:** ₹ 3905644.15/- **धरोहर राशि:** ₹ 78100.00/- **(3) निविदा संख्या:** 265, **कार्य का नाम व स्थान:** सहायक मंडल इंजीनियर/ मुख्यालय, बीकानेर के अधीन ... में इन्फ्रास्ट्रक्चर को अपग्रेड करना एवं यात्री सुविधाओं में वृद्धि करना। **अनुमानित लागत मूल्य:** ₹ 39587450.83/- **धरोहर राशि:** ₹ 347900.00/- **(4) निविदा संख्या:** 266, **कार्य का नाम व स्थान:** सहायक मंडल इंजीनियर / मुख्यालय, बीकानेर के अधीन स्टोर डिपो में नये बे-ब्रिज (100 एमटी क्षमता का) का निर्माण करना तथा अप्रयुक्त सामग्री के स्टोरेज के हेतु स्टोरी स्पेस स्टाफ कक्ष, पार्किंग एवं टॉयलेट आदि का निर्माण करना। **अनुमानित लागत मूल्य:** ₹ 10619214.14/- **धरोहर राशि:** ₹ 203100.00/- **नोट:** अन्य शर्तें रेलवे की वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखी जा सकती है।
10-DK/26
NWRailways NWRailways_

कैलास जीवन
मल्टिपर्पज् आयुर्वेदिक क्रीम

एडियोंका फटना
पाँव धोकर, कुछ देर तक गुनगुने पानी में रखिए, नरम बनने के बाद मुलायम सुती कपडे से सुखाएँ. फटी एडियों पर कैलास जीवन धीरेसे लगाएँ. मलना नही. कैलास जीवन त्वचामें घुल आएगा और फटी एडियों पर असर करेगा. एडियाँ और पाँव की त्वचा साफ, मुलायम बन आएगी.

कील-मुहाँसे
चेहरा गुनगुने पानीसे सेकने के बाद धोकर नरम मुलायम सुती कपडेसे सुखाकर कैलास जीवन हल्के हाथोंसे चेहरेपर लगाइए. कील-मुहाँसों की तकलीफ से राहत मिलेगी. चेहरा साफ, कांतिमान होकर निखर आएगा.

आँखों की जलन
गुनगुने पानीसे चेहरा और आँखें साफ कीजिए. रात को सोते समय कैलास जीवन आँखों की पलकों पर हलकासा लेप लगाकर रूई की पट्टी रखिए. आँखों की जलन से आराम पाइए और शान्त एवम् गहरी निद्रा का अनुभव लिजिए.

बवासीर / फिशर्स
एक चम्मच कैलास जीवन में उतनी ही मात्रा पीसी शक्कर मिला कर रोज रात (२१ दिनों तक) सेवन किजिए तथा प्रतिदिन २-३ बार उस जगह पर लगाइए. बवासीर, फिशर्स से राहत मिलेगी. पत्थ्य आवश्यक.

एड़ियों का फटना, मुहाँसे, हाथ पाँव और आँखों की जलन, मुँह के छाले, कटना, जलना, झुलसना, डायपर-नॅपी रॅश आदि के लिए गुणकारी।
विकार अनेक, इलाज एक... आज ही खरीदिए।

Also available on amazon Flipkart netmeds.com
Available in: 20g Tube, 30g, 60g, 120g, 230g Bottle
Manufacturer: ASUM, Pune. 020-24486865 | Customer Care: Prashant: 91300 26070
asumkj@gmail.com | www.asum.com

Distributor: Delhi: Gopal Stores: 9810524934, Noida: Ajay Medical: 0120-2527981
Seelampur: Agarwal Ayurvedic: 9711251291, Saraswati Vihar: Saraswati Ayu: 27058720
Motinagar: Ishar Dass & Sons: 9313519596, Con. Circle: Nath: 9899441605,
Gaziabad - Vaishali: Shri Krishna Ayurved: 9873603747
Khan Market: Preet Medicos: 9899659582, Gurgaon: Vashishth Medical: 9873321179
Faridabad: Laxmi Ayurvedic: 9810083760
Also Available at Chandni Chowk, Bhagirath Palace, Khari Baoli.

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 05-01-2026 Zone: Mahanagar Edition: 1 Page: NBTMAH08 User: dilip.lal Time: 01-04-2026 22:13 Color:

नवभारत टाइम्स • विचार

नवभारत टाइम्स । नई दिल्ली । सोमवार, 5 जनवरी 2026

> संगठन की जिम्मेदारी आदेश से नहीं, बल्कि प्रेरणा से निभाई जाती है।
> – ड्वाइट डी. आइजनहावर, पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति

बड़ी ज़िम्मेदारी

कांग्रेस ने असम विधानसभा चुनाव के लिए प्रियंका गांधी को स्क्रीनिंग कमिटी का अध्यक्ष बनाकर पार्टी के भीतर से उठ रही पुरानी मांग को पूरा किया है। नेताओं और कार्यकर्ताओं का एक वर्ग मानता रहा है कि प्रियंका को ज्यादा जिम्मेदारी मिलनी चाहिए और अगर वह जमीनी स्तर पर काम करती हैं, तो पार्टी को ज्यादा फायदा होगा।

असम की अहमियत । असम में इस साल मार्च-अप्रैल में चुनाव हो सकते हैं। यह उन कुछ राज्यों में से एक है, जहां कांग्रेस संगठन अब भी मजबूत है। राज्य में 10 साल पहले तक कांग्रेस की सरकार थी और आज भी मुख्य विपक्षी ताकत वही है। इस साल अप्रैल-मई तक पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और केरल के भी विधानसभा चुनाव होने हैं। ऐसे में प्रियंका को असम की जिम्मेदारी मिलना अहम माना जा रहा है।

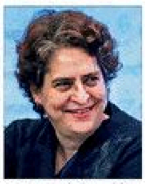
प्रियंका गांधी से उम्मीदें

पार्टी का भरोसा । प्रियंका भले नवंबर 2024 में पहली बार वायनाड से उपचुनाव के जरिये लोकसभा में पहुंची हों, लेकिन उनका राजनीतिक अनुभव कहीं अधिक है। राहुल गांधी ने जब 2004 में सक्रिय राजनीति में कदम रखा, तो चुनावी प्रचार की कमान प्रियंका ने ही संभाली थी। उनकी तुलना दादी इंदिरा गांधी से की जाती रही है और कांग्रेस के भीतर यह भरोसा है कि वह अगर पूरी तरह सामने आकर जिम्मा संभालें, तो पार्टी फिर से मजबूत हो सकती है।

यूपी से अलग । हालांकि 2019 लोकसभा चुनाव से पहले प्रियंका को यूपी में महासचिव बनाया गया था और पूर्वी यूपी के चुनाव अभियान की जिम्मेदारी उन पर थी, लेकिन पार्टी का प्रदर्शन बेहद खराब रहा। लेकिन, एक हकीकत यह भी है कि यूपी में कांग्रेस का संगठन बेहद कमजोर स्थिति में था। प्रियंका ने जोश तो भरा, लेकिन उसे परिणाम में बदलने के लिए उनके पास जमीनी स्तर पर उस तरह का समर्थन मौजूद नहीं था।

समन्वय में मदद । यूपी के मुकाबले असम में कांग्रेस बहुत बेहतर स्थिति में है। स्क्रीनिंग कमिटी का काम होता है उम्मीदवारों के नामों का चयन करना। हालांकि प्रियंका की भूमिका इससे ज्यादा की हो सकती है। असम में भी पार्टी गठबंधन में उतरेगी। बिहार में जिस तरह की गड़बड़ी हुई, नेतृत्व नहीं चाहेगा कि वैसा असम में हो। प्रियंका जैसे कद का नेता होने से असंतोष कम करने और समन्वय बैठाने में मदद मिलेगी। प्रियंका कई मौकों पर साबित कर चुकी हैं कि वह कुशल वक्ता हैं। वंदे मातरम् पर संसद में बहस के दौरान उन्होंने जिस तरह से कांग्रेस का रुख रखा था, उसकी पार्टी के अंदर और बाहर वाहवाही हुई थी। अब पार्टी असम में भी उनसे ऐसे ही कमाल की आशा कर रही है।

नश्तर

सब्ज़ी और सियासत

पड़ोस वाली भाभीजी सब्जी वाले पर नाराज हो रही थीं, 'कल जो गोभी दे गए थे, उसमें कीड़ा निकला था।' सब्जी वाला एक नंबर का मसखरा था। बोला, 'भाभीजी गोभी में कीड़ा ही छुप सकता है, तो वही निकलेगा। बड़ा जानवर तो नहीं ही निकलेगा।' भाभीजी गुस्से से आग-बबूला होतीं कि वह फिर बोला, 'यह इस बात का सबूत है कि मेरी लाई सब्जियों में कीटनाशक नहीं पड़ते। गोबर की खाद में कीड़े होते हैं, चला गया होगा गोभी में।'

सौरभ श्रीवास्तव

वह ठेला ठेलकर मेरे दरवाजे लाया तो सब्जियां छांटते हुए मैंने उससे कहा, 'बात बनानी खूब जानते हो, चुनाव क्यों नहीं लड़ लेते?' बोला, 'साहब सब्जी बेचता हूं, चाय नहीं।' 'चाय बेचने वाला नेता बन सकता है तो सब्जीवाला क्यों नहीं?', मैंने पूछा। वह बोला, 'साहेब चाय पर चर्चा हो सकती है, सब्जी पर नहीं। बिना चर्चा के कोई नेता कैसे बनेगा?' मुझे जवाब नहीं सूझा तो मैंने ठेले से नारंगी रंग वाली गाजर उठाई और भाव पूछ लिया। वह मुस्कुराते हुए बोला, 'महंगी हो गई है। बथुए पर हाथ रखा तो बोला, हरी सब्जियां सस्ती हैं आज-कल।' मैंने आंख तरेरते हुए कहा, 'सस्ती तो नारंगी गाजर भी है।' उसके इशारे मुझे समझ आ रहे थे। मैंने कहा, 'नेता तो तुम बन चुके हो गुरु। रंग के आधार पर भेदभाव करना सीख गए हो।'

सब्जी वाले ने मेरा मुआयना किया और बोला, 'आप लेखक हैं ना?' मैंने हां में सिर हिलाया। वह बोला, 'सीजन तो दोनों सब्जियों का है पर नारंगी गाजर की सप्लाई कम है। इस वजह से महंगी है। लाल रंग वाली गाजर ले लीजिए, बहुत सस्ती है।' उसने 'लाल रंग' पर और 'सस्ती' पर ज्यादा जोर देते हुए कहा और खीसें निपोर दीं। मैंने खेलने की कोशिश की। 'देखो... सब्जी किसी भी रंग की हो, चुनूंगा मैं उसे हाथ से और तुम भी तौलकर हाथ से ही दोगे।' इसके बाद दोनों ठठाकर हंसे। मैंने शुक्र मनाया, मैं ग्राहक था और वह सब्जीवाला, इसलिए डील हो गई वरना मारपीट हो सकती थी।

एकदा

संकलन : दीनदयाल मुरारका

मैं हूं तुम्हारा बेटा

एक बार प्रसिद्ध क्रांतिकारी यतींद्रनाथ गर्मी की तपती दोपहरी में कलकत्ता की एक सड़क से गुजर रहे थे। अचानक भीड़ देखकर वह आगे बढ़े और दृश्य देखकर ठिठक गए। एक वृद्ध महिला सड़क पर गिर पड़ी थी। वह अपना बोझ उठाने में असमर्थ थी। आसपास खड़े लोग सहानुभूति जता रहे थे, पर मदद के लिए कोई आगे नहीं आया था। यतींद्रनाथ ने तुरंत उस महिला को सहारा देकर उठाया और उनका बोझ अपने कंधे पर ले लिया। फिर वह स्नेह से बोले, 'चलो मां, घर चलते हैं।'

जब वे उनके घर पहुंचे, तो यतींद्रनाथ ने पूछा, 'क्या आपका कोई नहीं है?' यह सुनते ही महिला फूट-फूटकर रो पड़ीं। उन्होंने बताया कि उनका एकमात्र बेटा महामारी में चल बसा। यतींद्रनाथ ने कहा, 'मां, तुम्हारा बेटा अभी जीवित है। मैं हूं तुम्हारा बेटा।' उन्होंने उस महिला के चरण छुए और कुछ रुपये देते हुए कहा कि अब तुम्हें कोई परेशानी नहीं होगी, बोझ ढोने की जरूरत नहीं। यतींद्रनाथ ने जीवनभर अपना वचन निभाया। जब तक वह वृद्धा जीवित रहीं, उन्होंने उनका भरण-पोषण किया। यह प्रसंग सिखाता है कि सच्ची क्रांति केवल नारों से नहीं, बल्कि करुणा, सेवा और जिम्मेदारी के भाव से जन्म लेती है।

मादुरो को यूं हटाने का क्या असर होगा

भारत-रूस-चीन को साथ आना होगा, यही है वेनेजुएला प्रकरण का सबक़

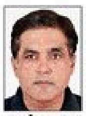
आशीष शुक्ला

आप सुन रहे होंगे कि अब वेनेजुएला का क्या होगा? तो पहले यह सोचिए कि बशर अल असद के बाद सीरिया का क्या हुआ? लीबिया का मुअम्मर गद्दाफी, इराक का सद्दाम हुसैन, वियतनाम का डाइम, पनामा का नोरेगा और ईरान का मोसादेघ (Mossadegh) के बाद क्या हुआ? इनके तख्ते भी तो अमेरिका ने ही पलटे थे।

अमेरिकी दुष्प्रचार । आपको यह भी बताया जा रहा होगा कि निकोलस मादुरो अच्छे व्यक्ति नहीं हैं। नशे के धंधे में सने थे। नार्को-टेररिजम के सरगना थे। मगर सरगना तो होंडुरास के पूर्व राष्ट्रपति युआन ओरलैंडो हर्नांडिज (Juan Orlando Hernandez) भी हैं, जिन्हें पिछले महीने ही डॉनल्ड ट्रंप ने क्षमादान दिया। हर्नांडिज को अमेरिकी कोर्ट ने 45 साल की सजा सुनाई थी। उन पर 400 टन कोकेन लाने का आरोप था।

ट्रंप की मनमानी । क्या वेनेजुएला से अमेरिका को खतरा था? क्या पकड़े जाने के कुछ घंटे पहले तक मादुरो ट्रंप के सामने गिड़गिड़ा नहीं रहे थे कि वह समझौता चाहते हैं। क्या अमेरिकी कांग्रेस ने इस खतरे को सही मानकर ट्रंप को अनुमति दी? क्या UN ने इसका अनुमोदन किया?

> **सवाल जो तय करेंगे आगे का घटनाक्रम**
> - ट्रंप की लिस्ट में अगला नंबर क्या ईरान का है?
> - वेनेजुएला की सेना का रुख किस ओर रहता है?
> - चीन और रूस के जवाबी कदम पर टिकी है निगाहें

ईरान का पहलू । ट्रंप स्पष्ट कर चुके हैं कि वेनेजुएला को अस्थायी रूप से अमेरिका चलाएगा। दुनिया में वेनेजुएला से ज्यादा तेल किसी और मुल्क के पास नहीं है। अब यह अमेरिका का हो चुका है। इससे चीन के सीने पे सांप लोट रहा है क्योंकि वेनेजुएला का सबसे बड़ा तेल का ग्राहक चीन ही है। ईरान की तो रातों की नींद ही उड़ गई होगी। क्या अगला नंबर उसका है? वेनेजुएला पर यह कार्रवाई इसलिए भी हुई है कि अगर ईरान होरमुज (Hormuz) खाड़ी वाला समुद्री मार्ग बंद करता है तो अमेरिका पर फर्क नहीं पड़ेगा क्योंकि दुनिया में सबसे अधिक तेल भंडार वाला देश अब उसके नियंत्रण में है।

सेना किसके साथ । अब सवाल है कि क्या अमेरिका से वेनेजुएला संभलेगा? अफगानिस्तान तो उससे संभला नहीं। वेनेजुएला का भूगोल भी सपाट नहीं है। गुरिल्ला युद्ध लंबा खिंच सकता है। देखना यह भी होगा कि वेनेजुएला की सेना किस तरफ झुकती है।

भारत पर नजर । भारत का वेनेजुएला से ज्यादा नाता पिछले एक-दो दशक से नहीं रहा है। मगर ऐसे छोटे मुल्कों और ग्लोबल साउथ, जिसके मुखिया बनने का सपना भारत देख रहा है, उनकी नजर हमारे अगले कदम पर होगी। अमेरिका ने वेनेजुएला में अंतरराष्ट्रीय क़ानून की धज्जियां उड़ा दी हैं। ऐसे में भारत तटस्थ रहकर अपना टैरिफ भले कम करवा ले, लेकिन उस पर भरोसा कम होगा।

पश्चिम एशिया में क्या होगा । जेलेंस्की की अब खैर नहीं। अमेरिका के प्रति रूस का गुस्सा अब यूक्रेन पर निकलेगा। भारत और चीन शायद और करीब आ जाएं। ट्रंप चाहते हैं कि तेल बिके तो अमेरिकी डॉलर में ही बिके। तेल का व्यापार दूसरी मुद्रा में होने लगा तो डॉलर का दबदबा घटेगा और अमेरिका का भी। इसलिए अमेरिका आगे पश्चिम एशिया पर भी नियंत्रण बढ़ाएगा। इस राह में ईरान बाधा है। वह सिर्फ तेल के हिसाब से ही अहम नहीं, भारत, चीन और रूस का व्यापार मार्ग भी है।

संगठन में शक्ति । अमेरिका को जो देश झुका सकता है, उसी के आगे वह झुकता है। यूक्रेन युद्ध को लेकर रूस ने यही किया। चीन ने जब अमेरिकी टैरिफ के जवाब में जब रेयर अर्थ की सप्लाई बंद करने की धमकी दी तो ट्रंप रास्ते पर आए। भारत 50% टैरिफ झेल रहा है, इसके बावजूद अमेरिका के साथ सौदे की बातचीत चल रही है। मुश्किल ये है कि तीनों देशों के लिए अमेरिका से अलग-थलग होना आसान नहीं है। मगर ब्रिक्स में शामिल इन तीनों देशों को तय करना पड़ेगा कि कल दुनिया में एक महाशक्ति की चले या वह बहुध्रुवीय हो। संगठित होने में ही उनका भला है।

(लेखक जियो-पॉलिटिकल एक्सपर्ट हैं)

आमने-सामने

अंतरराष्ट्रीय क़ानूनों को अगर शी और पूतिन ने ताक पर रखा तब क्या होगा

अमिताभ सिंह

डॉनल्ड ट्रंप ने वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो का अपहरण कर दुनिया को फिर चौंकाया है। यूं तो वेनेजुएला में अमेरिकी दखलंदाजी महीनों पहले शुरू हो गई थी। मगर जिस तेजी से मादुरो को हटाया गया, उसकी कल्पना शायद ही किसी ने की होगी। इस पूरे घटनाक्रम से अंतरराष्ट्रीय बिरादरी सन्न है। संयुक्त राष्ट्र संघ के चीफ एंटोनियो गुटेरेस की प्रवक्ता स्टेफनी डु जैरिक ने कहा, 'वेनेजुएला में जो हुआ है, उससे एक खतरनाक चलन शुरू हो सकता है।'

सबसे बड़ा तेल भंडार । मादुरो को हटाना दक्षिण अमेरिका के लिए निर्णायक घटना है। वेनेजुएला एक बड़ा मुल्क है। वह इस क्षेत्र की सियासत में प्रभाव रखता है। दुनिया का सबसे बड़ा तेल भंडार भी वहीं है, सऊदी अरब से कहीं ज्यादा। इसी वजह से अमेरिका ने यह कदम उठाया है। भले ट्रंप कुछ भी बहाना बनाएं। भले वह आरोप लगाएं कि मादुरो 'ड्रग कार्टेल' के मुखिया हैं और उनके देश से अमेरिका में नशीली दवाओं की बड़े पैमाने पर तस्करी होती है।

एडमुन्डो या मरिया । वेनेजुएला के लिए आज सबसे बड़ा सवाल है कि मादुरो के बाद वहां सत्ता किसके पास होगी? यूं तो ट्रंप ने कहा है कि अमेरिका उसे 'चलाएगा,' लेकिन वास्तविक तस्वीर अभी सामने नहीं आई है। ट्रंप ने यह भी नहीं बताया कि मादुरो की जगह कौन लेगा। एडमुन्डो गोंजालेज या मरिया कोरीना मचाडो? मरिया नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित हैं। मादुरो के खिलाफ पिछले चुनाव में पहले प्रत्याशी वही थीं, लेकिन उनके चुनाव लड़ने पर रोक लगा दी गई थी।

खराब रेकॉर्ड । दक्षिण अमेरिका में इससे पहले 1989 में जॉर्ज बुश ने पनामा के तानाशाह शासक मैनुएल नोरिएगा को पकड़ने के लिए फौज भेजी थी। इतिहास यह भी बताता है कि अक्सर ऐसे अभियान उलटे पड़ते हैं। दक्षिण अमेरिका में अमेरिका ने पहले जब भी सैन्य दखल दिया, वह त्रासदी ही बना। चाहे 1964 में 'Bay of Pigs' हो या 1954 में CIA के समर्थन से ग्वाटेमाला में लोकतांत्रिक रूप से चुनी हुई सरकार को गिराना। अमेरिका की ऐसी कारस्तानियों से दक्षिण अमेरिका ने दशकों तक गृह युद्ध और अस्थिरता देखी।

उलटा पड़ा था दांव । 1964 में अमेरिकी राष्ट्रपति जॉन एफ केनेडी ने क्यूबा के नेता फिदेल कास्त्रो के तख्तापलट की कोशिश की थी, जिसमें वह नाकाम रहे। उनकी इसी गलती के कारण 1973 में क्यूबन मिसाइल क्राइसिस खड़ा हुआ। फिर 1973 में अमेरिका के समर्थन से चिली में राष्ट्रपति सल्वाडोर अलेंदे हटाए गए। इससे तानाशाह ऑगस्तो पिनोशे सत्ता में आए, जिन्होंने 17 साल तक वहां बर्बर तरीके से राज किया। जहां तक वेनेजुएला की बात है तो 2002 में अमेरिका ने ह्यूगो शावेज को सत्ता से हटाने की कोशिश की थी। मगर यह दांव उलटा पड़ गया था।

> **अंतरराष्ट्रीय बिरादरी सकते में**
> - अमेरिकी कार्रवाई को संयुक्त राष्ट्र का समर्थन नहीं
> - अतीत में उलटे पड़ चुके हैं US के ऐसे कुछ कदम
> - ताइवान को लेकर बढ़ सकती है चीन की आक्रामकता

क़ानून का मजाक । इस बार अमेरिका ने और ख़तरनाक खेल खेला है। ट्रंप ने जो किया है, वैसा ही अगर चीन और रूस अपने दुश्मनों के विरुद्ध करें तो क्या होगा? ऐसी हरकतें अंतरराष्ट्रीय क़ानूनों का मजाक बनाती हैं। जॉर्ज बुश ने जब इराक पर हमला किया था तो उसे अंतरराष्ट्रीय क़ानूनों के लिए बड़ा झटका माना गया था, जबकि तब अमेरिका ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का समर्थन हासिल करने की कोशिश की थी। इस बार तो ट्रंप और उनकी टीम ने इसकी जहमत तक नहीं उठाई। न ही अपनी संसद की अनुमति ली।

ट्रंप ने तोड़ा वादा । दूसरी बार सत्ता में आए डॉनल्ड ट्रंप ने चुनाव प्रचार के दौरान अंतहीन युद्धों का सिलसिला खत्म करने की बात कही थी। मगर वेनेजुएला में उन्होंने ये वादे तोड़ दिए हैं। बहरहाल, आगे अमेरिका का विरोध दुनिया में किस हद तक बढ़ता है, यह इस पर निर्भर करेगा कि उसका अगला कदम क्या होता है।

(लेखक JNU के स्कूल ऑफ इंटरनैशनल स्टडीज में असोसिएट प्रफेसर हैं)

गिरकर भी फ़ायदे में रहा बाज़ार

टैरिफ, वैश्विक अनिश्चितता, पाकिस्तान से तनाव और रुपये में कमजोरी के बीच भी पिछले एक साल में भारतीय शेयर बाजार ने संतुलित प्रदर्शन किया। सेंसेक्स में 9% और निफ्टी में 11% की तेजी आई। बाजार में निवेश करने वाले 16% बढ़े।

डेटा Window

गिरावट
- 17% रियल्टी कंपनियां
- 12% आईटी सेक्टर
- 5% फार्मा सेक्टर

तेजी
- 27.77% पब्लिक सेक्टर बैंक
- 21.63% मेटल इंडेक्स
- 21.12% कार कंपनियां

- **30.20** लाख करोड़ बढ़ी निवेशकों की संपत्ति
- **6,713.19** अंक साल भर में चढ़ा सेंसेक्स
- **2,386.7** अंक पूरे साल में मजबूत हुई निफ्टी
- **33** लाख करोड़ बढ़ा BSE लिस्टेड कंपनियों का MCAP
- **1.6** लाख करोड़ रुपये विदेशी निवेशकों ने निकाले
- **365** IPO लॉन्च हुए एक साल में
- **106** IPO मेनबोर्ड पर लिस्ट हुए
- **259** IPO sme प्लैटफॉर्म पर आए
- **2** लाख करोड़ IPO से जुटाए
- **80.8** लाख करोड़ के हुए MF

सेंसेक्स सबसे नीचे: **71,425.01** अंक 7 अप्रैल को

सेंसेक्स सबसे ऊपर: **86,159.02** अंक 1 दिसंबर को

जनता जंक्शन — इरफान

हमने कैपिटलिज़्म की क्या क़ीमत चुकाई

मृत्युंजय राय

आज जब पारंपरिक पूंजीवाद (कैपिटलिजम) के खत्म होने के दावे किए जा रहे हैं। ग्रीस के अर्थशास्त्री, राजनेता और पूर्व वित्त मंत्री रहे यानिस वरौफाकिस जैसे एक्सपर्ट्स टेक्नोफ्यूडलिजम के दौर की बात कर रहे हैं, ऐसे में इसके इतिहास पर नजर डालना दिलचस्प होगा।

व्यापारियों का नेटवर्क । 'Capitalism: A Global History' में स्वेन बेकर्ट (Sven Beckert) रीडर्स को इसी रोमांचक यात्रा पर ले जाते हैं। वह लिखते हैं कि किस तरह कैपिटलिजम व्यापारियों के नेटवर्क से शुरू हुआ और समूची दुनिया में फैलता गया। इसे किस तरह से सत्ता का संरक्षण मिला। बंधुआ-जबरिया मजदूरी से कैसे इसका विस्तार हुआ। फिर किस तरह से औद्योगिक क्रांति ने इसकी रफ्तार कई गुना तेज कर दी।

पॉलिटिकल प्रोजेक्ट । स्वेन की किताब की अच्छी बात है कि यह कैपिटलिजम के अच्छे-खराब पहलुओं से वाकिफ कराती है। वह बताते हैं कि दुनिया में कई पॉजिटिव बदलाव को इसने जन्म दिया, लेकिन यह हिंसा और आर्थिक असमानता का जरिया भी बना। स्वेन पूंजीवाद की गलतफहमियों को भी दूर करते हैं। वह लिखते हैं कि इसमें नैचरल मार्केट की जो तस्वीर पेश की जाती है, वह किस तरह से झूठी है। स्वेन दावा करते हैं कि असल में कैपिटलिजम एक पॉलिटिकल प्रोजेक्ट रहा है, जिसने समूची दुनिया को बदला है।

व्यापारिक शहर । इस किताब में एक सदी की कहानी बयां की गई है। इसकी शुरुआत प्राचीन व्यापारिक समुदायों से होती है, जो काहिरा, मध्य एशिया और चीन के व्यापारिक शहरों में बसे हुए थे। फिर मध्ययुग ने इसमें जो भूमिका निभाई, उसका भी जिक्र है। किताब के आखिर में स्वेन ने 21वीं सदी के ग्लोबल ट्रेंड्स की बात की है और सप्लाई चेन में आ रही दिक्कतों का जिक्र किया है।

प्लांटेशन इकॉनमी । स्वेन लिखते हैं कि कैपिटलिजम का जन्म एक जगह नहीं हुआ। इसने दूरदराज के व्यापारिक केंद्रों, उपनिवेशों और प्लांटेशंस में अपना रूप गढ़ा। वह बताते हैं कि कैसे पूंजी के जाल ने इन सबको जोड़ा। शुरुआती मर्चेंट कैपिटलिजम और फाइनैंशल इनोवेशन के बारे में वह लिखते हैं कि किस तरह से बंधुआ-जबरिया मजदूरी की प्लांटेशन इकॉनमी (जैसे, कैरेबियाई द्वीप समूह के कई देशों, मॉरीशस, फिजी आदि) में भूमिका रही।

विचार विंडो

AI Image

कैपिटलिजम का स्वर्णयुग । साम्राज्यों के दौर ने कैपिटलिजम को किस तरह से प्रभावित किया। आज के पूंजीवाद को वह मैनेज्ड (प्रबंधित) बताते हैं। वह लिखते हैं कि आज हम कैपिटलिजम का स्वर्णयुग देख रहे हैं। उन्होंने पूंजीवाद के अलग-अलग चरणों को समझाने के लिए कई उदाहरण भी किताब में दिए हैं। इसमें कैरेबियाई देशों के उन द्वीपों के बारे में बताया गया है, जहां बड़े पैमाने पर गन्ने की खेती कर चीनी बनाई जाने लगी। इसमें अमेरिका के डेट्रॉयट (ऑटो इंडस्ट्री के लिए कभी मशहूर रहे) के फैक्ट्री फ्लोर्स का भी जिक्र है। दक्षिणपूर्व एशिया में आज जो गारमेंट बिजनेस चल रहा है, उसका उदाहरण भी मिलता है।

औद्योगिक क्रांति । स्वेन लिखते हैं कि मॉडर्न कैपिटलिजम की हमेशा सत्ता ने मदद की है, भले ही उसका रूप लोकतांत्रिक हो या निरंकुश। इस सिलसिले में वह प्रॉपर्टी राइट्स, निवेशकों के हितों की रक्षा और कभी-कभार श्रमिकों को दबाने के लिए सत्ता के इस्तेमाल का जिक्र करते हैं। वह लिखते हैं कि गुलामों, उपनिवेशों का इस्तेमाल और स्थानीय लोगों को हटाकर उनकी जमीन हथियाकर पूंजी इकट्ठा की गई, जिससे औद्योगिक क्रांति का रास्ता बना।

आलोचकों की राय । इस किताब के केंद्र में यह बात है कि कैपिटलिजम शुरू से ही सत्ता केंद्रित प्रॉजेक्ट रहा। यह दमन का जरिया बना और इसने समाज में आर्थिक असमानता बढ़ाई। इस किताब के आलोचकों का कहना है कि स्वेन ने कैपिटलिजम की ग्रोथ, इनोवेशन और लिविंग स्टैंडर्ड में सुधार जैसे पहलुओं पर बहुत जोर नहीं दिया है। उनका ध्यान इसकी खामियों पर ही रहा है। फिर भी, यह किताब इस विषय और इसकी लंबी यात्रा को समझने के लिए काफी काम की हो सकती है। उनका ध्यान इसकी खामियों पर ही रहा है। फिर भी, यह किताब इस विषय और इसकी लंबी यात्रा को समझने के लिए काफी काम की हो सकती है।

THE SPEAKING TREE

और पढ़ने के लिए देखें www.speakingtree.nbt.in

'थोड़ा और' के लालच से शुरू होता है पतन

संजय तेवतिया

मानव जीवन में सद्गुण और अवगुण - दोनों साथ-साथ चलते हैं। यह पूरी तरह हमारे ऊपर निर्भर करता है कि हम किस दिशा में आगे बढ़ते हैं। इन्हीं अवगुणों में से एक है लालच, जो मनुष्य को धीरे-धीरे भीतर से खोखला करता चला जाता है।

लालच आरंभ में छोटा और साधारण लगता है, लेकिन समय के साथ यह गहरा और व्यापक होकर व्यक्ति के चरित्र, विचार और कर्म पर पूरी तरह हावी हो जाता है। इसकी सबसे खतरनाक विशेषता है कि यह कभी तृप्त नहीं होता। जैसे आग में घी डालने से वह और भड़कती है, वैसे ही मनुष्य जितना लोभ को पोषित करता है, वह उतना ही बढ़ता जाता है। व्यक्ति सोचता है- 'थोड़ा और मिल जाए, तो संतोष हो जाएगा', लेकिन यह 'थोड़ा और' जीवनभर पीछा नहीं छोड़ता। यहीं से पतन की शुरुआत होती है।

लोभ केवल धन या भौतिक वस्तुओं तक सीमित नहीं है। यह मान-सम्मान, शक्ति, पद, प्रशंसा और इच्छाओं के अनेक रूपों में प्रकट होता है। आध्यात्मिक दृष्टि से लालच वह अवस्था है, जहां मनुष्य अपने पास जो है, उसमें संतोष नहीं पाता और बाहरी वस्तुओं में सुख खोजने लगता है। जबकि सच्चा आनंद वस्तुओं में नहीं, बल्कि मन की शांति और संतोष में निहित है। जब मनुष्य यह सत्य भूल जाता है, तब लालसा उसका विवेक ढकने लगती है।

लालच का एक और रूप है - भय। जितना अधिक मनुष्य पाता है, उतना ही खोने का डर उसे सताने लगता है। यह भय उसकी शांति, सहजता और संतुलन छीन लेता है।

[illegible]

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 05-01-2026 Zone: Mahanagar Edition: 1 Page: NBTMAH09 User: cci Time: 01-04-2026 22:59 Color:

विचार

मुस्कान सिर्फ चेहरे पर नहीं होती, वह आत्मा की गहराई और इंसान की भलमनसाहत को दर्शाती है। सच्ची मुस्कान दिल से निकलती है और दिलों को जोड़ती है।

– मदर टेरेसा

कविता

गुंजाइश

AI Image

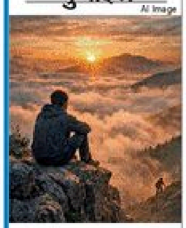

किसी से मनमुटाव उतना ही करें।।
ताकि सुलह की गुंजाइश बनी रहे।।
हार कर भी मनोबल बनाये रखें।
ताकि जीत की गुंजाइश बनी रहे।।
ठूस-ठूस कर बस इतना ही खाओ।
ताकि नींद की गुंजाइश बनी रहे।।
किसी के घर बार-बार मत जाइए।
ताकि प्रेम की गुंजाइश बनी रहे।।
अति बहुत बुरा है, अतिवाद से बचें।
ताकि सरल की गुंजाइश बनी रहे।।
दोहन धरती का इतना ही करिए।
ताकि सांस की गुंजाइश बनी रहे।।

-संजय राजभर, NBT रीडर

पॉजिटिव सोच के साथ आपने भी कोई कविता लिखी है, तो हमें ईमेल nbtreader@timesofindia.com पर भेजें। जिसे मिल सकता है अगले अंक में छपने का मौका।

उम्मीद का फैक्ट

दुनिया में नंबर-1 भारत का UPI

AI Image

भारत का यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (UPI) अब सिर्फ देश की नहीं, बल्कि पूरी दुनिया की सबसे बड़ा रियल-टाइम पेमेंट सिस्टम बन चुका है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) ने इसे लेनदेन के मामले में नंबर-1 माना है।

- आईएमएफ की हालिया रिपोर्ट के मुताबिक, यूपीआई लेनदेन की संख्या के आधार पर दुनिया का सबसे बड़ा रियल-टाइम पेमेंट सिस्टम है।
- एसीआई वर्ल्डवाइड रिपोर्ट के अनुसार, वैश्विक रियल-टाइम पेमेंट में यूपीआई की हिस्सेदारी 49% है।
- एक साल में यूपीआई से 12,930 करोड़ ट्रांजैक्शन हुए, जो किसी भी देश की डिजिटल पेमेंट सिस्टम से सबसे ज्यादा है।
- ब्राजील 37.4 अरब लेनदेन के साथ दूसरे, थाईलैंड 20.4 अरब के साथ तीसरे और चीन 17.2 अरब लेनदेन के साथ चौथे नंबर पर है।
- सरकार, आरबीआई और एनपीसीआई मिलकर भीम-यूपीआई इंसेंटिव योजना, क्यूआर कोड और पीओएस मशीनों के जरिए डिजिटल भुगतान को लगातार मजबूत कर रहे हैं।

[आईएमएफ की रिपोर्ट]

कभी पानी से निकाला RDX, कभी साउथ सूडान में बचाई जानें, अब 30 साल से सेहत सुधारने की सेवा में लगे हैं स्कूबा डाइविंग सर्जन

लंदन की चमक छोड़ आदिवासी इलाकों में इलाज का मिशन छेड़ा

Sandip.Dighe@timesofindia.com

■ **मुंबई:** डॉ. विश्वास सपाटनेकर पिछले तीन दशकों से पालघर और ठाणे जिले के गरीब और जनजातीय इलाकों के लोगों के लिए सिर्फ डॉक्टर नहीं, बल्कि भरोसे का प्रतीक बन चुके हैं। 78 साल की उम्र में, जब ज्यादातर लोग आराम की जिंदगी चुनते हैं, डॉ. सपाटनेकर आज भी उसी लगन और सादगी के साथ सेवा में जुटे हैं। वह सर्जन, समाजसेवी, स्कूबा डाइवर, शिक्षक और इंसानियत के लिए काम करने वाले वॉलंटियर हैं।

आर्म्ड फोर्सेज मेडिकल कॉलेज से पढ़ाई पूरी करने के बाद डॉ. सपाटनेकर ने लंदन में मेडिकल प्रैक्टिस की। 1982 में भारत लौटकर ठाणे में अस्पताल शुरू किया, जो आगे चलकर हजारों जरूरतमंदों के इलाज का सहारा बन गया। 1993 में उनकी स्कूबा डाइविंग की ट्रेनिंग ठाणे क्रीक में आतंकियों द्वारा फेंके गए RDX को निकालने के बेहद खतरनाक ऑपरेशन में काम आई। उन्होंने सुरक्षा एजेंसियों की मदद के लिए स्वेच्छा से कदम बढ़ाया। उनके जुड़ने के बाद और डाइवर भी आए और क्रीक से बड़ी मात्रा में RDX सुरक्षित बाहर निकाला गया।

40 साल से डॉ. सपाटनेकर पंढरपुर वारी के दौरान भी सेवा देते आ रहे हैं। पैदल चलने वाले हजारों लोगों को वह और उनकी टीम मेडिकल मदद पहुंचाते हैं। उनके लिए यह भगवान विट्ठल की सेवा जैसा अनुभव है।

इंसानियत के वॉलंटियर: महाराष्ट्र पालघर और ठाणे के जनजातीय इलाकों में मरीजों का इलाज करते डॉ. विश्वास सपाटनेकर

कभी दवाइयों से डरते थे जनजातीय लोग

ठाणे और पालघर के जनजातीय इलाकों में उनका काम उनकी सबसे बड़ी पहचान बन गया है। जनजातीय लोग दवाइयों से डरते थे। सबसे पहले लोगों को समझाना, जागरूक करना और भरोसा जीतना पड़ा। धीरे-धीरे यह भरोसा मजबूत हुआ। कई बार खुले आसमान के नीचे, पत्थरों पर बैठकर मरीजों का इलाज किया। पालघर के देवबंद गांव में पेड़ों से सलाइन की बोतलें लटकाकर इलाज किया जाता था। आज वही गांव एक छोटे क्लिनिक का घर बन गया है।

विदेश जाकर भी गरीब लोगों का किया इलाज

डॉ. सपाटनेकर ने 2014 से 2016 के बीच दो बार साउथ सूडान में डॉक्टर्स विदाउट बॉर्डर्स के साथ छह-छह महीने काम किया। हिंसा और अस्थिरता के माहौल में उन्होंने दुनिया के सबसे गरीब मरीजों का इलाज किया। एक बार काम से लौटते समय उनकी गाड़ी को एक विद्रोही गुट ने रोक लिया और भारी फिरौती मांगी। कुछ घंटों बाद डॉ. सपाटनेकर ने उस गुट के मुखिया से अपनी पहचान बताई और समझाया कि वह उसी देश के गरीब लोगों की सेवा कर रहे हैं। इसके बाद उन्हें जाने दिया गया।

खुशहाली की खेती | हरियाणा, पंजाब, राजस्थान के किसानों ने झींगा पालन से बदली किस्मत

बंजर मिट्टी में खेती की नई बुनियाद, झींगा पालन से किसान हुए आबाद

Srikanta.Tripathy@timesofindia.com

■ समुद्र से सैकड़ों किलोमीटर दूर बसे हरियाणा, राजस्थान और पंजाब के गांवों में आज झींगा पालन किसानों की आमदनी की नई कहानी लिख रहा है। जिन खारी और बंजर जमीनों पर कभी गेहूं-बाजरा उगाना मुश्किल था, वहीं अब झींगा तालाब बनाकर किसान लाखों रुपये कमा रहे हैं।

इस बदलाव की शुरुआत 2009 में हरियाणा के रोहतक जिले के लाहली गांव से हुई। वैज्ञानिकों ने खारे पानी में समुद्री झींगे पालने का प्रयोग किया और नतीजे उम्मीद से बेहतर निकले। इसके बाद किसानों को ट्रेनिंग दी गई। आज रोहतक, झज्जर, हिसार, सिरसा और सोनीपत जैसे जिलों में झींगा तालाबों के क्लस्टर बन चुके हैं।

हरियाणा की सफलता देखकर राजस्थान भी पीछे नहीं रहा। चूरू जिले के इंद्रसर गांव से शुरू हुई झींगा खेती ने देखते-देखते राजगढ़, तारानगर, सरदारशहर, रतनगढ़ और सालासर तक पैर पसार लिए। किसान रविकांत मैया बताते हैं कि पहले एक हेक्टेयर बाजरे से ₹50 हजार मिलते थे, अब झींगे से करीब 12 लाख रुपये की कमाई हो जाती है। श्रीगंगानगर जैसे नहर वाले इलाकों में भी किसान गेहूं और सरसों छोड़कर झींगे की ओर मुड़ रहे हैं।

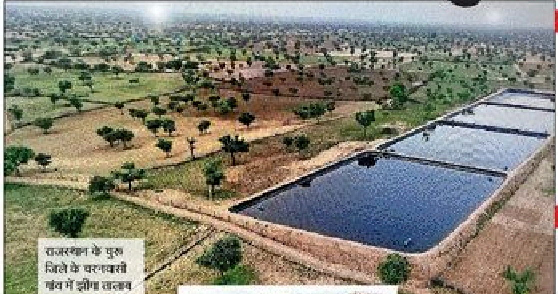

राजस्थान के चुरू जिले के चरनवासी गांव में झींगा तालाब

क्यों पसंद आ रहा है झींगा पालन

झींगा पालन का हिसाब सीधा है। चार महीने में एक एकड़ से 3 से 3.5 टन उत्पादन हो जाता है। खर्च निकालने के बाद करीब 8 लाख रुपये तक मुनाफा बचता है, जबकि बाजरा जैसी फसलों से 30-40 हजार रुपये ही मिलते हैं। हालांकि शुरुआत में 10-12 लाख रुपये का खर्च आता है। सरकार सब्सिडी देती है, लेकिन देरी के कारण ज्यादातर किसान अपने दम पर ही शुरुआत करते हैं।

राजस्थान के श्रीगंगानगर में बना एक झींगा फार्म

पंजाब भी दौड़ में

पंजाब में झींगा पालन की शुरुआत 2016 में हुई। मलोट, फाजिल्का, मुक्तसर, फरीदकोट, बठिंडा और मनसा जैसे जिलों में इसका विस्तार हुआ। आज पंजाब करीब 2,400 टन झींगा उत्पादन कर रहा है। मत्स्य विभाग के अधिकारियों का कहना है कि खारी जमीन का बड़ा इलाका अभी और इस्तेमाल किया जा सकता है।

चुनौतियां भी कम नहीं

बीमारियों का खतरा, महंगी बिजली और बाजार के उतार-चढ़ाव किसान के लिए चिंता बने हुए हैं। इस साल हरियाणा और पंजाब में बीमारी से कई तालाब प्रभावित हुए। राजस्थान में बिजली दरें ज्यादा हैं और झींगा खेती को कृषि के बजाय व्यावसायिक गतिविधि माना जाता है।

आगे की राह

जानकारों का कहना है कि अगर स्थानीय जांच लैब, फीड मिल और सस्ती बिजली की व्यवस्था हो जाए, तो उत्तर भारत झींगा उत्पादन का बड़ा केंद्र बन सकता है। समुद्र से दूर बैठकर झींगा उगाने की यह कहानी अब पूरे उत्तर भारत में नए सपने बो रही है।

मुआवजा दिलाने में करते हैं मदद

हादसा पीड़ितों के ज़ख्मों पर मदद का मलहम

क्या है PMPML हादसा?

- PMPML हादसा वह दुर्घटना होती है, जिसमें PMPML की बस शामिल हो।
- PMPML का पूरा नाम है पुणे महानगर परिवहन महामंडल लिमिटेड।

Joy.Sengupta@timesofindia.com

■ **पुणे:** नाना पेठ इलाके में रहने वाले 77 वर्षीय नीलकंठ माधरे हर दिन अखबार पढ़ते हैं, लेकिन उनके लिए अखबार सिर्फ खबर जानने का जरिया नहीं है। वह खास तौर पर PMPML बसों से जुड़े हादसों की खबरें ढूंढते हैं। जैसे ही किसी दुर्घटना की जानकारी मिलती है, वह सीधे पुलिस थाने पहुंचते हैं, रिपोर्ट देखते हैं और पीड़ितों का पता निकालते हैं। इसके बाद वह खुद पीड़ित या उनके परिवार से मिलते हैं और मुआवजे की पूरी प्रक्रिया आसान भाषा में समझाते हैं। माधरे कहते हैं कि ज्यादातर लोगों को यह पता ही नहीं होता कि PMPML बस हादसे में घायल या मृतक के परिवार को मुआवजा मिलता है। जानकारी न होने की वजह से लोग या तो इलाज का भारी खर्च खुद उठाते हैं या फिर महंगे वकीलों के चक्कर में फंस जाते हैं।

नियमों के मुताबिक, PMPML बस हादसे में घायल व्यक्ति के इलाज के लिए अधिकतम 50 हजार रुपये का मुआवजा दिया जाता है। यह राशि सीधे अस्पताल को दी जाती है। अगर इलाज का खर्च इससे ज्यादा हो, तो बाकी रकम पीड़ित को खुद देनी पड़ती है। हादसे में मौत होने पर मृतक के परिवार को PMPML की ओर से 2 लाख रुपये का मुआवजा मिलता है।

माधरे बताते हैं कि वह वर्षों तक सार्वजनिक बसों में सफर करते रहे, जिससे उन्हें इस व्यवस्था की जानकारी मिली। उन्होंने इसी जानकारी को सेवा का रूप दे दिया।

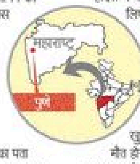

PTI

पोंगल का जश्न, लोक कला के रंगों में सराबोर

चेन्नै में पोंगल के त्योहार का जश्न कुछ इस अंदाज में दिखा जैसे शहर ने अपनी सांस्कृतिक धरोहर को जीता-जागता बना रखा हो। 'वीथी विरुंधु विझा' के मंच पर पारंपरिक नृत्य करते कलाकार के लंबे बाल, चेहरे की चमक और ढेर सारे रंगों का ये जोश पोंगल के त्योहार पर खुशी की एक नई कहानी सुना रहा है।

धरती पर ले आए हैं सितारों की महफिल

नींद कुर्बान, लाखों खर्च... आकाश को कैमरे में कैद करने का जुनून

Virsen.Savant@timesofindia.com

■ **हैदराबाद:** अंतरिक्ष या आकाश में रुचि रखने वाले लोग हबल या जेम्स वेब टेलीस्कोप की हाई-रिजॉल्यूशन तस्वीरें इंटरनेट पर बस एक क्लिक में देख लेते हैं। लेकिन हैदराबाद के एस्ट्रोफोटोग्राफरों का समूह इस पैशन को जमीनी स्तर पर जीता है। ये 'एस्ट्रो गीक्स' खुशी-खुशी नींद कुर्बान करते हैं, शहरों की तेज रोशनी से जूझते हैं और लाखों-करोड़ों रुपये खर्च करते हैं, ताकि करोड़ों प्रकाश वर्ष दूर मौजूद आकाशगंगाओं की तस्वीरें कैद कर सकें।

एस्ट्रोफोटोग्राफी महंगे शौकों में से एक है। एक बेसिक 'स्मार्ट रिग'– टेलीस्कोप, कैमरा, ट्रैकर, ट्राइपॉड और सटीक उपकरण– की कीमत 6–7 लाख रुपये से शुरू होती है। डीप-स्काई इमेजिंग में यह खर्च 50 लाख रुपये तक जा सकता है। अधिकांश उपकरण अमेरिका, ब्रिटेन या चीन से आते हैं, भारी कस्टम ड्यूटी लगती है। आईटी कंपनी के सीटीओ दरेश परवेज मिस्त्री अब तक लगभग 30 लाख रुपये सात टेलीस्कोप और उपकरणों पर खर्च कर चुके हैं।

सितारों की तस्वीरें खींचना धैर्य की असली परीक्षा है। डीप स्काई ऑब्जेक्ट्स की शूटिंग से पहले घंटों का सेटअप करना पड़ता है। एक तस्वीर को साफ बनाने के लिए कई रातों में 30 घंटे या उससे ज्यादा का एक्सपोजर लिया जाता है। पोस्ट-प्रोडक्शन में कई तस्वीरों को 'स्टैक' कर नॉइज कम किया जाता है और डिटेल उभारी जाती है।

इतना खर्च और मेहनत होने के बावजूद वजह बेहद निजी है। यह अनंत ब्रह्मांड से जुड़ने का एहसास है। सतीश व सैयद जैसे शौकीन बताते हैं कि असली 'रिटर्न ऑन इन्वेस्टमेंट' पैसा नहीं, बल्कि वह पल है, जब किसी दूर की आकाशगंगा की प्राचीन रोशनी उनके सेंसर पर पहली बार गिरती है। यही खुशी उन्हें हर चुनौती झेलने की प्रेरणा देती है।

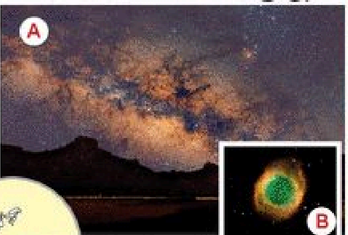

A. मिल्की वे का नजारा, फोटो: उपेंद्र पिनेली। B. 650 प्रकाश वर्ष दूर हेलिक्स नेबुला, फोटो: सैयद विलायत हुसैन। C. एस्ट्रोफोटोग्राफर सुमन रेड्डी

रोशनी और सैटलाइट से जंग

प्रदूषण अक्सर साथ नहीं देता। हैदराबाद जैसे शहर में, जो बॉर्टल स्केल पर करीब 9 (सबसे ज्यादा लाइट पल्यूशन) पर आता है, तस्वीरें फीकी पड़ जाती हैं। इससे बचने के लिए महंगे फिल्टर (एक लाख रुपये तक) लेने पड़ते हैं या सैकड़ों किलोमीटर दूर 'डार्क स्काई' वाली जगहों पर जाना पड़ता है।

मेरी नजर एक शानदार तस्वीर पर पड़ी। मुझे लगा यह हबल टेलीस्कोप से ली गई है, लेकिन पता चला किसी ने इसे घर के पीछे से क्लिक किया। यहीं से एस्ट्रोनॉमी जुनून बन गई। *-सतीश पेन्नला*

एस्ट्रोनॉमी शुरू करने वालों को सलाह है कि दूरबीन, फोन या बेसिक DSLR से शुरू करें और मेहनत करें। AI या टेलीस्कोप की तस्वीरों से उम्मीद करना निराशा लाता है। *-सैयद विलायत हुसैन*

लंबी बीमारी से भी नहीं डिगे हौसले

70 साल के MLA का साइकल से 700 km का सफर

Hamsaveni.N@timesofindia.com

■ **बेंगलुरु:** अगर इरादा मजबूत हो तो उम्र और गंभीर बीमारी भी रास्ता नहीं रोक सकती। इस बात को 70 साल की उम्र में राजाजीनगर के विधायक सुरेश कुमार ने सच कर दिखाया है। उन्होंने बेंगलुरु से कन्याकुमारी तक 702 किलोमीटर की लंबी साइकल यात्रा सिर्फ पांच दिनों में पूरी की। कुछ महीने पहले सुरेश कुमार एक दुर्लभ न्यूरोलॉजिकल बीमारी चिकनगुनिया एन्सेफैलोपैथी (CE) से पीड़ित थे। यह बीमारी इतनी गंभीर थी कि वह बिस्तर पर पड़ गए और उंगलियां तक हिला नहीं पा रहे थे। लंबे इलाज और रिकवरी के बाद उन्होंने दोबारा साइकल चलाना शुरू किया। उनके लिए यह यात्रा सिर्फ एक लंबी दूरी की साइकलिंग नहीं, बल्कि जीवन में वापसी का प्रतीक थी।

सुरेश कुमार 12 साइकल चालकों के ग्रुप का हिस्सा थे। इस समूह ने 'राजाजीनगर पेडल पावर' के बैनर तले यह यात्रा पूरी की। सफर की शुरुआत 23 दिसंबर को सुबह 4 बजे बेंगलुरु से हुई। पहले दिन टीम ने 157 किलोमीटर, दूसरे दिन 159 किलोमीटर, तीसरे दिन 155 किलोमीटर, चौथे दिन 156 किलोमीटर और पांचवें दिन अंतिम 73 किलोमीटर का सफर तय किया। कुल मिलाकर टीम ने करीब 37 घंटे साइकल चलाई और कन्याकुमारी पहुंची।

जर्नी से आत्मविश्वास भी बढ़ा

उन्होंने कहा कि दोबारा साइकल चलाने से उन्हें शारीरिक ताकत और आत्मविश्वास दोनों मिले। उनके साथ साइकिल चलाने वाले प्रशांत सदाशिव पाटिल ने बताया कि सुरेश कुमार पूरे सफर में सभी को प्रेरित करते रहे और टीमवर्क की अहमियत भी समझाई। यह यात्रा फिटनेस, रिकवरी और स्वस्थ जीवन का मजबूत संदेश देती है।

'बचपन से ही साइकलिंग रही जिंदगी का हिस्सा'

सुरेश कुमार ने बताया कि बचपन से ही साइकलिंग उनकी जिंदगी का हिस्सा रही है। वकालत के शुरुआती दिनों में भी वह साइकल से हाई कोर्ट जाया करते थे। राजनीति में आने के बाद कुछ समय का ब्रेक जरूर लगा, लेकिन अब उन्होंने नए जोश के साथ साइकलिंग को फिर अपनाया है। विधायक सुरेश कुमार की कहानी दिखाती है कि उम्र और बीमारी हौसले के सामने टिक नहीं पाती।

माइलस्टोन और मैसेज

सुरेश कुमार को फिर साइकलिंग शुरू करने की प्रेरणा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिली। उन्होंने हर विधानसभा क्षेत्र में साइकलिंग को बढ़ावा देने की बात कही थी। इसके बाद से सुरेश कुमार अपने क्षेत्र में साइकिलिंग का ट्रेंड बढ़ा रहे हैं। वह अक्सर स्थानीय लोगों के साथ साइकल चलाते हैं और सामुदायिक भागीदारी के जरिए फिटनेस को बढ़ावा देते हैं।

साइकिलिंग से शारीरिक रूप से स्वस्थ होने और आत्मविश्वास पाने में मदद मिली है। बेंगलुरु से कन्याकुमारी तक की साइकल यात्रा जीवन का एक बड़ा माइलस्टोन और स्वस्थ जीवन का मजबूत मैसेज है। *-सुरेश कुमार, MLA*

NOTE : -

[: राजस्थान पत्रिका , दैनिक जागरण delhi, नवभारत टाइम्स delhi, अमर उजाला delhi, हिन्दुस्तान delhi, Pioneer hindi delhi, जनसत्ता delhi,]

English NEWSPAPERS
[Times Of India delhi, Indian Express delhi, The Hindu delhi, Financial Express delhi, economic times delhi , the Pioneer english delhi , the tribune delhi] ETC.

We are providing all news paper pdf hindi and English want to read daily newspapers by pdf please msg me on telegram

2. आकाशवाणी (AUDIO)

whatsapp Group ka link pane ke liye Newspaper_pdf_bot par jaye.

Click here to contact:-https://t.me/Newspaper_pdf_bot
Or type in Search box of Telegram
@Newspaper_pdf_bot And you will find a channel
BACKUP GROUP LINK
https://t.me/joinchat/5P9EL1JaqoYzNTI1

Hindi-English News Paper
Website:- onlineftp.in